

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 20] No. 20]

न इं विस्लो, शतिबार, मई 18, 1985 (वैशाख 28, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, MAY 18, 1985 (VAISAKHA 28, 1907)

इस भाग में भिन्न वष्ठ संख्या दी जाती है विश्वले कि यह अलब संकलन के सब में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it way he filled as a separate compilation)

#### नाव 111--खब्ध 1

ु[PART III—SECTION 1] उच्च न्यायाल में, नियम्ब्रक और पहरलेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आगोग, रेप विद्याग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा आरी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मार्च 1985

सं० ए० 32013/3/84 प्रणा०-II--इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-11-84 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतव् बारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में श्री एम० एम० शर्मा, अधीक्षक (त० सं०) को 11-3-85 से 31-10-85 तक अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आवेश तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक त० सं० "ग्रूप क" ४० 700-40-900-द्यं रो०-1100-50-1300मे के पद पर तदर्थ आधार पर मियुक्त करते हैं।

2. सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर श्री एम० एम० गर्मा की नियक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है ग्रीर इससे उन्हें नियमित नियक्ति अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता को को इहिक महीं मिलेगा।

#### दिनांक 1 अप्रैल 1985

सं० ए० 38013/8/84--प्रशा०-III---कार्मिक श्रीर प्रशा-सनिक स्धार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73 स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की मतौँ के अनुसार राष्ट्र-1-66GI/85

पति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन डेस्क अधिकारी श्री एस० के० अरोड़ा को 31 मार्च, 1985 के अपराह्म से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

#### दिनांक 8 अप्रैल 1985

सं ए 12034/2/83- प्रशा -II (ii) -- इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 12034/2/83- प्रशा०-JI (i) दिनांक 29-10-84 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्द्वारा कनिष्ठ अनुसधान अधिकारी (भाषा) श्री बी० आर० मणि को 13-4-85 से 12-10-85 सक छ: महीने की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्याक्षय में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर श्री बी० आर० मणि की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है तथा इससे उन्हें वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद में वरिष्ठसा का अथवा नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं मिलेगा।

(16899)

#### दिनाक 11 अप्रैल 1985

स० ए० 12022/1/85-प्रशा०-II--राजभाषा विभाग के का० ता० सं० 5/7/85--रा० भा० (स०) दिनाक 1-3-1985 के अनुसरण में श्ली गोगेन्द्र नाथ गुष्त को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में ११-3-85 के अपराह्म से आगामी आदेशों तक उप निदशक (राजभाषा) (के० स० रा० भा०-गुप के वेनतमान ६० 1100-1600) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एम० पी० जैन, अवर सचिव (प्रशा०) सघ लोक तेवः अयोग

#### के नदीय सतर्कता आयोग

## नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1985

सं० 40 पी० आर० एस०-12-केन्द्रीय सतर्कता आयोग में, मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति पदावधि समाप्त होने पर श्री आनन्द चिन्तामण पंचधारी (केन्द्रीय इंजीनियरी मेवा) को 2 अप्रैल, 1985 (अपराह्म) मे कार्यभार मे मुक्त किया जाता है श्रौर 2-4-1985 (अपराह्म) से उनकी मेवाएं आयाम श्रौर निर्माण महालय को सौपी जाती है।

#### दिनांक 23 अप्रैल 1985

सं० 2/13/84-प्रशासन—महानिदेशक निर्माण, भेन्द्रीय निर्माण विभाग द्वारा उनका स्वैन्छिक निवृत्ति नोटिस की अन्वर्ती स्वीकृति होने पर श्री रिव कुमार भल्ला, सहायक तकनीकी परीक्षक (उद्यान) को 22 अप्रैल, 1985 अपराह्म से इस आयोग में उनके कार्यभार से मक्त किया जाता है।

कृष्ण लान मल्होत्रा, अवर मचित्र (प्रशासन)

# कार्मिक और प्रशिक्षण प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेशन मन्नालय (कार्मिक श्रौर प्रशिक्षण विभाग) नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

सं० 5/1/85- प्रशा०-5-राष्ट्रपति ने श्री एस० सेन, पुलिस अधीक्षक को दिनांक 24 अप्रैल, 1985 के अपराह्म से अगले आदश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बिशेष पुलिस स्थापना में, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 5/1/85-प्रमा०-5--राष्ट्रपति ने श्री के० माधवन, पुलिस अधीक्षक को दिनांक 24 अप्रैल, 1985 के अपराह्म से अगले आरेग होने तक कैन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

के० चऋवर्षी उप-निदेशक (प्रणा०) केन्द्रीय अन्त्रेण ब्यूरो

#### गृहम तालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनाक 26 अप्रैल 1985

सं० प्रो० दो 1911/94-स्थानना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्ब पृलिस तल, डाक्टर लक्ष्मण राव को 5 अप्रैल 1985 पृब्बाल्ल से कवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनसे जो भी पहले हो उस नारीख तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस वल में क्विष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहुष नियुक्त किया है।

# दिशाह 27 अप्रैल 1985

सं० श्रो० दो 1301/76-स्थापना-श्री हरी भिह ने सरकारी नेवा के निवृत्त होने के फलस्वरूप पुलिस उप-अधीकक 52 वाहिनी, के िए पु० वल के पद का कार्यभार दिनांक 31-3-1985 (अनराह्न) को त्याग दिया।

#### दिनाक 29 अप्रैल 1985

म० घ्रो० दो 2007/85-स्यापना-महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, डाक्टर (मिसेज) रानी सी० टी० एम० को 27 फरवरी 1985 से 22 मार्च 1985 अपराह्म तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में फनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर, तदर्थ रूप से सहवं नियुक्त किया है।

> एम ० अशोक राज सहायक निदेशक (स्थापना)

#### महानिदेशालय

# केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० ई०-16013(2)/15/82-कार्मिक-1-केन्द्रीय प्रति-नियुक्ति की अवधि पूर्ण करने पर अपने राज्य संवर्ण को प्रत्यावर्तन होने के फनस्वरूप, श्री अजीत सक्सेना, भा० पु० से० (राजस्थान-73) ने 22 अप्रैंच 1985 के अपराह्म से महायक महानिरीक्षक (कार्मिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

### दिनाक 26 अप्रैल 1985

सं० ६०-32015 (3) /17/84-कार्मिक-1—राष्ट्रपति श्री अजीत मिह को 9 अप्रैल, 1985 के अनराह्म से 27-8-85 तक की अवधि के लिए या उम्म नमय नक नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर तथा अस्थाई रूप से के० ग्रां० यु० ब० यूनिट, श्रो० टी० पी० पी०, श्रोबरा मे कमाडेट के रूप में नियुक्त करते हैं।

> ह०/ अपठनोय महानिदेश ग/भ**भौसुध**

#### वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग विस्तिय वर्ष में परिकर्तन तमितिः नई दिल्ली, क्लाब 30 वर्षक 1985

स० मी० सी० एफ० वाई०-2(7)-ए०/84--विसीय वर्ष मे परिवर्तम समिति का कार्यकाल समाप्त होने जाने पर

श्री एन० एम० यजमुदार, भारतीय प्रशासन नेवा (उ० प्र० : 57) 30 अप्रैल, 1985 के अपराह्म ने इस समिति में सयुक्त सचिव के पद के कार्यभार से मुक्त हो गए हैं।

> जे० पी० मिश्र, प्रणासन तथा लेखा अधिकारी

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नर्ष दिल्ली-110002. दिनाङ 24 श्रप्रैल 1985

स० प्रशासन 1 वा० आ० सख्या 105---हर वार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा श्रीक्षांतारी श्री निर्भव वेद विदा वार्धक्य आयु प्राप्त र रने के परिणामस्वरूप 30 श्रप्रैल 1985 अपराह्म को भारत भरकार की लेवा से सेवा निवृत्त हो जायेगे। उनकी जन्म तिथि 23 श्रप्रैल 1927 है।

स० प्रकासन 1 का० श्रा० सख्या 106--2; ायलिय के एक स्याई लेखा परीक्षा श्राध ारी श्री बी० मी० दाय नार्धक्य श्रायु प्राप्त जरने के परिणामस्वरूप 30 श्रप्रैल 1985 श्रपराह्म को भारत अरशर की सेवा से सेवा िवृत्त हा जायेगे। उनकी जन्म तिथि 6 श्रप्रैल 1927 है।

#### दिनाक 27 अप्रैल 1985

स० प्रणासन-1/का० आ० मख्या 110--श्री मान निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व इस आर्यालय के निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग श्रीधकारियो श्रव रहायण लेखा परीक्षा श्रीधकारी को 22-4-85 श्रपणह्न से श्रमले श्रीदेश तक 840--1200 ए० के वेतनक्षम में स्थानापक्ष लेखा परीक्षा श्रीधनारी नियुष्त करते हैं।

ऋम	नाम	
स०		

- 1. श्रीडी० के० जीशी
- 2. श्री भार० एम० गौतम

मोहना खुराना, उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम म०प्र० ग्वालियर, दिनाक 22 श्रप्रैल 1985

सं० प्रशासन II/समूह → 1/पदोशिति/ले० प० भ्र०/25/45 — महालेखावार (लेबापरीक्षा) प्रथम ने निम्निलिखित सहायक लेखा परीक्षा श्रिधः। रो को स्थानापन्न ले० प० ग्र० के पद पर वेतनमान रु० 840 - 40 - 1000 द० ग्र० - 40 - 1200 में उनके नाम के ग्रागे दशीए गए दिनाः से कार्यभार ग्रहण

करने	की	दिना न	स	श्रागामी	श्रादेश	नक	पदोस्नन	किया
हैं।								

नाम स्वाई कमः ह । हार्यभार प्रश्न श्रावटन स्पने मंदि०

श्रीजी०पी०श्रप्रने, र 01/312 8-4-85 म० ले० (ले० पूर्वीह्म प०) द्वितीय म०प्र०

(प्राधिकार/म अलेका घर (लेकाधरीक्षा) प्रथम के आदेश दिनांक 1-10-1985)

> ह० अगठनीय उपमहालेखायार (प्रशासन)

महालेबाकार कार्यानय (लेख ग्रौर हर्नदारी)-Іमहाराष्ट्र ब बई, दिनाट 29 ग्रागैन 1985

स० प्रशासिना/तामान्य/31-वण्डाПा/नसी-ान(1)/15--महालेबाहार-1 (लेबा और हादारी) महाराष्ट्र बस्बई श्रवीनम्थ लेबा सेवा के निम्नलिखिन सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निदिष्ट किए गए दिनाक से श्रागामी श्रादेश तक स्थानापन्न रूप से लेबा श्रविकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक नाम	दिना क
1 श्री एन० टी० गनोरकर    .	8-4-1985
<ol> <li>श्रीमती एद० वी० जावडेगर</li> </ol>	(पूर्याह्न) 8-41985
	(पूर्वीह्न)

एस० विश्वताथन, वरिष्ठ उप महालेखाका*र*/प्रशासन

#### श्रम भन्नालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-22, दिनाक 26 म्रप्रैल 1985

मं० 33/4/84-प्यापना -विसागाध्यक्ष कारत्याना पताह मेवा और श्रम कितार पावर्ष ने श्रा ए १० पी० सट्टाचार्य का पहाप अनुगान प्रिवितारों के पदपर इस महानिदेशालय क प्रजीनस्य कार्याच्य क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र अकता मे दिनाह 10 -4-1985 (पूर्वीह्न) से स्थानापण एउ देनियुक्त किया है।

> एस० वी० हेग्डेपाटिल, उप महानिदेशक और विभागाध्यक्ष

# वाणिज्य मंत्रालय

# वस्त्र विभाग हथकरमा विकास भ्रायुक्त का कार्यालय

# नई दिल्ली, दिनांच 16 श्रप्रैल 1985

सं० ए०-12025(III)/3/83--प्रशासनIII---राष्ट्रपति, श्री भवन सिंह पाल को 29 दिसम्बर, 1984 से श्रागामी शादेगों तक के लिए बुनभर सेवा केन्द्र अलकत्ता में सहायक निदेशक ग्रेड- (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०--32015(1)/84--प्रणासन-III----राष्ट्रपति, श्री वी० के० व्यास मा 17 श्रक्तूबर 1984 से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए भुनकर सेवा केन्द्र बम्बई में सहायक निवेशक ग्रेड--II (। तकनीकी) के पद पर नियुक्त बुग्ते हैं।

वी० के० श्रग्निहोती, श्रपर विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

## वाणिज्य तथा पूर्ति मंत्रालय

#### पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनाक 20 भन्नेल 1985

सं० ए०-1/2(440)--निदेशक निरीक्षण बम्बई के कार्यालय में श्रक्षीक्षक (स्तर-II) श्री पी० सी० वरगीज को सहायक निदेशक (प्रणा०) (ग्रेड-II) श्री ई० ग्राई० देवसी की श्रवकाण रिक्ति में, दिनाक 4 फरवरी 1985 के पूर्वाह्न से 23 मार्च 1985 तक उसी क र्यालय में पूर्णतः ग्राधार तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रणा०) (ग्रेड-) के पद पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया गया है।

निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में तदर्थ सहायक निदेशक (प्रणा०) (ग्रेड-II) श्री वी० सी० वरगीज को दिनाक 23-3-85 के श्रपराह्न से उसी कार्यालय में श्रधीक्षक (स्तर II) के पद पर प्रत्यावितित कर दिया गया है।

> राजबीर सिंह, उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

#### (प्रशासन अनुभाग-1)

#### नई विल्ली, दिनांक 18 मप्रैल 1985

संग्रहोतिया स्वापित होरा स्वयन कर लिए जाने पर राष्ट्रपति ने उन्हें दिनांक 17 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्म से पृति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में अस्थाई आधार पर उप निदेशक (विकीकर) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राजबीर सिंह उपनिदेशक (प्रशा०) (प्रशासन अनुभाग ए-6)

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं० ए-6/247(49)/57—निरीक्षण निर्देशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि-यांतिकी) और भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ''ए'' के ग्रेड-II (अभियांतिकी शाखा) के स्थानापन्न उप निर्देशक निरीक्षण (अभियांतिकी) श्री एन० एन० भादृड़ी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 31 जनवरी 1985 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गए।

> एस० एल० कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

औद्यंगिक विकास विभाग

विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मंत्रैल 1985

सं० 12(215)/61-प्रणा० (राज०)/खण्ड-3--राष्ट्र-पित, क्षत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास के उपितदेशक (यांतिकी) श्री के० एस० सुरप्पा को दिनांक <math>8-4-85 (पूर्वाह्न) से, प्रगले आदेशों तक, उसी क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र में निदेशक, ग्रेड-II (यांतिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(543)/81-प्रशा० (राज०)---विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में निवेशक, ग्रेड-1 (इंजीनियर उद्यमियों को सहायता) तथा भारतीय प्रशा-मिन सेवा (एम० टी० 1972) के ग्रविकारी श्री एच० वी० लालरिंगा ने दिनां हे 26 फरवरी 1985 (ग्रपराह्म) से निवेशक, ग्रेड-1 (इंजीनियर उद्यमियों को सहायता) पद का कार्यभार छोड़ दिया। भपने राज्य के कैंडर में वापस जाने की तैयारी के लिए उन्हें 27 फरवरी 85 से 26 मार्च, 1985 तक की श्रक्तित छुट्टी मंजूर की गई है।

 स्त्रीकृत छुट्टी की समाप्ति के बाद, श्री लालरिंगा की सेवाएं मणिपुर सरकार के मधीन होंगी।

सं० ए०-19018(728)/84-प्रभा० (राज०)---राष्ट्र-पति, श्री सुनील कुमार गुप्ता को लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में 19-3-1985 (पूर्वीह्म) से, मगले भादेशों तदः, सहाय र निदेश र, ग्रेड-1 (रह यन) के रूप में नियुषत करते हैं।

सं० ए०-19018(780)/85-प्रया० (राज०)--विकास भायुक्त (लबु उद्योग), लबु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के प्रधीन लबु उद्योग शाखा संस्थान, हलद्वानी के लघु उद्योग संवर्द्धन प्रधिकारी (रतायन) श्री एम०पी० जोशी को दिनां के 18-9-84 (पूर्वाह्म) से मगले प्रादेशों तह, उसी संस्थान में सहायक निदेशक, प्रष-II (रतायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिना<sub>र 27</sub> भ्रतेल 1985

सं० 12(316)/62-प्रणा० (राज०) (खण्ड-3)--राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्वात के निवेशक ग्रेड--2
(यांत्रिकी) श्री एउ० आर० शर्मा को निवर्तत की झायु प्राप्त कर लेने पर विनाह 31 मार्च, 1985 (श्रपटाह्न) से, सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने की श्रातुमति देते हैं।

> सी० सी० राय उपनिवेशक (प्रशासन)

# इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भू-वैज्ञाति ह सर्वेक्षण

कल हत्ता-- 700016, दिना ह 23 मनेल 1985

सं 4228 बी । ए० - 19012 (1-मार के यू ) | 82-19ए - भारतीय भूवैज्ञानि सर्वेक्षण के सहायक भू-वैज्ञानिक श्री भार के उपाध्याय को इस विभाग से 31-7-84 (भाराह्म) से त्याग-पन पर मृक्त किया जा रहा है।

सं 0 4260 बी 0 /ए०-19012 (1-एस० के ० एस० मार०) / 79-19ए--श्री स्वपन कुमार सिन्हा राय, सहायक भू-वैज्ञानिक ने भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 3-10-81 (मपराह्म) से पद स्याग विधा है।

# दिनांक 2**5 म**प्रैल 1985

सं० 4439 बी०/ए०-19012 (1-डी० सी० एल० मार०)/ 83-19ए--इन क्यालय के दिनास 16-10-84 की प्रशिसुचना स० 7102 बी०/ए०-19012 (1-डी० सी० एल० मार०)/83-19ए से मोधसुचिन भारतीय भू-वैज्ञानि स्विधिण के सहायर भू-वैज्ञानि स्थि ठी० सी० लिंगा राजू की नियुक्ति तिथि 21-8-83 (पूर्वाह्म) के घरले 21-8-84 (पूर्वाह्म) पढ़ी जाय।

धमित कुमारी निषेणक (कार्मिक) कृते महानिदेशक

# कलकता- 700016, दिनांक 24 प्रत्रैल 1985

सं० 4406 बी०/ए०-19012 (3-माई० के० जे०)/80-19बी०--भारतीय भू-वैज्ञाति ह सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ का० माई० के० जैन ने भारतीय भू-वैज्ञातिक सर्वेक्षण में उच्च प्रशिक्षण संस्थान (एडवान्स ट्रेंनिंग इंस्टीट्यूट) रसायन, बस्वई में प्रशिक्षण प्राप्त शरने हेतु 6-2-85 के अपराह्म से भार्यभार सौंप दिया है।

#### বিনাক 25 **স**রীল 1985

सं० 4426/बी०/ए०-19012 (1-टी० पी० मार०)/ 83-19ए--भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक श्री ठी० पेन्चला रेडडी को सहायश भू बैज्ञानिक के रूप में भार-तीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में, म्रागामी म्रादेश होने तक 28-12-84 के पूर्वीद्ध से नियुक्त कर रहे हैं।

> मित कुमारी निदेशक (कार्मिक)

# भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांवः 27 धप्रैल 1985

सं० ए०-19011(221)/78-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिकारिश पर श्री शार० बी० देशमूख, कति • 5 खनत भू-विज्ञानी को भारतीय खात ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ खान भू-विज्ञानी के पद पर दिनांक 6 श्रद्रील 1985 (पूर्वाल्ल) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

> जी० सी० शर्मा, सहायक प्रशासन ग्रंथिकारी, कृते महानियंत्रक,

# (कोयला विभाग)

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था धनबाद, दिनाक 29 श्रप्रैल 1985

सं प्रशासन 12(1)85--श्री बी कहाय, लेखापाल को कि 550-25-750-द रो -30-900 के वेतनमान में दिनांक 25-2-1985 अपराह्म से कोयला खान आयुक्त के महायक सचिव (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्त किया गया।

सं० प्रणासन 12(2) 85--श्री एस० भ्रह्मद, सेखापाल को ए० 550-25-750-द० रो०-30-900 के वेतनमान में दिनांक 26-2-85 पूर्वाह्म से कोयला खान कस्थाण भायुक्त के सहायक सचिव (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्त किया गया।

सं० प्रकासन 12(3)85---श्री बी० सी० पाल, प्रधान लिपिक को र० 550-25-750-द० रो०-30-900 के बेतन में दिनांक 25-2-85 अपराह्म से कोयला खान कल्याण धायुक्त के सहायक सचिव (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्त किया गया।

भार० एस० शिवानी कोयना खान कल्याण भायुक्त धनवाद ।

# पाकाशवाणी महानिदेशालय

### नई दिल्ली, दिनां रू 22 ग्रप्रैल 1985

सं० 4/65/84 एउ० आई० - महानिदेश के, आ ाशवाणी एतद्वारा श्री एस० बाबू राव को 1-6-84 में अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में, आकाशवाणी कुआपा में, अस्थाई रूप में सार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियक्त करते हैं।

हरीशचन्द्र जयाल, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

## नई विल्ली, विनांक 24 ग्राप्रैल 1985

सं० 17/7/84-एस०-4-महानिदेशक आकाशवाणी, नई विल्ली निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को छनके सहायक अभियंता के पद पर परीकृति होने पर उनके नामों के सामने दी गई तिथि से अगले आदेशों तक निभुक्त करते हैं:--

%)० नाम प्र <sup>°</sup> ०	तैनारी केन्द्र	कार्यभार संभालनेकी तिधि
1. श्री टी० के० चलपति	दूरवर्शन केन्द्र,	2-4-85
<b>A.</b>	मद्रास	(पूर्वाह्म)
2. श्री ६म० राजू	दूरवर्भन केन्ध्र,	2-4-85
	मद्रास	(पूदस्ति)
3. श्री रमेश चन्द्र	उच्च शक्ति देषिहा	30-3-85
	भ्राकाणवाणी, स्नामपुर	(पूर्दाह्न)
4. श्री मृहस्मद मुजीब-उर	श्राकाणवाणी,	8-4-85
रहमान	डिब्गढ़	(पूर्वाह्य)
5. क्री ६म० ६ल० गंभीर	टी० दी० ग्रार०	4-4-85
,	स्ते०, भिवानी	(पूर्वाह्म)
<ol> <li>श्री ६च० ६ल० मक्कर</li> </ol>	पी० ई० यु०	29-4-85
	दूदर्शन, नई दिल्ली	(पूदिह्य,)
7. श्री क्षेत्र मार० गुप्ता	श्राकाशकाणी,	6-4-85
	िसम्ला	(पूर्वाह्म)
8. श्रीभार० एन० नतीब	दूरदर्शन केन्द्र,	6-4-85
	श्रीनगर	(पूद्धीह्मु)
9. श्री मृह्म्मद धवदुर्रहमान	उच्च गमित प्रेपित	5-4-85
- 44	माफाशवाणी,	(पूर्वाह्म)
	चिन्सुरा	(441)

बी० एस० जैन, उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिवेशक

# स्वास्थ्य सेत्रा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 22 भ्रमेल 1985

सं० ए० 19020/47/77-(एच० क्यू०) प्रशासन-1-श्री एच० टी० कंसारा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंदालय
में राज्य समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि समाप्त
हो जाने के फलस्वरूप, उन्होंने 15 श्रप्रैल, 1985 (पूर्वाह्म)
से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा श्रीधकारी
(नेक्षरोग विकास) के पद का कार्यकार संकाल लिया है।

बी० के० जाना उप निवेशक प्रशासन (जी०)

## नई दिल्ली, विनांक 25 भार्रेल 1985

सं० ६० 12031/9/83-ई० भी० आई०-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री हरीण चन्द्र को 25 मार्च, 1985 के पूर्वाक्ष से आगाभी आदेशों तक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में लाध्वेरियन केड-1 के पद पर निस्कृत किया है।

> नारायण सिंह, उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

# सिचाई एवं शक्ति मंदालय (सिचाई विभाग) महाप्रबंधक का कार्यालय फरक्का बांध परियोजना

मुर्शिवाबाद (प० बं०), दिनांक 13 फरवरी 1985

सं० ६०/८१०-एफ०-11/267/1256---डा० धीपेश मंडल के एसद्धारा चिकित्सा भी धकारी के रूप में राजपित समूह "ख" (सामान्य केन्द्रीय सेवा), स्थानापक रूप में फरक्का बांध परियोजना ग्रस्पताल में दिनांक 29-9-81 के पूर्वाक्त से ६स कार्यालय के पक्षांक ई०/६१०-/(डाक्टरस् स्(/344(2)) दिनांक 17-1-1983 के गर्तांध्व नियुक्त किया जाता है। जिसका बेतनमान ४० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- तथा सामान्य भन्तों के साथ जो ६स पर मिलते है।

म्रार० की० रन्थीदेवन, महा प्रबन्धक फरक्का बांध परियोजना

# परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 17 मधील 1985

संव श्रीव पीव एसव/2/1(4)/82-श्रमाव/10428-- श्रय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने श्री भारव सुन्दरराजन, सहायक, परमाणु ऊर्जा विभाग की क्स निवेशालय में दिनांक

11 मर्रील, 1985 (पूर्वाह्म) से म्रगले मादेश होने तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 ध्पए के वेतनमान में सहायक कार्मिक श्रविकारी के पद पर निस्कत किया है

> पी० गोपालन प्रशासन ग्रहिकारी

राजस्थान परमाण् बिजलीचर भण्यानित, विनांक 25 मधिल 1985

सं ० रापबिध/भर्ती/7(10)/85-स्थल/531--भारी पानी परियोजना, तालचर से स्थानान्तरण होने के बाद श्री प्रकाश चन्द जैन को राजस्थान परमाण् बिजलीयर के मुख्य प्रधीक्षक, एतद्द्वारा दिनांक 16 ग्रार्टल 1985 के पूर्वास से लेखा ग्राधकारी-2 के पद पर स्थान।पन्त रूप से निध्वत करते हैं।

> बी० औ० वुसकर्णी अशासन प्रधिकारी (स्था०)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विरुली, दिनांक 20 ग्रप्रैल 1985

सं० ए० 38013/1/84-ई० सी० (.)--नागर विमानन विभाग के श्री ए० के० चटजी, सहायक संचार ग्राहकारी धैमा-निक संचार स्टेशन, कलकत्ता ने निवर्तन भ्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-12-84 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निक्षा हो जाने पर भ्रपने पद का कार्यकार छो । दिया है।

> की० जयचन्द्रन सहायक निदेशक प्रशासन

उद्योग वं कम्पनी कार्यं मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी ला बोड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रहिनियम 1956 मेथडिस्ट चर्च म्राफि इंडिया के विषय में। हैदराबाद, दिनांक 17 ग्राप्रेल 1985

सं० 2744/टी० ए० III/560--माननीय बम्बई उच्च न्यायालय रिट पिटिशन सं 1096 ग्रॉफ 1980 दिनांक 10-9-84 के निर्देश पर मेमडिस्ट चर ग्राफ इंडिया का नाम श्राज राजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> यी० ६स० राज् कम्पनी रजिस्ट्रार म्रांध्य प्रवेश, हैदरानाव

कम्पनी श्रीक्षनियम 1956 और ईस्टर्न फाईबर ग्लास प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 18 प्राप्तैल 1985

सं० 29193/560(5)-- कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में **प्तर्**कारा सूचना दी जाती है कि ईस्टर्न फाईवर ग्लास प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और कस्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्राधनियम 1956 और धी० दी० एंड कं (६ डिया) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, विनांक 18 ग्राप्टैल 1985

सं० 23110/560(5)--कम्पनी ग्रहिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतध्धारा सूचना दी जाती है कि डी० दी० एंड क० (५ डिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उन्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और धंजीनियरसे एंड फरनांस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 ग्राप्रैल 1985

सं 0 23950/560(5)--- भम्पनी ग्राध्धनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में ६त६ धारा सूचना दी जाती है कि इंजीनियर एंड फरनान्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है मीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रीधनियम 1956 और एडियन सिनधैटिक फारमास्युटीकरुस् लिमिटेड के विषय में।

कलकरत, दिनांक 18 मध्रल 1985

सं० 23520/560(5)---कम्पनी ग्रह्मिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतक्कारा सूचना थी जाती है कि धंडियन सिन्धेटिक फर्मास्यटिक्स्स लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उन्त कम्पनी विधटित हो गई है।

# कम्पनी सर्धिनयम 1956 औ पावार मेटिरियलसू भाईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 18 ग्रप्रैल 1985

सं० 23110/560(5)—कम्पनी श्रक्षित्यस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एत्र्द्धारा सूचना भी जाशी है कि पाबार मेद्रियल्सू प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उकत कम्पनी विश्वटित हो गई है।

कम्पनी ग्राधनियम 1956 और हर्णविल एलिमेटर्स एंड इंजीनियरिंग फ० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 घरील 1985

सं० 30799/560(5)—कम्पनी घिधिनियम, 1956 की धारा 580 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्धारा सूचना थी जाती है कि हर्णीवल एलिमेटर्स एन्ड ६ जीनियरिंग कम्पनी शाईवेट लिमिटेड का नाम आज राजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एव० बनर्जी कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कस्पनी प्रधिनियम 1956 और राह्यकुष्णा फिलिस्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कोषीन, विनांक 26 मार्च 1985

सं 0 986/लिक/560(3)—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के प्रमुखरण में एतद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर राधाकृष्णा फिलिम्स् प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष्ण कारण दिशित ना किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

कस्पती श्रीधनियम 1956 और सुबुमार एन्ड कस्पती (क्रीस) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बोदीन, विमांक 26 मार्च 1985

सं 2364/लिक/560(3)——कम्पनी अधिनियम 1956 भी धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्धारा यह सूचना थी जाती है कि ६स तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर सुबुमार एन्ड कम्पनी (क्र्रीस) प्राईवेट लिमिटेड कानाम ६सके प्रतिकृत कारण दिशात ना किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और केरला हरिजन रवर यरक्सु लिमिटेड के विश्य में

कोचीन, दिनांक 26 मार्च 1985

सं० 2331/लिक/560(3)—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के प्रमुसरण में एत६ द्वारा यह सूचना थी जाशी है कि ६स तारीख से शीन मास के प्रवसान पर केरला हरिजन रवर वरक्स लिमिटेड का नाम ६सके भित्रकूल कारण दिशात ना किया गया शो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्राचिनियम 1956 और कृष्णाकृपा स्पिनिंग मिल्ज लिमिटेड के विषय में।

कोशीन, दिनांक 26 मार्च 1985

सं० 1992/लिक/560(3)—कम्पनी श्राधिनियम 1958 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसरण में ६तद्दारा यह सूचना दी जाती है कि ६स तारीख से क्षीन मास के धवसान पर कृष्णाकृपा स्पिनिंग मिल्स् लिमिटेड का नाम ६सके प्रतिकृत कारण विश्वत ना किया गया को रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जाएगी।

कम्पती श्रक्षितियम 1956 और भीपम विट्स एन्ड ट्रेडस इन्डिया प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मोचीन, दिनांक 26 मार्च 1985

सं० 2332/जिक/560(3)—-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूवना दी जाती है कि इस तारीख से दीन मास के अवसान पर दीपम जिट्स एन्ड ट्रेडस एन्डिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विशित ना किया गया दी रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

> के० पंचापकेशन, कृम्पनियों का राजद्रार, केरल

प्रकृप सार्षः दी. एत . एस . ------

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज पूना

पूता, दिनार । मार्च 1985

निर्देश मं० 37 ईई/9721/8 4-8 5---यन , मुझे, श्रनिल कुमार,

काबकर अधिनियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गदा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षक प्राधिकारी को यह यिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रन. से अधिक ही

और ति की सं गं गं गर्वे नं 350/ए/2, 239/11ए और 239/11वी, 14वी बोट कर्ब गेड पुणे 11 है तथा जो पणे में स्थित है (अंद इसमे उपाबंद अतुमुक्ती में और पूर्ण रूप से पणि है), रिमिन्टिती अधिकारी के लागिता, सहाम आपकर आपकः (निर्दाक्षण) अर्जन रेज में रिम्ट्री-रूप अधिनिस्य, 1908 (1908 र 16) के अधीन नारीख जनवरी 1985

को पर्वोक्त सर्पास्त के उचित बाजार मृल्य स कम के उध्यमन प्रतिफल के लिए अन्तिक्त की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पामा गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिव हम से अस्तिव हम से

- (क) जन्तरण मं हुई किसी भाग की वासता, जनत जिमिनयम को अधीन कर दाने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बनने में स्विधा के लिए; और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

परः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) की अधीन, निम्निपिसित व्यक्तियों, अधीत :— 2—66 GI/85

(1) फराहट फारनि : 14-त्रा बंट कन्य रोज, पुणै-1 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेहराब इरार्न।, 85, कोरगांथ पार्क,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबस सम्पत्ति के मर्पन के संबंध में काहि भी बार्क्ष '--

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारी के सै 4.5 दिन के भीतर उक्त ग्थावर सम्पत्ति में हितबब् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकींगे।

स्थलाकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय भे विया गया है।

#### वशस्त्री

जमीन सर्वे न० 350/ए/2, 239/11ए और 239/ 11बी, 14बी, बोट पत्तव राड, पुणे-11। (जैसा कि राजिम्दीकृत क० 37 ईई/9721/84-85 जहारी, 2985 को रहा कि कार राज्यापुका (तिशोधाण) धार्वि में जिस गा है।)

> श्रीतल कुमार सक्षम प्राधिशारी सहायक श्रायक्षर श्राय्का (तिराजण) शर्जन रॉज, पन

तारीख: 1-3-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस...

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

#### भाउत सरकार

# कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शासण) पूना दिमांक 4 मार्च 1985

श्रर्जन रेंज पुना

निर्देश मं० 37 ईई/8591/8 4-8 5/थाना--- यतः मुझे श्रनिल कुमार,

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिन्नि मं० प्लैंट नं० 7, प्लाट नं० 40, भ्रानंद नगर, नवंघर वसर्ड (पश्चिम) जिला थात्रा है तथा जो नवंघरा, वसर्द (पश्चिम) में स्थित है (और इस्में उपावड़ भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीश्रस्ती श्रिधि तरी के ज्ञायीत्र, तहार ह श्राय र भ्रायुका (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीक सितम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई हूँ और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके करवमान मान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिकित उब्दोक्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाथ की वावत, उस्य अधिनियम के स्थीप कर दोने को अन्तरक भी ध्यित्य यो कभी करने या उससे वचने में दृषिधा से निष्; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ं अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. मीं, उकत अधिनियम की भारा 269-व की उपधास (1) के अधीन, विस्तिनियक व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

(1) विमान एन्टरपराईजन, 303, स्टार जाइस्टन ग्रापार्टमेंट, माडाबाला लेन बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 ।

(ग्रन्तरक)

(2) हुन्छण चंद्र वर्मा और श्रीमती गीता के वर्मा, फ्लैंट 406, काटेज, फॉरी रोड, वर्षा, बस्धई-61। (श्रन्तरलती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के अर्जन के लिए कायीवाहिया करता हुं

ज़क्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रोप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण : - इसमें प्रयूक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

विवेश श्रपार्टमेंट्स फ्लैंट नं० 7, प्लाट नं० 40, श्रानंद नगर, नवघर, वसई (पश्चिम) जिला थाना

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/8591/थाना/84-85 सितम्बर 1984 को सहायक आयएर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में लिखा गया है।)

> प्रतिल कुमार स्क्षम प्राधिशारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-3-1985 मोहर

## प्रकृष आह. ती. एम . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाकः 3 मार्च 1985

निर्देश मं० 37 ईई/5669/84-85--यतः मुझे श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी स० सर्वे नं० 67, 68, 69, 70, 71 और जूना िनेमा थिएटर बिल्डिंग सांगली हैं तथा जो सांगली में स्थित है (और इसमें उनाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूपमें वर्णित है), रिजर्स्ट्री ति अधिनारी के बार्यालय सहायक आयमर अधिनारी (निर्राक्षण), अर्जन रेज में रिजर्स्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का, 16) के अधीन नारीख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के कीच एंसे अंतरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित) इक्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित ही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गका था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन, निम्नीलिखिए एविस्पर्यों, अधीन, निम्नीलिखिए

(1) श्री पोमचद मानचद शाह, 290, बखार बाग, सागली।

(ग्रन्तरहा)

(2) श्री आर० के० फडतेर और म्रन्य, टासगाय, जिला सांगली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैने

# अनु**स्**ची

सर्वे नं० 67, 68, 69, 70, 71 और जूना सिनेमा थिएटर बिल्डिंग, सांगली।

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई/5669/1984-85 जुलाई 1984 को महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज में लिखा गया है।)

श्चनिल हुनार सक्षम प्राधि ,ार्रा सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, पूना

तारीख 4-3-1985 मोहर:

# प्रकृष् भाइं.टी.एन. एस.-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जेन रेंज, पूना

पूता, दिनाय 4 मार्च 1985 हेन संघ 37 ईडी 6308/84-85--य

निर्देश सं० 37 ईई/6308/84-85--यन: मुझे,

श्रनित कुनार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सा के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्ही नं पर्नैष्ट नं 2, प्लाट नं 50, नर्वे नं 88/4,+138+161 कायम्ड पूण है तथा जो पूना में स्थित है. (और इसे उपावड़ अनुनूनी में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अविनारा के वायित्य सहाय आविनर आयुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीर तारीख सिनम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उषित बाजार मृत्य से कम के इक्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एम स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकार से अधिक अपित कार अंतरिक (अंतरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधार निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) में पर्स, युगमा प्रमोहर्स और बिन्डर्स, 339, महान्मा फुल पेठ पुणे-2।
- (2) श्रीमती ऋताएमे० भ्रम्बेंकर और श्री भच्चेंद्रा बी० भ्रम्बेकर, 332, गुरुवार पैठ पुणे-2।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपृत्ति के अर्थन के संबंध में मोद्दें भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----ध्तमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की. अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अली अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

क्तींट नं० 2, प्लाघ न० 50, । 88/4+138+ 161, कीथर्ड, पुणे।

(जै 11 कि रिजम्ट्री हन कि 37 ईई/6308/84-85 नितःच 1984 का सहायक स्नायकर आयुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, में लिखा गया है।)

> श्रतित्र कुनार शक्षक प्राधिक्षणी राहापक भ्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्त्रर्जन रोत, प्रा

नारीख: 4-3-1985

महर :

# प्रसम् बार्षः द्वीः प्रतः प्रसः -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, धिनार 16 मार्च 1985

निदश म॰ 37 जी-980/84-85---यत मुझे श्रनिल्बुसुमार,

धायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उनत अधिनियम' स्कूम गया है), को भाग 269-इस को सभीन स्थाम प्राधिकारों को, यह विश्वास कारने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, धिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

अंग जिसकी स० प्लाट ग० 1, यहें न० 37/2, सगला+ जमील सगमेश्वर, ता० मालेगव, जिला नामिक (क्षेत्रफल 469 9 माटर) है तथा का जिला नामिक में स्थित हैं (अंग् इम्पा उपावंड अनुसूचों में आप पूर्ण रूप से विणित हैं), र्यास्ट्रीन ती श्रविवारों वे कार्यालय, सहायक आयवर आयुक्त (निरीक्षण), अर्ज रेज में, रिलस्ट्रीकरण श्रविनिथम, 1908 (1908 वा 16) के श्रवीन नारीख जनवरी

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को जोजत नाजार मृत्य स कम के सपननान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अध्यक्ष है अरि अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्त अंतरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की गावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के जन्मरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से मिए; व्यक्ति/या
- (क) ऐसी किसी बाब मा किसी धन या बन्य नास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निधानयम, या धनकर विधिनवम, या धनकर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ कन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा की लिए;

बतः वन, उपत विधिनियम की वारा 269-ग के बनुसरण् मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्निचिष्ठत व्यक्तियों अर्थात् ध-- (1) श्री तीरप्राःग स्वास्थि ठ राज, सगमेश्रर, ता० मालेगाव, जिला नासिक।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कृष्णाजी रामचद्र सोनार 259, ममलतवार लेद, मालेगाव जिल् न सिक ।

(भ्रानिरिती)

को यह तृष्त्र। वारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के सर्वात के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

जक्त कम्परि को कर्मन को सम्बन्ध में कोई भी काश्रोध प्र---

- (क) इस सूचना को ट्राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या सल्पनंथी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, भी भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भौतर उच्य स्थावन सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकनी

#### बन्द्ची

(जैसा ि रजिस्ट्री<sup>™</sup>न क० 37 गी/980/1984-85<sub>र</sub> जनवरी 1985 का सहायक स्रायकर प्रायुक्त (तिरीक्षण), स्रर्जन रेज के दफ्तर में लिखा गया है।)

> श्रतिल कुसार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीकण) श्रजैन रेज, पूना

नारी**ख** :16-3-1**985** 

मोहर 🖫

प्ररूप काइं. टी. एन. एस.-----

# भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीत स्वता

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निर्रोक्सण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/5737/84-85--यतः, मुझे, भनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्तास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी संव दुशान नंव 2, ग्राइंड फ्लोर (क्षेत्रफल 275 वर्ग फुट) निहानि श्रार्टनेंग्ट में स्थित, 247/1 रास्ता पेठ, पूना (क्षेत्रफल 275 वर्ग फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उप बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण), श्रर्जन रोज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम् पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-बिधिनियम के जधीन कर देने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनयम, या अन-कर अधिनयम, या अन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है विष्;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन। निम्निचिख व्यक्तियों, वर्षात् ६—

(1) मैनर्स मकवाना कन्स्ट्रक्शन कं० (एफ० एस० डब्स्यू०), डिवायन तेरास, 911, 914, सायनागग स्ट्रीट, पुणे कैम्प, पुना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती करणा व्ही० नाथ, 589, तीसरी गल्ली, महालक्ष्मी ले श्राऊट, बेंगलुर।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारींब से 45 विन् की बन्धि या त्रसम्बन्धी स्पक्तियों पर स्थान की तासीन से 30 दिन की जनधि, को भी जनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और ववों का को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

#### **यम्**स्ची

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० 37 ईई/5737/84-85, ग्रंगस्त 1984 को सहायण भायकर भायक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज के दस्तर में लिखा गया है।)

धनिल पृगार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

नारीख: 21-3-1985

#### प्रकथ बाई.टी.एन,एस.-----

नायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के मंभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 21 मार्च 1985

निर्देश सं०  $37 \xi \xi / 6330 / 1984-85---$ यत: मुक्ते, अनिल कुमार,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 1479/80 णुकवार पेठ, पूना-2 (क्षेत्रफल 400 वर्ग फुट हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (प्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण प्रजीन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिमियअ 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर देने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे अपने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) होती किसी आम या किसी भन मा अन्य आरिशयों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किशा जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

चतः वधः, उस्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुवारक भी, भी उक्तं अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नजिमित स्वित्तवी, व्यक्ति क्र— (1) मेसर्स राजेंन्द्रा असोसिएट्स, 619, सदाधिव पेठ, पूना-30 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवालीवाई सम्पतराज नाहर, 721, गुरुवार पेठ, पूना-2।

(अन्तरिक्री)

को यह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यनमहिमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति इंशाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे ।

स्पक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त सक्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम के मध्याय 20-क में परिभाषित इं, कहीं अर्थ मोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुष्यी

(जैसा कि रिजिस्ट्रीएत कि 37 ईई/6330/84-85, सितम्बर 1984 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी (महायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुना

ना**रीख**: 21-3-1985

HIET &

प्रका बार्ड . टी . एवं . एस . ----- प्रनानकार

आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### बाह्य सरकार

# कार्याभय, सहतवय वायकर जावक्य (निरोधन)

अर्जन रेंज, .पूना

पूना, दिनाक 23 मार्च 1985

निर्देश स० 37 ईई-/9881/84-85—यतः, **मुझे**, अनिल कुमार,

नामकार सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उकत निधिनियम' कहा नया ह"), की धारा 269- व के नधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विक्यात करने का कार्म ह" कि स्थानर संपरित जिसका उचित माकार मून

1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बिल्डिंग की निलनी चेम्बर्स कह के पहचाना जाता है जिनमें आऊंड फ्लोर + 2 अप्पर फ्लोर्स जिसमें विविध क्षेत्रफल के दुक्त श्रीर घरें है जो आखरी प्लाट नं 173, टी॰ पी॰ स्कीम संगमवाडी श्रीर सी॰ टी॰ एस॰ नं 19 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिदारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अबीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के रहयमान मितफल के लिए बन्सरित की गर्थ हैं और मुखे यह विकास करने का सारण हैं कि यथापूर्वोक्ष सम्मत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके द्रम्यान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिसत से अधिक हैं और बंतरक (जंतरका) और बंतरिती (संतरितिया) से बीच एसे जंतरण के सिए तब पाया पदा प्रतिक्त का निम्नितिसत उक्केय से उन्त अन्तरण निम्नित में थास्त विक स्प से कथिस नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उपल विधिनियम से संपीत कर दोने के अन्तरक दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वर्णा/या
- (सं) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें आरंशीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या. उनत विधिनियम, सा धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में वृषिधा के सिक्षः

सनः कथा, अवल अभिनियम की भारा 269-म के अमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स ट्रायस्टार जिल्डर्स.
21 प्रास्पेक्ट चेम्बर्स,
अनेक्स पिता स्ट्रीट.
वम्बई।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्रिन्स पेट्रोलियम कं०, मार्फत श्री ए० आर० एन० जिन्नानी, बी/6 मजफेर सोसाईटी, 4 ढोले पाटिल रोड, पुना-1।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना सारी अन्त्रओ पृथींक्य संवर्षि भी धर्वम को लिए कार्यवाहियां करता हो।

धनत सम्मतित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रीप :---

- (क) इस सूचना की राजपन 'में प्रकाशन की सारी के 45 विम 'की समिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की समिश, भी भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस अपूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अस्य स्थावित दुवारा अधोहस्ताक्षरी की पास जिक्ति में किस वा सकींगे।

स्वव्यक्तिकरण:----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नमधर्मी

(जैसा कि र्राजस्ट्रीगृत फ०  $37 \frac{3}{2} \frac{3}{9} \frac{881}{84-85}$ ; जनवरी 1985 को महासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज के दफ्तर में लिखा गया है।)

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख : 23-3-**1985** 

मोहर 🗈

# प्रक्रम वार्षः टी. एन. एच.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### नारत वरकार

# कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्चन रेंज, पूना पूना, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/ 5085/ 84-85—यतः, मुझे, प्रनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 6, पहली मंजिल, कुसूमनजाली अपीटमेंन्ट्स पारवती, सं० नं० 129/ए ब्राई० ए, प्लाट नं० 6, पूना-30 (क्षेत्रफल 480) है तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रीर इससे जावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालम, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), ग्राजन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख ग्रगस्त 1984 को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) मन्तरण से हुई किसीं नाय की वाबस, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के सिए; बीट/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में मुनिया के सिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के क्यीन, निम्मलिसिस व्यक्तियों, अर्थासु :--- (1) श्री महाजत भिलारे असोसियेट्स,180, नारायणपेठ,पूना-30 ।

(अन्तरक)

(2) श्री हिरालाल रमगोकलाल ठक्कर श्रीर श्रन्य, 785, रविवार पेठ, पुना-2।

(भन्तरिती)

को यह ब्राचन आरी कारके पूर्वीक्त वस्त्रीत के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कपुरता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध सा शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर प्राप्त स्थापित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस त्वना के राजपन में प्रकाबन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींचे।

स्पक्षीकरणः --- इसमे प्रयूक्त शस्त और पदों का, आ उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा नवा वै।

## अनुसूची

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37 ईई/5085/84~85, ग्रगस्त 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, पूना के देप्तर में लिखा गया है।)

श्र**नित्य** कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजैन रेंज. पूना

नारीख: 23-3-1985

मोहरः 🖫

3 -66 GI/85

### 

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण)

स्रजैन रैंज, पूना

· · · •

पूना, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/यो० टी० 893/84-85—यतः, मुझे धनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अभके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा कि अभके के अधीन मक्षण पाधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार सृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 (पहला मंजिल), प्रभा ग्रपार्टमेंन्ट्र, कोथरूड, पूना-29 (क्षेंत्रफल 554 वर्ग फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भीर पूण रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख यक्तूबर 1984

को प्रवीवन संपरित के उचित दाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवीवत संपरित का उचित बाजार अल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक स्प से क्रिथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सें हुई किसी भाय की बाबत, अक्त बिधनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बार/या
- (ण) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

वतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मंं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग उपधारा (1) कें वभीन, निम्नीलिखत क्याक्तिस्त्रों, अर्थात् क्र— (1) मेसर्स पुरेकर बिल्डर्स (प्रमोटर्स),
 30/2, एरंडचणा,
 प्रना-4 ।

(मन्तरक)

(2) भी प्रवीप वसंत तुपे,286, शनिवार पेठ,पूना-30।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र है—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित नव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए या सकेंगे।

ज्यक्वीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कस्दों और पदों का, को उच्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

#### वनुसूची

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37 ईई/ ग्री॰ टी॰-893/ 84-85, अक्तूबर 1984 की सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण), प्रजन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।)

> ग्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 23-3-1985

#### प्रक्ष हाई टी. एव . एस . ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने सभीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 मार्चे 1985

निर्वेग सं० सी० ए०-4/1158/37 ईई/403/एन० एस० के०/84-85--यतः, मुझे, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास⊯करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लाट नं० 15, ऊपरी मंजिल जहां कन्स्ट्रकगन चालू है (तिलकवार्ड) सर्वे नं० 646, हिस्सा नं० 88 रोहिंगी धपार्टमेंन्टस नासिक (क्षेत्रफल 542 वर्ग फुट) है तथा जो नामिक में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में भौरपूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रवतूवर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाबार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीखत उद्योदय से उच्क क्रन्तरण लिखित में वास्तीबक रूप से क्रियत वहाँ क्रिया च्या है क्र---

- श्रुंक) अभारण से हुई किसी बाय की बाबत, क्रमत अधिनियम को अधीन कार दोने की अन्तरक को दायित्य में कमी करने ना उसते वजने में सुविधा के निए; कोर्√वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी बंग या अन्य बास्तिक। को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने अधोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था किया जाना वाहिए था, छिवाने में स्विधा के जिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) मेमर्स अर्रावव कन्सट्रक्शनस माऊली श्रपार्टमेंन्टस, लोकमान्यनगर नजदीक, पूना-30

(भन्तरक)

(2) श्री नरेंद्रा भार० नेहते, पलैट नं० 11, विसे वाडा, कानरा कार्नर नजदीक, नासिक-5

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध मा तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म अधिकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिस्ति में किए का सकारी।

स्थव्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्यी

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क॰ 37 ईई/403/नाधिक 84-85 भ्रक्तूबर 1984 को सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज के दस्ता में लिखा गया है।

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज, पूना

तारीख: 25-3-1985

मोहर 🗈

प्रकृप बाह्र . टी. एस. एड्.-----

नाशकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-म (1) के सभीत समना

#### भाइत राज्यह

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० सी० ए०-5/1139/37 ईई/5842/84-85---यतः मुझे, अनिल क्मार

शायकर जीवितियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके परभात् 'उबस बाधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अभीत सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित शजार सुम्ब 1,00,000 ∕- रह. से **अधिक ह**ै

ग्रांर जिलकी सं० दकान न० ६, तक मजला, "सायल घेबर्स" डेक्कन जिमखाना पुना-4 1216/6, एफ० सी० रोड, है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रधिकारी के कार्यालय सहायह आहकर भायक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त 1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार जून्य हे कम के दरवसान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गुद्द है , जूर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति सम्पत्ति का उपित जाजार मृत्य उसकं रूपमान प्रतिफल से, एसे दूरपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय काया गया प्रसिफल, निम्नलिखित उदुदोश्य सं उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं विद्या गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त कीय-नियम की अधीन कर कोने के अन्तरक की वार्यित्व मी कमी करने या उद्यशं बचने में सुविधा के लिए, बॉड/बा
- (व) ऐसी किसी जाय वा टिक्की धन वा अन्य जास्तिकों की, जिन्ही भारताय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर **व्यक्तियम,** 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया भाया किया जाना चाहिए भा, ख्रिमाने में सुविधा 🖷 जिए:

बतः ।व, सक्त निधीनयम की भारा 269-य में जन्हरण हो, मी, उक्त नीभीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🛊 कभीत, निम्नलियित स्पन्तियों, वर्धात् र----

(1) मेसर्स सी० एल० सिरोसे, 1216/6 डक्कन जिस्खाना, पुना-4

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गरूड ग्रुपस 2 विसराम बाग, क्यापरेटिव होर्मिग सोसायटी, पुना- 16

(भ्रम्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके वृत्रोंक्त सम्परित के कर्जन के निए कार्यवाहिया करता हो।

#### उन्त हम्मील के नर्वप के सम्मन्य में कोई मी मानवे :---

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा को उस अध्याय में दिया =ना है।

#### नग्सभी

(जैंमा कि रजिस्ट्रोकुन क० 37 ईई/5842/84-85 अगस्त 1984 को महायक आयकर आय्क्त निरीक्षण अर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गमाहै।)

> श्रनिल कुमार मज्ञम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पून

नारीख ं 25-3-1985

मोधेर :

प्रकष बाईं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्याजय, तहायक नायकर नामुक्त (निरीक्न)

प्रार्जन रेज, लखनक

ज्ञाखनक, दिनार 15 श्रप्रौत 1985

निर्देश न० जी० श्राई० श्रार० सख्या ए-170/श्रर्जन- -यन. मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिल्ली में में भारत है तथा जो ग्राम नरखेंगा, तहरु णाह्बाद जिला रामपुर, में स्थित है (और उनमें उपायह प्रमुखी में आंट पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधि-भागी के कार्यो व रामपुर में रिजस्ट्रा रण ग्रीधित्यम, 1908 (1908 हो 16) के ग्राबीन दिनाक ग्रीमन्त 1984।

का पूर्नोवत सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वार्ष करने का कारण है कि राभापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्हर प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गमा प्रतिकृत, निम्नीयशिष्ठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित् में बास्त्रिक स्प से क्षीयत नहीं किया वया है हि—

- (क) अंतरण संहुई किसी भाग की बाबत, उक्त बीधिमयम के बधीन कर दोने के बन्तरण क दामित्स में कभी करने या उसने अभने ने दुविका के सिक्ष; करीर/या
- (थ) एंडी किसी बाथ वा किसी थन ना नम्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नावकार निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधनियम, या धनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः अब, उसत मधिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिस स्थितियों, अर्थात क्रिक्ट (1) श्रीमती स्मर जहां बेगम

(ग्रस्तरक)

- (2) 1 श्री श्रमलम खान
- (2) श्रामती महरूकि आ बेगम

(मन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के नर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्कत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुघना के राजपत्र में क्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस न्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहरूताक्षरी के शस निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कहवाँ और पदों का, जो उकत जिभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

4 ] र्वा

मकान स्थित ग्राम नरंखोडा, तह० शाहबाद, फिला-रामपुर (जैंभा फार्म 37 जो संख्या 1300 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी रामपुर के कार्यालय में ग्रगस्त, 1984 को किया जा चवा है)।

> ए० प्रसाद शक्षम श्रीधवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख . 15-1-1985

मोष्ठर:

# प्ररूप बाह्"्र टी., एन., एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निराक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

नखनऊ, दिनाक 15 भग्नेल 1985

तिर्वेश सं० जी० भाई० भार० ए० 171/भंजेस--यतः मुझे ए० प्रताद,

इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिन्नकी संख्या भूमि है तथा, जो प्राम नरखेंडा, तह० शाहबाद जिला रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यात्य रामपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ्य 16) के अधीन तारीख ध्रगस्त 191984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के करयमान **अन्त**रित गह प्रतिफल के लिए की विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित धाषार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से., ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती च्यारा क्ट महीं किया क्या था या किया जाना चाहिए ता, छिपाने में सुविधा औ निए।

सतः नव, उक्त मधिनियम की भारा 269-म के मनुसरम में, में, उक्त मधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, नर्मात् रूप्प

- (1) श्री भक्जल ऐर खान
- (2) श्रीमती कमर जहां बेगम

(अन्तरक)

- (1) श्री भ्रातलम खान
- (2) श्रीमती महरुश्निसा बेगम

(मन्तरिती)

को यह सूचना भारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबेद्र किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसत मा किए जा सके गं।

स्था को स्थाप के स्थाप विश्व किया के स्थाप की स्याप की स्थाप की स

#### अनुसची

भूमि पैमाईसी 10 एकड स्थित ग्राम नरखेड़ा, तह० गाहबाद ज़िला-रामपुर (जैसा फार्म 37-जी संख्या 1299 में वर्णित है ) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी रामपुर के कार्यीलय में श्रगस्त 1984 को किया जा खुका है )।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 15-4-1985

## **अस्य नार्चः, टो**ल **एवः एवः गा**न्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमा

#### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० मार० सं०जी० 78/मर्जन--यसः मझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वत् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 10 रु. से अधिक है

और जिल्हा संव भूमि खसरा नंव 512 है तथा जो मौजा-मऊ परगना व जिला मुगबाधाद में स्थित है (और इससे ऊपाधाद अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री न्ती अधिशारी के वार्यालय मुराधाधाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुभ्तेयह विद्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ---

- (क) बन्बरण वे हुई किसी बाद की वावस्त, क्यस भौगितियम के बधीन कर दोने के बन्तरक्त से शीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से सिम्पूर्ण सुद्धि/वा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया बाना चाहिए था, जियाने से सुविधा के सिष्;

बतः वन, उक्त विकित्यमं की भारा 269-न की बन्दरण में, में उक्त विकित्यमं की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राजेन्द्र नाथ
- (2) श्री जितेन्द्र नाथ

(अन्तरक)

- (1) श्री गिरीश कुमार गुप्ता
- (2) श्री यशपान गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ऱ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इत स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निविस में किए जा सकींगे।

स्थाव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

# यनुसूची

भूमि खसरा नं० 512 पैमाईसी 2005.45 वर्ग मीटर (0-49 डि.सिन) स्थित मोजा-मऊ, परगना व जिला-विजनौर जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकत्ती श्रक्षिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में अगस्त 1984 को किया जा न्

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन क्षेत्र, सखनऊ

**सारीख: 27-3-1985** 

# अक्न बार्ष <sub>व</sub> ठी<sub>ं</sub> एन<u>ः</u> एक .----

# बावकर विधिनिवन, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के सवीन स्थान

#### माह्य सहकार

#### कार्याभव, अहायक नायकर आयुक्त (निद्रांक्न्य)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखन्क, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० जी० माई०मार० सं० माई-22/मर्जन---यतः मुझे ए० प्रभाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सभाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी सं० मकान नं० सी-2/12 मध भूमि है तथा जो मोहल्या हं गर टोला, वाराणसी नें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्सा अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनां हं अगस्त 1984

को पूर्वोक्य संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान किंतिएल को लिए रिजस्ट्रीकृत विलोध के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतर्क (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर्क के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाब की बाबस, उक्क विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे सवने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (थ) एंगी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्सियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए चा, जिनाने में सुविधा की सिए।

नतः भव, उनत निमित्यम की भारा 269-ग के ननुसरन वो, मी उनत निमित्यम की भारा 269-म की उरभारा (१) के नमीन, निम्निसित न्यनितयों, नभीत् :--- (1) श्री सत्य नरायन प्रशाद ।

(भन्तरकः)

(2) मेसमं इण्डिया दुवैको कन्यतं , द्वारा पार्टनर, , श्री रामनाथ वाराणसी ।

(धन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त तत्र्यरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप ;----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानकों में से किसी स्थानत हवारा;
- (था) इस सूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयूवत शब्दों और पदौं का, को उन्हें विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

#### पनुसूची

मकान मय भूमि पैमाईसी 889 वर्ग-फिट नं० सी० 2/ 12, मोहरुता हंकार टोला वाराणसी (जैसा फार्म 37 जी 14525 में वर्णित हैं) जिसका पंजीकरण रिजर्द्राकर्त्ता मिक्षकारी वाराणसी के कार्यालय में भगस्त, 1984 को किया जा खुका है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर **भ्रायुक्त (निरीक्षण)** भर्**न सेत,** लखनऊ

तारीख: 27-3-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अभयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1935

निर्देश सं ० जी० ग्राई० श्रार० संख्या के०-152/एक्यू०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक किता मकान वो मंजिला है तथा जो मिरक्षा टोला, बदांयु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमूस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्का ग्रिकारी के कार्यालय बदांयु में रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन, श्रगस्त 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के इध्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित क्यी गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्स, उसके क्यमान प्रतिफल सं, एसं क्यमान प्रविफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरिका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे वंतरिय के जिए इस पाक नया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त बंतरिक निविद्य में बास्सिक के एसे के बिस्त नहीं किया गया है:---

- (क) विशास से हुई किसी साय की वाबता, उचल अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे यत्रने में सुविचा के लिए; मत्रिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यवा था वा किया बाना चाहिए था छिपाने भें सावधा के सिए,

(1) श्रीराम प्रकाश वैष्य

(भन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश गृप्ता

(भ्रन्त(रती)

(3) श्रेता (बह व्यक्ति जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है।

को यह स्वना जारी करके प्वींयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोड़ थी बाक्षीय :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से A5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पना की तासील से 30 दिन की श्रविष, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति या हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी से पास जिन्दा में सिक्क का शक्ता ।

स्पष्डोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, हुँ, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

एक किना जो मंजिला मकान स्थित मिरधा टीला बदाँकु (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6787 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बदांगू के कार्यालय में प्रगस्त, 1984 को किया जा चुका है)।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 27-3-1985

प्ररूपः बार्ड टी. एन. एस. - - -

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । ाए 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, लह्नन्तुः लह्नन्तुः, दिनांक 15 ग्रुप्रैल 1985

निर्धेण सं० जी० प्राई० प्रार० संख्या एम०-215/एक्यू०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास नारने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मैर, त्योनाई स्रयारपाटा नैनीताल में स्थित है (और इसमे उपाबद स्रनुसूची में और पूर्ण मप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा स्रविकारी के कार्यालय नैनीताल मे रजिस्ट्रीकरण स्रवित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन, विनांक स्रयस्त 1984,

को पूर्वेजित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्के यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपयमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिरूप से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिशी (अन्तर्गारात्यों) के बीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तय पावा गवा प्रतिफल निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) मन्तरण संहृद्दं शिकी नाम् की काक्ष्य, उपक वीधिनियम की वधीन कर दोने के काक्ष्यक हैं दायित्व में कभी करने या उससे वच्चे में कृतिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी लाग गा किसी पन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा अहें लिए;

कतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अमनरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) 1. श्री झार० शाह क्षारा श्रीमती चम्पा शाह और श्री झन्ष शाह 2. श्रीमती चम्पा शाह क्षारा ग्रहानीं श्री श्रन्प शाह

3. श्री श्रनूप शाह

(भ्रन्तरक)

(2) भी महेण भेलवाल

(प्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वभाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी त्यिक्सया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्थव्यक्तिस्य :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### and to all

भूमि पैमाईसी \_3259 वर्ग-मीटर स्थित सैर, त्योतार्ड भ्रमारपाटा, नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 297 में वर्णित है (जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीक्षकारी नैनीताल के कार्यालय में ग्रगस्त, 1984 को किया जा भुका है)।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, लक्क्तक.

दिनांक: 15-4-1985

# प्रकार मार्च हो हो एन . एव . -

# शायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वंशीय सूचना

#### भारत वर्ण्यस

कार्यालय; सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, लखनऊ

सब्दनक, दिनाक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० स्त्रया एम०-216/एन्सू०--यत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर नपस्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी भूमि है तथा को चटवारा बरेली में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद अनुमूकी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजम्ब्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वंशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकल, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिकल कप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) मृत्यरण चे हुई किसी माम की भावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की वाकिस्य में कनी करने वा अवसे वचने में मृतिभा से किए; बीर/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विका खे लिए;

अत. अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् ह—

- (1) 1 श्रीमती तारा देवी
  - 2 प्रानन्द कुमार
  - 3 भी स्तोष मुमार
  - 4 श्रीकमल कुमार
  - दीपक कुमार
  - श्री मुभाष कुमार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेश सरन अधवाल

(भन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुजना क राजपान में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सुजना की त्यांकि से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वार्ष के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कन व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इव बूचना के राज्यम के प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- ब्रुच किसी कन्य स्थावत इवारा, वभोहन्ताक्षरी के पास निवित में किए वा बकें वे।

स्पक्त करण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, यहाँ अर्थ हाँगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि पैमाईसी 795 वर्ग-गज स्थित जटवारा, बरेली (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6648 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिक्षकारी बरेली के कार्यालय में भगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

्० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सद्घायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लक्कनऊ

दिनांक 27-3-1985

माहर 🛭

## वक्ष बार्ड . दर्न . एस . .........

# आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्फन रेज, लखनऊ

सबन्ड, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्धेश सं० जी० श्राई० श्राप्त संख्या पी०~136/एन्यू०— यतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह में अधिक है

और जिसकी मं० भूमि है तं को भौजा-म3 जिला-भुरादाबाद में स्थित हैं (और १ममें उपादक श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय भुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नितिबत उद्वदेस से उक्त अंतरण लिक्त में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दर्भ वे हुए किया बाग की वायदा, स्वर्थ विचित्रकृष के व्योक् कर वार्च के अध्यासक के दाचित्रक में अभी करने वा उच्छे वचने में सुविधा वे किए; बढि/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्यान हो जिया नियम, 1957 (1957 का 27) अध्यान हो जिया नियम स्थाप्त का किया जाना खादिए का, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात :---

- (1) 1. श्री ग्रुप्ण मु, मार श्रीवास्तव ग्राति • सिविल जज, भुरादाबाद
  - 2 श्री श्रेष्टवीर भटनागर
  - 3. श्री धर्मधीर भटनागर

(भन्तरक)

(2) अकाश नगर सहकारी आवास समिति लि०, भोहल्ला जोलाल, मुरादाबाद कारा श्री ओम अकाश मध्यवाल

(बन्तरिती)

को वह स्थना कारो करके पृत्रेक्ति सम्मिति के वर्धन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्रफान के सम्बन्ध मा कार्ड भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वविधि, को भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नुवा है।।

#### शन्त्वी

भूमि पैमाईसी 3.18 डिसमिल स्थित भौजा सऊ जिला-मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6010 में विणित है) जिसका वंजीकरण रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीक्षकारी मुरादाबाद के कामेलिय में ग्रगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

दिमांक: 27-3-1985

प्रकार आहाँ भी एन एस. ०० ०००००००००

# बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्यासय, सञ्चयक कायकर वायुक्त (निरोक्षण)

यर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्वेश सं० जी० भाई० भार० पंख्या पी०—137/एन्यू०—— यत: मुझे; ए० ५साद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

औ जिसकी संव भूमि ख सरा गंव 215 है तथा को लदापुर जिला-बिजनौर में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूभी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजि द्वीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बिजनौर मे राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य में कम के स्वमान प्रितिफल के लिए अन्तिरित की गड़ हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापृथित संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हो बार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तः विक अध्य में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते कृष्टं किसी नाय की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे वजने में स्विधा के विष्: बीर/जा
- (स) एसी किमी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियाँ की: चिन्हरें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कि: 11) या उनत निधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्भनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया नाना चाहिए था, कियाने में स्विधा को लिए,

अक्षतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसारण में, में, इक्ष्म अधिनियम की धारा 269 म क्री उपभारा (1) है बचीन निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) 1. श्री निसार अहमद
  - 2. श्री हशीब ग्रहमद
  - 3. श्री रईस महमद

(मन्तरक)

- (2) 1. श्री प्रदीप कुमार
  - 2. श्री प्रभात कुमार

(ग्रन्तरिती)

# व्यां बहु बृधना पारी करके पूर्वों कर सम्पतिस के वर्णन के विश् कार्यवाहियां करता हो।

चन्द्र सन्तीत के एपन के सम्बन्ध हा काई भी बाक्रेंप :---

- (क) इस त्या के राजपण में प्रकाशन की ताड़ीय थे 45 दिन की अनिध मा स्टलंबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के शक्ष निविद्य में किए वा सकोंगे :

स्मन्द्रीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### ग्रनुमुचो

भूमि खसरा २० 215 पैमाईसी 6 बीघा 19 विस्वा स्थित लडापुर जिला-बिजनीर (जैसा फार्म, 37-जी संख्या 3898 में विणित है (जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिक्षिकारी बिजनीर के कार्यालय में श्रगस्त 1984 को किया जा धुका है।

> ए० श्रसादः सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जा रेंज, लखनः

दिनांक: 27-3-19**8**4

मोहर .

इस्य नार्. टी. एन एम.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

#### नारत् वरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेज', लखनऊ लखनऊ, दिनाक 15 अप्रैल 1985

निर्देश स० जी० आई० आर० सख्या आर०—245/एक्यू०—— यत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

धौर जिसकी स० रिपाब्लक होटल कम्पाउन्ड का एक ध्रंभ है तथा जो नैनीताल में स्थित है (ध्रौर इसप उपाबद्ध अनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप ने बणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1984

का पृथोंक्स सम्पत्ति की उण्णित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ और मुफ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अपरण सिक्ति भं वास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आयं की वाबष्ट, उक्त लिभानियम के अभीन कर दोने के मन्तरक के दावित्य में सभी करने या उत्तक्षे क्याने में सृविधा के लिए और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट हिंदि किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मोहन लाल बैद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज दुलारी जेठी

(अर्न्ति रती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु"।

उक्द सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की चर्वाध, को भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण — इसमें प्रयुक्त पांच्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहां वर्ष होगा वो उस मध्याय में दिया गदा है।

#### **म**म्स्**ची**

रिपब्लिक होटल का एक हिस्सा पैमाईसी \$211.66 वर्ग-मीट स्थित नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 311 में वर्णित है) जिसका पजीकरण राज क्षीकर्ता ग्राधकारी नैनीताल के कार्यालय में ग्रगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० ५साद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक ग्रायुन्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक · 15-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहु".टी.एन्.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-व(1) के अधीन स्थना

धारम सरस्त्रर

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनः

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एस०-362/एक्य०--मतः मुझे, ए ० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बण्जार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भोर जिसकी सं क्यान मय भूमि है तथा जो सिविल लाईन्स 35, रामपुर बाग बरेली में स्थित है (और ध्मसे उपायक अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बरेली में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को प्रवेक्ति सम्पन्ति के उचित आजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया . गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्नविक हुए से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरभ स क्षुष्ट सिक्षों बाय की पाउस, जबस इभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांवित्तर मां काली अपन्त या उससे वक्षने मां स्विधा के किए; बरि/शः
- (स) एसी किमी जाय या किसी धन या जन्य आस्तिया को विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये वर जिल्हा में स्विभा में तिए:

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्निजिक्ति स्वित्यों, स्थित्।— (1) श्रीमधी विनोद बाला शर्मा

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री शिव दयाल

2. श्री कृष्ण युमार

(श्रन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके श्रीधिकोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कायवाहिया करता हु।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में काहें भी बाह्मप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्वाक्तियों में ने किसी स्ववित इवारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः --- इसमें प्रजुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कथि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, यो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्यो

मकान मय भूमि पैमाईसी 315 वर्ग-गज, स्थित सिवल लाईन्स 35, रामपुर बाग बरेकी (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6091 में बणित है) जिसका पंजीकरण दूरिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी व बरेकी के कार्यालय में श्रगस्त, 1984 की किया जा चुका है।

> ए० ५साव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (क्रिक्षण), श्रर्जन र्रेज, लख्दनऊ

दिनांक 27-3-1985

महिर:

# प्ररूपः नार्षः, टी., एतः, एसः, - ≓ - ± -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० औ० म्राई० म्रार० संख्या एस०-363/एक्सू०---बतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० धाराजी है तथा को ग्राम छावनी, सिवल लाईन्स, मुरादाबाद में स्थित है (और ६समें उपाबक अनुसूची में और पूर्ण एप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रा कारी के कार्यालय मुरादाबाद, में रजिस्ट्रीकरण श्रक्षित्मम, 1908 (1908 का 16) के घडीन, दिनांक ग्रगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शाया गया प्रतिफल निम्निविचित उच्चेष्य से उचित अन्तरण किश्वित में शस्तिक क्य से अधित मही किया गया है क

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; जॉर/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) । श्रीजय किशन
  - श्री सत्य नरायन
  - 3. श्री रामेश्वर
  - श्रीकामेण्यर प्रमाद
  - म्बयः व कर्ता कानदान कामेण्वर प्रसाद (एच० ঝু০ एफ०)

(भन्तरक)

(2) मैसर्म जिन शक्ति सहकारी ग्रावास मर्मित लि०. मण्डी बान्स, मृरादाबाद, द्वारा मचित्र श्री ताहिर हुमैन ।

(ग्रन्तरिकी)

(3) विकेता व किराएदार डी० ब्राई० जी०, पी० टी० सी० (वह व्यक्ति जिसके ब्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह त्याना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्पन्ति को भर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बासप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूधना की तारीं । 30 जिन की अंधिन की नारीं । 30 जिन की अंधिन को नीतर पूर्विकत क्यक्तियाँ में से जिसी व्यक्ति क्यांतर क्यों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माष्ट्रीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, यो उक्क अधिनियम के सध्याय 20-कं में परिभावित हैं, बृही अर्थ होंगा थो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### समस्य

प्लाट (म्राराजी, पैमाईसी 7143.34 वर्ग-मीटर मय कोटी जोकि 562 वर्ग-मीटर पर निमित है। स्थित प्लाट नंज 457 प्राम छावनी सिबिल लाईन्य मुरादाबाद मय पुरानी नवार्टर मय 188 वर्ग-मीटर भूमि (जैसा फार्म 37-जी संख्या 5379 में बणित है) जिसका पजीकरण रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर श्राप्<sub>ष</sub>त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ल**क्ष**नऊ

'मोहर 🍙

प्रकर बाइ.टी.एन.एस.-----

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ती भारा 269-म् (1) को नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनउ, दिनांक 15 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या एम०-217/एवयू०--यतः मूझे, ए० प्रसाव,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संब्धाराकी भूमि है तथा को भ्राम-दुरंगू नगला, तहब-सदर, जिला-रामपुर में स्थित है (और ध्ससे उपाबद्ध ध्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिट्टीकर्का ग्राधकारी के कार्यालय रामपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक ग्रांगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह् अतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया क्या अविद्धल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिक्षित में बास्तविक्ष कप स कथित नदी किया क्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए;

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ■—
5→553/35

(1) भोदी एक्सरोक्स लि॰ मेरठ क्षारा भूमि प्रवन्धक्ष ग्रह्मिकारी श्री पुरुषोत्तम स्वरूप ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स नोदीपुर होटल्स प्रा० लि० मोदीपुरम, मेरठ क्षारा श्री शरद श्रम्भवाल, डायरेक्टर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ' भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्से संभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्ति शब्दों अंग्र पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **भनु**युची

श्राराजी भूमि पैमाईसी 7 बीधा 4 बिख्वा स्थित थाम-दुरणू नगला, तह०-सदर जिला-रामपुर (जैसा फार्म 37-जी संख्या 2198 में वर्णित है (जिसका पंजीकरण रजिट्रीकर्फा श्रिकारी रामपुर के कार्यालय में श्रगस्त, 1984 को किया जा भुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 15-4-1985

मोहर 🖫

प्रकृत बाह् . टर्नु हुन् हुन् हुन् हुन्।

भायकर बीधनियम, 1961 (1961 भा 43) नती भारा 269-- च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकार बायुक्त (निद्धक्तिण)

ग्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 15 मार्च 1985

निर्वेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एन०-90/एक्यू०--यतः मुक्के, ए० प्रसाद,

वायकर मिर्थिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके दश्यात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी में भूमि नं 58 है तथा जो ग्राम-नरऊ बुजुर्ग बदायू में स्थित है (और ६ससे उपाबक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्राधकारी के कार्यालय बदायू में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 30 ग्रगस्त 1984

को वर्गोक्स सपिन्त के उचित बाजार मूल्य से कम के अवसान श्रीतकाल के लिए जन्तिरित की गई है जीर मुझे यह विद्याद करने का कारण है कि वजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाइ मूच्य, उसके स्थ्यमान श्रीतफल से, एसे अवसान श्रीतकाल का गण्दह श्रीतवाल से कथिक है बीर जन्तरक (जन्तरका) जीर जन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के किए तब पाया गया श्रीतफस निम्नतिवित उद्देश्य से उच्य अन्तरण विश्वत सा व्यस्तिविक स्था से कथित नहीं किया बचा है:—

- (क) तस्तरण से हुई कि तो नाम की नामछ उनक निय-रिम्म के करीम कार वीचे ने नामछ के समिल की कामी करने या उत्तर्व नामने वी सूमिया के सिए; श्रीय/था
- (क) श्रामी किसी मात्र मा किसी प्रम् वा कम्य वाक्तिकी को, किस्तु भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम मा चम्य काइ अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवीच-नार्थ सन्तरिती स्वास प्रकट कहीं किसा क्या वा मा किया जाना वाहिए था किनाने में क्रिकेश को स्थिए;

वतः वक, उन्तर वीधिनयन की धारा 269-व के वनुवरण हों, हों. इन्तर विधिनयन की धारा 269-व की उपधारा (1) के कधीन जिल्लीसमित व्यक्तियों, वर्षाय हान्स (1) श्री सस्य प्रकाश ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. मेसर्स न्यू घावर्ष फाईनेन्स कम्पनी, बदायूं.
श्वारा श्री वृज भूषण,
मैनेजिंग पार्टनर
2. मेसर्स भारत ट्रेडिंग कम्पनी, बदायू
श्वारा श्री मान्ती लाल ग्रारेड़ा
मैनेजिंग पार्टनर
3. मेसर्स घनेजा ट्रेडिंस, बदायूं
श्वारा श्री सुन्दर सिंह,
मैनेजिंग पार्टनर

(ग्रग्तरिती)

(3) विकेता (वह ध्यक्ति जिसके श्रीक्षभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्ष ग्रन्थित के वर्षन् के सिए कार्यशाहियां करता हुन्।

जबत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेत्र न---

- (क) इस स्वना के रावषम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन। की तामील से 30 दिन की वयिथ, जो भी नविध वाद में सजाप्त होती हो., के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उन्हास्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पाव निवित्त में किए या सकेंगे।

#### वर्ष्य

भूमि नं 58 पैमाईसी एक बीघा, 19 बिस्वा और 3 बिस्वास्ती, स्थित भाम नरुउ युजुर्ग, जिला-बदायू, जिसका पंजीकरण राजस्ट्रीकर्ता मधिकारी बदायूं के कार्यालय में दिनांक 30-8-1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6978 में वर्णित है)।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सेहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्थन रेंज, लखनऊ

**रिमांक**: 15-3-1985

क्ट्र 🛚

#### मुक्त वार्ं दी ्व्य व्य व्यवन्तरम्य

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्याजन, शक्त्रक माम्बर बाग्यर (निर्देशक)

घर्णन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० प्राई० झार० संख्या एन०-91/एक्यू०--यतः मुझे, ए० असाद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निष्टे इसमें इसमें इसमें परपात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने स्व कारन है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रहे, से अधिक ही

और जिसकी संव भूमि नंव 59 हैं तथा को श्राम-नरक बुजुर्ग जिला-बदायूं में स्थित हैं (और ३ससे उपायक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीक्षकारी के कार्याल बदायूं में रिजस्ट्रीकर्ण श्रीक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के अकीन, दिनांक 30 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस से कन के अवजान बितफस में लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विस्थात करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य उसके कावमान प्रतिफास से, ऐसे अवमान प्रतिफास का पत्तक बितकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एते अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एते अन्तरम से सिष्ट अक्षाना स्वा इतिफास, विस्तिवित उद्देशकों से उसके अन्तरम जिल्लिक वे बास्तविक कर से अधित नहीं किया गया है है—

- 'ता)' जनसङ्ख् वे दुर्घ रिक्की बाज की बाजवा, अवव वरिष्ण्य के ब्योज काह को के ब्याव्यक में वर्षायत्व में कमी कहने ना उद्देश क्याने में मुहिन्दा के जिए; मीड/ना
- (स) ध्रेसी किसी जान ना किसी धन ना जन्म जास्तिनों को, चिन्हें भारतीय भावकर जीभीनवनन, 1922 (1922 का 11) या उच्छा लिभीनयम, ना धन-कर जीधीनवन, 1957√ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीरती ब्नारा क्रिस्ट नहीं किया नवा चा या किया जाना चाहिए चा, क्रियाने में सुविधा के सिक्ट?

क्रतः अथ, उनत अधिनियन की भारा 269-न की अनुवरम जो, मी, उकत अधिनियम की भारा 269-न की उनभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीकृष्ण भूरारी लाल।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. मेसर्स न्यू धादर्स फाइनेन्स कम्परी, बदायूं धारा श्री कुज भूषण,
भौनेजिंग पार्टनर
2. मेसर्स भारत ट्रेडिंग कम्पनी, बदायूं धारा श्री शान्ती लाल श्ररोड़ा,
भौनेजिंग पार्टनर,
3. मेसर्स अनेजा ट्रेडिंस बदायूं
कारा श्री सुन्दर लाल सिंह,
भौनेजिंग पार्टनर

(श्रन्तरिती)

(3) विक्रीता । (वह व्यक्ति जिसके श्रीक्षकोग में सम्पत्ति हैं)

 बह तुमना पारी करके वृत्रोंक्स सम्परित के कर्ना के किस् कार्यवाहियां करता हुं।

# बच्च कम्पृतित् के वर्षम् के बम्बन्ध में कोई ही बाजेपः

- (क) इस त्यना के एकपण में अकाशन की तारीच है 45 दिन की नगीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की मामीस से 30 दिन की व्यक्ति थो. भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- हुँच) इच बुचना के रायभन में प्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीवर उक्त स्थानर सम्मीत्त में दिश्यवृध् किसी मृत्य व्यक्ति द्यारा, स्थोहस्ताकरी के शाह ज़िक्ति में किए वा स्केंगे।

ज्याचित्रणः --- इसमें प्रवृत्तत बन्दों बाँर पद्यों का, को उक्तः श्रीमृतिष्य के अध्याय 20-क वें परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, यो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

### नगुलुकी

भूमि नं० 59, पैमाईकी 1 बीका, 19 बिस्वा और 12 विस्वास्ती स्थित ग्राम-नऊउ, बुजुग जिला-बदायूं, जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्सा ग्राह्मकारी बदायूं के कार्यालय में दिनांक 30-8-1984 को किया जा चुका है (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6979 में विणित है)।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुवत (निरीक्षण) झर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक: 15~3-1985

मोहर 🛭

## प्रकल् बाइ टी. एन . एस .-----

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक कायकर काम्कत (निरक्षिण) श्रर्भन रेज, लखनऊ

लखन्त, दिनाक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० भी० म्राई० म्रार० सख्या एन०-92/एन्यू०---यत: मुक्ते, ए० प्रसाव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00;000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० भूमि है तथा जो बदायू में स्थित है (और भूससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बदायू में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 30 अगस्त 1984

की पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असको न्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से पिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्मीनिश्वित उद्देश्य से उक्त बंतरण निश्वित में बास्तिक रूप से किंशत नहीं किया गया हैं.——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की भावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के मंतरक की दायित्व में कजी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; जीर∕वा
- (वा) एची किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिसम, या धन-कर अधिनिसम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा ज्या था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा की सिद्द;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ,में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चत व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री राम रक्षपाल रस्तोगी ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. मेसर्स न्यू प्रादर्श फाइनेन्स कम्पनी, बवायू द्वारा श्री बृज भूषण, सैनेजिंग पार्टनर 2. मेसर्स भारत द्वेडिंग कम्पनी, बदायूं द्वारा श्री मान्ति लाल प्ररोड़ा, सैनेजिंग पार्टनर 3. मेसर्स प्रनेजा ट्रेडर्स, बदायूं द्वारा श्री सुन्दर सिंह, सैनेजिंग पार्टनर

(भन्तरिती)

(3) वित्रेता

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्भन्धी स्थितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, को भी सविध नाव में स्थान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानत में से किसी स्थानत हुनाइ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किये वा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्ब्री औड पर्वो का, जो उक्त श्रीभीनयम् के अध्याय् 20-क में परिभाषित इं, वही क्यं होगा जो उस अध्याय् में दिया ग्वा इं।

#### अनुसूची

भूमि पैमाईसी 1 बीधा, 18 विस्वा और 11 बिस्वा सी स्थित जिला-बदायूं (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6983 में बणित है) जिसका पंजीकरण राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी बदायूं के कार्यालय में दिनांक 30-8-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, लखनऊ

विनोक: 15-3-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्कत (निर्देशका) प्रार्जन रेंश-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रप्रैल 1985

निर्वेश सं० ऋ६०-1/37-ईई /2358/83-34-- ऋतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० ब्लाक नं० एल०-13, जो, महाराष्ट्र को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, आंबेकर नगर, श्राफ परेल टैंक रोड़, परेल, बम्बई-12 है तथा जो बम्बई-12 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18 श्रगस्त 1984।

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पत्वह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उच्च अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक की स्वियत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉट/बा
- (च) एसी किसी जान या जिसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आपा चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत् है—

(1) श्री सदानंद विरूपक्ष वागले।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश बालकृष्ण मिस्त्री माचरेकर। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अनिक्ष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिक्ष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वीकत क्यांकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलावन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा जया है।

## नंत्र्य

फ्लैट नं० एल-13, जो, महाराष्ट्र को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, श्रांबेकर नगर, श्रांक परेल टैंक रोड़, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/3396/-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रिअस्टर्ड किया गमा है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बस्बाई

दिनांक: 12-4-1985

मोह्य 🖫

प्ररूप महर्षे.टी.एन.एस. -----

# बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के सधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नाग्रकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 म्रप्रैल 1985

निर्देश सं० प्रई०-1/37-ईई/2386/83-84-प्रतः म्मो, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 47, जो, 4थी मंजिल, 'रंजल भ्रदार्टमेंटस, माउंट प्लेझंट रीड़, मलबार हील, बम्बई-6 है, तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित्त है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9 श्रगस्त् 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे स्नारण के सिए स्य स्वा ग्या प्रतिफल, निम्निलिखिड स्व्वंदय से उन्तर स्म्फरण कि बित से अधिक रूप से कार्य मान प्रतिफल, निम्निलिखिड स्वा देश कार्य कार्य कार्य प्रतिफल, निम्निलिखिड स्वा देश कार्य कार्य है कार्य कार

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी वन या बन्य आस्तिबों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध---

- (1) श्री युवराज श्री प्रवीणचंद्र सिंह जी ।
- (भ्रन्तरक)
- (2) डॉ॰ योगेश श्रंबालाल पारीख, श्रौर श्रीमती स्मिता योगेश पारीख। (श्रन्तरिती)
- (3) भन्तरक । (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह स्थाना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंग।

## भनुसूची

फ्लैट नं 47, जो, 4थी मंजिल, रजत भ्रापार्टमेंटस, माउंट प्लेझंट रोड़, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकी ऋ०सं० धई-1/37-ईई/3397/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, घम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायकु मायकर पायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-4-1985

मोहर ■

प्रक्य बाद्दे. टी. एन. एव. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सहस्रा

कार्यालय, सहावक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रजत रेंज-1, बम्बर्स बम्बर्स, दिनांक 12 प्रप्रैल 1985

निर्देश सं० म्रई०-1/37-ईई/2774/83-84--मतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाचार मुख्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं पलैट नं 2, जो, 4थी मंजिल, इमारत स्कायस्क्रपर ''वी" भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई—26 है तथा जो बम्बई—26 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), स्रीर जिसका करारनामा स्नायकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के स्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18 सगस्त 1984;

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उभित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूमों यह विस्थाद करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उभित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में भारतिक रूप से कथित गहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी जाय की बायत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दाजित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए; बीड़/वा
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी अन या अन्य अवस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट आही किया गया था या किया जाना आहिए था ज्याने के स्विधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) े के अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों, वर्षात् ए---

- (1) श्रीमती वेटटी सोली श्रॉफ ग्रॉंग्र हेक्टर सोली श्रॉफ । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मिनाक्षी मनहर उदास श्रीर मनहर रेकेशभाई उदास ।

(भन्तरिती)

का यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित. है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### क्रमसंबंधि

फ्लैंट सं० 2, जो, 4 मंजिल इतारत स्कायरक्रेपर "बी॰" भ्रालाभाई देसाई रौड बम्बई-6 में स्थित है -

षानुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-I/37-ईई/34/284 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-84 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

विनांक: 12-4-1985

मोहर ः

# प्रस्त बाह्य, टी. एन., एस., ----

नायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत स्रकारु

प्रज़िन रेंज-1 बम्ब ई बम्बई, दिनांक 10 प्रप्रैल 1985

निवर्ष सं. अर्ह-1/37-ह्राह्म/2478/84-85--अतः मुम्हे, ए. लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-ऊ से अधिक है

भीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 92-ए, जो, 9 वी मंजिल, "पुरुषात्तम टावर्स, इमारत, फ्लाट नं ० 884, टी० पी० एस० 4, श्राफ गोखले रोड़ साउथ दादर, बम्बई है तथा जी बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17 श्रगस्त 1984

को प्यों बत संपत्ति के उचितं वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच वंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में वासिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) वस्त्रपण से हुई फिली बाव की वावत, उक्त विधिनियम के सभीन कर दोने के वंतरक के दायित्य के सभी करने वा उस्त्ये वचने में सुविधा के सिएए: और/वा
- (च) एसी किसी जाय वा किसी भन वा जस्व जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिकत व्यंक्तियों, अर्थातः ---

(1) श्री जयंत मणिकलाल वागले।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र घसुलाल जैन, सुरेन्द्र घिसुलाल जैन, श्रीर नरेन्द्र घिसुलाल जैन।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## प्रनुसूची

फ्लैट नं० 92-ए जो, पुरुषोत्तम टाव ै, 9वीं मंजिल, प्लाट नं० 884, टी० पी० एस० 4, श्राफ गोखले रोड साउथ दादर, बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई०-1/37-ईई/3404/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 10-4-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याना , सहायक ग्याकर आय्क्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्वई

बम्बई, दिनाम 10 श्रप्रेल 1985

निर्देश सं० **ग्रई**०-1/37-ई०ई०/3217/84--85---ग्रन मुझे, ए० लहिरी,

बायकर बिधिनियम, 1961 /1964 का 4२ (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत पिधिनियम' कहा गर्मा है), की धारा 269-स के अभीन सक्षान प्राधिकारी को यह किला काने का कारण है कि स्थावर सम्पर्धन, जिसका किला कर प्राधिकारी 1,00,000 /- रहा से अधिक है

और जिसंकी सं ० फ्लैंट जं० 93वी, की, मेन्द टावर, फ परेड, बम्बई-5 है तथा जो बम्बई-5 में स्थित है (और उपसे उपायंड अनुसूची से और पूर्ण रूप ने विधान है), औं जिन्हा राज्नामा आयक्त अधिनयम, 1961 की धाना 269 व के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के वार्यालय में कि वृद्धि है, दिनाक 28 अगस्त 1984

को पूर्वेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और पारे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्नोक्त सम्मति व्याप्तिय वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य स उक्त अन्तरण किंबित में बादतिक रूप से किया गया है:—

- (क) असारण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचन में प्रिवश के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— 6—66 GI/85 (1) भी स्केट कुमार अध्याल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजात गुरस्त्रप्रयाला।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रीप ने गरी श्रम्य । (व व्यक्ति, जिस्ते श्रविभीग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जार। करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त मम्बत्ति को अर्जन को मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उर्वोध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस् में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षकी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिक्षिरणः—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षो उक्त अधिनियम, के अध्यात 20-क में परिभाषित हो, तही गई होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## ग्रनुसूची

फ्लैट नु 93 बी जो हे टॉवर, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची ाँ। कि पा प्राई०-1/37-ई० ई०/3508/ 84-85 और जो अस प्राधि तारी, वश्यई द्वारा दिनाक 28-8-1984 को रिजस्टई िया गया है।

> ए० लहिरी, स्त्रम प्राधिकारी, तहातः स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनातः . 10-4-1985 मोरर प्रकार के.स. . जी . मुन्तु पृक्ष . ......

जायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

## भारत गुरुकार

कार्याज्य , सङ्घायक बायक र आवृत्य (१७२१) क

प्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 म्रप्रैल 1985

निर्देश सं० **अई**०-1/37-ई०ई०/3230/84-85---अत. मुझे, ए० लहिरी,

अस्पकर मिनिनम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परकात 'छनत अधिनियम' सङ्गा भवा हैं), की भारा 269-स को अधीन बसस प्राधिकारी का वह विकल्पन करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधिक बाजार मन्य 1,00000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संक फ्लैंट न क 54(ए), जो, 'श्रनीता'' को-श्रापक हाउमिंग सोसाइटी लिक साउंट प्लेझट रोह, बस्बई-6 है तथा हो बस्बई-6 में स्थित है (और इपसे उगावड श्रनुभूवी में बॉफ पूर्ण का में बिणा है), और जिसा अराजनामा श्रायकर श्रीकिन्यम, 1961 की धारा 269 के ब के श्रधीन बरबई स्थि सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्ष में रिजर्म, है, दिना 31 श्रमण 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, धसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकला. निम्नतिचित उद्योक्यों से उक्त अन्तरण कि नास्तिक रूप से कियान नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एंथी तिहारी शत या फिली धन ता हत्व सार्गस्तर ते ते ते ता सार्गस्त प्राप्त प्रदान तो गी तहा सार्गस्त प्राप्त प्रदान तो गी तहा सार्गस्त प्राप्त प्रदान सार्थित प्राप्त प्राप्त प्रदान सार्गित प्राप्त प्रदान सार्गित प्रदान सार्गित प्रदान सार्गित प्रदान सार्गित प्रदान सार्गित प्राप्त से प्रदान के लिखा क

नतः जन, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निष्नृतिकित व्यक्तियमों, पर्योग :—— (1) श्राजै० एन० गुप्ता अ। र अन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मयुर सेवतीनात चाकसी और श्री सेवंतीनात एम० चोकसी

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिनके मधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुज्या जारी करके पृथाजित संपरित के कर्जन के लिए कार्यशाहियां कारता हुए।

जयत मुख्यरित के वर्षण के सम्बग्ध में काई मी बार्स्टर्ः--

- (क) दिवं सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिवं की बन्दीय वा तस्त्रान्तायों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि,, जो भी जन्दीय नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से निक्ती व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष् किसी अन्य स्थानित क्षारा अभीहस्ताकाड़ी जो पाव जिलास में सिक्य जा सकों गे।

स्माच्यीकरण:—इसमें प्रमृक्त सम्बाँ और पर्कों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिवा गया है।

# **अनुस्<del>यी</del>**

फ्लैट नं० 54(ए), जो. "श्रनीता" को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी वि०, माउट प्लेसंट रोड़, बम्बई- 6 में स्थित है।

श्रभुम्नी जै । िक कि मं श्रिष्ठी — 1/37—ई० ई०/2764/ 84-85 भीर जो पञ्चम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा. दिनांक 21-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी, व्यसमाधिकारी, सहायक भ्रायव्य भ्रायुक्त (तिरीक्षण), श्रजैन रैंज-1, बम्बई-

दिनाक: 12-4-19**85** 

# प्रकल जाहरै .टी . एन , एस ., -=------

जाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्द्रीकाण)

· श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनान 12 अप्रैल 1985

निर्देश म० **ग्रई**०--1/37 ई० ई०/3461/84--85---अतः म्झे, ए० लहिरी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी स० फ्लैंट न० 104, जो, की भजित, श्रनुराग, 9-जाणगण रोड़, धम्बई-6 है नथा जो धम्बई-6 में रिथत हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप स धणित हैं), और जिसका करारनामा श्राहरूर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रवीत बम्बई स्थित नक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाम 3 श्रामा 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इंडरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंड्यमान प्रतिफल से एसे इंड्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिचत से अभिक है और अन्तरक (अन्त्रका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के निए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण के बिहा में बास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं::---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त . अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अपितायाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्नीतिशित व्यक्तियां, अर्थात् क्रिक्त

(1) श्री भवानजामाई देवजी देखीया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदनलात गुदनलाल जैन।

(भ्रण्तरिती)

(3) **স্**লেক্ট I

(बहु कानिन, जिनक ग्रशिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षान ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी अनिथ बाद में तमाप्त होती हो, की नीतर पूर्वीकड "व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचला के राजपण में प्रकाकत की बारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अभोहस्त्राकरी के पास लिखित में किए जा सर्वोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त खड्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनिवस, को अध्याय 20 का में पिक्शिक्ति ही, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में किया नया ही।

## अ**नुसूची**

पर्नैष्ट नव 104, 1वी मंजित, अनुराग, 9, बाणगंगा रोड़, अम्बई-6 में स्थित है।

ग्रनुभूचो जैपा ि कर संरु भ्रईर 1/37-ईर ईर/3237/84-85 और जा अम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनाक 3-8-1984 को एकिस्टई किया गया है।

> ए० सहिरी, सक्षम प्राधिकारी. स्हायक श्राधक्य स्रायुक्त (निरीक्षण). श्रजैन रेंज-1, बस्बई

दिनाकः 15-4-1985 <del>वेक</del>ः

महिर :

प्रकल् नार्व्, टी. एत्. क्या. -----

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) में बधीन सुममः

भारत सरकार

कावलिय, तहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्त)

प्रार्जन रेज 1, बप्बई

भम्बई, दिना । 12 अप्रैतः 1985

निर्देश स० श्रई०-1/37 ई० ई०/3476/84 85 श्राम् म्हो, ए० लहिरी,

नावकर निर्धानसम, 1961 (1961 का 43) (वितं इसके इसके परचाय 'उनत मिनियम' कहा गया हूँ), की नारा 269-स में जभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर तम्बत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 100,000/- रा से अधिक ही

और जिसकी सन्यूनिट नन 1.20 जा 23वी शिवार शनाव चेंससं प्रियायसेन का आपात ताना है। ति , प्यदेणी पिन कपाउड, ऑपेस ताजर प्रत्यहैं - यह है । ज ब कई - 4 में स्थित हैं (और इसमें त्यामद्ध अनुसूचा में अन्यप्त का में योगित हैं), और जिनता तालामा आन प आवित्यन, 1901 ती धारा 269 वांख के अतिन तस्बई नियत जन्म तावि कि वार्यालय में रजिस्ट्री है, विसा 4 अभार 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाचार मूल्य से कम के दब्धमान प्रतिफल के लिए अन्दर्शित की गई आर मूझ यह विक्षात करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्मित का उचित बाचार मूल्य, उसके क्वयमान प्रतिफल में एंगे ११४मान प्रतिफल का प्रतिफल की क्वार्य प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) की कार्यारती (अन्तरितियो) के बीच एंस अन्तरण के सिए तथ वाया वया प्रतिकात, विक्लिवियो प्रतिकात सुद्धार के सकत बाचारण कि वाया प्रतिकात के के कार्यत नहीं किया प्रता है रूल

- (क) करवारण से हुई किसी आज की शायक्ष, क्ष्मकः नद्देशनियम के अभीज कर योगे के बन्तरफ के दिक्षिण को क्रमी करने या उससे दखने की सृत्रिया के सिक्ष; ध्वीर/वा
- (क) एती किसी नाम या स्थिती धर्ण या अन्य बारितकों नवे, चिन्हें भारतीय साथ-कर व्यक्तिमान, 1922 (1922 का 11) या उनत विभागनमा, वा धन-कर विधियमा, 1957 (1957 का 27) के प्रनोधमार्थ क्यतियों हुंगारा प्रकट कहीं हिन्सा नवा या वा सिका धाना वाहिए चा, कियाने में कृतिया के लिए;

बतः वन, उक्त अधिनियमं की तार 26% है है जिस्स में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म का उपधारा (।) के वधीन, निम्नीविक्त स्पेनिस्मी, नेमित् है— (1) श्री आभ मेहना, प्रोप्राइटर ग्राफ मवर्त रायल जैम्स ।

(भ्रन्तरकः)

(2) मेनर्भ आशेष अवर्ता

(अन्तरिती)

को यह बूजना जारी करके पूर्वोक्त कमरित के वर्षन के हिंबद कार्यगाहियां अरता हु।

उन्स सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कार्ड भी बाओप .---

- . (क) इस तुषना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की शर्ना या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान का तामील से 30 दिन की शर्वाच, जो भी शर्मीय बाद में सप्राप्त होती हो, को भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्रास्त;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीच वें
  45 दिन को भीतर उकत स्वादर सम्पत्ति में दिएबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा, जधाहस्ताक्षरी के
  पास निधित में किए जा सकेंने।

स्एखीकरणः - क्रममे प्रयुक्त कवा और पदा का, जो उक्त विश-नियम के अभ्याय 20-का में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिवा गया है।

## ग्रनुसूची

युनिष्य तरु 1320 गां 13ते पश्चित, प्रमाय चैबर्स प्रिमायपन का-स्थापरु मात्ताइटा तिरु, स्तदेशी मिन कपाउड, श्राद्वेरा ताउस, वस्बई- 4 में स्थित है।

म्रानुभूची जैं।। कि कि लि मई०--1/37-इ० ई०/3247/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी बेस्बई द्वारा दिनाक 4-8-1984 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनाक : 12-4-·1985

प्रका आई. टी. एन. एस ------

# **षायकड अभि**नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्वेश मं० अर्द०-1/37-ई० ई०/3479/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार जिस्त अधिनियम क्रिंग गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका एचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 25, 6वी मजिल. "धुरू महल , 'एफ़" रोड, आफ मरीन ड्राईव्ह, बम्बई—2 है तथा जो बम्बई—7 में स्थित है (ग्रीर इप्से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स विणित है), प्रीर जिसका कराकतमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख क अधीन बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिवा ह 8 अगस्त 1984

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवित उत्पार मन्य में कम के दश्रमान प्रतिफल के लिए अन्ता । ए। यह , अन्य प्रत्य में कम के दश्रमान करने का कारण है कि पथापार्थिय उपार्थित का उन्तित बादार मूल्य उसके उत्मान प्रतिपार ए, हमें एपमार प्रति का उन्ति नय पमार पन्नि का प्रतिपार से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत अक्षत अधिनियस के अधीन कर दान के बल्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; जौर/या
  - (च) एसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर मधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियस, या भनकर मधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए या, कियाने में सुभिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

- (1) श्रीमती वैजयंतीमाला सी० वाली । (अन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र टा० भाम्मेर श्रौर श्रीमती आरती० एम० भाम्मेर । मास्टर संदीप एम० भाम्मेर (मायनर), श्रीर मास्टर विणाल एम० भाम्मेर (मायनर) । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करको पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जुन के लिए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से िकसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिमिल में किए जा नकोंगे।

स्पट्टीकरण : -- १६समे प्रयुक्त अब्बों आर पर्दों का, वो उक्त है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया हो।

#### भगस्यी

प्लैट नं० 25, जो, 6वी मंजिल, ''धुरू महल'', ''एफ'' रोड , आफ मरीन क्राईव्ह, रम्बई—∄ में स्थित है ।

अनुसूची जैंगा कि करु सरु अई०-1/37 तू ०/3510/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, मक्षम प्राधिकारी, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-4-1985

प्ररूप मार्थः, टो. श्रुवः, श्रुसः, ---- 🗫 ----

**आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-च (1) के अभीन मुच्या

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक भायकर आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-ई० ई०/3980/84-85-अत: मुझो, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया ही, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निष्याम करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, जो, 'हैं' विग, विना बिना आपर्टमेंटन, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प०), बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 4 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और महो यह विश्वास

भूत यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, विस्वनिद्धित स्वृद्धिय से उक्त जन्तरण निवित में आस्तिक रूप से कथिम नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहूर्य किसी नाथ की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने मा उससे वजने में सृविभः को लिए, और मा
  - (७) एंसी किसी अब ए किसी धन या जन हारत्या की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया से स्विभा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीप्रकाश एस० बंगानी।

(अन्तरक)

(2) श्री मुबोध कृष्णा नारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को निष् कार्यकाहिया कररा हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अधिक्ष, भो भी असिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हित-बच्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अथाहरूसाक्षरी के शस निस्ति में किए जा सकीं।

स्पन्धीकरण:----६सम प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वा उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुस्**षी

फ्लंट न० 302, जो, बी-विंग, विना बिना अपार्टमेंट, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० आई०-1/37-ई० ई०/3250/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 4-8-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-4-1985

प्रस्त् बार्ट. टी. एत. एक. -----

मार्थकर विभिन्धिम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के सभीन सुचका -

मार्थ सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई०-1/37ई० ई०/3488/84-85-3न: मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधिन सक्षम शिधिकारी को कि विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पाँच, जिसका अधिकार बाजार मुख्य 1,00,000/- रहे, से अधिक हैं

1,00,000/- रह. स आधक ह

श्रौर जिसकी संव आफिस प्रिमासेय नंव 45, मित्तल कोर्ट

"ए" विंग, 4थी मंजिल, प्लाप्ट नंव 224, बलाक 3, बकबे रेकलमेंशन स्कीम, नरीमर्न पाइंट, बस्बई—21 है तथा जो बस्वई—21

में स्थित है (श्रौर इससे उप(बद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप
से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,

1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 6 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित वापार मुख्य से क्ष्म के असमार

बित्तपार के लिए मस्तरित की गई है और मृत्ते यह निक्शास

करने का कारण है कि सभापदोंकत सम्पत्ति का उक्तित ताजार

मृत्य उसके स्वसान प्रतिकात से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकात का

न्दार प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और,

कत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय

क्षा गया धतियक निक्तिवींत स्वयंक्त से बचत अंतरण

विविद्य में बालांक क्ष्म से बीचन नहीं किया यहा है है——

- (का) अन्तरण ने हाडी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन अर योगे के अन्तरक की वामिस्ट में कमी उनने १७ असमे अलगे में जीवका की निर्मा और/मा
- (अ) एंकी किसी बाब का किसी बन या अन्य अंग्यन्ता का, जिन्ही भारतीय कावकार समिति । 1972 (1922 का 11) या जावका अधिनियम, का अनकार किथिनियम, का अनकार किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्ता बन्ति वृकारा प्रकट नहीं किया कार का या किया का या का या का या किया का या किया का या का या किया का या का या किया का या का या किया का या का या का या किया का या किया का

कतः वव उत्तर विविवयम की बारा 269-ग के जन्भरण कों, मीं, अन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन में निम्निनिख्त व्यक्तियों में अधीत क्ष-

- (1) में विभागिताय इंडिस्ट्रियन इवेस्टमेट कार्पेरिशन । (अन्तरक)
- (2) मेभर्म स्वदेणी लेगिंग कपनी लिमिटेड। (अन्तरिती)
- (8) अन्तरको । (बह व्यक्ति जिशके अधिघोग में सम्पति है)

को यह सूचना भारी करके पृथिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

क्षमस् करमारित के नर्जन के सम्बन्ध में कांग्रे भी नामीप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में अकाशन की तारीज़ वें 45 विन की सर्जीय या दल्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की शामील से 30 दिन की अवधि, को बी बक्तीभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकड़ काकिस्तों में से किसी व्यक्तिस ब्वासा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 बिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-स्व्य किसी जन्न व्यक्ति द्वारा, अभोहस्तावरी के पास विक्तित में किए वा सकीने।

रबक्तोक रण.--- इसमें प्रत्नत करों और पर्यो का, वा उपस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, शही वर्ष होगा को उपस अध्यान में दिश्त अया हैं।

#### बन सची

आफिस प्रिमंसे स नं० 45, मित्तल कोर्ट, ए—विंग, 4थी मंजिल, प्लाप्ट नं० 224, ज्लाक 3, बकवे रेक्लमेंशन स्कीम, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-1/37ई० ई०/3260/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्ब**ई** 

दिनांग: 10-4-1980

मोहर 🛭

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 12 अप्रैल 1985

नि हेगसं० अई०-1/37ईई०3495/84-85 अतः मुझें, ए० लहिरी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० दु भन त० 2, जो जाती नगर, 98, लक्ष्मी बाई जयमोह नदास रोड बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 6 अगस्त 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मरण से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्निवक हप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से बसी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए: और/था
- (ख) एंसी किसी आय या तिसी धन या कर्य अपितयाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनसरण में, में. उक्त विभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, रिमालिखित व्यक्तियों, अर्थाएं:—

(1) मेरार्स हेमन व्याभेण एउ वपनी ।

(अतरक)

(2) श्रीमती रूक्मणीबेन प्रेमजी जहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे वह सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के जर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हन्नेगा जो उस उध्याय में दिया गया उ

# मन्त्र्यी

वुकान नं० 2, जो, णांती नगर को—आप० हार्जीसग सीसाइटी लि०, 98, लक्ष्मीबाई जगमोहनदास रोड, बम्बई-6 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-1/37-ई० ई०/3264/ 84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए०`स्रहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985 मोहर . प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर बोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

कार्यालय सराप्रक आरक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्था रेप-1, बेम्बर्ट

बम्बई, दिनाक 1 .. अप्रैल, 1985

निदेग सं  $^{\circ}$  श्रई-i/3 /ईई/ $3505/84-85 \leftarrow$  श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयक्तर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सदम प्राधिकारों को यह विद्रशम करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उतिह बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

और जि.की स० फ्लैंट न० 8, ची 4 थी भूजिलें, सुदामा, 214, बालकेश्वा रोड, बम्बई-6, है तथा मा वम्बई-6 में स्थित है (और इसम उपावड अपनूची में और पूर्णलप र पिणा है)। और जि मा वस्तारनामा आया में अविनियम 1961 की आरा 269 मा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिन समें के नायलिय में किस्ट्री है। तारीख 6-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य में कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और असरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अर्तरितयो) को बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त कतरण निम्नित भ

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों की, जिन्ही भारतीय आयकर उदिनियम, 1922 (1922 ना 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्शी उपार न्या नहीं किया नियम या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सर्विधा के लिए;

(1) श्री अनीलाल छोटाला र मृहता, बहुलेण वागलाल मेहता, और बहुलेण (तीलाल सहता और शाहियत श्राफ मायतर अबहुर बहुलेश नक्षता ।

(श्रान्तरकः)

- (2) श्रीमित लीलावती मणिलाल णहा और श्री जितेन्द्र मणिलाल णहा ।
- (3) श्रन्तरिको

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है) को यह मृचना जारी करक पृविकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहया श्रम करता है।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित्-जद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणं — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास मी दिया गया है।

## भ्रनुसूची

फ्लैट नं 8, जी, 4 थी मंजिल, सुदामा, 214, वालकेश्वर-रोड, बम्ब**ई**-७ में स्थित हैं।

अनुभूची जैना कि क स० अई-1/37ईई/3282/84-85 और जा रक्षम प्रधि गरी, बम्बई द्वारा दिनाक 6-8-1984 का रजिस्टर्ड निया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन रेज-1 ब**बम्ह**

नारीख 1° 4-19**85** मोत्र

# प्ररूप आहें, डी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कायितय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भूजेन, रेज-1, अम्बई

बम्बई दिनांक 10 प्रप्रैल, 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार गुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कमरा नं० 20, जो, 3 री मंजिल, ताडदेव एधर, कंडिगल्ड मार्केट, ताडदेव जम्बई-34 है तथा जो बम्बई-34 में स्थित है और जिसका वररारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क्ख के प्रधीन, तारीख बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 6-8-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की शावत, अक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या ज़ससे जचने में स्विध। के लिए, और/गा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-का विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण्डा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के निए;

अतः अव, जकत अधिनियम का भारा 269-ग क अनुसरण में, में जकत अधिनियम की भारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थांत :---

------(1) श्रीमती लिलता नारायण वीला।

(म्रन्सर∜)

(2) श्रीमती सायरा झैड, व्होरा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीस से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकी।

स्पन्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विज्ञा गया ही।

## अन्सभी

कमरा नं० 20, जो, 3 री मंजिल, ताडदेव एमर कंडिशन्ड मार्केट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

धनुसूची जैना कि क सं ० अई-1/37ईई/3284/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्स

तारीख: 10-4-1985

# **इस्य बार्ट्य टी**य **एन**् एस्य क्रान्स्य

शायकर नीप्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के नपीन स्पना

#### भारत सहस्रार

कार्यालय. सहायक वायकर आयुक्त (निद्रक्षिक) श्रर्जन रेंज-1, बस्वर्ष

बस्बई, दिनांक 12 भग्रैल, 1985

निदेश सं**े शई**-1/37**ईई**/350/84-35---यतः

मुझे, ए० लहिरी, +

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ि असे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िसका उपित वाबार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 319ए, जो, 3 री मंजिल, सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, लैन्ड बेग्नरिंग सी०एस० सं० 2/159, 1ए/160, 1मी/160, 18/160, 1ए/184, परेल िवरी डिविजन, बम्बई है तथा जो, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबत प्रमुखी में और पूर्णस्प सं वर्णित है)। और जिसका करारनामा प्रायार प्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के प्रधीन बम्बई स्थित. सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है। त रीख 6-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अभिक है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पायन नवा प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देशिय से उसके सम्बद्धन निचित में बास्तिक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी भाग कर्यों बाबत्, उक्क बर्शिनियम के नभीन कर दोने के अन्तर्स के बाभित्व में कभी करने वा उक्के बचने में शूरिक्श के सिए; बीर/या
- (क) प्रेसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य वास्तिकों को, जिन्हूं भारतीय आग-कर वांधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया. धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण बो, मी, अवस अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1), वे वभीना हिन्म्सिकित व्यक्तियों स्थाति क्रिक्त (1) मैं सर्स प्रभूदासदालीचंद एण्ड कम्पनी।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री एलताथ भाजचन्द्र लोम्बेर और श्री० दिलीप भाजचन्द्र।

(धन्तरिती)

(3) भन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

की बहु भूकना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध मां कोई भी जाकोंथ :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों १९ त्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपक में अकाशन की तारीक दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए का सकोंगे।

स्रुव्यक्तिरण: --- इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को खक्छ अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हरूँ, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिवा क्या कै।

## **ग्न**न्सृची

यूनिट नं० 319ए, जो, 3 री मंजिल, सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, लैंन्ड बेग्नरिंग सी०एस० नं० 2/159, 10/160, 1/160, 18/160, 10/184, परेल सिवरी डिविजन, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० भई-1/37ईई/3286/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 6-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1, **बम्बई**

तारीख: 12-4-19**85** 

मोहर 🛭

# प्रस्प काइं.टी.एन.एस.----

# नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रार्जनरें ज-1, अम्बर्ध

बम्बई, दिनाक 12 श्रप्रैल, 1985

निदेश मं० **भ्रई**-1/37**ईई/3510/84-85 -- श**्रत मुक्षे, ए० लहिरी,

बादकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी स० पलैट न० 1, जा, ग्राउन्ड पलार, "विष्णु महल", डी रोड, चर्नगेट, वस्बई-20 है तथा जा, अम्बई-20 में स्थित हैं (और इस्से उपाबंद्ध श्रानुसूची में और पूर्णक्य में विणत हैं) और जिस्ता तरारतामा श्राप्तार श्रीधित्यम 1961 की धारा 269 कवा के श्रीकी वस्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के स्थितित में रिजिन्ही हैं तारीख 6-8-1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वामु के रने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के बंद्र प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में मृजिधा के शिक्ष; करिं/मा
- (क) एँसी किसी काम या किसी धन या अध्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर विधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, दिल्याने में स्विधः स्वीयमा के सिए,

कतः वनः, उन्त निधिनियम की धारा 269-न के मन्करण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन. निम्निविधित व्यक्तियमें, स्थात् :— (1) श्रीमती न्यमणि ह्यमन राय श्रष्टवानी।

(श्रहार∉)

(८) श्री मुरलीबर एच० श्रग्रवाल और श्री हनुमान दा श्रग्रवा रे।

(ध्रन्तिनिती)

को सञ्च सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहिया धुरा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी बाजोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख न 45 दिन की वर्बाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की ठामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस श्रुपना के राज्यक्ष मा एक वान की तारीक है 45 दिन के भीतर उपत रथावर सपित्व मी हितबद्ध किसी बन्य स्पवित द्राना अधोहस्ताक्षरी के पास निरिक्त मी किए जा सकी।

# • श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लेंग्र, विष्णु महल, डी रोड, चर्चगेट, वस्बई-20 में स्थित हैं।

भ्रानुसूची जैसा दिः क स० श्र8-1/37ईई/3287/84-85 में और जा पक्षम प्राधि गरी ें ।यि गिर बम्बई द्वारा विनाक 6-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लेडिरी सक्षम प्रार्थसारी सहायक आयक्षर ((युवत (किरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्स

तारीमः । ^-1-1985 मो**हर** थ प्रकार वार्षे , डी , एन , ४३ , -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के व्यीव स्थवा

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक कावकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रार्तन रेज-<u>'</u>, बम्बई बस्बई दिना 🕆 💷 अभैन, 1985

निदेशें मं० **फ**ई-1/37ईई/3511/84-85---**फ**त:

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रा स ३ धिक हैं।

और जिएकी पर की ने हैं। तथ हमा दर एण्ड लव ले ।, माझगान, सी ० ए १० ४० ४९५, गाझ र १ जि.संचत, बाबई है तथा जो, बन्बई मे िया है। (और उत्पटता । इस्रतुमुकी में और पूर्णस्प शर्वाणाः है)। ऑह जिस्सा राद्यामा घ्रा,/-१ घ्रिलिसिम 1961 की धारा 259 रुख के मधीन बम्बई िया। असन प्रति । री के तार्यात्य में रिजर्स्ट है। तार्र ४ ५-४-1984,

का पूर्वांक्य संवेदण अं उपित बाजार मूल्य में कम के खबसार प्रतिकल के विध् अन्तुरिश की गुड़ाँ ही और मुक्ते मुख्त विकास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरिश की उचित आजार मून्य, अक्रके स्थममान प्रसिक्तन सं, एसे स्थममान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अलिरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पति कल निम्नलिखित उद्देश्य सं उपरा अन्तरण लिखित में वास्त किक रूप में जीभत नेहां फिल्मा गणा 🖏 ---

- (क) अम्सरमा स हुई फिक्की नाम की नामत, अकः अभितियस । ते अभीन कार दाने की सन्तरक अर्थ दायितः मा कामी कारत या उत्तरे बचने मा सुविधा क चित्रे; बाँद/वा
- (क) एसी किसी अभ या किसी धन या बन्य आहितयों का, जिन्हां भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्ध अन्तरिती द्यारा प्राष्ट नहीं किया शया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अत अस, रंडन ाँ नियम की धारा 260-ग के ब्रनसम्ब में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात् 🌇 —

(1) ट्रस्टीन ग्राफ हुम १ श्रला श्रब्दा श्राती ठाल नावा रा ।

(भ्रन्तरक)

(2) में भी सुभर एसोसिएइ⊣ ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भाड\_न।

वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति

हैं।

(४) द्रस्टीव ।

वह व्यक्ति, जिसके बार मे श्रद्धाहस्ता-अरी जा ता है कि वह सम्पत्ति में िन्धांद्र है।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन को तारीख 45 दिन की जनभि या तत्र्श्वंभी व्यक्तियों पर सुचना की तामीस से 30 दिन की भवधि, जो भी अकिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तिनयाः में स किसी स्मिक्त क्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर हम्पत्ति में हिश्रह्दध किसी अन्य व्यक्ति दुनाय अन्तिस्ताकरी के पास गिमित में िक्षा बा सकेंगे।

स्पथ्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यान 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### मन संपर्धि

जर्मरत है आथ इमारत एण्ड भन लेन, माझगाव, सी ल्एमरु न र 399, नाजगान डिविजल, बस्बई में िपत है।

श्रानुसूची जैसा कि का सं अई-1/37ईई/3288/84-85 ऑर जो अक्षम प्राविकारी, **बम्बई** द्वारा दिना ५ 6-8-1984 का रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० लहिरी पक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज-1, बम्बई

नारीख 12-1-19**85** मोहर ;

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत ब्रह्महर

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बन्बई दिनों । 12 म्राप्रैल 1985

निदेश सं० **ग्रई**-1/37**ईई**/3516/84-85---ग्रतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उपनियम अहा गया है), की धारा 269 से के मधीन सभार शाधियारी को यह निश्नास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपनित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिपकी सं अप्राफिय नं ० 509, जा, प्रमाद चेंबर्स, भाषेरा-हाउल, बम्बई-4 है तथा जा, बम्बई-4 में स्थित है (और इस्ते उपाब प्रमुख्ती में और पूर्ण इस में विषित है) और जिसक करार-नामा श्रायक्षर श्रिशितम 1961 की धारा 269 एख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 6-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिपन्न के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्षेवित सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल्य, निम्निचित उब्दोध्य से उक्त अन्तरण कि सित्य में बास्तिक क्या से किवत नहीं किया गया है र----

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आम की वाबता, उक्त सिविनियम को मजीन कर पोर्टको अन्यरक का साबितन में कानी प्रतिने का उन्नको सभारों में सृधिक। को सिर्फ, मरि/का
- (च) एती किसी आव या किसी थव वा बच्च वास्तियों को, जिल्हों भारतीय नाव-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 1-1) या जन्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बागा चाहिए था, जियाने में सुनिधा वो विद्युः

अस्त: अस्त, उपन अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थाव ध्र— (1) श्री वी० एत० **अगाडि**या, एच०यू०एफ० ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेलर्स पराग कारपारेशन।

(भन्तरिती)

को बहु स्थल बारी कारके पूर्वोक्त संप्रीत के बर्डन के जिल्ला कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उन्हां संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के प्राथपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जनमि या तस्त्रंतंभी व्यक्तिमें प्र सूचना की दानीस से 30 दिन की अविभि, जो भी जनमि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सक्तर्यं

स्य प्रिकारण: ---- इसमें प्रमुक्त सन्दर्श और पदाँ का, को अवस्थ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

# नवृत्त्वी

श्राफिय नं० 509, जो, प्रसाद चेंबर्स, श्रापेरा हाउस, **बम्बई** में स्थित है।

भ्रानुसूची जै। ि ऋ० स० भ्राई-1/3 ऋई/3336/84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> · ए० लहिरी पक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-1,वस्बर्ध

तारीख: 12-4-1985

भोहर 🦚

बंदम् शाही<sub>त</sub> दी. पूष्, प्र<sub>विका</sub>रण

(1) मेसर्स बिल्ड क्वि है।

(म्रन्तरक)

(2) विवेकानन्द केन्द्र ।

(अन्तरिती)

बावकक्ष्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत सहस्रह

कार्बाष्य, स्कायक भागकर नाम्यत् (निर्णक्षण) भ्रार्जनरेज-1, जम्बई

बम्बई दिनांक 12 मप्रैल, 1985

निदेश मं० **घई**-1/37**ईई**/3520/84-85---अतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार्त (उन्त मधित्यम) कहा गया हो), की भारा 269-क से अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थापर सुम्मित्, जित्का उणित नामार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अरे जिल्ली संव फ्जैट तंव 1, जो, "श्री राम भवन", प्लाट तंव 772, जो, डीव्यम व्हस्टेट, पाउथ तिलंक रोड, पारसी कालींनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित हैं। (और इपसे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)।और जिल्ला करारनामा आयकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविशारी के कार्यानय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 7-8-1984 को पूर्वोक्त कम्पत्ति के विभिन्न सांबार मृख्य से कम के खम्मान श्रीकृक के निष्य बन्तारित की गृह हैं और मृम्मे यह निक्याक कहने का काइल है कि म्यावृत्ते कि संवीत्त का संबह बतिसत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिता (अन्तरिकार) के बीच एसं बन्तरण के विष्य सब थाया स्था बहिनक, विक्रांकित समुवित स्वयंत्र से कन्त रुप्ताक्त का संबह वीतस्त , विक्रांकित समुवित स्वयंत्र से कन्त रुप्ताक्त का संबह को वालसीवक स्थ से किथिस नहीं किया स्था है है—

- (क्यू) क्षाचारण से हुन्द्र किसी आन् की बस्तक सक्त क्षिप्रियम के कथीब कर धने के क्याक्त ने दायित्व में कमी करने या उससे ब्षने मी सुविधा के निग्; जार/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के किए:

बतः बन्, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण वं, वे उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत, निम्निसिंबत व्यक्तियों, अर्जात् :--- का यह सूचना चारी कारके वृत्रींनत सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त कमिति के वर्षन के बुक्काम में कोई भी वासीप :---

- (क) इस क्वना के स्थापन में प्रकाशन की ताहीक वें 45 विस् की क्वींच ना तत्सम्बन्धी अम्बित्यां पर क्षणा की तामीच से 30 विन की बन्धि, अरे भी जब्धि बाद ने सुनाप्त होती हो, के भीतर प्राँक्त क्वींक्तों में से किसी क्योंचित द्वापः
- (क) इक्ष वृष्णा के स्वष्ण में प्रकाशन की तारीब से 45 विश के बीचर उक्त स्थाधर सम्मत्सि में हितयवृथ किशी कच्च व्यक्ति इंगाय वृष्णिहत्ताकारी के पास सिक्षित में किए जा सकीये।

स्पक्कीकरणः ---इसमें प्रमुक्त शक्कों और पक्कों का, जो उक्त अधिनिक्का, को अध्याय 20-क में परिशाधित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अभूत्वी

फ्लेट नं ० 1, जो, श्री राम भवन, प्लाट नं ० 772, डी॰एम० इस्टेंट, साउथ तिल ३ रोड, पारसी कालोनी, दादर, अम्बई-14 में स्थित है।

स्रनुसूची जैभा कि ऋ० सं० सई-1/37ईई/3339/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० लेहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जेत रेंज-1, बस्बर्ष

**तारीख**: 12-4-19**85** 

# प्रस्प आहे.टी एत एस - ------

जायकर अधिनियम, 1961.(1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

**प्रा**र्जन रेंज-1, अभ्याई बम्बई दिनां : 12 म्रप्रैनः, 1985

निदेश सं० अष्ट-1/37ईई/3523/84-85--- अत म् झे, ए० लहिरी,

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्माएं 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बापार मुख 1,00,000 ∕-रुः से अधिक **ह**ै

और जिस्की संब पनेट वंब 124, जो, 12 वीं मंजिल, यननाम अपार्टमेंटन, क्षा परेड, घम्बई-5 है तथा तो बस्बई-5 में स्थित है (और इसने प्राबाद श्रास्ची में और पूर्णकः संवर्णित है)। और जि । हा व्याप्तामा श्रामहर श्रीधनियम 1961 की घारा 269 के श्राप्ति, बस्बंड स्थित सक्षम प्राविकारी के अपनिय में रिज़स्ट्री है। तारी ब 7-8-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से का की **ए**श्यमान प्रतिकत के तिए अन्तरित गप्ट की न्ह विभवास करन का कारण कि नथा प्राँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है **और अंतरकः** (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीलिसित बबुदांच्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित अहीं फिया गया है ७---

- ,क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व पें कमी करने या उससे बचने में स्विधा बायित के लिए; गौर/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अभिगियम, 1957 (1957, का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ला या किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 🛋 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :——

(1) में तर्म जी बटी बी व मिर्मित एजेन्सी।

**(ग्र**न्त'र-'' )।

(2) भी मोदौस फबस्रीनगांचा औत. श्रीमति मनी । महिंस पंचा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाहरेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समान्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किर्सः अन्य व्यक्ति व्यारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दां और पर्दों का, जो उक्त निधनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लेट नं० 124, जां, 12 वां म जिल, सतनाम भ्रापार्टमेंटम. केफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

**ग्र**तुसूची जैसा कि कि० स० **ग्रई**-1/37**ई**ई/3341/84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1984 की रजिस्टर्ड किया गथा है।

> ए० विहिरी नक्षन प्राधिनारी नहीय के आप हर श्राय्का (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, शम्बर्ह

तारोष्ट : 12-4-1985

नोहर 🛭

# प्र<del>कार कार्यः, टी. एन्, एक्.स------</del>

बाग्धारं क्षीर्थानसभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

#### भारत संस्कार

# कार्यालय, सहायक जायकर वायक्त (निरीक्षक)

ार्जन रेंज-1 वम्बर्ध वम्बर्ध, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ाई-1/37ईई/3534/84-85--- अतः मुझे, ए० लहिरी,

श्रीर जिसकी सं पलैट नं 8. जो, 4 थी मंजिल, मन्त्री कार्नर जंकशन जाफ गोखले रोड, स्यानी रोड, बम्बई-28 है तथा जो, बम्बई-28 में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में विजित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269 क्य के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिका री के कार्य इस में स्थित है। तारीख 7-8-1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्कोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार ब्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिगियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुए किसी जाब की बाबत, सकत संधित्यम के अधीन कार दोने के अंतरक के शामित्व मों कामी अपने या उससे नचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क्ष) एसी किसी अब या किसी धून या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 पा 11) या उन्नत अधिनियम, या प्राप्त अधिनियम, या प्राप्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्चिनाई अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना बाहिए था, क्षिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ब्राप्टिट जिल्लानित व्यक्तिमाँ, जनीस ह—— (1) श्री शिव प्रसाद कें ० अगस्वास ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती जामकूदेवी हस्तीमल भीर श्री हस्तीमल लाघूराम शेठीया।

(अन्तरिती)

को बंह सूचना चारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कीई भी शाक्षेप :---

- (का) इस स्मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में दिये जा सकरें।

स्पन्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम के अध्याम 20-क में परिनाधित है, बही अर्थ होता, जो उस अध्याय में विकास की

## अनुसूची

फ्लेट न० 8, जो, 4 थी मंजिल, मंत्री कार्नेर, जंक्यन आफ गौखले रोड, सयानी रोड, बम्बई-26, में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-I/37ईई/3351/84-85 और तो सता प्राधितरी, यमपई द्वारा दिनांक 7-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रापुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बर्फ

तारीख : 12 (-1985) मोहर :

8--66GI/85

# प्रकृष आहे.टी.एन.एस.-----

भाषकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

काबालय, सहायक बायकर बायका (निरीक्षण) प्रजीन रोज-1, बम्बई

बम्बई. दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37 ई ई/3554/84-85—-यत , मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अधींग सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृल्ब 1.00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 45-ए, न्यू मिरामर को-आप० हाउसिंग सोपाइटी लि० 3, बेनियन मी० रोड, बम्बई-35 है, तथा जो बम्धई में स्थित हैं (और इसके उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका करारनामा उपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 7 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वात करने का कारण है कि उथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम बाबा गबा प्रतिफल, निम्नलिबात उद्देश्य से उक्त अंतरण निविद्य में. वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया ज्वा है:---

- (क) अंतरक से इन्हें किसी बाय की बाजत, उक्क आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिक्स में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निद्; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अब, उक्त साधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थासु:— 1. श्री तन्त्र बीज मन्या/राम/नी

(अन्तरक)

2. श्रीमती निगा सूरी श्रीर श्रीमती धर्म बती मुनेजा (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के अर्थन के लिस् कार्ववाहियों करता हूं।

जनत बस्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्ध व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए जा सकेंगे।

स्वकारिकरणः -- इसमें प्रमुक्त कान्यों और पर्धों का, जो उनत आयकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्यास इस्त अभ्यास में दिवा गया है।

## अनुसूची

पर्लेट नं : 45-ए, जो, न्यू मिराभर को-आप हाउसिंग सोसायटी लि : , 3, नेपियन सी : राड, बम्बई-35 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई०-ा/37-ईई/3366/84-85 और जी सक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहरी मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रॉज 1, बम्बई

नारीख : 12-4-1985

अस्य अहा.डी.एन.एस. -----

वायकर लिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन सुचना

#### बारत करकार

कार्यालय, सह।प्रक् आयकर आवृत्क (निर्याक्षक)

अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिसाक 12 अप्रेट 1985

निर्देश म० अई 1/37 डे ई/3569/8 85—यत , मुझे, .ए० लहिरी,

कावकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के सभीन सक्षम प्राविकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मिक्त, जिसका उचित शाबाद मूस्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

प्राराजनकी माज पोट ना 302, जो, तीसरी माजल , "अजली आहर्सटम", फेन्च जिज आपेरा हाउस, बस्बई 4 है, तथा जो बस्बई में प्यत है (प्राण इसस उपायद अनुसूची में फ्रांर पूर्ण ता न निर्माति)। । जाका हारामा आयहर निर्माण प्राप्तियम, 1961 की धारा 269 हा, खाके अधीत बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के हार्याक्य मार्चल्झी हा, तारीख 13 अपस्त 1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से काम के इस्थमान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त स्पत्ति का राचित मानार मूच्या, उसके उपयान प्रतिफाल में, ऐसे एर्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (जतरितियों) के नीथ ऐसे अधरण के लिए तय पाना गया प्रतिफाल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काँथत नहीं किया गया है के

- (4) अन्तरण महुद्दे थिन्ती बाय की नावत उक्त अप्रांत्यम के जभीन कर दोन के बन्तरक के वावित्य म कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ए मी किसी अब या किभी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया को या जान चाहिए था, खिपाने में सुनिया को लिए।

अस अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :

- राजा ।वल्डर्स एण्ड इत्बेस्टमेटस प्राइवेट लि०
- (अन्तरक) 2 मैसर्स अप्र कानीलाल एण्ड कम्पनी
  - नसस् अभिः कातालाल एण्ड कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए | कार्यवाहिमां करता हुए।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप "----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख़ सं 45 दिन की अवसि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी लविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वत्रित व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस् जा नकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होने। जो उस जाएक के दिन्हा क्या है।

# नन्स्ची

ि फ्लैंट न० 302, जो, तीयरी मजिल, ''ग्रंजली अपाटभेटस'', फोन्च क्रिज, आपेरा हाउस, बन्धई मे स्थित है ।

अनुसूर्व। जैसा कि ऋ० स० अई 1/37 ई ई/3304/84-85 थ्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13-8-1981 की रिजस्टर्ड विया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर : .

# प्रकार कार्य . दी . पुरु . ५४ . -------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारत 269-भ (1) के अभीम स्पना

#### सार्व बरकाड

## कार्यस्य, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनोक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-1/37 ई ई/3576/84-85--यतः, मुझे, ए० लिहिरी,

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधानयम' कहा गया है), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित नाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनको स० आफिप नं० 619, जो, 6वी मजिल, पंचरक एम० पी० रोड, आफिप हाउप, बम्बई-4 है, तथा जो, बम्बई-4 में स्थित है (शीर इस त उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से, वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तगरीख 13 अगस्त 1984 को पूर्वीयत सम्पत्ति के जिसका बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान श्रीतफल के प्रत्यक्ष है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वर्ष से उक्क अन्तरण निकात में वास्तिक रूप से कथित नहीं कि या गया इं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अब त बिधीन्यम के बधीन कर दन के अन्तरक के दामित्म में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
  - (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिसी व्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हुषिया के सिधः;

जतः जब, उठ त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात्— 1. श्री नानजी जिवराज करानी, जयंत मोहनवाल संघवी श्रीर कातीलाल भीमश्री नागदा।

(अन्तरक)

2. मास्टर सुमीर एम० कोठारी, सिद्धार्थ एस० कोठारी, सौरभ एस० कोठारी (मायनर्स), बाय देअर गाडियन शांती कुमार जी० कोठारी

(अन्तरिती)

स्त्री यह सूचना भारी क्रारकं पूर्वों क्ष्य सम्पारित के वर्णन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता है।

## दमत सम्मत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में श्रीई' भी नाकरे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दशारा;
- (क) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगत्ति में दितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी क अस तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों कीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## धनुसूची

आफिस प्रिमायसेस न० 619, जो, 6वीं मंजिल, पचरत्न, एम० पी० मर्गा, आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37-ई ई/2904/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनॉक 13/8/75 को रजिस्टर्ड किया गया।

> ए० लहिर। सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-4-1985

मोहर 🏻

प्रकप बार्च.टी.एन.एस.,------

- बावकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बधीन सुकता

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

· बस्वई, दिनांक 12 अप्रैस 1985

निदेश सं० श्रई-- | 37--ईई| 3583| 84--85--- मतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्के बरवात् 'ज्वर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निष्याम करने दा कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,050/- सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी संजयूनिट संज 355, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोगर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभित्त है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयकाम प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से क्षिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) आरं अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिह स्य वाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्वेष्य हे उक्स अन्दरण सिखत में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइं िकसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में समिशा के शिए; बीड़/या
- (व) ऐसी किसी गाय या किसी भन या बन्य असिश्वयों को, जिन्ही भारतीय शायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर विभिन्यम, या वर्त कर निम्बन्ध, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निम्ही है दिवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त विभिनियम की भाषा 269-न की वनुबद्दम भी, भी, उक्त विभिनियम की भाषा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात्:--- (1) मेसर्स शहा एण्ड महार एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स गिताजली एक्सपोर्ट कारपोरेशन । (अन्तरिकी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राज्यत में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अविधि या तद्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिक शक्ति में की समस्त हांसी हो, को भीतर पूर्वीयम व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह
- (व) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भीतर उनक न्यावर संपरित में हिस-वहुष किसी अन्य स्मितित द्वारा वधोहस्ताक्षरी के गाम जिला सा किसा सा सकता।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त कर्या और पर्या क्षा, जो समस अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया क्या हैं।

# बनुसूची

यूनिट सं० 355, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेंट ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोशर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि कि नं श्रई-1/37-ईई/3420/84-85 श्रीर भी सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम श्राधिकारी सहायक भायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

# प्रकार सार्वात होता वृष्ठ हुस्ता विकास

नामकर अधिनिजम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) ने वर्षीय कुष्या

## नारत प्रकार

# बार्यालय, सहायक आयकर आकृष्ट (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**,

बस्बई, दिनॉक 12 म्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/3584/84-85---म्रतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर निर्मानम, 1961 (1961 नत 43) (जिने इतने इसके पश्चर्त 'उक्त निर्मानम' कहा गया है), की भारा 269-क के नभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट सं० 336, जो, तीसरी मंजिल, ए-1, शहा एण्ड नहार हुण्डस्ट्रियल इस्टेट, शिताराम जाधव मार्ग, लोग्रर लोग्रर परेल, बस्वई-13, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर मितियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरित (अंतरितियों) के बीध ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिक्ति किन निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त जिथ-ंसल्य के अभीन कर दोने के बन्तरफ के दानित्व में अभी करने या उत्तर्भ बचने में सुनिया के जिए; स्वरिधा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तियम, वा भन-कार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किजा बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269--ध की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) ग्रहा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) गिटी प्रपारेल्म ।

'ग्रन्तरिती)

श्री यह सूचना नार्या करके पृत्रोंनल सुन्यतिल को अर्जन की जिल् कार्यधाहियां कुरु करता हूं।

# क्या कर्नात्य में वर्णन में करमार्थ में केंद्र' भी नाक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीब से 45 विन की जनित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की खनित, जो भी अविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से दिस्ती व्यक्ति पूर्वार
- '(ब)' इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं है है 45 बिच के भीतर उक्त स्थावर ग्रंपरित में हिंद- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब सिक्ति वे किए वा नकीन।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

## मन्सूपी

यूनिट सं० 336, जो, तोनरी मंजिल, ए-1, महा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मिताराम जाधव मार्ग, लोग्रर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूनो जैसी कि का० सं० अई-1/37-ईई/3421/84-85 श्रीर जो सक्षम प्रािकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रिजस्टर्ड किया. गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-4-1985

# मुख्य वार्षे हो नुष्य भूक भागान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्रजीत सुचना

#### प्रारत चंडकाञ्च

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज−], बम्बई बम्बई, दिनांङ 12 श्रप्रैल 1985

भावकर समितिसमः 1961 (1961 का 43) (भिसं इसमें इसके पश्चात् रेडक्त क्रिवियमं कहा गया है), की बारा 269-च के अजीत समान प्राप्तिकारी को, यह विज्वास करने का कारण है कि स्थाकर संपर्ति शिक्षका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- एत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रितिट सं 310, जो, तीसरी मंजिल, शहा, एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियक इस्टेट, ए-1, धननज मिल कम्पाउण्ड, लोग्नर परेल, बरबई-13 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा भाषकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाँक 16-8-1984,

को पूर्वेक्ट संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गर्व है और मृत्रों वह विश्वास करणें का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकास से, एसे स्थमान प्रतिकास का परमूद् प्रतिकास से प्रशिक है और अन्यरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के श्रीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय बाबा कवा प्रतिकास कि विश्वातियों) के श्रीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय बाबा कवा प्रतिकास कि विश्वातियों के श्रीच एसे उचित अन्तर्भ विश्वात में बास्तिक स

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के तिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी थन या अन्य नास्तिनों को, ित्रमें पारतीय पारकार शक्तिभियम, 1922 (1923 का 11) या जनत शिविषय, वा अन कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किश्व गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में अविश्वा के निष्ण;

बतः अब, उस्त बिभिनियम की शरा 269-ग के कन्ज़न्स में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधास (1) है अधीन, निम्निलिबित व्यक्तियों, अवित् क्र--

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(प्रन्तरक)

(2) मेसर्स कोटीयर्न कारपोरेशन ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां चुरू करता हूं।

**एक्ट एम्परित के नवीन के ए**क्वरण में कोड़ी थी बाओप् ्रस

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 बिन की अविधि या तत्मंबंधी क्यक्तियों भी बूचना की तामीस से 30 दिन की बविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष स्पित्सों में से किसी स्वीक्त इनारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी को पास विसित में किए या सकोंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यका परिकालित इ. वहां अर्थ होशा को उस अध्याय भें दिस्स वृक्षा इ.॥

# अनुसूची

यूनिट सं० 310, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए— धनाराज पिरा कम्पाण्ड, लोखर परेल, वम्बई-13 नें स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37ईई/3422/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयफ**र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारी**ख** : 12~4**~**19**85** 

प्ररूप बाइ टी.एन .एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनॉक 12 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० र्भुभई-1/37-ईई/3586/84 - 85-- ग्रतः मुझे,, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहचात 'उथत अधिनियम' कहा गया है), का भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट सं० 309, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेंट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोगर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनु-दूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विकित है) ग्रीर विस्का वकारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 16-8-1984,

को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजौर मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्थित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पाया प्रतिफल जिम्नतिस्थित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम

- (क) मन्तरण से हुई कियी भाग की बाबता, उपत अभिनियम के सभीन कार दोने के संस्तरक के बायित्म में कभी करने या उसते दचने में सुनिधा के लिए:
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों का, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तः विधिनियम, या धन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा ब्रोसिय;

जतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) महा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेससं ज्योत टैक्सटाइल कारपोरेशन । (भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां कारता हो।

डावर संपत्ति के कर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी जविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे दिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

यूनिट सं० 309, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज गिल कम्पाउण्ड, लोग्नर परेल, सम्बद्द-13 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि के० सं० घई-1/37-ईई/3423/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बस्बई

विनॉक: 12-----1985

प्ररूप आइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रण, सहारक आधकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 बम्बई बम्बई, दिनाव 12 अप्रैल 1985

निर्देश में - शई-1/37-ईई/3587/84-85--श्रत मुझै, ए० लहिरो,

आयल पित्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमान 'एक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर स्थाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का काण है कि स्थाम पस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- पर से अधिक है

ग्रौर ि की स० यूनिट स० 335 जो तीसरी मंजिल, गहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए....1, लोग्नर परेल, बस्बई - 13 में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रनम्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्तीकर्ता ग्रिक्तिक का पात्रिक मामलिय, ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायक प्रिक्तिसम् १९६३ की श्रीर 269 कल के ग्रिधोन, बस्बई स्थित पक्षम पाधि की के कार्यालय में रिजरटी है, दिनाँक 16-8-1984,

- (क) अंतरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कदने या उसने बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स्त) एसी किसी ठाए मा दिनी धा या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय अभिकर अधिनियम, 1922 (1922 क. 11) में उन्नेत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्टिनी द्वारा एक्ट नहीं किया गया था या किए। जन्म जानिए था, रियानी मी संविधा के लिए।

म भा, ज्वा की पितियम की भारा २६९-ए के उनगण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए की उपधारा (1) के क्रांकि जिस्तिविका व्यक्तियों, अर्थात ——
9 66GI/85

(1) शहा एण्ड नहार एसोनिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) दैक्तपोर्ट गामॅंण्टन पा० लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्तियों के किसी व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याण 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

पूनिट म० 335, जो  $\cdot$ नी परी प्रसिल, शहा एण्ड नहार इण्ड- स्ट्रियल इस्टेट ए-1, लाश्चर परेल अभ्बई-13 में स्थित हैं।

श्रतुसूत्रो तैसा कि क० स० स्रई-1/37-ईई/3424/84-85 श्रारजो पन्नम नाजिकारो, वस्तर्ड दिताक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० नहिरी नक्षम प्राधिकारी नठायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेज बम्बर्ड

दिनाक 12-4-1985 मोहर

# प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के जभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक आयकर वाय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांट 12 श्रप्रैल 1985

निदेश मं० ग्रर्ड-1/37-ईई/3588/84-85---ग्रवः म्झे, ए० लहिरो;

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गान हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

जिसकी सं० यूनिट सं० 329, जो, तीसरी संजिल शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गनराज मिल कस्पाउण्ड, लंशिर परेल, बस्बई—13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनस्विं में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनरमा श्रायल प्रिमियम, 1961 की धारा 269 क्खा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में ग्जिस्ट्री है, दिनाक 16--8--

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिसिद उद्देश्य से उसत बन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की बानत, उक्त किंदिन नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व मी कमी करने था उसमें बचने मा स्विका के लिए। और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिभा के लिए;

अतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ए की अन्मरण में, मैं, उसत् अधिनियम की धारा 269-ए की उपध्या (1) हे सधीन, निकालिया व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भहा एंण्ड नहार एमोनिएटन।

(भ्रन्तरक)

(१) क्तियाराभा याफिए वार विका

(भ्रन्तिंगती)

को ग्रह सूचना चारी करके पूर्वोचन गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध के ज़ोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृंजींकत व्यक्तियों में ग' किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उदन स्थावर मम्पित मों हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोतस्माक्षरी के पास लिखित मों से किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्दो का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्मची

यूनिट सठ 329, जो तीयरी मंतिल णहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, धनाज रिज ज्याउण्ड, लोखर परेल, वस्बई—13 मे रियत है।

अनुसूचा जैसा कि ऋ० कः श्राच्च-1/37-ईई/3425/84-85 गँव जा क्ष्म आधि हारो, वस्त्रई द्वारा दिनांक 16--8-84 को रनिस्टई किया गया है ।

> ग्० पहिनी सक्षम प्राधिकारा गहाब इश्रायकर प्रागुक्त (निरीक्षण), श्रजम रेव – , ब‡वर्ड

दिनांत 12-1 985

मोहर

## प्रस्य वार्ड . दर . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरंशिक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनारु 12 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० प्रई-1/37—ईई/3589/84-85—स्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षप्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट सं० 322, जो, दूनरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डिल्ट्रियल इस्टेंट ए.-1, धनगज मिल कम्पाउण्ड, सिनाराम जाधव थार्ग, लोबर परेल, बस्नई-13 में स्थित हैं दूर् श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण व्या से विधित हैं), और जिसका दरारनासा शायकर श्रीधनधम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्बर्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ष है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान भतिफल के पन्सह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से हक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गुवा है है—--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निक्तितिश्वार व्यक्तियाँ, अर्थात् .-- (1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

(2) कोलाराम प्लासिटक्स ।

(भ्रन्सर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति की वर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हो।

उमत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्स्विधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अपिध के बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यां करायों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्भ किसी जन्म व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्थाहस्ताक्षरी के प्रवासित में किए जा सकींगे।

न्धः त्रीकरणः — इत्यमं प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त प्रथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मपुसूची

यूनिट मं० 322, जो, दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल. बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राह-1/37-ईई/3426/84-85 श्रीर जो तक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, बम्बर्ष

दिनांक: 12-4-1985

# हक्त बाह् . ही. एवं. एवं. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्बासय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, अम्बई

बम्बई, दिनाक 12 ग्रप्रैल 1985

निवेश स॰ श्रई-1/37<sup>1</sup>-ईई/3597/84-85--श्रत मुझे, ए॰ लहिरी,

आयकर निर्मित्यमं, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मित्यमं' कहा गया हैं), की बारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 का सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० प्राफिल प्रिमायमेस स० 20, रेक्स चेबर्स, डब्स्यू एच० मार्ग, बैलार्ड इस्टेट, बम्बई-38 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विगित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 16-8-84,

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार भूच्य स कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गर्श हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्योक्त सम्परित का उभित बाबार ब्रुख, उन्ने दश्यमान प्रतिकल् से एसे अस्पमान प्रतिकत का अम्बद्ध प्रतिस्त से बॉथक हैं बार बंतरक (जसरकाँ) और सलाँरती (बंतरितियाँ) के बौद् एसे बन्दर्भ के जिए उस वाला नवा प्रति-वस निम्नीवित उन्ने किया गया है हिल्ल

- (क) कन्छरण सं हुई किसी बाब की बाबस अवत किन्-निवस के अधीन कर दोने के अवरक के वाधिस्व म कामी करने या उससे बचने में मृविधा क लिए कार्डिया
- (क) होती किसी कान था भित्रती धव दा कम्य आस्तियों को, किस्तु भारतीय वासकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता वाभिनियम, वा धन-कार सीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा युवा या वा किया बाजा वाहिए था, कियान में सुविधा को जिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधिन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अधित् क्रिक

- (1) मेसर्स लिग्मा एक स्वोर्टम (प्राइवेट) अलिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्रो युगपाल वाधवान और श्रीमनी बीना वाई पी० वाधवान ।

(म्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिनियो । (बह व्यक्ति, जि कि ग्रिधिनोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पात्त क अर्जन के लिए कार्यवाहिए। एक करता हु।

उक्त सपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन का सर्वाध मा तत्संबर्ध। व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , ते। भी व्यक्ति का संस्था से समाप्त होती है। के गीतर प्रविक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस भूबन। के राजपत्र शा प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीकर सरा स्थावर सम्परित में हिनबब्ध किसी अन्य का कि ब्यान आग्रहस्ताकर के पास लिलिन में किसा जा सकेंगी।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित की, बहों कर हाना का म करणाम के किया गका है।

## अनुसुची

श्राफित प्रिमायसेल स० 20, जा रेक्न वेबस, वालचन्द हिराचन्द्र मार्ग, बेलार्ड इस्टेट, बम्बई—38 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि भः ग्रई-1/37–ईई/3429/84–85 ग्रौर नक्षम गामिकारा, वस्वई द्वारा दिनाक 16–8–1984 का रजिस्टई किया गर्रा है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाक: 2-4-1985

भोहर .

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन क्षा

#### भारत सरकार

सार्यासय, महायक आवकर बागुक्त (निराक्तण)

भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 सप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/3604/84-85--ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित वाकार मूल्य 1,00,000/- रहा सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफित भिमायसेस सं० 1204, जो, प्रसाद चेंबर्स, राक्सी के पास, बम्बई-4 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्व करा ते विभित्त हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 कुछ के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिका से के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 16-8-

को पूर्णिक्न संपत्ति का उचित बालार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गष्ट हों जार मुक्त यह विश्वास करने का कारण हो। के प्रथापुकालन सम्पात का उचित बाजार मृत्य, उसके पर्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए स्थ प्रया गया प्रतिकत्व, निम्नलिंसित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण स **धुइ िक्सो** अप की बाबत, उसत अधिनियम की अधीन कर दोने को जन्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/बा
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के मिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारः 269-ग क असुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-ण की उपधारा (1)' के अधीन, निम्नकिष्यस व्यक्तियों, अर्थात् हे----

- (1) श्री किशानचन्द खेसन्द धनवानी। , (ग्रन्तरक)
- (2) मेसमें श्रश्विन डामंडम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथित्स संपरित के अर्जन के सिष् कार्यवाहिया करता क्ष्मो

उक्त संपहित के अर्थन संबंध की खंडी भी बाक्षेष र--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारिक सें 45 दिन की अवधि या तत्मास्वन्धी व्यक्तिया पर मूचना की तामील भी 30 दिन की अवधि , 'तो औ अवधि बाद में संज्ञास होती हो, के मंतर यूवोक्स व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति धुनारा;
- (बा) इब् सूचना के राज्यभ में प्रकाशिय की तारीब के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्बन्धि में हितबद्ध किसी अन्य स्थापन द्वारा अभाहेस्ताकारी के पाब सिकिय में किए का सकारी।

मण्डीकरण --- एसमा प्रश्नित शब्दे और पर्धका, को जनत अधिनियम, के अध्यात 20-रह में परिभाषित हैं, वहीं तथे होंगा जिल्ला प्रश्नाय में दिया नवा

#### अनुस्**ची**

श्राफिस प्रिमायसेस सं० 1204, जो, प्रसाद चेंबर्भ, राक्सी के पास, अस्ब $\xi$ -4 में स्थित है।

श्रनुसूबी जैसा कि कि नं श्रई-।/37-ईई/3373/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों. बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी ' सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज~I, वस्बर्ध

दिनांक: 12-4-1985

मोहर 🗧 🗸

बायकर बांभिनियस, 1967 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के बभीन सूचना

## नारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर शायुक्त (निरोक्तण)

श्रर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 श्रप्रैल 1985

निदेश स० ग्रई--1/37-ईई--०607/84-85---श्रत म्से ए० लहिरो,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा स अधिक है

भौर जिसकी स० यूनिट न० 126, जी, पहला मजिल, ग्रध्याखू इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस कार्याप० हार्जसग सीभायटी लि०, न्यू सब मिल कम्पाउण्ड, लाभ्रर परेल, बम्बई—13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है), श्रीर जिनवा करारनामा आयकर श्रीधीनयम 1961 का धारा 269 क्ष कं श्रधीन बम्बई में स्थित सक्षम पाधि हारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 16-8-84,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अतारित्या) क बाच एस अन्तरण यो लिए तम पाला कमा प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरक मिचिए में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तर्भ से हुन्हें किसी आय की शाबत, उक्ट किमिन्स के अभीन के दें। के अन्तर्भ के दामित्य में असी के के किसे के में मूर्ण क के सिए; लोड/मा
- (ख) ए तो किसी साथ या किस नेत व ने व कारित्य ।

  की, जिन्हें भारतीय आय-कर जीभीनयम, 1922
  (1922 जो 11) या स्कल अधिनयम, या प्रतन्ताण अधिनियम, 1957 (10) की 27)
  के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयोधनार्थ किया जाना काहिए था, खिलार स

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधास (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, जर्मात् क्रिक्त (1) श्रीतरुण बी० ग्रध्याडू, श्री रोहित बी० ग्रध्याडू भौर श्रीमुकेश बी० ग्रध्याडू।

(श्रन्तरक)

(2) श्री चुनीलाल मेघर्जा शहा, फादर एण्ड नचरल गाडियन फार एण्ड यान दिश्राफ श्राफ मास्टर हितेण कुमार चुनीलाल शहा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरका । (वह व्यक्ति, जिसक प्रधिमोग में सम्पत्ति है)

भार महुर यसा का तर्थ अर्थावर पर्याप्त की कर्मांत्र का त्याप्त कार्यवाहिक करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के कथन के बम्बन्ध में काई भी बाह्यपः-

- (क) इस सूचना के राजपत्र न प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन का कविति मा स्तावणी मिन्नामां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविष, को भी जविष वाट को समाप्त होती हो, को भीरण पर्वोद्धर के उद्यान की स्वाप्त की स्थान की स्
- (स) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतन जनत स्थावर सम्पांस में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए आ करोंगे।

अपक्रोकरण'--इसमे प्रयुवत राज्यों और धवां का, जा उत्तर अधिनयम, के अध्याण 20-क मा विशाबित हों, बहुत वर्थ हारण श उस अध्याय मो विशा त्या ॥'

## धनसूची

यूनिट स० 126, जो, पहली मजिल, ग्रध्याह इण्डस्ट्रियल त्रिमायसेंग को०ग्राप० हाउसिंग मो गयटी लि०, न्यू पब मिल कम्माउण्ड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जया कि कि म० श्रई-1/37-ईई/3375/84-85 ग्रीर जा नक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिना ह 16-8-84, को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेज∽ , बम्बई

दिन क : 12-4-1985 मोडर प्रमय बार्व, ची एन इस. ------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महाधक आधकार आयक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज-1 बम्बर्र कम्बर्ड, दिनाक 10 अप्रैल 1985

निदेण म० यर्ध-1/37-र्ध्श/3621/84-85--श्रन मुझे, ए० लहिरी

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें एक्टान 'प्रवस लिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधन्य एक निर्माण करने का कारण है कि स्थानन कर्माता, दिसमा उचित वाजार मृत्य 1...0,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी ग० युनित ग० 316 जो, तीसरी मजिल, शहा एण्ड नहार उण्डित्यल इस्टेट ए-1 निताराम जाध्य मार्ग लोग्नर परेल, नर्ज्य-13 मे स्थित है (प्रीर इससे उपाबस अनुस्त्री मे और पूर्ण हार से एणि। है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीय तर श्रीधनियम 1961 वै. धारा 269 वख ने श्रीमीन बर्ज्य रिधा क्षिम पाधिकार्ण ने तार्गलय मे जिस्हे। है दिनाम 16-8-1984.

(क) अन्तरण कि शिक्ष्मी जाग का क्रिक्श विभन्न के प्रतिकार के भारत के प्रतिकार के सिक्रिया के लिए, और/या

पि सभी कार्य का स्थाप है किसी पर मा अस्य आस्ति थी हिनीस क्षाप्ति मा अस्य आस्ति थी हिनीस क्षाप्ति का अस्य का स्थापित मा अस्य अस्य का स्थापित का मा अस्य आसित का मा अस्य आसित का मा अस्य आसित का मा अस्य का स्थापित का प्रकार का स्थापित का स्थापित का प्रकार का स्थापित का मा अस्य का का स्थापित का मा अस्य का स्थापित का मा अस्य का स्थापित का मा अस्य का स्थापित का स्थाप

ं र । गिरार । धारा था । ५० के अनस्था तो न संग्रिक्षण के रा १९-च का नणधारा ११। से अभीत जिल्लास्त्रीर व्यक्तियों, अभिति :— (1) भता एण्ड नहार एमोशिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(१) भननप्राम नागालिया ।

(यन्नरिती)

# को सह सुब्धा धारी करके प्रशिक्त सम्मत्ति के मर्चन के तिक कार्यवाहिमां करता हूं।

उन्त सम्परित् को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासोपा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अकींच, जो भी प्रविध बार में समारत होती है। के मीलर प्रवित रिक्तियों में से किया सिक्त स्वास
- (स) इस सूचना के रापण्य में प्रकाधन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गणिन में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकी।

स्थ**टकिरणः — इससें प्रयुक्त सम्ब**ंगीर पदों का, **बां उक्त** अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, प्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में निया संसाही।

# नमुस्यो

यूनिट स० 31 5 जो। तीसरी मिनिल, शहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट— वितास नाध्य मार्ग लोग्नर परेल बम्बई—3 मे स्थित है।

प्रत्मृती जैता ति कर पर थई—1/37—ईई/3377/84—85 श्रौर जो सक्षम पाधि घरो, बादई द्वारो दिन क 16—8—84 को रजिएटई किया गुना है ।

> ए० तिहरी पक्षम प्राधिकारी भाषा प्रायकर स्रायुवत (निरीक्षण), स्रर्जन रेज-1 बस्बई

दिनाप 10-1-198° मोहर

# प्रकथ आहु . स्ते . एन . एस . ------

# मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचमा

#### भारत सरकार'

कार्यालय, महायक आयकर आय्यक (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, त्रम्बई बम्बई, दिनांक 12 स्राप्टैल 1985

निदेश सं० ग्राई-1/37--ईई/3622/84--85---ग्रतः मुझे, ए० लिहरी,

आयक्तर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहत से अधिक है

स्रीर जियकी सं० यूनिट सं० 345, जो, शहा एण्ड नहार इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बस्बई-13 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) स्रीर जिनका गरारनामा स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के सर्थान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्रीहरी, दिनांक 16-8-1984,

को प्रशंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तुरिक्ष की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रशंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कथ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरेष से उक्त अंतरण लिकित में वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से बुई किसी जाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अर्र/या
- (स) एसी भिन्दी आय या किसी ६न या जन्य आस्तियां वां, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्हों रनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए:

अह- अब, ज्ञल,श्रीधनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मी, उक्त ऑप्रीनयम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्ष्यीत् :--

- (1) कहा एण्ड लहार एसोसिएटस । (श्रन्तरक)
- (2) गिनावेंस निर्धेनसभाई ग्रहा । (स्रन्तिनी)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त संपर्शिक अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीदर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जब अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुषूचो

यूनिट सं० 345, जो, गहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, सिनाराम जाधव मार्ग, लोश्चर परंक, वस्ब $\xi-13$  में स्थित है ।

ग्रानुसूचों जैया कि %० सं० अई-1/37-ईई/3378/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई आरा दिलांक 16-8-84 को रिजस्टई निया जया है ।

ए० लहिरी ाक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजन रोज-1, बम्बई

दिनांक: 12-4-1985

मोहर : 🕏

## शक्य नाइं.दी. एन्.एस.,------

बाध्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-व (1) के बुधीन सुव्याना

#### सारत रहकार

## कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

भ्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37~ईई/3623/84-85---श्रतः मुझे, ए० लहिरी.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ईसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 31, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार ६ण्डस्ट्रियल ६स्टेट ए -1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और ६समे उपाबद्ध श्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से बीणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारों 269 कछ के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किया गया है:—

- (क) नन्तरण वं हुई किवी नाव की शावत, उनक जिथिनियम के अभीन कर देने के जन्तहक के दायित्व में क्षमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ले क्यीत, निम्निचित्ति व्यक्तियों, वर्षात अ—— 10—66GI/85 (1) महा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रेमल एच० उदानी और श्री पराग एच० उदानी (श्रक्षतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को मुर्जन को सम्बन्ध मी कोई' भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, पो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण : --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्ष जिल्हाम के अध्याय '20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### नवस्त्री

यूनिट सं० 311, जो, तीसरी मंजिल, शहा, एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, कोन्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० शं० ग्रई-1/37 ईई/3379/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 16-8-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेज-I, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर अ

## प्रथम बाह<sup>4</sup>, टी., पुन<sub>ु</sub> पुत्र<sub>ध स</sub>्र - - ----

## बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन स्वना

### भारत सहकार

कार्यालय, सष्ट्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-1, बम्बर्ष

बम्बई, दिनाक 10 श्रप्रेल 1985

निदेश एं० ग्रई-1/37-ईई/3624/84-85--ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० यूनिट मं० 42, , ग्राउण्ड पलोग्रर, शहा एण् नहार ६ण्ड्रस्ट्रियल ६स्टेटए – 2, धनराज , मिल कम्पाउण्ड, मीताराम जाधव मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई – 15 में स्थित है (और ६ ससे उपाबक श्रनुसूची में और धर्ण ६प से बांगत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम, 1961 की धारा 269 कछ के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिनांक 16~8—1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुर्ज किसी साम की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करणे वा उसके स्वतं में यदिशा के लिए सरि/शः
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना साहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण भे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित अकितयों, सर्थात् :--- (1) शहा एण्ड नष्टार एसोसिएटस ।

(धन्तरक)

(2) श्री नरेंद्र कुमार भोसले ।

(भ्रन्तां रही)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां बुक् करता हुं/।

उक्त सम्पृतिस के अर्थन के संबंध में कोर्स भी काक्षेप है---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी स्वितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्षि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित स्वितयों में से किसी स्वितत द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याश अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए या सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जर्नर विधिनयम के कथ्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प**नुसूची

यूनिट र्स० 42, जो, ग्राउण्ड पक्षोग्रर, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, सीताराम जाधव माग, क्षोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि २०० सं० प्रई-1/37-ईई/3380/ 84-85 और जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 16-8-84 को राजस्टङ किया गया है ।

> ए० .सि हरी, सक्षम प्राधिकारी सहायकर ग्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर 🤊

## प्रकार बाह<sup>े</sup>ं ठौं तर्म <sub>व</sub> एवं <sub>ये</sub> अ न - ----

## नायकर निर्मातयन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के मधीन सूचना

#### प्रादेश बहुकान

कार्यातय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 ग्रंभैल 1985 निदेश सं० ग्रई-1/37—ईई/3625/84-85—मतः मुसे, ए० सिंहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं धूनिट सं 249, जो, दूसरी मंजिल, ए-1 मही एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षित्रयम, 1961 की धारा 269 कला के श्रक्षीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफन, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तरक के हुई कि की नाम की नामका, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके नचने में सनिधा के निष् बौड़/या
- (च) एसी किसी बाय वा किसी भन वा बन्च शास्तिवों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के विद्यु

जतः जब, उत्तत विभिन्नम की भारा 269-ग के वनुसर्थ वें, में, उत्तत विभिन्नियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के विभीग, निस्तिस्थित व्यक्तियों वर्षात् ह— (1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) जयाश्रकाण जयसुष्कलाल देसाई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरु करता हुं।

उक्त संस्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🐃

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाक निवास में किए का सकों ने।

स्याद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बन्द्रवर्ग

यूनिट सं० 249, जो, दूसरी मंजिल, ए-1, गहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल ६स्टेट, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/3382/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 16-8-84 को राजस्टर्ङ किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बस्बर्ध

दिनांक: 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप बार्ड, टी., एव., एस.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज∽1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/3626/84-85--- प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं यूनिट नं 346, जो, ग्रहा एण्ड नहार ६ण्ड-स्ट्रियल ६स्टेट ए-1, सिताराम जाधव मा, गं लोग्नर परेल, बम्बई 13 में स्थित हैं (और ६ससे उपाबक श्रनुसूची में और पूणरूप से वाणत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-8-84,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरणुतं हुई फिली बाय की बावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना बा किया धाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः। जन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निस्नलि<u>चित्र व्यक्तियों</u>, अर्थात ः— (1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गिताबेन निरंजनभाई ग्रहा । (श्रोपराध्टर नेशनल बैटरीज मैन्युफैंबर्चारग कम्पती) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया है 1

## अन् सूची

यूनिट सं० 346, जो, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्राई-1/37ईई/3383/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1 बम्बर्ष

दिनांक : 10-4-1985

मोहर 🛭

## ध्रक्त वाहे, टी. एव. एव.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत संहका

## कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/3633/84-85-प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैट सं ० 401-ए, जो, राजूल इ मारत, 9 हार्कतेस रोड, नेपियन सी० रोड, बम्बई-6. में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 2 69 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984

करें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रक्रियल के लिए अन्हींरत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपन्न से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इन से क्षित नहीं किया ग्या है द

- (क) नंतरण के हुई किसी नाम की नानत, उनत भाभितियम के नभीत कर दोने के बन्तरक के दावित्य में भामी करने या उससे नजने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त न्यिनियम, वा धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रवोचनार्च जन्ति दुवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाना काहिए था, कियाने में सुविधा से शिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

- (1) राज् धी० महा और तारा धी० महा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुकेश बी० गहा। , (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त रम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाश्रेय:---

- (क) इस त्यान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की डामीस से 30 दिन की अवधि, वां बी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांबड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इक सूचना के राजपन में प्रकारन की तारीं के 45 दिन के बीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यपुष् [फिसी मन्य व्यक्तित ह्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में (कए जा सकेंगे।

## धनुसूची

फ्लैट नं ० 401-ए, जो, राजूल ध्रमारत, 9, हार्कनेस रोड, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि अल सं ग्रई-1/37-ईई/3389 /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टड्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर 🛭

## प्ररूप आहें.टी.एन.एस------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/3640/84-85--ग्रतः मुझे, ए॰ लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह⁴

और जिसकी सं ज फ्लैंट नं ज 304, जो, तीसरी मंजिल, "एफ'' विग, ("विना बिना प्रपार्टमेंटस", प्राचार्य को दि मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित हैं (और इस से उपाबंध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 16-8-1984,

को पृत्रों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय करी बाब एंट खंबर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अय, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण तै, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नुनिधित क्यिक्तयों, अर्थात्:—

- (1) श्री गोर्धनदास शिवचन्दराय गरोडिया । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ताहीरा बेगम जयस्वाल । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री सुनील किशोर मेहता। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिशोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री सुनील किशोर मेहता। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

## सम्बद्ध सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी नासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया प्रशा

#### वगस्पी

पलैट नं० 304, जो, तीसरी मंजिल, "एफ बिंग", बिना बिना प्रपार्टमेंटस, ग्राचायदोदे मा टू, हिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/342233/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 16-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण्), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक : 10-4-1985

- मोहरः

प्ररूप कार्ड , की : एत : एत :-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वता

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रेल 1985

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/3641/84-85--श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 301, जो, तोसरी मंजिल, "एफ" विग, विना बिना श्रपार्ट मेंटस", ग्राचर्ष यदोंदे मार्ग, सिवरी (प) बम्बई—15 में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वा णत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि' यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच होसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंती किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः वरः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गोर्धनदास णिवचन्दराय गशोडिया । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लिलता सोमनाथ गावडे और श्री सुनील सोमनाथ गावडे ।

(श्रन्तरिती)

- (3) श्री मनुप्रसाद मिस्त्री । (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री मनुष्रसाद मिस्त्री । (यह व्यक्ति जिसके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह तुषका जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पाक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कर्ना और पदों का जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

पलैंट नं  $\sim 301$  जो तीसरी मंजिल, ''एफ विग विनाबिना श्रपार्टमेंटस आचार्य दोंदे मार्ग सिवरी (प) बम्ब%-15 में स्थित है।  $^{\circ}$ 

म्रनुसूची जैसा कि २० सं० मई-1/37-ई /3434/84-85 और जो सक्षम प्रधिकारीठ बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है । /

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्भन रेज-1 बम्बई

दिनांक: 12-4-1985

मोहर:

प्रकार नाह<sup>®</sup>ं टी. प्रमृत एस त न -- -

नायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचता

#### भारत संस्कार

## कार्योत्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

प्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 12 प्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37/ईई/3642/84-85---- ग्रतः भुक्षे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट नं 302 जो, तीसरी मंजिल, "एफ" विंग, "विना बिना प्रपार्टमेंटम, श्राचार्य क्षेदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूषी में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 21-8-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से जिभक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा मया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में आस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्क्षण से शुर्भ किसी बाव की बावत उपत विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के विधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अडि/भा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तिमें करो, जिन्हों जारतीय नायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या चृत्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया , वा या किया हाना वाहिए वा, कियाने में सृतिधा के लिए:

अक्षः सब, उक्त विधिनवन की धारा 269-च व वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गोधनदास शिवचन्दराय गरोडिया : (भ्रन्सरक)
- (2) श्रीमती लिलता सोमनाथ गावडे और श्री सुनील सोमनाथ गावडे ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) श्री हसमुख एच० गांधी। (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पति है)
- (4) श्री हसमुख एच० गांधी। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधीहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उठ्यांक्त के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचक की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृज्ञों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वस्थ किसी बन्य व्यक्ति दवाय, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकी।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्यी

पर्लेट नं ० 302, जो, तीसरी मंजिल, एफ-विंग, "विना बिना अपार्टमेंटस, ग्राचार्य वोंदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/3435/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12**-**4\_-1985

मोहर 🖫

प्रकप कार्र, टी. एवं. एवं.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-थ (1) के श्रधीत सुपना

#### भारत सरकार

## कार्याक्षय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज—1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेण सं० अई-I/37ईई/3648/84-85—-अतः मुझे, ए० लहिरी,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं आफिस नं 909 (एल), जो, इमारत नं 3, नवजीवन सोसायटी, लिमिस्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1984

कों प्रवेक्त सम्बद्धि के उचित बाजार मूस्य से कन के ध्रवनान प्रतिकल के सिए जन्तरित की गई हैं और मूके यह निक्याब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्धि का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल को एसे बश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल को किए प्रतिकार से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गवा प्रतिकल कि निम्मिसित संबद्धिय से उचित बंतरण लिखित में वास्त्रिक क्या से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्त्ररण सं हुइं किसी शास काँ वावत, उक्त वाधिनियम के अधीन कार दोने के बंतरक के वाधित्व में कसी करने या उत्तर्श स्थाने में सुविधा के सिए; ब्रॉर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी वन या बन्य बास्तिबों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धन-कार की जिन्या, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के हिए;

(1) एन० टी० शहा फैमिली हस्: ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेलन बी० मोंटरो।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती । (ब्रह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीः

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी कहके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्मित्ति के अर्थान् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस ब्यान के राज्यम में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अवधि या उत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर ब्यान की तासीस से 30 दिन की स्वधि, को भी वहिंद ने स्पन्त में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक स्विवस्त में से किसी स्वित व्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्ट्र में प्रकाशन की सारींब से 45 विन् के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इतारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंमे।

स्माधीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों नीह पदों का, को सन्दर्भ सीधित्यम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, नहीं नर्भ होगा को उत् मध्याय में दिवा नवा ही।

#### जन मुची

आफिस नं० 909 (एल०), जो, इमारत नं० 3, नवजीवन सोसायटी, लॉमंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं॰ अई-I/37ईई/3440/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 21-8-84, को रजिस्ट**र्ड** किया गया है ।

ए० लहिरी ंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज—1, बम्बई

दिनांस : 12-4-1985

मोइर:

## WHOM WIE I'M THE ----

जन्मकर पान्नी स्था, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के वभीन सुचना

#### बारल कार्यकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-1, बम्बई

बम्पर्ट दिनाव 12 अप्रैल 1985

निर्देश म० अई -1/37—ईई/3655/84—85——अन मुझे, ए० लिंहिरी,

लाप्रकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे धमके परकार "का आगितियम" कहा एका ही), की धारा 269 भ के मधीत गण्य प्राधिकारी की, यह लिक्सास करने का कारण ही कि स्थानर संपरित जिसका स्थित गाधार मृत्य

1,00,000/- रु में अधिक हैं

ग्राँग जिसकी स० (फ्लैंट न० 67) प्राना न० 7, मिता, बी-विंग, पिडिता रमाबाई रोड बम्बई-7 तथा जो बम्बई-7 में स्थित है ग्राँग इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप से वर्णित है। ग्राँग जिसका कराष्मामा अयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क खें अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायोलय में रजिस्ट्री है, दिनाक 21 8-1984.

को पर्वोक्त सम्भीत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान शीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है . भाने जीवत संपत्ति का उचित बाजार ब्रुट, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरित (अंतरितिकां) के बीच एसे अंतरण के निष् तय पाम गया प्रति-कल, निम्नितिक्त प्रदिश्य में उक्त अंतरण लिकित में बास्त-विक कर में क्रिकार करी निष्या गया है --

- (४) अन्तरण से हुइ किमी आय की बाबत, उक्त विधि-नियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में मृतिभा के निए बौर/या
- ्र (व) एटिन भिन्ने दाय भिविसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भोरतेय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया अपने सहिए था छिपाने में सुविधा खे लिए;

अत अव ; उटन पश्चितियम की धारा 269-ग के अनस्रण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों अर्थात —

- (1) श्रीमती व्रजकोर सोमचन्द उर्फ व्रजकुवर सोमचन्द, ग्रीर विडो आफ रसनजी गहा।
  - (अन्तरक)
- (2) गिता धनजय शहा श्रोप धनजय बी० शहा । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक श्रीर उनका बेटा । (बह क्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्णन के बिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोष:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी क् से 30 विन की वन्धि, यो भी वन्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिशाणिक हाँ, यही अर्थ होना को उस अध्याय में दिया सवा हाँ।

## **धनुष्**ची

क्लैट न . 67 (पुराना न॰ 7), गिता, बी-विंग, पंडिता रमाबाई रोड, बम्बई--7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० म० अई-1/37ईई/3443/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-84 को रजिस्टई किया गया है ।

एं० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, अम्बर्ध

दिनांक 12-4-1985

भाष्ट्र .

## प्रकप बाई . दी . वृत . युस . ------

## भायकर भीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 अप्रैल 1985

निदंश स॰ अई-1/37ईई/3668/84-85-अत: मुझे, ए॰ लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० यूनिट स० 323ए, जो, शहा एण्ड नहार इण्ड स्ट्रियल इस्टेट, ए—1, धनगज मिल क्याउण्ड, सोक्य प्रेल, बम्बई—13 मे स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण क्य से विणत है) श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित मक्षम, प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक. 18—8—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते 'यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दत्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरित (अंतरितों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफृत्ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्ने जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्पत अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अभीत् हि— (1) महा एण्ड नहार एसानिएटम ।

(अन्तरक)

(2) रेबो फलर लैबोरेटरीज।

(अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवृधि आ भी कि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितब्ध्व . किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

सिष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, हो अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय. गया है।

## अनुसूची

यूनिट स० 323ए, जो, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्ई-13 में स्थित है।

अनुसूणी जैमा कि ऋ०स० अई-1/37ईई/3452/84-85 श्रीर जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 18-8-84को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहाय प्राययण आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज—1, बस्बाई

विनोक : '}~ -- 1985

मोहर:

प्रकृष् भाष्ट्री, द्री, द्र्नु, द्र्या, ----

बायकर वर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### नारत चडकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

चम्बई, दिनाक 12 अप्रैल 1985

निदेश स॰ अई-1/37ईई/3673/84-85--अतः मुझे, ए॰ लहिरी,

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्भित्त, विसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० यूनिट स० 204, जो, दूसरी मजिल, बी", इमारत, भायखला सर्विस इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को०आप० सोसायटी लि०, ससेक्म काम रोड, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1के-8-1984,

कां पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सः, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिचत सं अधिक हैं और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वारेग से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से किया नवा हैं:—

- (क) बन्धरम वे हुए जिसी बाय की वायस, अवस समितियम के बधीन कर रोने के बंशरण के दावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; स्ट्रीट/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अधिहए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः अज, उंक्त जिथिनियम की धारी 269-ग के अनुसर्ध मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स फैण्डस पैकालन इडस्ट्रिज ।

(अन्तरक)

(2) मल्टी कलर प्रिटर्स ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसक जांधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्स सम्मास के अर्जन् के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी अपक्ति ब्वाय;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

इण्डस्ट्रियल यूनिट स० 204, जो, दूसरी मजिला बी०-इमारन भायखला सर्विम इंडस्ट्रिज प्रिमायसेस को०आप० सोसायटी लि०. ससेक्स कास रोड भायखला, बम्बई-27 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37/ईई/3457/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-84. को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक . 12-4-1985

मोहर 🗯

\_\_\_\_

प्ररूप बाह .दी, एन . एस . -----

## बायक्त् विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रद्रैल 1985

निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/3674/84-85--म्रतः मुक्ते, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 27, जो, आउण्ड फ्लोग्नर, मेरीलैण्ड को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 46, श्रार० जी० धाडानी मार्ग, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनु-सूची में और पूर्ण रूप में वांणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 की धारा 269 क्ष्य के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-8-84,

को पूर्वोक्स मध्यांत के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि किस में शास्त्रीक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की आवत उक्त और नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शामित्स में कभी करने या उससे अलगे में सृतिभा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (१922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृजिभा के लिए;

कार अब. उक्त अधिनियम की भाग १६०-ग के अनुभरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अमिनतयों, अथान्:---

- (1) श्रीमती नान्की नारायणदास भावनानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरला श्रक्षोक तनवानी । (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

की यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यशाहियां करता हूं।

## उन्त तम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी नाकोद :---

- (क) इर्ब स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है सं 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पर्काकरण:—इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो जन्त अधिनियम, के अध्याय 2()-क में परिभाषित है, उहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया भेषा है।

फ्लैट नं० 27, जो, 'हाउण्ड क्होर, मेरीलैण्ड को० म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 46, म्रार० जी० थडानी, मार्ग, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं ।

ग्रनुसूची जैमा कि कि सं अई 1-37-ईई/3459/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा दिन्कि 18-3-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ६० लहिरी सआम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, **बम्बई**

दिनांक : 12-4~1985

मोक्ट ः

## प्ररूप आहूर दी एन एस .-----

## आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकरा (निरीक्षण) प्रजंन रेंज∽1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 ग्राप्रैल 1985

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/3688/84-85-प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं ० पर्लंद नं ० 6—की को आकाशकां मा 89, भुलाकाई देसाई रोड बम्बई—26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण कप से बाजित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिन नियम 1961 की धारा 269 कर के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 18—8—1984, को पूर्विक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय वाबा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी थाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रथा, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अन्तरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन भिम्निंकित, व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) श्रीमती सर्वेदा सकबरमली राजन । (सन्तरक)
- (2) श्री कौकतग्रली ६० फनिचरवाला, और श्रीमती किनत एस० फनिचरवाला । (ग्रन्तरिती)

(3) प्रस्तरिको । (वह व्यक्ति, जिसके प्रक्षिकोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारिका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य विक्ति द्वारा अधोहर्सरगक्षरी की पास निक्षित मों किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ुभनुसूची

पलैट नं ० 6-बी, जो, माकाणगंगा, 89, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुमूकी जैसा कि रूं० सं० श्रई-1/37-ईई/3894/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 18-8-84 को राजस्टिंड किया गया है।

> ६० लिहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनोक : 12-4-198**5** 

मोहर :

प्ररूप आह्'.टी.एनं.एस.------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्बालय, सहायैक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रप्रैल 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

भीर जिसकी मं० ६ण्डस्ट्रियल यूनि सं० 237, जो, दूसरी मंजिल, "ग्रहा एण्ड नहार ६ण्डस्ट्रियल ६स्टेट (ए-2)", धंनराज मिल्स कम्पाउण्ड, क्षोग्रर परेल, वम्बई-13 में स्थित है (और ६ससे उपावक्ष श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसक करारनामा ग्रायकर श्रक्षित्यम, 1961 की धारा 269 कल के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूवमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूव्यमान प्रतिफल से, एसे रूव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अध्यक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के सिए;

अनः अब, उक्त अिबनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती लाज जब किशत शारवाती। (झन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (कं) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अर्वाध या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इसस्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखिए में किए जा सकर्ग।

स्पव्यक्तिरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है है

#### भन्यची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 237, दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल्स कम्पाउण्ड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि के० सं० श्रई-1/37–ईई/3483/84–85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनाक 28–8–84 को रिजम्ट किया गया है ।

ए० लहिरी पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रकल बाह्री, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नावकार नाथुनत (निरोजन)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्राप्तैल 1985

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधिक हैं कि स्थावर सम्बत्ति, विसका उण्यित बाबार मूस्ब 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० उण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 113, जो, पहली मंजिल ''गहा एण्ड तहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट'' ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कछ के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 28-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल स एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंदरक (बंदरका) और बंदरिती रिदी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रविफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तियक रूप से किअवत नहीं किया गया है किन्तरण

- (क) बन्तरक से हुई किथी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिरम में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के सधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) भेयर्भ जांडम पोघोटा६प सेंटिंग इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० । (श्रन्तरक)
- (2) जसवन्तिकेन विमणलाल फैमिली ट्रस्ट । (श्वन्तिरिक्षी)

े**का यह** दुभना जारी <mark>करके</mark> पूर्वीक्त सम्पन्ति **के अर्था**न के स्नि**ए** कार्यवाहियां करता हुई ।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप हु---

- (क) इस नुषका के सक्तम में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन की जबीध या तत्क्षम्बन्धी स्पीकतयों पर सृषका की ताजील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि वाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस शूचना के प्राथमत में प्रकारक की दारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हिराबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नथांहस्ताक्षरी के शंक सिक्ति में किए या सर्वोंगा

स्पष्टीकडणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्ड अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>1</sup>।

#### गनसर्वी

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 113, जो, पहली मंजिल, "शहा एण्ड नहार ६ण्डस्ट्रियल ६स्टेट", ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

अनुसूकी जैसा कि काठ सठ अहै-1/37-ईई/3484/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वाबई शारा दिनाक 28-8-84 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी यशयक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

माहर:

प्ररूप आई, टी. एन. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज, I,बम्बई

बम्बई दनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश ंसं० अई 1/37 ईई/3710/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर क्रिंचियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६०-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विष्याम करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुमान नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, न्यू नंदनवन को-आं० हाउमिंग सोमाइटी लि०, सायन, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा शायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है।,सारीख 28 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार यून्य से कम के रूर्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंवरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे कंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक स निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिश्वित में शस्तिक क्या है अन्य से किया नहीं किया नया है अन्य

- (७) जन्तरण ं क्ष्मूष्ट' किसी नाग की बाबस. अलल अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के सिए; बॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, शा भनकार अधिनियम, शा भनकार अधिनियम, शा भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असीधनार्थ अन्तिरिती बवारा प्रकट नर्या किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के बिए;

नतः जब, उल्त अधिनियम की धारा 139-ग के जनसरण भी, भी जबल अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :— 12—66 GI/85 (1) श्री एम० नारायणन।

(अन्तरक)

(2) श्रीसी० बाब्राव प्रभू।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग

में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् ज्यर्थशाहियों करला हुं ।

## उथत सम्मृत्सि के वर्षन के सम्बन्ध में खोई भी वासोप्र---

- (क) इस ब्रुचना जैराजपत्र में प्रकासन की तारीस के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्जधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास सिनिए में किए पर गर्कोरे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्था है।

### वनसर्वी

दुक्षान नं ० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, न्यू नंदनवन को-आंप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क॰सं॰ अई-1/37-ईई/3488/84-85 और जो सक्षम प्राविकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्ष म प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 , बम्बई

तारीख: 10-4-1985

सोहर 🧸

प्ररूप बार्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक वायकर वाय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वस्वई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3716/84-85---अत: मुझे, ए० नहिरी

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िष्रसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ज्यये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० आंद्धीम नं० 155, जो, 15वी मंजिल, मित्तल कोर्ट "सी" विग, प्लांट नं० 224, बंकबे रेक्लमेशन. नरीम न पांडट, बम्बई-23 है तथा जो बम्बई-23 में स्थित है (श्रीर इसथे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा आयक र अधिनियम , 1961 की धारा 269 कु,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 28 अगर त 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रज्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके उत्थमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक हैं) और जन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के या प्राप्त अभिन्यों दिनारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के तिए:

अतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात किन्न

(1) श्री अनंतराय क्षार० दोशी।

(अन्तरक)

(2) मेसस जनरल एक्सपोर्टर्स एण्ड मैन्युफैक्चरस ।

(अन्तरिती)

को मह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन व लिए कार्यवाहियां घूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितब त्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूर्यी

आंफी स नं ० 155, जो, 15वीं मंजिल, मित्तल कोर्ट "सी" विंग, प्लांट नं ० 224, बंकबे रेक्लमेशन, बरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०स० अई-1/37-ईई/3444/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1\* बम्ब**ई**

सारी**ख** : 12—4—1**98**5

मोहर :

प्ररूप बाह्", टी. एन. एस.,-----

जायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### शाहत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/3721/84-85--अतः मुझे ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संज फ्लैंट नं 33 जो विजयविला को-आंप हाउसिंग सोसाइटी 79 वरली सी फेस वम्बई तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इसन उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं बम्बई तारीख 30 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूत्य, उनके क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, जिन्नितियों उन्होंने से बन्त कन्तरण विविद्य के बन्तर के नित्ति के किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावता, सकत सीमीनयम के सभीन कर योगें के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; श्रीह्र/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्त आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया बना वा वा विका वाना वा बिए ना कियाने में स्विधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् अ— (1) रमेणचद्र विरचद शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री शिविकिशन राठी एच॰यू०एफ० श्रीर श्रीमती विद्या एस० राठी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत् 4-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की वर्वाभ पा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवर क्यूनियमों में से किसी व्यक्ति ब्यान्त ब्यान्त
- (ण) इस मुजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति मों हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति स्थावर समाहस्ताक्षरी के गांच निक्षित में विल् या सहोगे।

स्पव्हीकरण: --- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आ उक्स किंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

पलैट नं० 33. जो विजयविला को-आंप० हाउसिंग सोसाइटी 79 वरली सी फैस बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०स० अई-1/37-ईई/3513/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-1, वम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर 🛭

## प्ररूप आह. टी. एन. एस . -----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई- 1/37-ईई/3725/84-85—अत: मुझे ए० लिहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी स० फ्लैंट नं० 1480 जो इमास्त नं० 62 एम० आयजी आदर्श नगर वरली बम्बई हैं तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सम्बद्ध में रजिस्ट्री है, तारीख 30 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है हि——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अधित रू—- (1) श्री पी०एन० मंत्री।

(अन्तरक)

(2) श्री चंपकलाल दालीचन्द मेहता।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग भं सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुस्ची

पलैट न० 1480 जो इमारत न० 62 एम आयजी आदर्श नगर वरली बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसाकी ऋ०स० अई-1/37-ईई/3516/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० <sup>'</sup>लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 **बम्बई**

तारी**ख** : 12-4-1985

मोहर ध्र

प्ररूप आहर. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

**श**र्जन रेंज-1, अम्बद्ध

भम्बद्दे दिनांक 12 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० **घ६**-1/37-ईई/3726/84-85-**--घ**तः मुझ, ए० लहिंरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्नर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 1503, जो, इमरित नं० 65, एमग्रायजी ग्रदार्श नगर, घरली, बंग्रई है तथा जो अम्बई से वियत है (और इससे उपावत ग्रातुस्वी में और पूर्ण रूप से विजय है), और जिसका करारनामा ग्रायपर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन अम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30-8-84

को पृशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान श्राह्मल के लिए बन्तरित की गर्द है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापृथांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उन्नत बन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बंतरण से धुर्व किशी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे अथने में सुविधा लें सिए, और/बा
- (क) एसी किसी आज या किसी अन वा अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीनिवित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री बासू चंटर्जी।

(मन्तरक)

(2) श्री पी०एस० मंत्री।

(धन्तरिती)

(3) भन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) एम॰ भाय० जी० भाषणं नगर, को-भाष० हार्जनग सोसाइटी लि०।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्राबोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पृथीक्स सम्परिष्य के अर्थन के सिए कार्यसाहियां करसा हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर वार्ष की तामील से 30 दिन की व्यक्तियां भी व्यक्तियां में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
  - (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवदृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किसी आ सकेंचे।

स्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित इं, बड़ी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा पवा है।

## अनुस्ची

फ्लैंट नं० 1503, जो, इमारत नं० 65, एम श्रायजी श्रादर्श नगर, बरली, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुस्ची जिसकी फ्रन्स० **गर्द**-1/37-ईद/3577/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, **क्षम्बई द्वारा दिनां**क 30-8-84 को र्यालस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-4-1985

मोहर 🖠

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**भायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक बायकर बायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांदः 10 श्रप्तैल 1985

निदेश सं **गई**-1/37-ईई/3728/84-85---- मतः मुझे, ए॰ लहिरी

वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1.00,000/- रहः से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 405, जो, 4 थी मंखिल, इमारत नं० 1, संजय, प्राचार्य दोंदे मार्ग, निवरी (प०), अम्बई-15 है तथा जो अम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा भायकर प्राधानयम, 1961 की धारा 269 के, ख़ के भधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है। तारीख 30 प्रगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं बत्त अबन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मोहमद सावीक खान लालखान और श्रीमती राजूनिस्सा एम० खान।

(मन्तरक)

(2) श्रवूनकर फाकर मोहमद जुवले।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
  - (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## सनसची

फ्लैट नं॰ 405, जो, 4 थी मंखिल, इमारत नं॰ 1, संजय, श्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प॰), वम्बई-15 में स्थत है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० गर्ध-1/37-ईई/3519/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 30-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त** (निरीक्षण) **भ**जैन रेंज-1, **अम्बई**

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🖫

प्रकृप बाह्", टी. एव. एवं.-----

बागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के बधीन बुजुरा

## बाउद ब्रका

कार्बाबय, बहायक जायकर बाव्यत (विरीक्षण) प्रजेन रेंज-1, घम्धई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रप्रैल 1985

निवेश सं० **मध्-**1/37-**६६**/3730/84-85---मत मुझे, ए० लहिरी

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परेपाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० एच-3, जो, 8वीं मंजिल, फारी-यस को-आंप० हाउसिंग सोपाइटी लि०, केम्प्स वर्गेनर, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर प्रितियम, 1961 की धार 369 कल के अधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 30 धारस 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के स्प्रिक्त पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबल उद्देश्य से उसल सम्परण कि बिसल में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाम की बावस, उन्त निध-रियम के अभीन कर देने के बन्तरक को दाविस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी कि ती भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

भत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्रीमती मणिबेंन मणिलाल शेठ।

(पन्तरका)

(2) मेसर्स वेनीलाल एक्सपोर्ट हाउस, प्राइवेट लि०।

(भन्तरिती)

(3) कंपनी का डायरेक्टर।

(यह व्यक्ति, जितके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना कारी करके पृथांक्त संपास के अर्थन के तिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वादा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ व्यपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिवा पदा हैं।

## बन्स्ची

प्लैंड नं ० ए-3, जो, 8 वीं मंजिल, फारीयास को-म्रांप ० हार्जिस सोसाइटी लि०, केम्प्स कॉर्नेर, सम्बद्ध-5 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी कर्लं मधै-1/37-धैदै/352/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षी) भर्जन रेंज-1, बम्बाई

तारीख: 12--4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेज-1, धम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 12 मप्रैल 1985

निवेश सं • भई-1/37-ईई/3736/84-85----मतः मुझ, ए • लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० दुकान नं० 19, जो, "एल्फीन्स्टन हाउस", 17, मर्झवान रोड, बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध बनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 30 ग्रगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गर्इ है और मुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बंद । जब्द, उक्त क्ष्मिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीव, निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गीतमचंद शार० जैन।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी जरारीन के० बायरजी, कुमारी कैजार के० बायरंजी, और मास्टर रिशाद के० बायरंजी।

(भ्रन्तरिती)

को यह ।सूचना जारी करके पृत्रीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुरान नं० 19, जो, "एल्फीन्स्टन हाउस", 17, मर्झ-बान रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

श्रमुम् जिलकी कि सं श्रह-1/37-ईई/3526/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाक 30-8-84 को रजीस्टर्ड नियंगया है।

> ए० लाहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-4-1985

माहर 🛮

## प्रकृप नाइ. ही. एन. एच. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1985 निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/3740/84-85—-ग्रतः मुझे, निहरी

' नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं पलैट नं 701, जो, 7 वी मंजिल, सुदर टांवर्स, ठोकरमी जिवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रम्भूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 1961 की धारा के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीम्दी है। नारीख 30 श्रगम्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के इप्ययान प्रतिफल के लिए अन्तिन्ति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्प, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का , पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत ,। उक्त जिम्हीनसम् के अभीन कर दोने के जम्तरक सी दायित्य में कमी करन या उनमें बचने मा सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1902 का 11) या उन्त प्रधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा 41 किया जाना चाहिए बा. फिपाने ए स्थाधक के रुपा,

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निमनिलिश्वित व्यक्तियों, अधित ६—— 13—66GI/85

(1) श्री मणिलाल दामयी णहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धरणी पदमशी छैडडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के सजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ. त से राष्प्य में प्रकाणत की तारीख में 45 विन का पार्य या तस्मंत्रंथी व्यक्तियाँ पर सूचना की तायील में 30 दिन की प्रवाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, ज भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियाँ म स िक्सी व्यक्ति बाया,
- (ख) इस भूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ निसी भन्य क्यन्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किये जा सकेंगे।

श्वक्तीकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्द शीर पदा था, जा उक्त पश्चि-नियम के अध्याय 20-श मे परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### वंग सर्व

फ्लैट नं० 701, जो, 7 वीं मंजिल, सुंदर टांवर, टोक-रणी जिवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 मे स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/3528/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सिहाबक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारी**ख**: 12~4-1984

ब्रोहर

## त्रक्र√ माइं.टी.्य्य्.युक्तं,------

भाषकर बाँधिनियंस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, बस्बई बम्बई, सिनाक 12 ग्रप्रैल 1985

निदेण स० श्रई-1/47-ईई/3765/84-85—श्रत मुझे, ए० लहिरी

नायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वश्यात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया हैं)-, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० फ्लैट न० 4, जो, 2 री मजिल, इमारत, नं० 4, पीएसबी श्रपार्टमेटम, बी० जी० खोर रोड, बरली । नाका, बम्बई है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (श्रौर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूण रूप में विजित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। नारीख 20 श्रगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह दिन्नास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त संपत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे अवसान प्रतिफल का क्ष्यद्व प्रतिभात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिसत ज्यविषय से जनत अन्तरण निम्निसत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक्षं हुई किसी काम की अन्तर, उनत् म्यिनियम् तो स्थीन कर देने के अन्तरक के शक्तिक में कनी अन्तर्भ या उससे वचने में सृष्धि के लिए; कींद्र/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में उचिधा के निए;

वतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थात :---

- (1) पी एस बी कन्स्ट्रक्शन कपनी लिमिटेड। (भन्तरक)
- (2) श्री कन्हैयालाल बमाडिया।

(अन्तरिती)

को सह सूचना बादी करकें पृथांकत सम्मिति के नर्चन के निष् कार्यवाद्यिं सूफ करता हूं।

उन्नत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विष की जनिथ या तरसम्बर्गी क्यूनितवों पर सूचना की तामीस से 30 विन की जनिथ, को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यानित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए पा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदी का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यस है।

## अभृतुर्जी

फ्लैंट नं़ 4, जो. 2 री मंजिल, इमारत नं 4, पी एस बी श्रपार्टमेंटस, बी जी ब्येंर मार्ग, वरली नाका, बम्बई मे स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क०स० ग्रई-1/37-ईई/35416/84-85 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 27-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

## प्रकष् कार्शः दी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० ऋई-1/37-ईई/3772/84-85—ऋतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 2, जो, 1 ली मंजिल, "श्री राम श्रपार्टमेंटस, निर्मानाधीन इमारत, 168, वैद्य वाडी, ठाक्रूरद्वार, गिरगाम, बम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 27 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त संमंतित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वास ' करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) को बीच ऐसे बन्तरण के सिएं तय पाया गया द्रति- कस, निम्निचित उक्षेप्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ध्र--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिधा कें लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तिसों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रार०के० कन्स्ट्रक्शन्स

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री शहा शिमराज किमनलालजी जैन। (श्रन्तरिती)
- (3) भाष्ट्रत ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वेक्ति सम्पत्ति के अजन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

#### अमुसूची

पलैट नं ० 2, जो, 1 ली मंजिल, श्री राम श्रिपार्टमेंटस", 168, वैद्य वाडो, ठाकुरदार, गिरगाम, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूवी जैसा कि ऋ०सं० ग्रई-1/37-ईई/3556/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-4-1985

मोहर :

## म्बद् बाह्यं,दी एवं एस \_------

नायकर निधृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन सुचना

### सारत शहकाहै

कार्यांतय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985 निदेण सं० प्रई-1/37-ईई/3777/84-85—-श्रतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर विधीनवम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वात- करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उभित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 232, जो, 2 री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रीयल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउंड, एस०जे० रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 27 श्रगस्त 1984।

को व्योपत सम्पत्ति के उचित वाषार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करनों का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे क्यमान प्रतिकाल का पत्त्वह प्रतिवात से अधिक है और कृत्वरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखत छब्बोच्य से जन्तरण लिखत में बास्तीयक रूप में किया नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरम से हुइ किसी आप की वागत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उत्से वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य अपिस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने के सुविधा के सिए;

विष्य का उक्त विभिनियम की भारा 269-व के क्रमूसरक में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निय्नितिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह्र—— (1) शहा एण्ड नहार श्रासोसिएट्स।

(भ्रस्तरक)

(2) परफेक्ट प्रिन्ट्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

क्यत सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसम् प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय समाहैं।

## बन्द्रची

यूनिट नं० 232, जो, 2री मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउंड, एस०जे० रोड, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कर्निंश्यई-1/37-ईई/3557/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर 🖫

## प्ररूप बाइ . टी. एन. एस-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालग्न, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रफ़ैल 1985 निदेश मा० ग्रई-1/37-ईई/3778/84-85---ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भास 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं यूनिट नं 2, जो, 4 थी मंजिल, भारत चेंबर्स, प्लाट नं 52-सः, एल्फीन्टन इस्टेट, बरोड़ा स्ट्रिट बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (और ६समे उपाधद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिमका करारनामा श्रायकर श्रधानियम, 1961 की धारा 269 क, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 27 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्म सं कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्व्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्बरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिक्षियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिविक स्पृत्रितायों, वर्धातः :— (1) मेसर्स हंसराज प्रानजी एण्ड कंपनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज श्रार० ग्रगरवाल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (कं) इस स्थान के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविश , जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित ब्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वष्टीकरण:---इतमां प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त जिम्मियम के अध्यास 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

्यूनिट नं० 2, जो, 4थी मंजिल, भारत चेंबर्स, प्लांट नं० 52-सी, एल्फीस्टल ६स्टेट, अरोडा स्ट्रिट, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर्निं अई-1/37-ईई/3558/84-85 और जो सक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🖫

प्रकृष्ट, बाह्री, टी. एन्. एस. -----

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुधना

#### भारत सरकार

## कार्यासन, सहायक नायकर नावृत्तः (निर्दासन)

श्रर्भन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्राप्रैल 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/3779/84-85--- श्रमेः मुझे, ए० लहिरी

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी पं० यूनिट पं० 3, जो, 4थी मंजिल, भारत चेंबर्स, प्लांट २० 52-सी, एल्फीन्स्टल इस्टेट, बरोडा स्ट्रिट, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण ६५ से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27 अगस्त 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपितित का उचित बाचार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्तर प्रांतवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय बाया नया प्रतिफल, निम्निविचित उद्वेष से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीज कर दोने के अक्तरक खें वायित्व में कभी करने वा उसके वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के लिए;

भता श्रवा उपर अधिनियम की भारा 269-ग वी अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की श्री 269-में की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स हंसराज धानजी एन्ड सन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) राजकुमार एण्ड सन्स, एच०यू०एफ०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां चुक्क करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में काहि भी बाक्षेप ६---

- (क) इस स्वमा के द्रावप्त में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जबिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकीं।

स्पर्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

#### वन्त्रची

यूनिट न० 3, जो, 4थी मंजिल, भारत चेंबर्स, प्लाट नं० 52-सी, एल्फीन्स्टन ६स्टेट, बरोडा स्ट्रिट, बम्बई-9 में स्थित है।

त्रनुसूची जैसाकी अ०सं० ग्रई-1/37-ईई/3559/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीच : 10-4-1985

मोहर:

प्ररूप शाहें. टी. एन. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जचीन सुचना

#### THE TANKS

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

पार्जन रेंज-1, **बम्धई** 

बम्बई, दिनांक 12 धप्रैल 1985

निदेश सं० भई-1/37जी/3098/84-85---भ्रमे: मुझे ए० लहिरी

नायकर निभिन्निन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निभिन्निन' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्बद्धि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० सी०एस० न० 4752 श्राफ मलबार अण्ड खंबाला हिल डिवजन, विल्डिंग और स्ट्रक्चर के साथ, प्लांट नं० 77 श्राफ गामदेवी इस्टेट, गांधी रोड, गामदेवी, बस्बई है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांगत हैं), रिजम्ट्रीकर्स श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त तम्बित के उचित बाकार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बेत्ति का उचित बाजार स्था, उनके क्रयमान प्रतिफल को, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ज्ञान कि अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निव्ह;

कत. अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उनत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलीवत व्यक्तियों, जनति क्रिक् (1) श्री प्राणजीवन माधवजी और ग्रन्य।

(प्रन्तरक)

(2) श्री गोविवलाल मिवलाल पिट्टी और श्रन्य (ट्रस्टीज श्रॉफ मारवाश्री सम्मेलन)

(म्रन्तरिती)

(3) श्री ठाकूरभाई के० देसाई, और काक्ष्माई औ० वेद।

(वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त बन्गरित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी सन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिसिट में किए जा मकरो।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पवां का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

श्रनुसूची जैसाकी विलेख मं० वाम०-3926/68 और जो अपर रजीस्ट्रार, बम्बंई क्षारा दिनांक 8-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहियक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेज-3, बम्बई

ारी**र्ख** 12-4-19**88** मो**हर** 🖫

## प्रकृष नार्रं हो पुन् पुन् - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-म (1) वे वधीन कृष्ण

#### महार संस्कृत

## कार्याक्षय, तद्वाचक बावचर बाजूनत (निक्रीकण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 श्रशैल 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-जी/5099/84-85—म्प्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थानर समारित, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- के से अधिक है

और जिसकी संव सीव्यस्त नंव 268 आफ मलबार हिल और खंबाला हिल डिविजन, बिल्डिंग स्टन्डींग देश्वरश्चान रीज रोड (बीव्जीव केरमागं), बम्बई हैं तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण क्ष्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षनारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिक्षन, तारीक 10 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शहरमान प्रतिफल से, एसे शहरमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच पूर्वे अन्तरण के सिए तब पाना गणा प्रतिफल, निक्नितियां उच्चेष्य से उस्त अन्तरण कि सिए तम पाना गणा प्रतिफल, निक्नितियां उच्चेष्य से उस्त अन्तरण कि सिक्त में वास्त्रिक कम से क्रियंत्र महीं किया गया है दुन्न

- (क) अन्तरण से ष्टुई किसी बाय की बाबता; उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक बे दोनित्य में कभी करने या उससे बचने में सुदिवस के लिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भग वा बन्य जास्तियों कों, जिन्हों भारतीय वायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितीं क्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया चाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के निक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधान, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री यशवत सिंह विजयसिंह डोसा। (श्रन्तरक)
- (2) विजय दोष को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाध्टी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक और श्री भगवानदास जमनादास नरसी, भाडूत।

> (बह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) भाष्ट्रत ।

(वड व्यक्ति, जिसके वारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूपना कारी करके विकित सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवादिको करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्णन के संबंध में काहे भी बासपे :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की व्यक्ति वा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूपना की ताबीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविता में किए जा सकतें।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

भ्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम०-2304/77 और जो अपरश्रीस्ट्रार, बम्बई क्षारा दिनांक 10-8-1984 को रजी-स्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी नक्षम प्राधिकारी महायम भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्तन रेंज-1, यम्ब**र्ध**

नारी**ख** : 12-4-19**8**5

म्रोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

न्नर्जन रेंज~1, **ब**म्ब**ई** 

बम्बर्स, दिनांक 12 सप्रैल 1985

निदेण सं० म्रई-1/37-जी/5103/84-85---म्रत: मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बासार मूच्य 100,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एम० नं० 1983 ऑफ भायखला डिवीजन, विल्डिंग एँट 21/ए, बापूराव जे० मार्ग, मौलान प्राजाद रोड, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपबाद प्रनुसूनी में ओर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तरीख 6 प्रगस्त 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह किश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्निविखित उच्चेश्य से उसस अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते झूर्इ किसी आय की जबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के कांगित्य में ध्वमी करने था उन्नसे बचने में सुविधा के निष्; जार/जा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

कार अब, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्मिलिसिस, व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री रुस्तम होरममद हराणी, जे०एच० हराणी और परवेण हारमजद इरानी।

(मन्तरक)

(2) श्री फिरोश नाजिर मैयद।

(श्रन्तिगती)

(3) श्री प्रकाश राजाराम बेलनेकर, श्रांबंदा कुंजप्पा शेट्टी, सोलोमन डेविड श्रवास्जर, सैयद नाझिर बावामिया, श्रीमती एम०ए० करीम रोड., और एस०पी०सी०टी० कारबेल्हो ।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब्व्ध किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ममस्ची

श्रनुसूची जैमािक विलेख सं० वॉम०-3221/82, और जो ऊपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक **भा**यकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, **भन्दाई**

तारी**ख**: 12-4-19**85** 

मोहर:

ब्रक्य बाह्र', टी. एन. एस.------

नावकड वॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के नभीन स्वता

#### नोरड बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, **सम्बद्** 

भम्बद्धे दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश स० **घर्-**1/37-जी०/5104/84-85---म्रतः मुसे, ए० लहिरी

नामकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें परवाद 'उनत निर्धानयम' कहा गया है कि पत्प 269-व के नधीन समय प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका स्वित वाचार नृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिसकी मं० सी०एस०नं० 947 शॉफ फोर्ट हिविजन, किंग लेन, शॉफ बोरा बझार स्ट्रिट, यम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता शिधकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्रीकरण शिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के शिधन, तारीख 6 धगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उत्पाद बाधार मूक्ष से क्षत्र को स्थवनाम प्रतिकत्त के तिए जन्तरित की गई है जीर मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्मति का उचित बाधार मूक्य, उसके क्ष्यवान प्रतिकत्त ते, एसे क्ष्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (जन्तरिकार्ग) और अन्तरित (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरिक के निए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निसिक्त उद्देश्य से उन्तर अम्तरिक तिव्वति में वास्तिक रूप से क्रिक्त नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कर्मी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी थन वा बाय बास्तिकों को, बिन्हुं भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमाने में सुविधा हो खिए;

जतः अज, उच्त विभिनियम की धारा 269-म को बनुसरण वें, वें, उच्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वें वधीन, ज्ञिलातिचित व्यक्तिवर्षों, अधीत :---- (1) श्री तहिलराम रणछोडदास बुलयानी, श्री दिलीप रामबद टीनानी, और श्री किशोर बन्सीमल दर्यनानी।

(भन्तरक)

(2) श्री मनोष्ठकुमार मोहनलाल जालन, और श्री राहुल कुमार मोहनलाल जालान।

(जन्तरितौ)

(3) मेसर्स विमणलाल प्रायवेट लि०, और मेसर्स इस्टर्न वांच, भाडूत। (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके वृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

## बन्दा बन्दिए के वर्षन के बन्दरन में कोई भी बाधेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर व्यक्षिनियम, के बच्याय 20-क में परिभाविर है, वही वर्ष होता, जो उस कच्याय में विक वता है।

## वन्यूवी

ं श्रनुमूची जिसकी विलेख सं० वांम०-50/83 और जो ऊपर रजीस्ट्रार, बन्बई द्वारा विनाक 6-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी इसहायक श्वायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुपेन रेंज-1, बम्बई

तारीख 12-4-19**88** मोहर :

## मुक्त महाँ हो। हो। हो। न

कार्कर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूत्रका

## बाउव भाषा

कार्यासय, सहयक नायकर नामृक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, यम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मप्रैल 1985

निदेण सं० **गई**-1/37 जी ०/5110/84-85 -- मूझे, ए० लहिरी,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० सी॰एस०नं० 1355 फोर्ट खिविजन, सोन ब वाला काटेज, 5 वा गोला लेन, ऑफ डी॰ एन॰ रोड, फोर्ट, बम्बई है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाबक बनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ब्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई-1 में रिजस्ट्रीकरण ब्रिध-नियम, 1908(1908 का 16) के ब्रिधीन, तारीख 28 बगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में दास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के कन्तरक के रामित्य में कभी करने वा उन्नडे बचने में बृह्यमा में तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त जीवनियम, या धन-कर विश्वितम, 1957 (1957 की 27) वें प्रयोजनार्थ बन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिन्मों में कुविधा के लिए;

जतः जन, जन्त जभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण जै, मैं, धनत जभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जुनात् क्र- (1) श्री भाऊराव केशवराव पांधारे।

(धन्तरक)

(2) श्री एस० मोहमद धली।

(धन्त रती)

(3) श्री भाडूत। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यनाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र 🖫

- (क) इस सूचना के ट्राव्यान में प्रकाशन की ताड़ीय है 45 दिन की बनिध या तत्स्वन्यन्थी म्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, थो भी बनिध बहुद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थानित ह्याड़ा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की दारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताकरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :----इसमें प्रगुक्त शक्यों आहि पथों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परि--भाषित है, यही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्र्य

भनुसूची जैसाकी विलेख स० भाम०-2732/81, और जो उप-रजीस्ट्रार, अम्बद्ध द्वारा दिनांक 28-8-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए• लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर भाषुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नम्बाई

तारी**क** 12-4-19**55** नोहर = प्ररूप आहें. टी. एन.; एस. -----

नायकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के लधीन सुचना

### प्राप्त सरकार

## कार्यामन, तहाबक मामकार नागुन्त (निर्धानन)

🌉 मर्जन रेज-1; भंस्यई

बम्बई, विनावः 12 श्रप्रैल 1985

निदेश स० अई-1/37-नी/5111/8 4-8 5--- मतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें विश्वात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपत्ति, जिसका उधित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसंकी सं० भपार्टमेंट नं० 3, 3री मंजिल, ब्लॉक नं• बी, दलाल इस्टेट, बेग्नरीग सी०एस० नं० 1/332 ऑफ ताबदेव बिविजन, 14-ए, 28-ए, डी० डी०बी० मार्ग, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद जनुसूची में और पूर्ण क्य से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, बम्बई के रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 17 श्रगस्त 1984

को पूर्वकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से फम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक मिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक वाँ दायित्य में कमी करने या उन्ने वचने में सुविधा में लिए; बाँट/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य झास्तियों की बिन्हें भारतीय वाबकड़ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

भतः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीतः, विक्तिसित व्यक्तियों, वर्णात् हे— (1) कुमारी दिनू डी० कांन्ट्रैक्टर, और कुमारी डांली डी० कांन्ट्रैक्टर।

(भाग्तरक)

(2) मलगरमाली हसनमाली शिदरवाला और याद्या मनगरमाली शिदरवाला।

(मन्तरिची)

(3) भन्ति रितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेथे हिनबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिकित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त श्रव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका मया है।

## वन्स्ची

श्रनुसूची जैसाकि विलेख सं० बॉम-1191/77 और जो ऊपर रजिस्ट्रार, धम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

तारी**ख** : 12-4-19**85** 

मोहर 🖫

प्रकथ आहें. टी. एन . एस . -----

भायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्भीन सूचना

#### भारत सरकार

ंकार्यालय, सहायक बायकर गायक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई** बम्ब**ई**, दिनांक 12 **म**प्रैल 1985

निवेश मं० भ्रई-1/37-जी/5116/84-85--- श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाचार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकी मं० प्लॉट नं० 18, गमाडिया इस्टेट, 24/26, पंडित मदन मोहन मालिया रोड, (ताडदेव रोड), सी०एस० नं० 14/738 (अंग), मलबार एण्ड खंबाला हिल डिबीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाध्र अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधित, तारीख 18 श्रगस्त 1984। को पूर्वीक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंदा प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नितिवत उद्विध्य से उक्त अंतरण सिविद में बास्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अभारण वे हुई विक्रती आप की वायक क्यक वृधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तहक के वासित्य में कनी करने या उत्तरे बजने में सुविधा-के लिए; और/मा
- (क) एँसी किसी बाग या किसी भून या बन्य वास्तियों कर, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिकियम, 1922 (1922 की 11) या उसत अधिकियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उथत, बिभिनियम की भारा 269-म कें, बनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) दि अनगली-फेन्च ब्रगकंपनी (इस्टर्न) (लि०)। (धन्तरक)
- (2) रोच प्रोंडक्टस लिमिटेड ।

(मन्तरिती)

(3) भन्तरिती।

. (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परिस के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्जना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

## वन्स्ची

श्रनुसूची जिसकी विलेख स० बॉम०-299/ 4 और जी उपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

तारी**व** : 12**~4~**198**5** 

मोहर:

# the sain of the beautiful

# नायकर वीपनिवृत्, 1961 (1961 का 43) वर्ध पाडा 269-प (1) के नृषीन बृष्या

#### THE THE

# क्षानीयन, बहायक बावकर वायुक्त (विद्रोधन)

श्चर्णन रेंज-1 अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 धप्रल 1985

नदेश स० **गर्-**1/37-जी/5117/84-85---मतं मुझे, ए० लहिरी,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार बूल्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० सी॰टी॰एस॰ न० 264, मलबार हिल और छाबाल हिल हिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाध्य धनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण भिधितयम, 1908 (1908 क 16) के ध्रधीन, वारीख 23 भगस्त 1984।

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के ज्यमान श्रीतफल के जिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते वह निक्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का मूल्य प्रतिकत से विभक्त है और संतरक (मंत्रहकों) और संतरिती (संतरितों) के बीच एसे बंतरून के मिन्न तम् नामा प्रतिक कचा विभ्योगियत स्मृत्वेस्य से उच्छ संन्युरम् विविध में मान्य-विक स्मार्थ के विश्व सही निकार प्रति हैं—

- (क) जनसरण से हुई किसी बाय की नायत, जनस अभिनियन के अभीन कर योने के अन्तरक के वाहित्य में कमी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के हिस्सू; और/या
- (क) द्वी किसी बार वा किसी थर वा बच्च वाकिसी को, चिन्हें प्राइतीय बावकर वीधीनवर्ग, 1922 (1922 का 11), वा उत्तर वीधीनवर्ग वा धनकर वीधीनवर्ग वा धनकर वीधीनवर्ग 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती वृषाग्र प्रकट नहीं किया नवा था वा किया चाना खाहिए था, कियाने में सृतिभा के सिप्र;

बदाः कव, उक्त अधिनियमं की भारत 269-न के अनुवरण को , की, उक्त बीचीनियमं की पारा 269-म का उपभादा (1) के बधीन, जिल्लीसिया व्यक्तियों, वर्षाय हिल्ल (1) श्रीमती गुलपाओं पी० भस्त्वा और कुमारी ए०एन० खान।

(धन्तरक)

(2) श्री मगलदास सी० कामदार।

(चन्तरिती)

(3) भाडता

(वह व्यक्क्त; जिसके ब्रक्षियोग में सम्पति है)

को वह तुमना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के विद कार्यमाहियां करता होतु।

## क्ष्म क्ष्मील में नवंद में स्वान्त में कोई जी बाबोद ह---

- (क) इंब बूबना के रावधन में प्रकाशन की तारीब हो 48 दिन की धर्मा मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषण की तानीब हे 30 दिन की धर्मा, यां भी धर्माय बाद में बनाप्त होती हो, के भीतर वृश्लेका व्यक्तिकों में किसी व्यक्तिय दृशका है
- (क) इड ब्यूना के राज्यम् में त्रकावन् की वादीक हैं 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर वस्मित में दिख-बब्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताकृति के शव विविध्य में किए का बक्तेंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, वो उपह वीर्यामया, के बच्चाम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया व्या है।

## अनुसूची

श्रातुसूत्री जिसकी विजेख स० बी-375/84 और जो जगर रजीस्ट्रार, सम्बद्द द्वारा दिनाक 23-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख 12-4-19**85** मोहर् 🛭

## प्रकार बाह्य ही एवं एक , -----

# जावकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्य, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, भहमदाबाद

धहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं ० पी०आर० नं० 3634/अर्जन रेंज—I/23-I/84-85

नायकर निधानमम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इतमें इतमें परचात् 'उनत मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन तक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका जीवत वाचार मृत्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रारका रनमुफतथर रोड फ्लैंट नं० 23-24 और प्रन्य हैं तथा जो आर०एस० नं० 39-667-668 और प्रन्य 22558 वर्ग यार्ड जमीन में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है); रिजस्ट्री-कर्ता धिकारी के कार्यालय, द्वारका जीला, जामनगर में रजीस्ट्रीकरण धिवियम; 1908 (1908) का 16) के धिन 27-7-84, 37 जी, भगस्त 1984

को प्रॉक्ट सम्पत्ति के उचित जाजार मृत्य से कम के दश्यमां प्रतिकल के सिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संवत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरह रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया प्रतिक लगीन्नजिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्तविक क्य से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किशी बाप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ए'बी किसी बाय या किसी धन या अध्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा विज्ञा जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

नतः मन, उनत विधिनयम की धारा 269-ग के ननुसरण में , जैं जनत विधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नभील, निस्नीतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) आर्यधर्म सेवा संघ। 1; डाक्टर लेन, न्यूदिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) द्वारका सीमेन्ट वर्फ एम्प्लायमं यूनीयन, रत्तमुकसेन्घर रोड, द्वारका, जीला-जामनगर।

(चन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के शिक्ष् कार्यवाहियां कुक करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाबन की शारीब से
  45 दिन की जबिंध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्यीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# वन्स्ची

जमीन द्वारका, रनमुफतेन्घरसेष पर रजिस्ट्रेशन नं० 844/26-7-1984!

> जी० के० पड्या मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 8-3-1985

मोहर 🖫

# प्रस्प आहें हो एन एस .-----

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रष्टमदाबाद

श्रहमदोबाद, दिनां ह 8 मार्च 1985

निदेश सं० पी०श्वार०नं० 3635/अर्जन रेंज-I/23-I/84-85 श्रतः मझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 301, थर्ड फ्लौर है तथा जो ऋसेन्ट-"ए" बिल्डिंग राजकोट में स्थित है (और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है); रजीस्ट्रीकर्ती श्रविकारी के कार्यालय, 37-ईई कारालफीस में रजीस्ट्रीकरण अधिन्यम; 1908(1908 का 16) के प्रधीन 16 भगस्त 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकले के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यक्षा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखत उक्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं 'क्रया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेससं जे०ए२० कोशीरेशन, 48, इन्द्रनारायन रोड, शान्ताऋज वेस्ट, वोम्बे-54।

(धन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल एन० गोकानी, श्रीमती इन्द्र के० गोकानी, 202, गुजरात सांसायटी, सयन (वेस्ट) बोम्बे-22।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपृत्ति के अउर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति यूवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वष्धीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं 301, यर्ड फ्लौर कसेन्ट "ए" विर्विडग में रेसकोर्स राजकोट क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट फार्म नं 37 हिई दिनांक 16-8-84 को फाइल किया।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद

तारीख 8-3-1984 मोहर:

## प्ररूप नाही, दी एन , पुरा , साम्बन्ध

भाय ५ स्त्रियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-भ (1) के अभीत स्पना

## भारत तरकार

कार्यलग, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदागाद

श्रहमदाधाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० पी०श्रार०२० 3636—श्रतः मुझे, जी०के० पंडया.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'सक्त अं बिनयम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्कावर सम्बद्ध 1,00,000/- रह में अधिक हैं

और जिसको सं० जमीन सुरेन्द्र नगर में सर्वे नं० 1750 है। तथा जो क्षेत्रफल 3569 वर्ग यार्क जीन्तान रोड में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्रा श्रीक्षकारी के कार्यालय, ब्रथान में रजिस्ट्रीकरण श्रीकृतियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9 श्रगस्त 1984।

को वृजीकर सम्पति के रचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह क्श्यिम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मून्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्र- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सम्मारण से हुं हैं निकडी बाव की बावस , उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जनसरक के बासिटम में कभी करने या उक्क वचने में सविधा के निए; और/बा
- (ख) ऐसी फिसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तिकों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिभा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ण के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिश्चित व्यक्तियों अधीत् ः— 15—66 GI/85 (1) श्री शास्कर मानेकलाल और प्रन्य। मफनकी भरेताकी केरीज सामने, पटपान, जिला सुरेन्द्रनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री द्वीनेश जयन्तीलाल शार और अन्य, के०/ओ० शार पृषेरीत एका कंपनी, महेता 000.001 मारकेट, सरेन्द्रनगर।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थशिहयां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओब ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीश भे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्क व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बंधू भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्वक्योकरणः — इतमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

## अनुसूची

जमीन सुरेन्द्रनगर में, सर्थे नं० 1750 जीन्तान रो४, क्षेत्रफल 3569 वर्ष यार्ड राजस्ट्रेशन नं० 3163/9-8-84।

> फी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

. तारीख : 8-3-1985

मोहर:

अरूप वाह<sup>4</sup>.ट<u>ी.</u>पून.व्व., ========

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-ण (1) के अभीन सुणना

#### भारत तरकार

## कार्यातव, सहायक वायकर बायुक्त (निद्धाण)

ग्रर्जन रेण-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश २० भी न्यारब्ह्नं 3637--- मतः मुझे, जी ब्लेब् भंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कोर जिसकी सं एच०भी० बेरावल में भाटीया बिल्डिंग है। तथा जो श्रिष्टननगर देरावल में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण प्रथ से विणत है); रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरावल में रिजस्ट्री-करण अधिनयम, 1908(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984

का पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बक्तरितियों) के भीच एथे धन्तरण के लिए तय पाचा गय प्रतिफल निम्मतिवित उद्वेष्य से उच्त बम्तरण सिवित में सस्तिविक रूप से कवित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण चंड्राई किसी बाद की वाबस्त, अन्तर विश्विषय के नवीय कार दोने के मृत्यरक के दायित्य वो कनी करने वा अववो बजने वो वृत्विधा के जिल्हा वीर/वा
- ्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तिओं को, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, यो भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती धुनारा प्रकट नहीं किया लाल भा जा किया जाना चाहिए भा, खिपाने भें स्विभा के निए,

बतः बद, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्भरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) चे सभीन, निक्मनिमित स्वीत्यवर्ति, अविधि केन्स्र -  श्री भाटीया रतछोड्दास प्रभुदास, भाटीया बिल्डिंग,
 किश्त नगर, देरावल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेशबुमार गोबिदलाल संघ्यी, कीरती हंसराज हाउस, किश्त नगर, देरावल, फोन नं० 161, देरावल।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री कुंबरजी जेकाभाई, प्रो० नकीनचन्द्र शयर, भाटीया बिल्डिग, क्रिश्न नगर, देरावल

(बहत्यक्ति, जिसके प्रधिक्षोग में सम्पति है)

को वह स्थान वारी करने पृथानत सम्पत्ति के नर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः---

- (क) इत मूचना के राजपत्र में प्रकादन की शारीय से 45 विन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अनिध, यो भी जनिध वास में सुनाय होती हो, के भीतर प्रांक्य व्यक्तियों के ने किसी व्यक्ति सुनाया
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका क 45 किन के भीतर उक्त स्थावर तक्यींल में दिल बक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी वं पात सिन्धित में किये का सकींगे।

स्वध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यो का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिक्षाचिक्ष हों, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिय नमा है।

## वपुत्रकी

एच०पी० बेरांबल में "भाटीया बिल्डिंग" किश्ननगर, प्लाट नं० 26, राजस्ट्रेशन सं० 2124/श्रगस्त 1984। जी० के० पंडया सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-1, श्रह्मदाक्षाद

तारीस: 12-3-1985

मोहर :

प्रकृप काइ . टी. एन. एस. ------

क्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नथीन स्वना

### भारत च्यूकाह

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्वेश सं० पी०म्रार०नं० 3638—अर्जन रेज-I/23-I/84-85—म्प्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके प्रचात् 'उनतः निभिनियम' कहा गवा हैं). की थाड़ 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन श्रसलालीमें सर्बे सं० 1558 हैं तथा जो ब्लोक सं० 1724, जमीन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण एप से वर्णित है); रजीस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, श्रहम-दाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रद्धिनयम; 1908(1908 का 16) के श्रधीन 13 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाबार मून्य से कम के क्रमनाम श्रीतकत को लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य उसने रायमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्त्रह्म अतिवात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तक पावा गया श्रीतफल, निम्नितियात उच्चरेमों से उच्च अन्तरण निविद्य में बास्तिक कथ से कथित बही किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण वे हुई किसी शाम को शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कह दंगे के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे मुजने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (ष) एसं किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चिह्ह या, छिपाने में सुनिधा बौ सिहु;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रभूतकन्द्र अफीरभाई भ्रमीत। भ्रसलाली, तालुका रसफीर, जीला, भ्रहमदाबाद।

(भन्तरक)

(2) कुमारी ज्योति एस्टेट,
भागीदार रसुलभाई रासमभाई पटेल,
भीरवाभाई जमेदभाई पटेल,
विनोदभाई वरानभाई पटेल
और श्रन्य,
श्रसलाकी तालुका-६सफीर,
जिला-श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह त्वना बारी करके प्रोंक्त सम्मत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व व 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्पथ्यीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा सकता अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषिश हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका एका हैं।

# र्धनुसूची

जमीन श्रसलालीमे सी०एस०नं० 1558 ब्लोक नं• 1724, र्राजस्ट्रेशन नं० 11562/13-8-1984।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदानाद

तारीख: 15-3-1985

मोहर 🖫

# प्रधान नार्षे, टी., एन्., प्रमुश्चानमञ्जाल

# नामकार नामित्रमा, 1961 (१७61 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन स्टामः

## AUGUSTA SERVICE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, 'ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाक 15 मार्च 1985

निदेश स० पी॰ग्रार०२० 3639/अर्जन रेंज-I/23/I/84-85 श्रतः मुक्ते, जी०के० ५ ऱ्या

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स० जमीन गाव प्रमलाकीमें रुप६ 100,000 सीम वलोक २० 1695 है तथा जो दसफोर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुस्भी में और पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्जा श्रीक्षकारी के कार्यालय, ग्रहमकाबाद में रजीस्ट्रीकरण ग्रीक्षित्यम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 12 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्पृ से कथित महीं किया नया है ।—

- (कं) अन्तरण से इंप्रं किसी बाय की बायत उक्त आध-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य जास्तिओं को, जिन्ही भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

मत: भव, उथत मिनियम की भारा 269-ग कै, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्युमितयों, अर्थात :---

- (1) नरेन्द्र कुमार श्रफोरभाई जमीन, श्रसलाली तालुका दसफोर, जिला श्रहमदाबाद।
- (2) मेसर्स ज्योति ६स्टेट,
  भागीदार रसलभाई रास भाई,
  भीखाभाई उमेदभाई पटेल,
  विनादभाई नारनभाई पटेल और अन्य
  गाव—असलाली,
  तालुका—इसफोर,
  जिला—ग्रहमदाबाद।

(ब्रन्तरिती)

स्त्री सङ् सूचना बादी करके पृत्रोंनस सम्पोत्त के वर्णन के विष्

क्ष्य सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में खेड़ी भी बासेंचा-

- (क) इस क्षमा के रावपम के प्रकाशन की तारीक हैं 45 विन् की सर्वाभ सा तत्वम्बर्गी व्यक्तियों पर स्थान की कामील स 30 दिन की बमीध, जो भी सर्वाभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविद्ध व्यक्तियों में से किसी न्याप्त त्यारा,
- (क) वस क्षान के शक्षण के प्रकारत की उर्रोड के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितनक्ष किया क्यांक्स स्थाप क्यांक्स क्यांक्स स्थाप क्यांक्स स्यांक्स स्थाप क्यांक्स स्थाप क्यांक्स

स्थळिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### सन्दर्भ

जमीन गाव-असलालीमे ब्लोक २० 1695 रजिस्ट्रेशन २० 1156/12-8-1984।

> जी० कें**० ५ इया** सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

तारीख 15-3-1985 मोहर ड

## भारत बरकार

## कार्यालक, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेज-1-अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 18 मार्च 1985

निदेश न० पी० आर॰ न० 3640—अत, मुझे, जी० के० पडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मुख्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं आफीस नं । स्पेक्ट्रम कोमशियल सेन्टर है, तथा जो सी एस नं 4023, ग्राउन्ड फ्लोर, रीलीफ सिनेसा नजटीक अहमदाताद से स्थित है (श्रीर इसरे उपाबद्ध ,तुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विणन है ), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिनथम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 9 अगरन 1984

श्री पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजप्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अतिरित की गई है और मभे यह विश्तास करने का कारण है कि यथाप्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमें इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उच्नत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें 'ंरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृक्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269 ग के अनुस्रद्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों अभृति ह—

(1) श्री प्रह्लाद भाई, हरगावनदास पटेल 15, श्रीनीक सोभायटी, नारनपुरा, अहमदाबाद-13।

(अन्तरक)

(2) पीबी इलेक्ट्रोक्स्स प्रमोद बीरचीलाल मोदी , 4 स्पेक्ट्रम कोमर्शीयल सन्टर, रीलीफ सिनेमा, नजदीक, अहमदाबाद-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्बा है।

## वर्त् क

श्रोफीस 4, ग्राउड फलोर, स्वेक्ट्रम कोमर्गीयल सेन्टर-1 मी० ए.स० न० 4023, सब प्लाट-2 रिजस्ट्रेशन नं0 12021/9 अगस्त 1985

जी ं के पड्या मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर शयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनाक : 19-3-1985

माहर 🗓

प्रस्य भार्यः, श्री एस. एस. ------

# जाथकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के जभीन सुख्या

#### भारत शरकार

भाय'लय, सहायक अज़कार जाय्क्त (निरक्तिक)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाइ 19 मार्च 1985

निदेण सं० पी० आर० न० 3641/23-1/84-85---अत : मुझे जी० के० पंड्या

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण इं कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० बाइज बीम सर्वे न० 461—12 बी० नं० 15 हैं तथा जो एफ० पी० 28 सूर्यनारायण को०-ओ० मोसायटी ने स्थित है (ग्रीर इससे उपाबथ अनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इसमदाबाद से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 16 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमानं शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि द्रशानुद्रा कित संपरित का स्थित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (मंतरका) और मंतरित (अन्तरितों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक का गन्मिक सित उद्देशक से उच्त कन्तरण कि बित में बास्ति कह किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई हैकडी आग की बाबत अनत बीच-नियम की नवीन कर दोने की नन्तर को दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुनिधा को निए; माँड/बा
- (क) ऐसी किसी नान ना किसी धन मा जन्म नास्तिनों कां, जिन्हों भारतीय नायकार निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधीनयम, या धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रवोचनार्थ अन्तिर्दी द्वारा प्रकट नृहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए ना, कियाने में मृतिधा में विका

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) - दे अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) दिलीप कुमार स्वरंताल पटेल ए/1 विश्वाम प्रलैटस, सहकार नीकेतन नजदीक नवरंगपुरा, अहंमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जीभाई रेवांभाई पटेल घुलीबेन जीभाई पटेल 15, सूर्यनारायण सोसाटी भावसार होस्टेल के नजदींक, हाउसिंग बोर्ड कम्यलेक्स साइड, नवा वाइज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उन्त सम्पर्ित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:---

- (क) इस स्थान के उपयान में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामीज से 30 दिन की नविष, वो भी सबीध बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्य प्रकार में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) वस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतत उनत स्थावर संपत्ति में दिखन वसूध किसी जन्म न्याक्ति इवाय अभोइस्ताक्षरी के पास कि विद्या में किए वा सकता।

## अनुसूची

मिलकत प्लाट नं० 15 पर, टी० पी० एस० 28 सर्वे नं० 461/1 एफ० पी० 743, रजिस्ट्रेशन नं० 12259/ 16-8-1984

> जी० के० पंज्या मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

िषनांक — 19—3—1985 मोहर ध

# दकर बाह्<sup>र</sup>्र ट<u>ी. एन्. एक्.----</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## सारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 19 मार्च 1985

निवेश सर्वा अभि अभि वं 3642/23-1/84-85-अतः मुझे जी० के पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं घाटलोडिया बीम सर्वे नं 16, है तथा जो कर्मचारी नगर ए/60 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 28 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह निश्नास कारने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए उच पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में पास्तिक इस से किथल नहीं किया गया है

- (क) नंतरण संहुई किसी जाय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के किए: और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का ११) या उदन अभिनियम, य भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2.) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा भी अप्रः

आराह कवा अवत विभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण की, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के विभीत, निम्मलिकित व्यक्तिकारी, विभीत क्रिक्ट श्री अतुलचद मुखर्जी
 तिकाग सोमायटी,
 मेमनगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विन्तकौर पुनीया 16, पायल दंगला, सेटेलाइट रोड़, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृथानत सम्मास्तः के सजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

चनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हरू-

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवींस या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वान्त में से दिसी व्यक्ति द्वार;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विनृ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूलकारी के पास सिवित में किए वा सकोंगे :

क्यक्षिकरण: --- इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, को उंक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गगा है।

## अवृस्ची

घोटलोडिया कर्मचारी नगर, प्लाट ए/60 रजिस्ट्रेशन नं॰ 12724/28-8-1984

र्जी० के० पंड्या नंकम प्राधनारी सहायक समकर जायुक्ट (निरीक्षण) अर्जन रेंजना अहमदाबाद

दिनॉक 19-3-1985 मो**हर** ध प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

न्मर्बालय, तहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1985

निदेश सं०पी० आर० नं० 364323-I84-85—अतः मुह्मे, जी० मे० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रुट. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मील्कत सर्वे नं० 345 पर है। नथा जो ढेंबर रोड, राजकोट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37-ईई फाइल राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 जून 1984 37 ईई फाइल

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-स्ति (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नी सिक उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बात्ती के रूप से किया गड़ा है:--

- (क) अंतरण ते हुक् किली आव की बाबबा, उनत आधि-भिन्नम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में सभी कस्ते या उससे क्चने में स्कृतिका के लिए; आर/बा
- (का) एंसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्हिलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जमनादास माधवजी सचानीया केंब/त्रोत त्रीर बाडी. बीरानी ब्लोक के सामने, मीतेश मोटर, गोंडल टोड. राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) दयालाल रावजी मकवाना ग्रौर अन्य के०/ग्रो० मकवाना ग्रदर्म सोमवार पेथ, पूना ।

(अन्वरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधि-िनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### क्रमची

मील्कत ढेवर रोड पर सर्वे नं० 345, 37ईई दिनाक 15 जून 1984 को फाइल किया।

> जी० के० पंड्या मधाम प्रीधिकारी महायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज ! अहमदाबाद

दिनांक **-** 19−3−1985 **कोर** 8 प्रस्य बाई, टी. एन. एस. -----

# आयकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाछा 269-म (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण). प्राजीन रेज I. श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनोक 14 मार्च 1985 निदेश सं० पी० ग्रार० न० 3644—मतः मुझे, जी० के पंड्या

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास अस्ते का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको स० फ्लैंट यंगीसपु में टी० पी० एस०-8 एफ० पो० 499 है तथा जो जल दर्शन को प्रापरेटिव मोनागटी 24 में स्थित है ग्रीर इसमें उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में जिलत है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 9 ग्रगस्त 1984

को पूर्वा कित सम्मित के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है आरं मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि पथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निस्तत के बास्तियक कप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी जाय की शावत, अन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्स बचने में सुविभग के सिए; और्ंशी
- (क) एंमी किसी जाय या किसी अन या जन्य आस्तियाँ कां, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा से लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उदर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित इयक्तियों, अधीत :---

(1) श्रोमतो कमला बेन भगुभाई पटेल नं॰ 1, भगवाल सोसायटी जालोद जीला, पंचमहाल

(भन्तरक)

(2) श्रोमती चणंद्रीकावेन बीहारीलाल मोदी, फ्लैंट मो-24 छठा मंजला जल दर्णन को ग्रोपरेटिव सोसायटी, भाश्यम रोड, नटराज सिमेमा के सामने; , श्रह्मदाबाद

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके प्वेक्त सञ्पत्ति के अर्वन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वयद्भीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है वही जर्भ होगा, जो उस जध्याय में विया वया है श

## घनुसूची

फ्लैंट टी॰ पी॰ एस॰3 पर, एफ॰ पी॰ 499, सी-247 जस दर्गन को॰ धापरेटिय सोसायटी ब्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन नं॰ 12072 9 ग्रस्गत 1984

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज I: धहमदाबाद

विनोक .-- 1::--0-1985 मोहर :-- प्रक्रम बाह<sup>र</sup> गी० एत० प्रक्र-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (३) के अभीन सुवा

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-1 श्रहभवाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांसः 25 मार्च 1985 निदेश सं० पी० ग्रार० न० 3645—श्रर्जनरेंण-1/ 23-1/84-85 म्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चाम 'उनत अधिनियम' कहा बना हैं), की भाष 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क कारण ही कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० एच० पी'० राजकीट में फेनल रोड, हैं। तथा जो लेख न० 206 गादाल निवान में स्थित हैं (ग्रींन इससे उपाबद्ध अनुसूत्रों) में प्रींत पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीक्ताँ प्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में निजस्ट्री-कर्ण प्रधितियम, 1908 (1903 का 16) के ग्रधीन 17 ग्रगस्त 1984

का प्वांवित समपत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के अपमान
प्रितफल के लिए रिकस्ट्रोकृत विलंख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने
का कारण है कि स्थापबॉनित सपत्ति का उक्तिम बाजार मृत्य
उसके उपमान प्रतिफल से एसे ध्वनगा प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गमा
प्रतिफल, निम्नसितित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित
के वास्तविक रूप से किसत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर 4 ने के अन्तरक के दाधित्व में कमी कहने या उससे बकने में स्विधा के लिएं, और/वा
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्त आस्तिकों नार विकास प्राप्त नार के अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियंत्र, या अनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया स्टान का वा किया स्टान का वा किया स्टान का विकास स्विभा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) ल कर्भाव निम्नलिसित व्यक्तिसमों, जस्ति हिल्ला (1) श्री भानुभाई केणवजी परमार और ग्रन्थ क्रें०/ग्रो० मैसर्स भानु केणवजी पानवाला संगनवा चौक, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्ग मेंनजीग डायरेक्टर, राजकोट नागरीक नहकारी बैंक लिमीटेड नागरीक भवन नं० 1 देषरभाई रोड, राजकोट

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

तकत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ८---

- (क) इस जुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविच या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस समान के राजपन में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उसत स्थावर तस्पत्ति में हिसबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माक्षरी की पास लिखित में किए जा स्करेंगे!

स्पाकतिकारण हे— इसमें प्रमुक्त कर्नों और पर्वो का, को जवस किभिनयम, के कथ्याय 20 के में परिभाषिक हैं, नहीं कर्थ होगा को उस कथ्याय में दिय गमा हैं।

## *व*न्सुची

एच० थी० राजकीट मैं फेनाल रोड, लेखन० 206 गंक्षास नीवास जमीन 210 वर्ग यार्ड मकान रिजस्ट्रेशन नं० 5254 17 श्रगस्त 1984।

जी० के० पडया सक्षम त्राधिकारी सहायका स्नायक स्नायुक्त (निराक्षण) ग्रजन रेंज-1 श्रह्मदाबाद,

दिनांक :- 25-3-1985 मोइर :-

## प्रकार भारते, ती एत. प्रा. .....

# आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचक

### मारत स्वाम

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-1 भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3646 --- ग्रतः मुझे, के० पंडया,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) हिंजने इसमें इसने परधात 'उन्त अधितियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एव० पो० भीमेश्वर को० श्रोपरेटिव सोमायटी में है तथा जो जामनगर रोड, राजकोट में स्थित है (भीर इगरो उपायद्ध ग्रनुपूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्नी श्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिशित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक श्रगस्त 1985

क प्रांक्त संपत्ति के अभिन बाजार मृत्य से कम के श्रममाब् अतिफन को शिए अन्तरित भी गई है और मृक्षे यह विश्वाध् करने का फारण है कि सभाप्योंकत सम्पत्ति का उपित साधार स्थ्य, उत्तक दरयमान प्रतिफन के प्रेह प्रतिश्वत में अधिक ही और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अंदरिती (अन्तरित्वाः) के बीच एस अन्तर्क (अन्तर्कों) और अंदरिती (अन्तरित्वाः) के बीच एस अन्तर्थ के । अप प्रमुप्ता गया प्रतिक्रक का निम्नितिश्वित उद्वर्षक से उपन अन्तर्थ के । अप प्रमुप्ता गया प्रतिक्रक का निम्नितिश्वित उद्वर्षक से उपन अन्तर्थ निम्नितिश्वत में वास्त्रिक क्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के निष्ध बर्टिशा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने अधिना के बिल्ह;

अस अम जनत जोभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरक मे, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) है अभीन, निश्मितिवर व्यक्तियों, अभीर :-- (1) श्री णिम हान्त जमनादाप श्रीर श्रीमती कुन्दनबेन जमनादास भोमेश्वर सोसायटी जाम नगर रोड़, राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दामोद्धर दाम क्ष्यालजी भाई गनावा फ्लैंट नं० 37 श्रे० वी० भोमेश्वर को० श्रापरेटिव हाउसींग सोसायटी, जामनगर रोड़, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथोक्त गम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्बन्धि को वर्गन को सम्बन्ध में कोई भी बाकाय:---

- (क) इस स्पता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सजाप्त होती हो, भे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए जा हकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शर्वे और पवाँ का ओ उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **अ**भृत्**ची**

एच० पो० भोमेश्वर को० श्रापरेटिव हाउसीग सोसायटी मे प्लाट नं० 37 श्रे० बी० जमोन क्षेत्रफल 623 वर्ग यार्ड मकान 736 वर्ग फीट 81.7 वर्ग यार्ड रजिस्-ट्रेशन नं. 4718 श्रगस्त 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रंज-1 सहमदाबाद

दिनांक :- 25-3-1985

मोहर:

प्रसम् बाइं. टी एन् एसः.. ----

आयकर मिश्रनियम, 1961 (1961 का 43) की थाया 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत बस्कार

## कार्यालय, बहायक वायकर वायुक्त (विरोधन)

धर्जन रेंज 1 प्रहमधाबाद

भ्रहमधाबाद, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश स० पी० प्रार० न० 3647-- अतः मुझे जी० के० पंडया

भागकर अधिरिया, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इनमें इसके पश्यात 'उन्त अधिरिया कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सकाम प्रतिभकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थापन दल्लीत, जिल्ला उपकार स्वास 1,00,000/- फा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फैंक्टरी रोड़, गोडाउन ग्राफिस है। तथा जो 9, मावड़ी प्लाट राजकोट में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध भनुसूनों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 17 ग्राम्स्त 1985 को

को वृत्तिस्त सम्पत्ति में उपित बाबार मुख्य है कम के अवजान प्रतिकाल के सिए मंतरित की नम् हैं बार नृत्ते नह विश्वास करने का कारण है कि संवाप्तिकत सम्पत्ति का अवित बाबार मुख्य , उसमें क्यमान प्रतिकास से, ऐसे क्यमान प्रतिकास का प्रमुख्य प्रतिकार से अधिक है बार मन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितिया) से बीच एसे बन्तरम के सिए तब पाना क्या प्रतिकान, निम्मीसीचित उद्वेदकों से उन्तर सम्पर्त निर्मित को बारतिकार कर से किंग्रित वहीं किया प्रवा है:—

- (क) बन्दहम् से हुए किसी शाय की वास्त, उकत अभिनिष्य के स्थीन बह दोने के सन्तरक के कायत्व में कभी कहने वा उससे नचने में सुनिया के सिए; करिं/धा
- (थ) ऐसी निक्षी जान ना किसी थन या जन्य जासिनयों की, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या धन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ नन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना वा, कियाने में सुविधा के सिद्धा

जतः जब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग को अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन,, निम्निशिवत व्यक्तियों, अधीतः (1) श्री दोन करराय धोरजलाल दोणी हंसमुख धीरजलाल दोणी जयलीलाल धीरजलाल दोणी, 18-मील परा, राजकोट

(भन्तरक)

(2) द्यार० कै० रोलर एण्ड पलोर मील्स 9 मावड़ी प्लांटस राजकीट-4

(अन्तरिती)

करों यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निरू कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संबक्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी छ से 45 दिन की जबिंध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस त्याना को राजपण में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन को बीधर उनस स्थावर सम्मति में हिस्तवह्थ किकी नम्म व्यक्तिस ह्यास जभाहस्साक्षरों के पास विश्वित में निक्र का सकेंगे।

स्वयक्षीकरणाह- इसको बनुष्या संस्थी और पर्यो का, जो उनके अधिनियम के अध्याद 20-क मा परिभाषित ही, यही वृश्व होना को उस अध्यास में दिया भूगा ही है!

## **मगुस्**ची

राजकोट सीटी-9 मावडी प्लाट सर्वे नं० ,373 पैकी प्लाट नं० 9 फैक्टरी रोड, भ्राफिस बील्डिंग गोडाउन विगैरे रजिस्ट्रेशन नं० 5228 5230, 5232/17 भ्रगस्त 1984

जी० कें० पडया सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

दिनांक :- 27-3-1985

मोइए :

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस. -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज 1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3648/32-/84-85-श्रतः स्रो जी० के० पंडया,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्स किधिनियम' कहा गया है), की भारा 169-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० इन्डम्ट्रीयल रोड जेतपुर में हैं तथा जो मर्वे नं० 715 पैकी जमीन 801 वर्ग यार्ड में स्थित हैं श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, (1908 1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31 श्रमस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के राममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्ष्मीत हु— (1) श्री जमुभाई नारतभाई पटेल भागोदार मेनसै जोहन्सन डाइंग एण्ड प्रिटिंग वर्तन-त्राजा-त्राला-परा-जेतपुर जिला राजकोट ।

(भन्तरक)

(2) आमितो चंदन बेन चंद्रमलाल पंड्रथा, ब्लाक नं० 7, सेवा कूंज, कमला नहर, कोस लेन, कांदीवशी वेस्ट बस्बई ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकींगे।

स्पष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## मनुसुची

इन्डम्ट्रीयल शेंड जेतपुर में चंद्रमोलेश्वर नजवीक, सर्वे नं० 715 जमीन क्षेत्रफल 801 वर्ग यान शेंड पर, रजिस्ट्रेशन नं० 2212/84, दिनांक 31 प्रगस्त 1984

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज I श्रहमदाबाद

दिनाक 1 27-3-1985

मोहर:

## प्ररूप. बाइ. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिहित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीत स्वता

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर काय्क्स (निरक्षिण)

ध्रजंन रेंज I, ध्रहमदाबाद

महमदानाद, दिनाक 27 मार्च 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3649-23-184-85--- मतः मझे, जी० के० पंडया

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिमान गोंडल में बोर्ड नं 2 है तथा जो सर्वे नं 422/424 क्षेत्रफल 6897 वर्ग यार्ड में 1 एकर 17 गुठा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्मालय, गोंडल में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29 श्रगस्त 1984

का पूर्वीक्त सम्मित्त के उपित बाबार मूक्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नींक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिक्षत से, एसे स्वयमान प्रतिक्षत का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के जीच एसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिक्षत, निम्नलिखित उद्योग से उसत अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण तं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के जभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी काउने या उससे नचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी अरुप या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उकत अधिनियम, मा सनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं. में उक्त अधिनियम की शारा 269-थ की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गिरीराज सिंह जी० एम० गांडेजा हवा महल, गोंडल जिला राजकोट।

(भन्तरक)

(2 गोपालभाई मोहनभाई वडोदरीया भगवतपुरा रोड, श्रीर अन्य नम्बर 15, गोंडल जिला राजकोट

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहमां शुरू करता हूं।

उयत सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्थानतमों में से किसी स्थानत सुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए या सकतें।

स्वाक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गणा है !

## - ग्रम्सूची

अमीन गोंडल में बोर्ड नं० 2 , सर्वे नं० 422/424 क्षेत्रफल 1 एकड 17 गुठा 6897 वर्ग यार्ड में रजिस्ट्रेशन नं० 1781 /29 श्रगस्त 1984।

> जी० के० पंडया सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) सक्कम प्राधिकारी धर्जन रेंज I, ग्रहमधाबाद

दिनाक : 27-3-1985

मोहर 🖫

## प्रक्य आर्द्र . दी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

**महमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985** 

निर्देश सं० पी० धार० नं० 8650——धतः मुझे, जी० के० पंडया;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मील्क्त टीं० पी० एस० 2 राजपुर हीरपुर हैं। तथा जो एफ० पी० 54 में स्थित हैं (भौर इंससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 ज्लाई 1984 37 जी श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल से पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निविश्तित उद्दृह्वय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स प्रधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अभः अब. उम्ब अधिनियम की धारा १६९-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा १६९-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—— (1) मैं लक्ष्मी इन्टरप्राईंजीम भागीदार श्री ठोंलुमाल मानेकमल कुबेरनगर बंगला एरीया श्रह्मदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) नागपुर गुडस ट्रांन्सपोर्ट कंपनी लक्ष्मी कोटन मिल के नजदीक, रायपुर दरवाजा बाहर रुगनाथयरा माका, भ्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अस्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी को पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विधा गया है।

## अनुसूको

मीरकत राजपुर हीरपुर मैं टी० पी० एम०-2 एफ० पी० 54 रजिस्ट्रेशन नं० 111193/23 जुलाई 1984 37 जी मगस्त 1984 में मिला ।

> ्ती० हो० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमुदाबाद

दिनांक : 26-3-1985

मोहर:

प्रकत आहं है हैं , एन है एक हुनन

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) सी भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## HITCH MARKET

## कार्यालय, ब्रह्ममक वासकर बाब्क्स (निष्ट्रीक्षण)

मर्जन रें ज-1, सहमदाबाद

**महमदाबा**द, दिनांक 26 मार्च 1985

निरेश सं पी० धार० नं 3651—श्रतः, मुझे जी० के० पंडया,

कायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रकात 'उन्त निर्मियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह निरमास करने का कारण हैं कि स्थानर निर्मात, जिल्ला जिला निर्मार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मिकोत टी० पी० एम०4 पर, एफ०पी० 106 हैं। तथा जो मनीनगर श्रहमदाबाद में स्थित हैं भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्याक्षय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुन्य में कम के दश्यमान प्रतिषक्ष के सिए जन्तरित को नई हैं और मुक्ते यह विश्वास अवने के कारण है कि यथाप्थाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य अनुको दश्यमान प्रतिफल से एसे धश्यमान प्रतिफल का ध्यम् प्रतिकता से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) गैर जंतरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरक के सिए तब पाया गमा प्रतिफल रैमन्तिविचत उद्देश्य हे उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप वे जर्भिक नहीं किया गथा हैं ■----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाथ की नावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के बन्तरक की दासित्य में कभी करने वा उत्तवे बच्चे में बृविधा के किए: और/वा
- (क) एंगी किसी नाम ना किसी धन या अस्य बाहिसकों को, विन्हें भारतीय जाय-कर सीमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत सीमिनियम, या धनकर सीमिनियम, या धनकर सीमिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रसोधनार्थ अन्तरिती द्वाचा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाना चाहिए ना, कियाने में सुविधा से विद्युः

बत: अब, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के अधीन, निम्निविचित व्यक्तियों, वर्षात के

(1) श्री दीनकर भाई जयेन्द्र भाई भट्ट 38, मुक्ति मैदान मनीनगर, महमेषाबाद

(श्रन्धरक)

(2) मैं ॰ दीयेश श्रपार्टमेन्ट श्रोर्स एशोसीएशन 38 मुक्ति मैदान , मनीनगर, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## इक्ट कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मार्शव :----

- (क) इस स्थेना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जगीभ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तानीज से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ नाद में बमान्द होती हो, के भीतर प्रतिनत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबह्य किसी अन्य स्थित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास दिखित में किए जा सकेंगे।

## वन्त्र्यो

मिरुकत टी॰ पी॰ एस॰-4 पर एफ॰ पी॰ 106 मनीनगर, रजिस्ट्रेशन मं॰ 12348, 17 श्रगस्त 198- ।

> जी० के पंज्या सक्षम पाधिकारी सहायंक भ्रायकर भ्राय्का (निरोक्षण) श्रजन रेंज-1, भ्रह्मधाबाध

**यितांबः : 26-3-1985** 

कोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ.(1) के अभीन त्मना

## भारत सरकार्

# कार्यालय भलायक बायकर भागवत (गिरीक्षण)

अर्जन रेंग-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 25 मार्च 1985

निदेश मं० पी० आर० न० 3652 अर्जन रेज-1/23-1/84-85—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट व्यक्तिनाः' कहा गया है), को शासा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थानर नदगीन, जिनका मीति गणाण गल्य 1,00,000/- गण से अधिक है

शौर शि'स० मिल्कत, घाटलोडिया सर्वे त०, 16/7 हैं जो कर्मचारी नगर विभाग 2 वी० न० 36 में क्यांचर इससे उपावथ अनुस्चों में और पूर्ण रूप में बाँगत हैं ), रस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-बाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 7 जून 1984-37 जी अगस्त 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपाय सामा प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का यतरण है कि समाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाकार प्रस्त का विश्व का प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का यतरण है कि समाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाकार प्रस्त , इसके स्वयमन प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पेन्स प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय है कीय एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय है कीय एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय है कीय एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय है कीय एसे अंतरण के लिए तम प्रया विषक रूप है कीय है कीय है किया गया है किया विषक रूप है कीय है कीय है किया गया है किया प्रया है कीय है कीय है कीय है किया गया है किया प्रया की लिए लिए तम है कीय एसे कीय है कीय है किया गया है किया प्रया है किया गया है किया प्रया है किया गया है किया है किया गया है किया है किया गया है किया है किया गया है किया है किया है किया गया है किया गया है किया गया है किया है किया है किया गया है किया है किया है किया है किया है

- (क्ष) सम्तक्षण सं इन्हें किसी बाम की नाकंत., उथ्रत विवित्यन के क्यीन कर रोगे के बंतरक की विविश्व में कमी करने या उससे वचने में गविभा के सिए जोर/बा
- (का) एंसी किसी आय वा किसी भन या बन्य वास्तियों का, जिन्हीं भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबस विधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में गिवधा की लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक बें, बें, नक्त व्यिधिनयम की धारा 269-ध श्री लपधारा 11) बै क्यीयः निस्त्रीविक्त स्वविक्तरों, वर्षातः :---- (1) श्री ताराचद नामेदे कोणराकर उमी सोमायटी घाटलोडीया, ंत्रहमदाबाद —61

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश गोयालदास इखानी वी० न० ए-36 कर्मचारी नगर, घाटलीडिया, अमहदाबाद

(अन्तरिती)

को सह सुचना चारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन के जिए कार्यवाहिक्तं करता हुं।

जबत संपरिता को सर्वान को सरजन्म में कोई भी बाक्षांच --

- (क) इस सुचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविश्व मा तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अलिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क') इस सूचका के राज्यक में प्रकाशन की तादील के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-क्कृष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा नथांहुस्ताक्षरी के एक्स निविद्य में किए वा सकतें।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अद्भीतयम के अध्याय 20-क में परिशावित है, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

## असुन्ती

मिलकत सर्वे नं० 16/1 कर्मचारीनगर, विभाग-1 में, बी० नं० 36 रिजस्ट्रेशन नं० 8336/7 जुन 1984-37 जी अगस्त 1984

जी० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी सह्ययक क्षायक जायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनाक : 25~3-19**8**5

मोहर १

## प्रकाष नार्ष, टी. एन / एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आए० नं० 3653—अतः मुझे, जी० के० पडया

धायथं न अधिनियमं, 1961 , 961 का 43) (जिसे इसमें र इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० मिलकित प्लाट न० 55-57, तखतेधर हैं तथा जो ललेटा में बार्ड नं० 7 भावनगर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 अगस्त 1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने को कारण है कि यथाप्नें क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एस दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वावश्च सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने अचने में सुविधा अभिग्रह और/शा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ्ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के निक;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन ति निम्नीसिक्त स्थितियों, अर्थात् ह—

- (1) 1. नरेन्द्र रेवाशंकर दबे
  - 2. प्रफुल रेवाशंकर दवे
  - कनैयालाल नर्मधाशंकर दवे
  - 4. जीतेन्द्र नर्मदा शंकर दवे
  - सतीश नर्मवा शंकर दवे के०/श्रो० डा० मोहनलाल का बंगला रेवाशंकर दवे श्रौर अन्य रामजीवाजी गधेची वाडला, भावनगर

(अन्तरक)

(2) समरात अशोक को० आपरेटिय सोसायटी के०/ग्रो० हरेश आर० दोशी एल० आर० जी० 229, शास्त्रीनगर, भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, क्र्यों भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्र ची

मील इत प्लाट नं० 55 और 87 तखते धर सलेटी भाव-नगर में रजिस्ट्रेशन नं० 2916/1 अगस्त 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेज-1, अ**हमदाबाद**

दिनांक : 28-3-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहर्र, टरि. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सर्हेगिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन-रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3645—अंत: मुझे, जी० के० पंडया

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मील्कत टी पी एस -6 एफ पी 486 है तथा जो पालनी सीम अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 9 अगस्त 1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख कैन्धनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विरुवास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पांगा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकठ नहीं किया गया था या सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियभ के लिए;

का: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीम, निकालिचित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दिप्येश रतीलाल पटेल 28, वसन्तकुज सोसायटी नवा भारता मंदिर रोड़, अहमदाबाद-7

(अन्तरक)

(2) नानजीमाई रामजीभाई गाला तेजाभाई लानजीभाई गाला 501, 502 फोडाबाला फलैटस, त्रीसमनगर, एलीसब्रीज, पानड़ी, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मील्कत टी० पी० एस6 एफ० पी० 486 पर पालखी सीम अहमदाबाद रिजस्ट्रेणन नं० 12048 दिनांक 4 अगस्त 1984 ।

> जी० के पंडया। सक्षम प्रतिधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 28-3-1985

महिर 🖰

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### नारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (एँगरोंक्रण)

अर्जीन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28.मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3655—अतः मुझे, जी० के० पंड्या.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मिल्कत राजपुर हीरपुरम में टी पी एस एफ पी -2 हैं तथा जो 134 हीस्सा नं 4 मनी नगर अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबयक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 17 जुलाई 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास अरूप का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधिव बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिसित य युदंध्य से उपल बन्तरण सिस्ति में वास्तिकक रूप से स्वियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बायत, अवस् अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी कारने या उससे अधने में भूविधा के लिए; और या/
- (भ) ऐसी निस्ती जाब या किसी भन या जन्म आस्तिमां करें, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम. या भनकर अधिनियम. या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, जैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) त्रंपकलाल गनपतराम दवे राजेश त्रंषकलाल दवे मनीनगर, अहमदाबाद --8

(अन्तरक)

(2) किशना कानन झोनसं चेयरमेन श्री राकेशकुमार एन शाह पालडी, अहमदाबाद के० श्रो० क्रीश्ना कानन श्रोनसं एसोसीयेशन मधुवन सोसायटी के नजदीक मनी नगर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को वह क्षाना वाड़ी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के जिए कार्वनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्भन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र वृबेंक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्वा किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकांगे।

स्पर्क्ष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### मन्त्रकी

मलकीयत टी० पी० एस०4 पर, राजपुर हीरपुर, एफ० पी० नं० 2-143 हिस्सा नं० 4, राजस्ट्रेशन नं० 10873 वितांक 17 जुलाई 1984।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक :- 28-3-1985 मो**हर** ध

## प्रक्ष् बाह् . टो . एम् . एस . .....

पायकर मिति । १०७६ (१९६१ ५६ **६**३) को धारा ३१३ल(३) डिज्ञान सुकता

## बारत सरकार

# कार्यात्तय, सहायक कारकर वास्वत (निरीक्षण) प्रार्थन रेज-1 अहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, विनांक 28 मार्च 1985

और जिसकी संव टीव्पीव्यस्त 22 एफव पीव 183 सब प्लोटन है। तथा जा जमीन पालधीन, नारायण नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 ग्रगस्त 1984

का प्वाक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य सं कम के खबमान प्रतिक्त के लिए अन्तिरित की गई हैं और मुक्ते, यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथाप्वींवत सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके स्यमान प्रतिकल सं, एसे स्थमान प्रतिकल का पंग्रह प्रतिवास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त स्नरण जिल्लित में वास्तिवक हैं से स्थित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के खिए; कीह/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी पन या अन्य नाहिस्तां ना, जिन्हें भारतीय नाय-नार न्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यत नाधीनयम, या धन-कर नाधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्राधनार्थ क्लारिती इवारा प्रकट नहीं किया नया या या किया नान। वाहिए था, क्लिया में स्विष्या के सिहा

कटः क्ल, उक्तं मिधिनियमं की भारा 209-मं कं अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) महे अधीन, निम्निलिक्षितं स्यक्तियों, अधीत् ह— श्री बैलाशचन्द्र नेमचंद शाह
 21, जैन सीसायटी ,
 एलीमद्रीज, ग्रहमदाबाद -6

(श्रन्तरक)

(2) जय भनित नन्दन ग्रपार्टमेट आनर्स एसोसिएणन के० ओ० काभ्यतीलाल णामजीभाई टक्कर 2, नीलकम्पनी सोसायदी वासना, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको पूर्वीक्त सम्पति के अर्था के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपरा सम्बन्धि के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के खजपन से प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों इस सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्तिय बुवाराह
- (स) इस स्थान के राजवत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के शीवर उसत त्यावर सम्पत्ति में कितवस्थ रिक्टी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोक्श्वांकरी के पास निविद्य में किए या सकों ने।

स्पव्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या ही।

# अनुसूची

जमीन टी० पी० एस०22 पर एफ० पी० 183 सब प्लाट-1 ालनी, र्राजस्ट्रेणन नं० 12257/ दिनांक 16 श्रगस्त 1984

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 28-3-1985

महिष् 🛭

# प्रकम बाई वी ऐन एस ------

# मायकर मिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 289-घ (1) के मभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंग 1 प्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेण सं० पी० भार० गं० 3057-म्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं० मिल्कत ठी० पी० एस०3 पर एफ० पी० 219 सब प्लाट 14 है तथा जो प्रशा को० बो० होमायटी नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबढ़ मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्रा ग्रह्मिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रह्मिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 17 भगस्त 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सै कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनुसरण में, में, उथत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) चलचंदेन जयरिकाई पटेल 14, अजा सोसायटी, नवरंगपुरा, म्रहमबाबाद-9

(ग्रन्तरक)

(2) भी धर्मेन्द्र घनेक्षर व्यास (एच० यू० एफ०), भारतीकेन डी० व्यास संगीर घवल डी० व्यास, संगीर डी फी डी• व्यास

(ग्रन्तरिक्षी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतः पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध के किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में द्रिया गया है।

#### नन्त्या

मिल्कित नी० ली० एस० 3 पर, एफ० पी० 219 सब ब्लोट, 14 प्रक्षा सोसायही में प्रहमदाबाद राजिस्ट्रेजन नं• 12335 दिनांक 17 धगस्त 1984 और 3 ईई दिनांक 1 सिसम्बर 1984 को मिला।

जी० के० पंडया सक्तम श्राधिकारी सङ्गाबक श्रायकर माभुवत (निरीक्षण) श्रर्जन-रैज-1, श्रह्मदाबाद

बिमांक : 28-3-1985

नोहर:

प्ररूपः **अरद्**रे. टी. एन. एस्<sub>न</sub> ~ ~ ~ ~ ~

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

### भारत मरकार

# कार्याक्षय, सहायक बायकर बाय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-I, ग्रहमवाबाद ग्रहमदाबाद, दिलांक 28 मार्च 1985

निवेश सं० पी० भार० नं० 3658---श्रतः मुझे औ० के० पंड्या

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का अरण है कि स्भावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जमीन मीहीपुर कीम में सर्वे नं० 43-1 है। तथा जो और 43-2 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में और पूर्ण रूप में वणित हैं), राजस्ट्रीकर्का मिकारी के कार्यालय, महलदाबाद में राजस्ट्रीकरण मिकारी के कार्यालय, महलदाबाद में राजस्ट्रीकरण मिकारी में मिकारी के कार्यालय में राजस्ट्रीकरण मिकारी मिकारी के मिकारी के मिकारी म

को पूर्वेक्ट सक्यरितः के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बंग्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती 'अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य के कथित नहीं किया गया है :——

- (क), बन्तहम से हुई किसी बाब की बाबत, जब्द अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बाबिरथ में काफी कारने या सप्तसं बचने में सुविधा के निए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जता भाहिए था, छिपाने में द्विया के विकट्ट:

कतः वक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जारीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुंबरदेन, भुराभाई माडल भारकी विधवा परनी, दानी लीमडा सीटी तालुका ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) चेयरभेन नन्दिक्कोर रामलाल रजनी को० औ० सोसायटी दानी लीमहा, सीटी तालुका महमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षत के संबंध में कोड़ भी बाक्षेय :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के शीतर उक्त स्थावर स्वानित में दितवव्य विकति व्यान कि विन के पास विविध में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ-होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अभूत्वी

जमीन मीहीपुर में सर्वे नं० 43 -1 और 43-2 राजस्ट्रेशन नं० 12241/ विनांक 14 ग्रगस्त 1984 ।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरद ग्रायुक्स निरीक्षण गर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक 28-3-1985 गोंक्क क 

# प्ररूप आहे. टी. एव. एस., --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के सधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं० भी० श्रार० सं० 3659---श्रतः मुझे जी० के० पंड्या

भायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसवी सं० बिल्डिंग टी० भी० एस~6 पर एफ० भी० 268 है. नथा जो 278 ग्रहदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबक श्रमुस्मि में और पूर्ण १प से वर्णित हैं ), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में राजस्ट्री करण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रहीन 16 श्रमस्त 1984

का पृथायत सम्परित के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उष्टित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या जन्म बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया लाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के लधीन, निम्नीनिधित व्यक्तियों, अर्थात क्

(1) श्री कातिक के० देशार श्रीमती श्रेताबेन के० देशार श्रमरतलाल योल, खडीया श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) नीलमधेन संतीयधन्त्र शाह संभीर प्रचीतंत्रुमार मतीशचन्द्र शाह भीता बाग के नजदीक , पालडी ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति.के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्स स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंबे

स्पर्ध्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दां आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गया है।

## बन्स्ची

मिल्कत टी॰ पी॰ एस०६, एफ॰ पी॰ 268 से 278 राजस्ट्रेशन नं॰ 12305/16 प्रगस्त 1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक 28-3-1985 मोहर :

## त्रक्ष जाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज≁1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्हेण सं०पी० आप् नं० 366023-I/84--85---भतः मुझे, जी० के पंड्या,

जायकर जीधनियज, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथीनयम' कहा पया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पालनी टी० पी० एस22, बंसोधर को० आपरेटिन सोमायटी है तथा जो एफ० पी० 251 सब प्लाट 14/बी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अइसदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 अगस्त 1984

का पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्निजित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकल में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी भाग की गावत, उक्त वर्षिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (थ) एंसी किसी काय या फिसी भन या जन्म जास्तिनों की, चिन्हों भारतीय क्षायं-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री हीराजी अमयार्थ। नायक 14 बी बंसी श्रेप सोसायटी सम्खेज रोड पालनी, अहमदाबाद

(अन्तर्का)

(2) श्रीमती इन्दीपाबेन अरदचंद्र **माइ** 14-बी वसीक्षर सोसायटी जवाहर नगर राड पालनी, सरखेअ रोड अ**इम**दाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बर्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

## . वन्स्यः

भिल्कत टी० पी० एस०22 पर एफ० पी० 251 सब प्याट 14/बी रिजिस्ट्रेणन न० 12404 दिनांक 18 अगस्त 1984 को ।

> जी० के० पड्या सक्षम प्राधिकारी सहासक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, अ**ह**मदाबाद

दिनांक - 28-3-1085

मांहर:

प्रकथ कार्युः दी , एन , एस ,-----

नायभार मिथियम, 1961 (1961 का 43), 📆 भारत 269-म (1) के नभीन सूचना

#### नारच चहुकार

कार्याज्य, सहरवक जायकर नावृक्त (निर्विक्रक)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश नं पी अ११० नं 3661—अत: मुझे, जी ० के पंडया,

बावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्जे इसके पश्चात् 'उक्त अभिनिभम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अभीन बसाम प्राधिकारी को, यह विक्यात करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार ब्रूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० 4, राजपुर हीरपुर एफ० पी० 59 ए है तथा जो सब-प्लाट 4 में स्थित है) श्रीर हससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के यार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के यार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन 14-4-84 37णी अगस्त 84 में मिली

को पूर्वोक्स संस्थित के त्रीवत बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिक्रम के सिए बन्दरित की नई है बार मुख्य बहु विश्वाध कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के तीच एसे अंबरण के सिए तय पाया गया प्रति-धन, निक्निश्चित उद्दोक्त से उन्त अन्तरण निचित में वास्तविक क्य में कवित नहीं निका गया है:---

- (क) जनसङ्ग्या से हुई किसी जाम की बावस, उपक वॉभिनिय्म के जभीन कर दोने के अन्तरक के खाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंग्री किसी नाय या किसी भन ना कर्य जास्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय नावकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त नीवनियम, या धन-कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कं अधीग, निम्नीशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नरोसमदास सीलागंद बी० नं० 8 रामबाण, बडनगरा, बाटीबार सोसाबटी, मनीनगर, अष्टबदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री नेजनज्ञाल मुख्यीभाई रामानन्द काखोनी, काकरीना - मनीननर अङ्कमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चाड़ी कड़के पूर्वोक्त संपत्ति के नर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कृत्य व्यक्ति वृथाय अधोहस्ताक्षरी के वास तिहीसत में अध्य जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :----इसमें त्रयुक्त कव्यों बीर धवाँ का, को उक्त विभिन्नियम के बध्याव 20-क में परिभावित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वृक्षा हाँ।

## नगसची

राजपुर हीरपुर सीम एफ० बिनि 59-ए, सब-ज्लाट 8, रजिस्ट्रेशन नं० 12229 दिनांक 14 अप्रैल 1984, 37जी अगस्त 1984 में मिली ।

> जी० के॰ पंडमा सक्षम प्राधिकारी सहामक आमक्ष आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेंग-1, अहमदाबाद

**दि**नांक : 29-3-19**8**5

मोहर :

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस. ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन मुखना

#### नारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निवेश नं० पी० आर० न० 3662/23- 84-85---अतः मुक्ते, जी० के० यंद्रमा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्दर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका संचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से जैभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जामनगर वेडीगेट के० वी० रोड है तथा जो सर्वे नं० 36-2 एफ, प्लान-2 में स्थित है (और इसमं उपाबद्ध अनुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अभीन दिनाक 9 अगस्त 1984

को प्रवेक्त संपरित के उचिन बाजार मृत्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में एसे दृष्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिक्तित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बिस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की वादत, उदत बिध-नियम के अभीन कर दोनेके अस्तरक के दायित्व को कमी कारने या उससे दचने में सुविधा के लिए; बार/अ
- (व) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्य आस्तियीं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्दर्भ अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना पाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अध्यन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभितः :---

(1) श्री मनमुखलाल गामजीमाई पटेल श्रीर अन्य भामकुंज लीमडासेन, जामनगर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आशीष बिल्डर्स भागीदार मरीयनलाल केशवलाल शाह सेकल्ड फ्लोर, ध्रुव मेन्शन श्रौर अन्य दीपक टाकीज के सामने ग्रेडन मारकंट, जामनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के कर्जन के लिख कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाराप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव इं 4.5 दिन की जनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्द भ किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

## **मन्स्**ची

मिल्कत वेडीगेट पर कें० पी० रोड, सर्वे न० 36 एफ० प्लान-2, जामनगर रजिस्ट्रेशन नं० 2774/ दिनांक 9 अगस्त 1984

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी स**इा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, अ**इ**मदाबाद

दिनांक: 29-3-1985

मोहर 🥫

मक्य बाह्र : दी. धन् : एसं ;-----

नावकरु मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनाक 28 मार्च 1985
निदेश सं०पी० आर० न० 3663/23-1/84-85---अतः मुझे,
जी० के० पंड्या

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गमा है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जमीन मेमनगर में टी पी एस । हैं, तथा जो एफ पी 215 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म में विज हैं), रिजस्ट्रीव ती अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाखाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 1 अगस्त 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाबूबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे रुप्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्दरण से हुए किसी जाय की बाबत उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दरक वं दायित्त्र में कमी करने या उससे बसने में सुविक्ष के 'नए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 सा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना भाहिए भा, कियानं में तुविधा छे जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री शान्तीलाल प्रागजीभाई मेहता, 4-7 कोलाबा मीका फ्लैट कोलाबा, बम्बई -5

(अन्तरक)

(2) मैससं श्रंबीका इन्टरप्राइजस,
1, पल्लीबी एपार्टमेन्ट ,
मेमनगर फायर स्टेशन के सामने,
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के जर्जन के सबध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कि मी व्यक्तित द्वारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की टानील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकने।

स्वकटीक रण:---ध्समें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाणित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### असमी

जमीन मेमनगर में एफ० पी० 215, टी० पी० एस०-1 रजिस्ट्रेशन नं० 11612 दिनाक 1 अगस्त 1984

> जी के पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

दिनांक : 28-3-1985

मोहर 🤃

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, मदुरै

मद्रै, दिनाक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 61/मगस्त/84—अतः मुझे, भी० एम**॰** मुस्त्रामलिंगम.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 7, नाडार विद्या सालै, सौत वेली स्ट्रीट, मधुरै है, जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जायंट सब-रजिस्ट्रार-1, मदुरै दस० सं० 2230/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 17-8-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1 श्रीमनी कें टीं एमं मरस्वती ग्रभ्माल (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती वलरमती

(भन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पाच निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदा का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अम्लूची

डोर सं० 7 पुराने सं० 55, नाडार विद्या सालै स्ट्रीट, सौन वेली स्ट्रीट, टी० ए.स० सं० 2392, मदुरै, मखान दस्तावेज सं० 2230/84

वी० एम० मुनुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुराई

तारी**ख**: 18-3-1985

मोहर:

प्रकप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 62/धगस्त/84 द्यतः मुझे वी० एम० मुक्तुरामलिंगम

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं. 7 नाडार विद्या सालै, सौत वैली स्ट्रीट मदुरै है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मंश्रीर पूर्ण रूद से विश्वत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जायंट सब-रिजस्ट्रार -1 मदुरै, दस्तावेज सं० 2229/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन नारीख 17-8-1984

को प्वेंकित सम्मोत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उच्च क्या से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अतिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

बतः बतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मी, उबस अधिभियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निग्निसित व्यक्तियों, जचित हि—

- (1) श्री कें० पी० एस० सरस्वति भ्रम्माल । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री कें। ए० शंकार ।

(मन्तरिबी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी वनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ह 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा नकींगे।

स्थाक्टीकरण: ----इसम प्रयास्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया गया हाँ।

#### वनसंची

मकाम डोर सं० 7, (पुराने डोर सं. 55) नाबार, सौत बेसी स्ट्रीट, महुरै टी० एस० सं० 2692, महुरै विका सालै दस्तावेज सं० 2229/84 ।

> वी० एम० मृत्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सङ्गामक श्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 18-3-1985

मोहर:

प्रकथ आई.टी.एन.एस..-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मधीन सुमना

## भारत सरकार

# कार्याजय, अहायक जायकर जायका (निरक्तिण) श्रजीन मद्री

मद्रै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 63 श्रगम्न/84—श्रतः मुझे वी० एम० मृत्युरामिलगम,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पत्रवात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सकस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5 न्यु ब्लाक 23, रामचन्द्रपुरम है, तथा जो तेन्तूर व्रैयूर, तिरुक्ती में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय सब-रिजस्ट्रार, व्रैयर दस्तावेज सं० 2284/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीब 3-8-1984

कों पूर्वोक्त सम्मिश के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में बास्तीयक कप से कियत महीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार बोने के अंतरक के बाबित्य में कमी करने वा उत्तर्स वचने में तृषिधा के सिए; बॉर/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना आहिए था, किया स्विभा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रोमती गायलक्ष्मी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एन० कन्मप्पन।

(अन्तरिती)

का यह तुषमा कारी कारके प्वाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सक्तेंगं।

स्पाद्धीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

# अनुसूची

हवुन में सं० 5, न्यू ब्लाक सं० 23. रामधन्द्रपुरम, नेन्तूर निक्ष्मी दस्नावेज सं० 2284/84

> वी० एम० मृत्तुरामलिंगम . सक्षम प्राधिकारी महासक भ्रासकर श्रास्कः (तिरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मदुरै

दिनाक : 18-3-1985

मोहर ः

प्ररूप काइं. टी. एन. एस. -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-स (1) के सभीन सुभग

### पारत परमान

कार्यानय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, मतुरै

मदुरै, दिनांक 18मार्च 1985

निदेश मं० 64 ग्रगस्त/84---ग्रतः मुझे श्री० एम० मृत्युरामीलगम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के कधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० टी० एस० मं० 1132/िकी है, तथा जो मुन्दरपुरम तिरूक्वी-18 में स्थित है ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जायंट सब-रिजस्ट्री0रण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 2-8-1984

को प्रवेतिन सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के देश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत उत्तर मिन-रियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वाधित्य में कभी करने या उससे अवने में मृतिथा के लिए; बीर/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री कें श्रारम्गम।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती भल्लिका।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोबत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सहापत होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होंगा को उस अध्याय में विदा क्या है।

नपुम्ची

हवुस में टा एम० सं०  $1182/\overline{I}$ बी मे सुन्दर नहर, तिरूजी-18, दस्तावेज मं० 1338/84।

वी० एम० मृत्तुरामस्मिम सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मकुरै

धिनांक : 18--3-1985

गोहर 🖫

# प्रकप् आर्च. टी - एन. एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को सभीन सुचना

#### भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरें मदुरें, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 65 श्रगस्त/84--- श्रतः मृझे, वी० एम० मृथुरामालिंगस,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और मकान में एस० झार० स० 222/2 है, तथा जो मुघराँगकुरुच्ची गांव तिरूच्ची में स्थित है (और इससे उपाद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता झिधकारी के कार्यीलय सब-रिजस्ट्रार मुवरांगकुरुच्ची दस्तावेज सं० 757/84 में रिजस्ट्रीकरण झिधनियम 1908 (1908 क 16) के झिधीन नारीख 7-8-1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के रवयमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने म मृविधा के लिए; आर/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुत्रिया के लिए;

श्री एम० वे₹ट र्हण्णन और भ्रान्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वालप्पा महूप्पा आगी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सबाध में कार्क भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशित की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थकतेकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त विधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विधा ग्या है।

# अनुसूची

भूभि और महान में एस० एफ० सं० 222/2 त्वरगकुरुच्ची तिरूच्ची, दस्तावेज स० 757/84।

> वी० एम० मुथुरामालिंगम सक्षम प्राक्षिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरें

হিননৈ 18~ 3~ 1985

मोहर 🛭

प्र<del>क्ष गाइ<sup>2</sup>, टी. एन. एस.-----</del>

----

आधकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कायिक्य, सहायक आयक्तर आय्वत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० ६६ झगस्न/85---झतः मुझे वी० एम० मुथुरामालिगम

भागकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पर्टि, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

और जिसकी मं० श्रममापालयम, है, तथा जो पेरमण्लूर में स्थित है, (और इसमें उपावत श्रमुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजर्ट्रीकर्ता श्रिधिक्ति के कार्यालय ज्वाइंट मब-रिजर्ट्रार तिरूच्ची, दण्नावेज मं० 1334/94 में रिजर्ट्री रण घितियम 1908 (1908) के श्रधीन तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकत के लिए उन्हरित की गर्ट है और एके गह जिस्ताम प्रतिकत के लिए उन्हरित की गर्ट है और एके गह जिस्ताम मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकत के लिए उन्हरित की गर्ट है और अगरित का अधित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकत में, एसे द्रश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिवत अधिक है और अतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिबित उन्दर्धि किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की बाबित्व में कभी करने वा उचने वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (था) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियां यह जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिहम, 1922 कर 11) या अक्त हिस्सिन्यम, य धन-अहर अधिनियम, य धन-अहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ किया गता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बत: क्व, उक्त किंपिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रो के० ग्राम्भुगम ।

(झन्त्रह)

(2) श्रीमती लीला।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के संबन्ध में कार्ड भी जाक्षेप ':---

- (क) इस सूक्षना के ताजपत्र मों प्रकाशन की तारील स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविध, जो भी अविध याथ मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में मंकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उच्चर स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षणी के पास लिसित में किए जा सकेंने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याव 20 के मा परिभाषित हो, वहां अधि होता, का उस अध्याय मा दिलों स्था हो ।

भूमि में ठी० ए.४० सं० 1182/1 में श्रमापालियम गांव पेरमपलूर तालूक, तिरूवी जिला दस्तावेज सं० 13384/84 ।

> बी० एम० मुथुरासालिंगम सक्षम प्रतिशारी सहयात श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरी

दिनों - 18 - 3-- 1985

माह्नर ,

प्रक्रम आहुँ तो एन . एस . रचनप्रवस्तरक

(1) श्री कें अरुमुगम।

(भन्तरक)

णायकार अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मणिमेगलै।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 67/ग्रगस्त/84--श्रतः मुझे; वी० एम० मृत्युरामलिगम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की बाद्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- इ. से अधिक हैं

और जिसकी स० टी०ए,4० सं० 72, है तथा जो प्रम्मानाल्यम गात पेरमपलूर तानु में स्थित है (और हत्से उपात्रद्ध प्रमुसूवी में और पूर्ण कर्य में पणित हैं) रिजर्म्झा स्ती अधि हारी के धर्मालय जोगन्ट सव-गिजस्ट्रार III तिरूची दस्तावेज मं० 1338/84 भारतीय रिजम्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन तारीख 6-8-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के छत्यमान ग 🖫 क लिए अन्तीरत की प्रतिफल है कि यथा-करने का कारण विद्यास यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मृल्य., उसके दृश्यमान फ्रीत-फेल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ए से अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देव्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नही पाया गया है ः—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग को नायत, उसस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कमी करने या उससे वचने में सविधा के टिश; और्./या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 अप १) या उक्त अभिनियम, या अव-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए या, क्रियान में सुविधा के थिए

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरसाक्षरी के पास सिमित में किए जो सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त विभिन्दिन, के बध्धाय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

## अनुसूची

भूमि और सैंट सं० टी० एस० सं० 72, श्रम्मापालयम गाव पेरमपलूर तालुक तिरूची जिला दस्तावेज सं० 1338/84 ।

> वी०एम०मृत्तुरामलिंगम मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक प्रयुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज, मबुरें

दिनांक : 18-3-1985

मोहर:

प्रकृत कार्याः, क्षी<sub>यः</sub> प्रकृत प्रकृतसम्बद्धाः

भागकर भौधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-भ (1) के मुधीन सुचना

#### BUSH AZANZ

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मदुरे

मदुरै, दिनांक 18 मार्ने 1985

निवेश सं० 68 श्रगस्त /84--श्रतः मुश्ने, बी० एम० मुथुरामालिंगम

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं टी॰ एस॰ सं 1126/1 तंजाबुर राइ, पुदुकोट है तथा जो दस्तावेज सं 1933/84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के जार्यालय जार्याट संब-राजिस्ट्रार पुदुकाट में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908) का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे क्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किती बाव की बावत उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से सायित्व में कमी करने या उसने बचने में साविधा से लिए; मीर/या
- (च) ऐसी किसी जाव वा किसी थन वा अस्य शास्तियों को, भिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में श्रीवधा छ किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री विकडर ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मुंबारिक निशा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

वन्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी मासप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन के प्रकारत की ताड़ीज से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मण्डीकरण: ---- इँसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुस्ची

भूमि और बिल्डिंग में टी० एम० सं० 1126/1, तंजाबुर रोड़, पुदुकोर (दस्तावेज सं० 1933/84)।

वी० एम० मुथुरामार्लिगम मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मदुरै

दिनांक : 18~3-198**5** 

मोहर 🖫

प्रकप बार्च , टी. एन. एस. -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्रधीन सुमता

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मदुरै

मद्रै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 69/अगस्त, 84--- अतः मुझे, वी० एम० मृत्तुरामलिगम

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स॰ न्यू सं॰ 71-1 से 71-9 तक, 71-10 मे 71-13 तक, 64-1 से 64-6 तक, 65-1 से 65-3 तक, 68-1 से 68-3

70-1 से 70-3 तक और 74-1 टी० एस० स० 9953 मे हैं तथा जो नीरुमयम रोड़ पुदुक्कोटर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लायिट सब राजस्ट्रार-1 पुदुक्काटट दस स० 908, 909, 910/84, में भारतीय राजस्ट्री-अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित नाजार मुल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितियित उच्चेस्य से उसत अन्तरण सिचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क), बन्यडम सं हुए किसी बाब् कहें बाबत, उक्त सीधीनयम के अधीन कर दोन के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या ससस्य बचने में सुर्विधा के लिए; आहु/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या जन्म जास्तियों का जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया ज्या या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विभा के जिहा;

बत: अब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरकृ ब, म, उक्त नोधनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) कु निधनिक निधनिक्कित व्यक्तियों, नवित् ह— (1) श्रीमती भ्रो० अलगुसुन्दरी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० इन्नासी मेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से जिस्सी शानित दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का स्कारी।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ डोग्न जो उस अध्याय में दिया गथा है।

# वगृस्यी

भूमि 3-43 एकड में न्यू स० 71,7.72 एकड़ न्यू एस० सं० 64 और 65 और 6.72 एकड़ में न्यू सं० 68, 69, 70, और 74 में टी० एस० सं० 9953/2 (दस्सावेज सं० 908, 909 और 910/84)

> वी० एम० मुस्तुरार्मालगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

िवनांक . 18--3--1985 **बोहर** ७ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 18मार्च 1985

निदेश सं० 70 अगस्त, 84--- अतः मुझे वी० एम० मस्त्रामलिंगम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं डोर सं 27 में सं 104, चार ब्लाक, वार्ड सं 4, मेन रोड़ पालकरें ।तरूची है, तथा जो तिरूची में ।स्थत हैं (ग्रीर इससे उपाकड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्गने हैं), 'जाशा का अवकारी के कार्यालय नायदि सब-राजस्ट्रार — I, तिरूची (दस्सावेज सं 1349,84) में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16). के अधीन सारीख अंगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिका (अंतरितयों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धर्ग या बन्य आफ्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित्:— (1) श्रीमती एस सबुरा बीबी और अन्यो।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एम० हनिफा।

(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के, राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# यन्त्जी

हांत्रस मैट में डोर सं० 27 चार ब्लाक वार्ड स० 4 टी॰ एस॰ सं॰ 104, पालकर (सिरूज्वी) (वस्तावेज स॰ 1349/84) ।

> नी० एम० मुत्तूरामलिगम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

बिनांक: 18-3-1985

मोहर:

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. -----

(1) श्री आर० नरगुणन।

(अन्तरक)

(2) श्री मैखन देवटाम

(अन्स(रती)

शायः र सिपिनियः., १५७1 (१६६, **का 43) कौ** ारा 260-ध (1) के अधीन स**च**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, मबुरै मबुरै, दिनांक 18 अगस्त 1985

निवेश सं० 71/अगस्त, 84—- अत मुझे वी० एम० मृन्न्रामलिंगम

अपकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (जिसे इसमें इसके प्रकात (जिसे इसमें इसके प्रकात (जिसे इसमें कहा गया है), की भारा 259-क के अधीन गल्य गिधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मून्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भृष्म में नये स० 62, 63 श्रीर 64 में टी० एम० स० 9953/2 टेन्नागृडि गांव पेरनगल्टर हैं तथा जो पेरनगल्टर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपान्नद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विरिणत हैं) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्री० पेरनगल्टर (दस्तावेज स० 911/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख अगस्म 1984

को एवाँकिस सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अन्तारित (का विश्वा) है गीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिकक रूप में कथिन नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उर्ससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था । विद्या जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा अहें निए,

अस्य उक्त आधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण प्रां, मौ उक्रत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन निम्नितिसित अयिकत्यों, अर्थात :--- की वह सूचना आरो करके पृबंक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां फ़रता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# अनुसूची

भूमि मे नई स० 64, 63, श्रौर 62 में टी० एस० सं० 9953, 2 में टेन्तागृटि शाव, पेरनगल्टर (दस्तावेज स० 911,84)

> वी० एम० मुन्तुगर्मालगम सक्षम प्राधिकारी सहात्रः आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, सपुरे

दिनांक 18-3-1985 मोहर : प्रकप बाह् .टी. एन. एस .------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सूचना (1) श्री आर० चारी।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० राजामणी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, मदुरै

मदुरै, चिनांक 18 मार्च 1985

निदेश से० 72 अगस्त/84—अतः मुझे, वी० एम० मृत्युरामा लिंगम

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस् इसमें इसके परजात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० हवुस सैट में एस० सं० 185/2 है तथा जो अधीगेखपुरम तिरूक्वी में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायीजय जायिट सब-रिजस्ट्रार 1 तिरूक्वी (दस्तावेज सं० 231/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16 श्रगस्त 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तियंक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए ती नदभाग (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा मकोंगे।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

हाउस मैट नं० टी० एम्र० मं० 185/2 के अधीशेखपुरम तिरूखनी (दस्तावेज मं० 231/84)।

> वी० एम० मृस्युरामालिगम सहायक सक्षम प्राधिकारी आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रें**ज; मदुरे

दिनांक : 18- १-1985

नाहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मधुरै

मदुर, दिनांक 18 मार्च 1985

निवेश मं० 73/अगस्त/84--अतः मुमे, बी० एम० मृत्युरामालिगम,

कायकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० 6 टी० एस० नं० 196, लेन स्ट्रीट है, जो कारेंक्कुडी में स्थित है (ग्रांर इससे उपावक अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, जबाइंट सब रिजस्ट्रार-1, कारेंक्कुडी दस० सं० 451/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उस्यमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्विष्य से उक्त कंतरक सिवित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कींध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 20 ---66 GI/85

1. श्रीमती एस० पुरनानंदम अम्माल

(अन्तरक)

2 श्रीमती पी० सरोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत तुष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा तकोंगे।

स्पन्धीकरण:--- इतमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त कथि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### वयुस्यी

हवुस बोर सं० में 6, टी० एस० सं० 196, मृह्वक्कु स्ट्रीट, मृतुपट्टीनम कारैक्कुडी (दस० सं० 451/84)। वी० एम० मृत्युरामालिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदरी

तारीख: 18-3-1985

मोहर:

# प्रकार बाहर्री, सी., एवं , एवं 🖟 है - 🗝 🗝

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वनंत्र

#### मार्च बहुनाड

# कार्याचन, सहायक कायकर नामुक्त (निरक्षिण)

🙏 अर्जन रेंज, म**दुरै** मदु**रै**, दिनांक 18 मार्च 1985

निवेश सं० 74/अगस्त/84---अतः मुझे, वी० एम० मन्नरामिलगम,

मायकश अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एरजात 'उन्त निधानियम' कहा गया है), की भार 269-ख के राधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह निध्नाम करने का कारण है कि स्थानर मध्यमि. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वेकंट सैट मे एफ० एस० 231/1 के० अभिशेकपुरम है, जो तिरुची में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्याजय, ज्याइंट सब-रिजस्ट्रार I तिरुच्ची (दस्त० सं०.5559/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान पितफल को लिए बन्तरित की नई हैं और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह बितशल से बिश्व हैं और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पामा गमा शितफल, निम्नतिचित उद्देश से उक्त अन्तरण निचल का प्राप्त अस्तिक, निम्नतिचित उद्देश से उक्त अन्तरण निचल का स्तिक स्प से किंगत नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नानत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शांधितक में कभी करने वा उससे बचने में सुनिधा के तिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आअ-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरिती इभारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए का खियाने में सुनिभा के निक्हा

सतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री ए० टी० तामस ।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञानवडीवेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्ति संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

अन्त सम्परित को जर्मन को संबंध में कोई भी बाधोप रू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्तिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्वक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए या सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पेकंट सैंट में एस० एफ० सं० 231/1, के अभिशेकपुरम, तिरुची (दस्त० सं० 5559/84)।

वी० एम० मुन्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, मकुरै

तारीख: 18-3-1985

मोहर :

प्ररूप भार्यः, टी., एन.: एस.------

(1) १ च्चमले आसारी ।

(अन्तर्क).

(2) श्री नटराजन ।

(अन्तरिती)

# भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के मुत्रीन सुद्धना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-मदुराई मदुराई, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 15/अगस्त/84—अतः मुझे, बी० एम मुन्नुराम-लिंगम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाकार मून्य 1,00,000/- रं. से अधिक है

और जिसकी सं० मूमि में एस० नं० 482/1 श्रीर 646/4 भीर कुंए में मिरूमलें रेड्डीपट्टीगांव है, जो, गडलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णेरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर०श्रो० कुलिन्नलें दस: सं० 1525/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 अगस्त, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत्-रिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है —

- (क) अन्तराहम ने हुए फिकी आग की बावता, क्यार अधिनियम के मुचीन कर बोने के अन्तरफ के बाहित्स में कभी करने वा उसके नमने में सुविधा के मिए; ब्रोडिंग
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में यूविया के लिए;

अत् अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नौलीवत व्यक्तियों, अथात् ध--- कां यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप 🐛

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी कदिय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्छ स्थिक्तयों में से किसी स्थिक्त स्वारा;
- (क) इस स्का के राजपण में प्रकाशन की तारीब स 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकरि।

स्पष्ठीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस बध्याय में दिवस प्या है।

#### नम्स्यी

भूमि में एस० सं० 482/1, श्रीर 646/4 विन कुं $^{\circ}$  नीस्मले रेड्डीपट्टी गाव, गूडलूर (दसः सं० 1525/84) ।

वी० एम० मुन्नुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई ।

तारीख: 18-3-1985

चीहर 🗉

# प्रक्ष भाद् .टी.एम..एस..-----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43), की भाषा 269-म (1) में जभीन कुजना

#### भारत बरकार

कार्यात्तय, तहायक वायकर भायुक्त (निज्ञीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 76/अगस्त/84---अतः मुक्ते, बी० एम० मुक्युरामालिगम,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परणात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौरं जिसकी सं 12-7-दि, 17, 12/8-दि, 28, 12/9-दि, 40) 13/3-दि 31 कोट्टापाठी है, गांव जो तिरूज्यीरापस्ली जिला में स्थित है (श्रीरइसते उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) राजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जादीट सब-राजिस्ट्रार-1 तिरूज्यी (वस्तावेज सं 5646/84) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 अगस्त, 84

को वृत्तींकत सम्पत्ति को उणित कृत्वार मृत्व से कम के दश्वभूतम् प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वींकत सम्पत्ति का उणित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्वमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्ता से अधिक हाँ बौर बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बौच एसे बन्तरफ के सिम् सम पाया गया, प्रतिफल, निम्नालिवित सक्ते क्या जन्तरण कि हिन्त में कास्तविक रूप से कार्यन नहीं क्या जना हाँ है

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की वाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दहीयत्व को कभी करने या उससे वचने में सृविधा दाहीयत्व को किस्; और/यां
- (क) एंसी किसी थाय वा किसी भन या अन्य अलिसमां को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती चुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिंच था, छिपाने में सृतिभा की कियु;

नतः नव, उक्तः निर्मित्यम की पारा 269-ग के नमुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिवित न्युक्तिनों, नर्भात् :--- (1) श्री राजम पदनायन ।

(अन्तरक)

(2) शी ई० जाफार खान।

(अन्तरिती)

को **बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्**त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सम्पत्ति के वर्षन के संबंध सें-कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जगींध या तत्त्रज्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्मी वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास विशेषत में किए जा कर्कोंगे।

# अमृसुची

नम्जा भूमि में सं॰ 12/7-टि 17, सं॰ 12/8-टि, 28, एम सं॰ 12-9-टि 40, एस सं॰ 13/3-टि 31 में कोट्टापटु गांव, तिरूज्पी तालुक (वस्ताबेज सं॰ 5646/84)।

> वी० एम० मुत्थुरामालिगम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रैंज-मदुरै

तारीख: 18-3-1985

मोहर:

प्ररूप बाहै, टी. एत. एस.-----

बावकर व्यक्षितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के बिभीव स्वाना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै दिनांक 18 मार्च, 1985

निवेश सं० 77/अगस्त/84— अतः मुझे, वी० राम मुन्नुरामिलगम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वेकट सैंट में एस० सं० 231/1 है, जो स्टेट बैंक आफीसर्स कालोनी, तिरूच्ची में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूणक्य से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामीट सब-राजिस्ट्रार कार्यालय-। तिरूच्ची इस सं० 5560/84 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्व है जौर मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित- बाजार उसके गश्यमान प्रतिफल से एते दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विभक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तिवां को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ट;

अबः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण ते, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

(1) श्री ए० टी० तामस ।

(अन्तरक)

(2) श्री शन्भृहसुन्दरम ।

(श्रन्तरिक्षी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ----

- (क) इस सुषना के राषपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सैमाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पित्त में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ध्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरण:----हसमें प्रयूक्त कव्यों आहर प्रयों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

# नन्ध्यी

े ह्वुस सैट से एस सं॰ 231/1 स्टेट बैंक आफीसर्स कालोनी सुविशेषपुरम गांव तिरूच्यी यस सं॰ 5560/84।

> ्वी० राम मुन्नुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक वायकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-मदुरै

तारीख: 18-3-1985

मोहर 🛭

AND THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PROPERTY AND ADDRESS.

इकर सत्र् . टी. एम. एक्. •-----

वायकार मिनियान, 1961 (1961 का 43 वर्षी की भारत 269-व (1) में बभीन स्वानः

#### भारत बरकार

# থালনিন, বস্তুৰক ল্যুক্ত লুকুকা (সৈংগ্ৰিক)

अजन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 18 मार्च, 1985

निवेश स॰ 78/अगस्त/84-- अतः मुसे, वी॰ राम॰ मृन्नुरामिश्वमम,

बावकर बीवीनवन, 1961 (1961 का 43) (प्रिन्धे क्र्यूनें श्वाके प्रश्नीत् (जनत बीजीनवन' कहा गया है), वहीं प्राप्त 269-व के बधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह निकाल कप्रवे का कारण है कि स्थादर सम्मत्ति, विश्वका उपित क्रामर मुख्य 1,00,000/- रा. से बिधक ही

श्रीर जिसकी स० मरवान श्रीर भूम मे टि०एस स० 3490 वेस्ट पार्ट में वेस्ट राजा बीती पुदुकोर्ट में भारतीय में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जायीट सब रिजस्ट्रार, पुदुकोर्ट इस्त स० 2114/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त, 1984

को नुर्वोक्त सम्मित्त के जीवत जावार बृत्य ने कम के दरवमान प्रतिकल के लिए करहारित की नदें है जीर मुक्के वह विकास करन अन कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का जीवत वावार वृत्य जनके बृहयमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिक भ का सम्बद्ध प्रतिक स प्रतिक है बीद अन्तर के (बन रहीं) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच पेसे अन्तर्य के लिए स्वय पाया नवा प्रविक्त कि किन्तिकत उद्देश्य के बन्त बन्तर में वास्तविक कम के किन्त कहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ से हुन्। किसी नांत की नांचत , अवस निधियत से सभीत कर दोने में अन्यहरू के दानित्न में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; नांद्र/या
- (ख) ऐसे किली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विक्षें भारतीय आयक्तर विधिनयंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ बन्तिरती बुवारा अकट नहीं किया नया वा विका बाना वाहिए वा, विधान में सर्विधा के किए; और/सा

नवः वदः, उक्त नत्यानियमं की भारा 269-ण ने समुद्रारण में, में', उनक चीचनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निभ्नोसिक्ति न्यन्तियमों, अनीत् हः— (1) श्री आर० रेन्निम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मनोरनजिदम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह कुम्बा पारी करके पूर्वीनक कमित के बर्शन के हैंबर कार्यकहिल पुरू करका हूं।

उन्नव सम्मति से वर्षन से तम्बन्ध में कोई सी शास्त्रेय ह—

- (क) इस नुषया के सम्पन में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की अमीन या तत्त्राध्यक्षी व्यक्तियों गर सुम्बन की ताबील से 30 दिन की जनिया, को बी अमीन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीवन व्यक्तिया। में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (व) इस सुकता के प्राथमन में प्रकाशन की तारीश से 45 विश्व के भीतर उसत स्थायर सम्यक्ति में द्वित-नव्भ किसी बन्द व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताकारी के पास सिकित में किए जा सकीय।

#### गम्ब

भरवान भूमि टी॰ एस॰ स॰ वेस्ट पार्ट में वेस्ट राजा स्ट्रीट, पुदुकोटै दस्त स॰ 2114/84।

> धी० राय० मुन्तुरामिलगम सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-८३ महुरै

सारी**व**: 18-3-1985

सेटर ।

प्रस्त्य बाह्र . टी. एन . एस., - - -

थायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के लभीन सुधना

#### भारत सरकाड़

# कार्यालय, सहावक बायकर बायक्स (तिद्रीक्षक) अजन रेंज, मत्रे

मर्दुरै, दिनांक 18 मार्च, 1985

निरोश स॰ 79/अगस्त/84--- अत. मुझे, वी० एम० मृथुरामार्शिंगम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी मं० न्यू ब्लाक स० 38, डी०एस० 58 में मेन्तूर विलेज है, जो तेन्तूर विलेज, तिरूच्ची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में शौर पूर्णरूप से वर्णित है) रिअस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, सब-रिजस्ट्रार वार्यालय शौरे यूर दस म० 2563/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-1984

को पृत्रों कत संपत्ति के उजित बाजार मृल्य से कम के रहस्यान प्रसिक्त को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करणे का कारण है कि यथाप्त्रों कत सम्पत्ति का उजित बाजार मृक्य, उसके रहस्यान प्रतिकास से एसे रहस्यान प्रतिकास के पन्नार प्रतिकास से विश्व है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्मिसिंखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिला में वास्तिक रूप से कारीन नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे अभने में सविभग से सिक्श बोड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारा विया जाना चाहिए था खियाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों। अधीन है——

(1) श्रीमित सीतालक्षमी अममाल या कृत्वम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० बी० वेन्कटेस्बरन ।

(मन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्थान के, राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील स 30 दिन की अविध, जा भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निवित में किए आ सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः --- इसमें भयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त - अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा हैं।

#### लयंदी

हक्तम और भूमि मे न्यू ब्लाक 38 न्यू डी०एम० 58 तेन्नूर गांव, तिरूच्नी जिला दम स० 2563/84 ।

> वी० एम० मुषुरामालिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) - श्रर्णन रेंज, मदुरे

तारीख: 18-3-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्च, ट्री⊴ एम. एस.,--------

नायकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संधीन सुचना भारत सरकार

कार्यातय, सङ्घायक भायकार जायुक्तः (निराधिक) अर्जन रेंज, मधुरै

मदुरै दिनांक 18 मार्च, 1985

निर्देश सं० 80/अगस्त/84-अतः मुझे, वी० एम० मृतुरामलिगम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० सी-76 में नए क्लाक स० 27 न वार्ड डी० नएटी०एस० सं० 17 एस० आर०भो०भोरैयूर (वस्त०सं० 2396/84) है, जो भोरैयूर तिरूची में स्थित है (भौर इससे उपाबड अनुसूची में भौर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984

क्त्रें क्वरें क्त्र संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से क्षम के क्रथमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एव्यमान प्रतिफल से एंडे एक्यमान विकास का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं. और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के सिए तम पावा गमा प्रविकास गिम्नीसिंखत उद्वेश्य से उक्त अम्तरण लिखित में बास्तिनक रूप से किंचत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण भ्रे हुई किसी अस की शावत उक्त विध-निवस के वर्धीन कर दोने के अन्तरक के शादित्व में अमी करने का उससे क्याने में सुविधा के सिये; आहु/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन वा अन्य जास्तिकों को, विमही भारतीय वायकर विभिनियन, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियन, वा भन-कर विभिनियन, वा भन-कर विभिनियन, वा भन-कर विभिनियन, वा भन-कर विभिनियन, वा भन-कर विभिन्न को 27) की प्रवीचनार्थ अन्तरिती क्वारा अकट नहीं किया गया जा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा वो विषय;

जतः अव, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण वा, मी, उत्तर अभिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के वभीत, किन्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—- (1) श्रीमती मीनाश्ची अम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री आरू मुगम।

(भ्रन्तरिती)

को यह ब्या बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्क कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यप :---

- (क) इस स्थान के रायपंत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अवधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तिमाँ रर स्थाना की सामील के 30 दिन की कविथ, को भी अवधि वाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के उपपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिस के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में दिस-बहुध किसी जन्म स्थिप्त व्यास अभीहस्ताक्षरी के पास सिकात में किए जा सक्तेंगे।

स्पक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को नध्दाय २०-क में परिभाषित हूँ, बहुी वर्ध हुरेगा जो सम अध्याद में दिवा नवा है।

## **जन्मुची**

हाऊस और भूमि में नए टी॰ एस॰ सं॰ 17, नए ब्लाक 27, नए वार्ड की में प्लाट सं॰ सी-76 में मोरैयूर (दस्त सं॰ 2396/84)।

> वी० ६म० मृतुरामालिंगम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, मृदरं

तारीच : 18-3-1985

मोहर :

# त्ररूप् बार् . टी . एन . एस , --------

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १६०-६ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

भागीलग सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रराष्ट्र

मदुराई, दिनाक 18 मार्च 1985

निर्देश स० ३1/अगस्त/1984--अत मुझे, वी० एम० मुन्तुरामलिंगम,

आवकर अधिनियम । १०६१ (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उक्त किथिनियम' कहा गया है),, 'की धारा 269-त के अर्थाः क्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000 / र से जीधक है

भीर जिसकी स० भूमि श्रीर विस्डिंग में एस० सं० 511/1 ए. मी०-ज्याक, मर्वे नार्ड 2 है तथा जो कारक्कुडी-दम० सं० 1634/84 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वैणित है, रिजिय्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जवाहट नय-राजिस्ट्रार-2-कारैक्क्डी, दस० सं० 1634/84 में भारतीय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांव 13 अगस्त 1984

को पर्वोदिन सम्पत्ति के उचित कारार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास कश्र का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मृल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के र्गद्रह प्रतिप्तन से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (पल्केरिकि )) के बीव शिसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल., निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाम की बाबत, सबक्ष दरिवानियम के अभीत कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करणे या उत्तम दचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कं, जिल्ही भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) श उक्त अधिनियम, या भन<sup>्</sup>कर गर्भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिली ब्वारा प्रकट नहीं किया गया शाया किया काता चाहिए था, कियाने में सुविधा जो निम्
- क श्व, उदा अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, जक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधान विकासिक व्यक्तियों, अर्थात् रू---21 -- 66 GI/85

(1) श्री एम० जी० पोटडार ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नेनम्मै ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पर्टिश को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

बाबत संपत्ति के अर्बन के सब्ध में कोई भी बाक्षप :--- 🖟

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन 'हे भीतर उक्त स्थाबर संपरित में जितवस्थ किसी कर्म व्यवित दवारा अर्रेष्ठरताक्षा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कतीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में विया गया 👫 🖹

## जनसूची

हाउस और भूमि सर्वे स० 511/1ए, सी ब्ल(क, सर्वे बार्ड 2, कनेक्शन वार्ड-2 निर्धारण 2736 में कार्यक्रिड़ी में ज्वाइट 2, गब-जिला, दस० सं० 1634/84 ।

> वी० एम० मुन्तुरामलिंगम सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मदुराई

दिनांक 18-3-1985

मोहरः

प्ररूप आई.दी.एन.एस. .-----

(1) निरमलैसार्मा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजम।

(अन्तरिती)

क्षागक्षर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भाषांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई मदुराई, दिनांक 18 मार्च 1985

निर्देश सं० 82/अगस्त/1984—अतः मुझे, बी० एम◆ मुन्नुरामलिंगम,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्चिस बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमियों में सं० 215/2 3 श्रीर 4 में बेनीयटर मांव 215/1 में बेनीयटर गांव है नथा जो बेनीयटर गांव अरियकुडी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्याक्षम, ज्वाइंट सब रिजस्ट्रार, कार्रकुडी, दस्त सं० 1702, 1704, श्रीर 1705/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) को भीर भंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आम की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

क्त श्वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :— को यह सृचना . जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में त्रितब्द किसी जन्म व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# ननुतुची

5 34 टोकरस में सर्वे सं 215/2, 215/2 मीर 115/4
9.30 एकर्स में सर्वे० सं० 2151
4.68 एकर्स में सर्वे० सं० 215/1 भीर कुंए इन वेनीयटर गांव,
अरियकुष्टि ग्रुप, कार्रकुढि, वस्त०सं० 1702, 1704 म्रीर
1705/84

वी० एम० मुन्तुरामॉलगम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मदुराई

दिनांब: 18-3-1985

मोहर :

अक्स बाइं.टी.एन.एस<sub>्यास्टर</sub>रूकका

- वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जम रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनाक 18 मार्च 1985

निर्देश सं० 83/अगस्त/1984---अतः मुझे, वी० एम० मृत्तुरामिलगम,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार बृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि में सर्वे सं० 85/2ए1 है, सथा जो उमयाल-पुरम गाव, मुिमरी तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकत्तों अधिकारी के कार्यालय, सब-रिजस्ट्रार मुसीरा दस सं० 2018/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक 17 अगस्त 1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यं से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिद्यत में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरन से हुई किसी बाव की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उत्सस बचने में सुविधा के सिष्ट; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा में सिए;

अतः जब, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण कों, मीं, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन,, निम्नलिखित स्पक्तियों, वर्भात्:— (1) श्री पेरुमल नायकर श्रीर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री एस० राममाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सन्पत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिश, को भी अमिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकरेंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### -

1 एकड़ और 43 मेट सर्वे० सं० 85/2ए1 उमयालपुरम गांब मुसिरी क्षालुक दस सं० 2018/84।

> वी० एम० मुस्तुरामलिंगम, सक्षम प्राधिकरी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्रराई

दिनांक: 18-3-1985

मोहर :

प्रकथ कार्ड्, टी., एम., एस., ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्मना

भारत स्रकार

# कार्यातय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुराई मदुराई, दिनाक 18 मार्च 1985

मिर्वेश स० 84/अगस्त/1984—अत मुझे, वी० एम० मृत्तुरामलिगम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

. ग्रीर जिसकी स० मकान ग्रीर भूमि में स० 722/1 ग्रीर एस० स० 723/1 पाला हि गाय है तथा जो पालापट्टि गाय, आला-कुरूपी, करुर तालुरूक में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, करुर दस्त स० 1149/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक अगस्त 1984

को पृथोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सपिस का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से अक्त अन्तरण निम्ललिक क्य से कश्यक अन्तरण निम्ललिक के साम प्रतिफल के सिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से अक्त अन्तरण निम्ललिक के साम प्रतिफल के सिए स्थ पाया गया प्रतिफल के सम्बद्धिक क्य से कश्यक व्यवस्थ से अक्त अन्तरण निम्ललिक करने से कश्यक व्यवस्थ से अक्त अन्तरण निम्ललिक करने से कश्यक व्यवस्थ से अक्त अन्तरण निम्ललिक करने से कश्यक करने से कश्यक विश्वस्थ से अक्त अन्तरण निम्ललिक करने से कश्यक करने से कश्यक विश्वस्थ से अक्त अन्तरण सिम्ललिक करने से कश्यक विश्वस्थ से अक्त अन्तरण सिम्ललिक करने से कश्यक स्थापित करने सिम्ललिक स्थापित स्थापि

- (क) मंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीध-जिवन के अभीन कड़ याने के अन्तरक के दायित्व में कनी कड़ने ना उसते वच्ने में सृत्युधा के किस; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो स्वोचनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; कियाने में स्विधा के सिए;

जतः सब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) चे अभीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री समसुद्दीन राठौर

(अन्तःग्क)

(2) श्री टी० ए० कलिब्हला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किया व्यक्ति स्वारत,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास सिक्षित में किए ना सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण उल्ल-म्समा प्रयुवण शब्दो आरि वता तका, जा जिक्स श्रीनियम को अध्याय २०-क माँ परिभाधिक ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया स्या ही श्रे

# नन्स्वी

भूमि श्रौर बिल्डिंग मेमिरिंग 61 गेन्टस् श्रांडर आफ 4 03 एकर्म में एम० स० 7.22/1 श्रौर  $7.23/\pi$  पालापट्टी गाव, आला- कुरूक्षी गाव, करुर भाल्लुक, दस्त स० 1149/84

वी० एम० मुत्तुरार्मालगम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, मकुराई

दिनांक 18-3-1985

मोहुद्र 🖫

णम्प नात्<sup>1</sup>. २१ **एम** . एस . -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . धारा 269-त (1) के अधीन मुखना

## भारत सरकार

# कार्यालय. सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुराई मदुराई, दिनाक 18 मार्च 1985

निर्देश स० 85/अगस्त/84---अतः मुझे, वी० एम० प्रमुद्धारामिलगम,

अगुयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह् 'उक्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य, 1,70,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी नव एसव सव 219/1 बी 1, ए/3 है तथा जो पाष्पाकुरूक्षी गात्र काट्टूर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबड़ें अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकक्त अधिकारी के कार्यालय, सब-रिजस्ट्रीर किकेस्पूर देग सव 2594/84 में भारतीय रिजस्ट्रीर रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) न अधील, दिवास अगस्त 1984।

का पृथां के स्थाप के लाजा भून्य ते एम के स्थापन प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण से हुड किसी आंध की बाबस, संबंध वृधिनियम के खबीन कर दोने के ब्रन्सरक की क्यित्य में कनी करने या उससे बचने की मृतिका के लिए; और/या
- (का) एमि किसी आय का किसी भन वा अन्य बास्सिका को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या वब-कर विभिन्यम, या वब-कर विभिन्यम, १९५७ (1957 का 27) वौ प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना जातिए था खियान में स्थिका वौ सिद्ध;

अतः जब . उक्त अधिनियम की गरा 269-म अ अभूतरण मों , मीं , तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखिय व्यक्तियों , अर्थात् ,—— (1) श्री दसीग विनायगम ग्रौर अन्य

(अन्तरक)

( 🖒 श्री आर० मूक्कैया नेवर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के सूर्यन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्मित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तप्तीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्भित्त में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और अपवां का, ओ उपवां अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बादी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। मुंबा हाँ!

#### वनस्या

मकान ग्रीर भूमि मे सर्वे स० 219/1डी, ए/3 पाप्पा- कुरूच्चे/3, गाव काट्टूर दम स० 2594/84

वी० एम० मुत्तुरामिंगम, ' ' सक्षम प्राधिकारी, सहायत आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक: 18-3-1985

नोहर 🥫

प्रकष बाह्य दी, एन, एस, -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) जे अधीन स्थना

### भारत सरकाडु

कार्यालय सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, मदुराष्ट

मदुराइ, दिनांक 18 मार्च 1985

निदेश सं० 86/ग्रगस्त/1984—ग्रतः मुझे, दी० एम० मृत्तुरामलिगम,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संग्रास गुफा संग्र 45/7ए तथा जो प्रस्तानी टाउन में स्थित है (और इससे उपावद प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा प्रक्षिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रीर प्रस्तानी दस मुण् 1533/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रक्षीन, दिनाक 16 प्रमस्त 1984

को पूर्वोक्स सम्पित के उधिल बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह भू भू में सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफर के ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है है अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औद्र/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर जोधिनियम, 1957 (1957 का 27) के 'गोजनाव अन्तरिती एवारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवं, जक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा-269-घं की उपधारा (1) के अभीन, निभ्निलिकित स्मिक्तयों क्षेत्र स्म (1) श्री भी० सुब्भैया बुडियार

(ग्रम्तरक)

(2) श्रीकलिफ्ला

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यपाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पन्ति के कर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजधन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर न्यान की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्र्या

मकान में एस॰ एफ॰ मं॰ 45/7ए प्रारतानी टाऊन वस स॰ 1533/84

> बी० एम० मुस्तुरामलिगम, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, मदुराई

दिनांक: 18-3-1985

नोहर 🛭

# श्ररूप शाह<sup>र</sup>्ट<u>ी.</u>एन . एवं .,------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निवेश सं/ए० भी० नं० 5786---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा को गरा रोड़, जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्स प्रक्रिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण प्रक्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है बरि मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का कल्वह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफाल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त जन्तरण कि बित्त में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) एेसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को जनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) चुं अधीश, निम्नोलिसित व्यक्तिगों, अर्थातु ६—— डॉ० मनोहर लाल शर्फा,
 ई० एस०--39,
 सिविल लाईन, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हुद्ध भजन सिंह, 14-बी/5, अधेरी मनहीस विजय कार्पोरेटिव हाउ.मिंग सं० प्लाट नं० 14, मनहीसनगर, अधेरी, वेस्ट, बम्बई-400058 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुई।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक शं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ज्**नुस्**यी**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फार्म तं० 37-ई० ई० दिनांक अगस्त, 1984 सक्षम अधिकारी जालन्धर आयकर अधिनियम 269-ए० वी० (2) 1961 ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 17-4-1985

मोहर 🛚

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना भारत सुरकार

भायस्थि , सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5787 श्रौर 5788—यतः **मुझे,** जे० एल० गिरधर,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पष्टि, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00 000/- रह से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो गढा रोड जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1984

का पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इसमान प्रीपित के लिए रिजस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्स-रित की गई है और मुभी यह बिलेख का उचित वाजार फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया पति-फल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक ल्य से क्षित नहीं किया गया हैं:---

- (कः) जन्तरम से हुइ किसी जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के रूत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने हों सुविधा के लिए; और/शा
- (श) ऐसी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया जाना चाहिए था, छिपाने यें मुविधा के लिए;

श्रत अब उक्त आधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण श्रे, में उक्षत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अज्ञे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री गुरदीप सिंह,
पुत्र सूबेदार हरा। सिंह,
गेखा पिण्ड, तहसील जालस्थर,
मुखत्यार श्री किशोरी लाल,
पुत्र अनन्त राम,
गार्फत किशोरी लाल एड नन्स,
शास्त्री मार्कीट, कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्री बलजीत सिंह,
पुत्र सूरत सिंह,
वासी 155-न्यू जवाहर नगर,
जालन्धर नया माय निरकारिया,
फिरोजपुर ।

(भ्रन्तरिकी)

को यह सूचना बारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

जनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षीप :---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्ध
  किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास
  लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण '----द्रसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित ह", वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया नवा ह"।

#### धन संची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 495/2185, दिनांक 8/84 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> . जे ८ एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक 17-4-1985 मोहर ५ ्र प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस ु-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नभीन मृथना

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर बाब्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश में ० ए० पी० नं० 5789-5790-5791--अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें स्थाने परवात् जित्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास कट्ने का अधन है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती दिनिशमदा, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का ने विणित है,) रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1984

धा पूर्वोक्त सर्वान्त के जीवत बाबार मून्य से कम के ख्यमान प्रशिक्त के लिए कन्तरित को गर्व हैं बौर मूम्में यह जिन्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खाँमत बाबार सूस्य, उसके ख्यमान प्रतिकास से एसे ख्यमान 'प्रतिकास में पण्डह प्रतिकात से बधिक है बौर बंदरक (बंदरकों) बौर बंदरिती (अंतरितियों) के बीज एसे कतरण के लिए तथ पाया गया प्रदिक्ता, निम्नितिसित उद्योग्य से उक्त बंदरण सिवित में वास्तिक रूप से किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी जिसी जान या किसी धन या कस्य कास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकार निधिनयम 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनयम 1927 वन्तर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा वा किया बाना बाहिए था, कियाने प्रेम्नियम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अनिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- :2--66 GI/85

(1) श्री बनारसी लाल,
पुत वरकत राम सूर,
192-आदर्श नगर जालंधर,
मुखत्यार श्री तेजा सिंह पुत्र सावन सिंह,
वासी बस्ती दनिशमंदा,
जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स वी० एस० बरेगीं, बस्ती दिंशनमंदा, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स संपरित को अर्जन को सिन् नार्यवाहिया जुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी स से 45 दिन की अविध मा तस्संबंधी व्यक्तियों इस स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वकाकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्वयं के वभ्याय 20-क में परिभावित हैं। वहीं वर्ष होना की उन्ह क्ष्याय में दिवा वना हैं।

## अनुसची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2028, 2029, 2079 विनांक 8/84 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालधर ने लिखा है) ।

जे० एस० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 17-4-1985

मोहर 🖫

# प्रक्ष काइ . टी. एन. एस------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्त्रर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० गी० नं० 5793—यतः मुझे, जे० एख० गिरधर,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्बत्ति, जिसका जीवत बाबार मूझ्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ौ र िक्सी संव जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बुर में स्थित है (और इसने उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विधित है), रिकर्ट्सिन्सी अधिकारी के कार्यान राहर है में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य ते का के क्रवजान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गई है जीर बुध्ये वह विश्ववास कर के का जारण है कि यथाप्वोंक्त संबोंक का दिवस बाजार बुख्य बसके रवयमान प्रतिफाल से, एमें क्रयमान प्रतिफाल का पत्तक प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त बन्तरण कि विषेठ के बास्तिबक क्ष्य से कांचित वहाँ फिला गया है है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कन्सरण मं, में, उदस अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती चरण काँर, पत्नी स्वर्ण सिंह, वासी 11--लिक रोड़, माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुभजन सिंह, पुत्र भामशेर सिंह, वासी 319, लाजपतनगर, जालन्थर।

(अन्तरिती)

भौ जब कुम्बा काड़ी करके पुर्वोक्त सम्मत्ति में वर्षन के सिए कार्यनाहियां गुरु करता हैं।

# जनक सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 विन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण के अकासन की तारीक के 45 किन के शीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति के शिहपूब्धू किसी कृष्य व्यक्ति वृत्तीय अधोहस्ताकारी के पास निवित के किए वा सकेंगे।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदों का, वो उब्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### वन्युकी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1992 दिनांक अगस्त 1984 को एजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे॰ एल॰ गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 17-4-1985

मोहर :

प्ररूप आइ े.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश स० ए० पी० न० 5793---यत मुझे, जे० एल० गिरघर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्थ 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बुर में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वत उद्वेश्य से उस्त अन्तरण निवित्त के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए;

शतः अव, उन्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1), के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वचित्र ह—— (1) श्रीमती चरण कौर, पत्नी स्वर्ण सिंह, वासी 11—लिक रोड, माडल टाऊन, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) जतोन्द्र पाल कौर,
पुती बलचरण सिंह,
वासी 557-मण्डल टाऊन, ,
जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

. स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1993, दिनाक अगस्त 1984 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है)।

> , जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक: 17-4-1985

मोहर:

प्ररूप मार्ड , दी , एन , एस , व्यापन

जायक पुर्मिपियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 5794—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्दरितयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिन्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क), अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य के कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था स्थिनों में सुविधा के लिए;

अतः अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमसी चरण कौर, पत्नी स्वर्ण सिह, 11-लिक रोड़, माडल टाऊन जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवजीत सिंह सन्धू, पुत्र गुरभजन सिंह, वासी 319, लाजपत नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन।

उक्त सम्पत्ति को अर्थान को संशंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावण सम्पत्ति मो हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरों के पास लिखित मो किए जा सकेंगे ।

स्यव्हीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो २ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभा हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ब्रिया गया, हाँ।

## **भनुसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1994, दिनाक अगस्त, 1984 को राजस्ट्रीकर्त्ता आधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्ध्रर

दिनांक: 17-4-1985

मोबूर:

# श्रक्य नाइं. टी. एम. एव. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 कृत 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5795—यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु में अधिक हैं
श्रीर जिसकी सब जैसा कि ानुसूची में लिखा है तथा जो बुर
में स्थित हैं (श्रीर इसन उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
में वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनाक अगस्त 1981।

को पूर्वोक्त सम्परित के उक्किंग बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित क' गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे बतरण के निए तम वामा गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देषम से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संद्वार्य किशी बाय की बाबस, उन्नस अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के यामित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी अब या किसी धन या कर्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में युविधा के लिए;

णतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, जथारा :- (1) श्रीमती चरण कौर, पत्नी स्वर्ण सिह, वासी 11-सिक रोड़, माडल टाऊन, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिह, पुत गुरबख्श मिह, वासी 141-गुरु तेग बहादुर नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना कारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 विन की अविभि या शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृजन। की शामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क' पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण:--- इसमें प्रयुक्त कंग्र्यों और पदों का, को उक्छ अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2027 दिनांक अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है)।

> जे॰ एल॰ गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक: 17-4-1985

मोहर 🖫

प्रस्प बाह् , टी. एन. एस.----

नामकर मिनियंग, 1961 (1961 का 43) काँ भारत 269-अ (1) के अधीन सुचना

## भारत मुख्यार

# आर्थास्य. महायक आरम्भर आय्यत (निरीक्षण) अर्जन रेज, जाल-धर

जालन्धर, दिनाक 17 अप्रैल 1985

निर्देण स० ए० पी० न० 5796- यत. मुझे जे० एल० गिरधर,

भायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) (विसर्ध इसमें इसमें इसमें इसमें प्रकार उदल अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार सन्य 1,00,0 0

और जिनकी स० जैना ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो बुर में स्थित है (ऑर इन्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकिसी अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1984

को पूर्णांकत सम्पत्ति के असित बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म हैं और मुम्ने यह विषयास करन का कारण हैं कि मथापूर्णांकत संपत्ति का असित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल का उन्दर प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाम प्रतिफल निम्निविद्यंत से उक्त अन्तरण किसत में नाम्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तारण सं हुंद्र किसी जाय की आवस, अक्षर विभिन्नय के नधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य, में कमी करने या उससे वचने में खुनिभा के जिए; वार/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा १कट नहीं किया नया था या किया थाना नाहिए या, कियान में सुविधा के सिए,

जतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती घरण कौर, पत्नी स्वर्ण सिंह, वासी 11-निक रोड, भाडल द्युक्त, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजिन्द्र कौर, पत्नी गुरचरण सिंह, बासी डब्ल्यू० एस०-3\$2, बस्ती शेखा, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह तुषता बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के खिल्ल कार्यवाहियां कारता हूं।

सबस सम्पत्ति के अर्थन के सर्वभ में कोई भी नाकीप :---

- (क) इस ब्रूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नवीं भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिष् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्ध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पैदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# धनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख न० 2026, दिनाक अगस्त 1984 की रंजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे• एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, जालन्धर

दिनांक । 17-4-198 5 मोहर:

# प्रक्ष बाह् .टी. एन. एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

# कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 18 अप्रैंल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5797~~यतः मुझे, जे० एल० नेपधरः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैंगर अनुसूची में लिखा है तया जो रामगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिषिटी कर्ती अधिकारी के कार्यालय प्लोर में रिजस्ट्रीकरण अधि। नयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्षास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेदिय से उपत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिब नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, वावकर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) . के अधीन, निम्नलिक्तित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री अविनाश चन्द्र पुत्र गुद्दपाल चन्द्र, वासी रामगट, तहसील फिलीर।

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल सिंह, पुत्र स्वर्ण सिंह, वासी जाड्याल, तहसील फिलौर।

(अन्तरिती)

का ग्रह स्थाना जारी करके पूर्वक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिनां करता हूं।

# उनल सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अजधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तिवर्षों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभे उस्ताक्षरी के पाद निवास में किए जा सकों में।

स्थब्दिकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षिम्लम के अध्याय 20 का मे परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्सची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं 1157, दिनांक भगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी फिलौर ने लिखा है।

> जे० एत्र० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी. महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, जानन्धर

दिनाक : 18-4-1985

मोहर:

# प्रकथ बाइ . टी . एन . एत . ------

# मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यांलय, सहायक शायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनां रू 18 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5798- यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

श्राथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ही, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1;00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुमूची सें लिखा है तथा जो रामगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची सें और पूर्ण रूप सें विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्मालय फिलौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में कास्तिबक रूप में सिंगत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की वाबत, उकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उसते क्याने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ्य की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अधित:—

 श्रीमती द्याणा रानी, पत्नी ग्रविनाभ चन्द्र, यासी रामगढ़, फिलोर

(ग्रनरः)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर, पत्नी निर्मल सिंह, वामी अधियाला सहसील फिलौर ।

(ग्रन्सरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुक्तरा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किंगु की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# नन्स्थी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं 1158, दिनांक भगरत 1984 को रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी फिलौर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 18-4-1985

मोहर:

प्ररूप् आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वृता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांव 26 मार्च 1985

निर्वेश सं० नोटिस नं० 43938/84-85--- मतः मुझे, भार० भारवाज,

नायक स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके महियान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जि की सं० 22(5वी) है तथा जो भ्रातम्र रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इनम उगाबद्ध भ्रानुची में और पूर्ण रूप से विणा है), रिजस्ट्रीकरण श्रिवितियम 1908 (1908 म 16) के भ्रावीत, दिना । 9 श्रक्तमर 1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल म, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रती (अनिर्मित्यों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाम मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तबिक रूप म कथित नहीं किया गया है....

- (क) जंतरण से हुई किसी नाम की वावता, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सविधा क सिए, और/या
- (इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया गला काहिए था, खिपाने भागीयभा के निए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) अं अधीन जिस्लीकाम व्यक्तियों, वर्षात के -23--66 GI/85 (1) वे पर्स अम्बिट एग्टेटम् और डेबलपमेंटस् कं०, नं० 32, म्यूबियम राष्ठ, बंगलीर । (श्रन्तरक)

(2) मेसर्स सनरैस श्रपार्टमेंटस् प्रा० लिमिटेड, बै० श्री एच० बी० शामत ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पथों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं॰ 1961/84 ता॰ 9-10-1984)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 22, (पुराना सं० 5 बी), जो बनसूर रोड़, बेंगलूर से स्थित है।

> श्वार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज, बेंगसुर

दिनांक ' 26--3-1985

मोहर ः

द्व त्र्रा ।-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

नारक अंश्वर

# कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्र रेन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूय, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटि । नं० 44479/84~ 85-यनः मुझे, ग्रार० भारदाज,

श्रीयकर भिष्णित्ययः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एउटा के विश्व अधिनियर्थ कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थानर गर्व्यापतः, जिसका स्वित बाजार भूस्य 1,00.000/- रह से अधिक है

अंगि जिसकी सं० 24 है तथा जो ग्रानसूर रोड, 1 कास, बेंगलूर में स्थित है (अंगि इसपे अमाबा श्रंतुसूची सें और पूर्ण कप से बणित है), रिजस्ट्री गण श्रिवियम 1908 (1908 का 16) के श्रिजीन, दिना अस्तुबर 1984, शिवाजीनगर

्त प्याप्तत सम्परित व द्वाचित बाजाए भृल्य से कम के स्रममान प्रतिपत्त के जिए अंतरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण त कि स्थापनार्थित एपतित का लिखत बाजार कन्य. एसक इत्यमान प्रतिपत्त के जिल् अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त के प्रमान के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि प्रमान के लिए तस पाया गया प्रतिक्त के प्रमान के लिए तस सिक्षित में शास्त्रिक क्रम से क्रिया नहीं किया गया है :---

- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती बुजारा प्रकट नहीं किया पर्या था भा किया जाना चाहिए था, छिपामें भी नृतिका ची विषय

नतः। जब, अन्तः अधिनियम, कौ भारा 269-ग कौ अनुसारण बौ, मी, उपस्य अधिनियम कौ वारा 269-व कौ उप्धारा (१) को सधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह- (1) श्री रार्बट बाग्टन रैंट, नं० 24, भलसूर रोड़, 1 त्रास, बंगलूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लुईस डी० मेनेंजम, ब्राथन्का और मैंपर्स योने डी० मेनेंजस, योने डि० धर्नजर,

(अन्तरिती)

क्रागन्त्रा, न० 41. रेसिडेंशी रोड़, बगलीर ।

(अ) प्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थन। कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किय कार्यज्ञाहियां करता हु।

# अक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्भन्य में कोई भी नाकांप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वाँकत
  स्थितयों में से किसी स्थित्य द्वारा;
- (र्ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य अपक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सर्कोंगे।

स्पथ्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1917/84 ता० 1-10-1984) प्रमत्ति है निस्की सं० 24, जो श्रलसूर रोड, 1 कास, वंगलूर में स्थित है।

> भार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिमारी; सह यक भायकर भायुक्त (तिरीक्षण), भर्जन रेंज, बंगलूर

दिन 🗀 26-3-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**ध**र्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिना । 26 मार्च 1985

निर्देश स० नोटिस न० 44365/84-85-यतः मुझे, भार० भारकाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 329 है नथा जो ऐवेन्यू रोह, बंगल्र में स्थित है (और एपमे उनाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रितस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाह 26 सितम्बर 1984, गाधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिकल से एसे उत्यमान प्रतिकल के पेम्रह प्रतिक्रत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और उज्नरिती (मन्तरितिया) के बांच एस मन्तरण के लिए स्य पाया ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क)' अन्तरण से हुर्इ किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 , 1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना अधिहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीग, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री शार० गोताल, न० 9, 1 कास, लक्ष्मी रोइ, शातिनगर, बगलूर--2/

(सन्तरका)

(2) श्रीमती के० एम० प्रेमा न० 284 भ्रष्यार प्लेस, भारचर्डस, बगलूर-80।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने प्राचिक सम्प्रिक के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हुए ।

**उक्तु संपृ**त्ति के बर्जन् कं सर्वेश में कोई भी आक्ष्य . —

- (क) इस प्राधि से राष्ट्रपत्र को प्रकाशन की नारीस स 45 दिन की अनिध सा तत्त्रस्थन्त्री अविकास दर सूचना की तामीन से 30 दिन को अवोध, जा भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीत्र विकास में से निस्सी व्यक्ति ह्वारा;
- (का) इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के ओतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में दिसबद्ध किसी बन्ध किसी बन्ध किसी के पास निकास में कि पास सकरें थे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क म श्रीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा श्रिः। स्था है।

## अनुसुची

(दस्तावेत्र स० 1986/84 ला० 26-9-1984) सम्पत्ति है जिपकी प० 329, जो ऐवेन्यू राह, बगलूर में स्थित है।

> श्वारं भारताज; सक्षम प्रावि गरा, सहायक श्वायकर अध्युक्त (निरीक्षण), श्वर्जन रेज, बगलूर

दिनांक 26-3-19**85 मोहर** ॥

# प्रकप भाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धरा 269-च (1) के अधीन स्चना

## भारत बरुकाह

# कार्यानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जनरेज, बंगलूर

बंगलुर, दिनारः 25 मार्च 1985

निर्वेश सं० नोटिम नं० 43897/84-85---यतः मुझे, पार० भारद्वाज,

शायकर आंधनियम, 1961 (1961. का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पति, जिसका उक्ति स्थावर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० सम्पत्ति हैं तथा जो उत्तरी, उत्तरहल्ली होसली बंगलूर दक्षिण तालुर हों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीमरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 20 अगस्त 1984

को गवीक्स सर्पान्त के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविक्य सम्पत्ति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविक्य सम्पत्ति की पावत काण मुख्य, उसके व्ययमान प्रतिफल हो, एसे द्रायमान प्रतिफल का प्रमुख्य, उसके व्ययमान प्रतिफल हो और अन्यक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच न्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित है से उक्त अन्तरण कि बिस से बास्तम्यक एप स कथित किया गया है .—

- (क) बन्तरण से हुक् किक्सी आय की बाबस, उसस अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बाबित्व में कनी करने ना उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्यांजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्रीमती सुक्षान एलेक्जेंडर, बै० श्री ए० ओ० जार्ज, नैं० 31/1, 17 श्राप्त, रंगनानापुरम, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3।

(मन्तरक)

(2) श्री एम० के० नागप्प, नं० 15, बुल टेंपल रोड़, नियर राम कृष्ण सर्कल, बंगलूर-4

(भारतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्षितमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि संबद्ध में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकति।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याम में दिया नया है।

# अन<u>ु</u>स्ची

(दस्तावेज सं० 3163/84 ता० 20-8-1984) सम्पत्ति है जो उत्तरी, उत्तरीहल्ली होबलि, बैंगलीर दक्षिण ताल्लुक सें स्थित है।

> धार० भाग्द्वाज; सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनोक : 25-3-1985

मोहर 🥲

**१स्प नाइ<sup>\*</sup>.टी.एन.एस., ~----**

नायकार जीपीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुमना

#### माइत् चरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्मन रेंज, वंगलीय

बंगलीर, दिनाक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस न० 43842/84-85-यत: मुझे आर० भारद्वाज,

कायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधित्तियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सभाम प्राधिकारी की वह विध्वास करने का कारण है कि स्थायर उम्पतिः. विसका जैवत बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से विधिक हैं

अगर जि को मं० शार० एस० गं० 12-1ए, टी० एए० नं० 733-1ए, है तथा जो एनशानिड दिलेज जेप्पु दाई, मगलूर में स्थित है (और इससे उपाधन श्रामृश्वा से और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक 28 श्रागस्त 1984, मंगलूर

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी बाय का बाबत, उक्त अधिनियम् के ब्योन् कार बोने के बन्तरक के सामित्व में काबी कहने वा कहने मूजने में सुन्तिमा के सिक्षः की क्षी
- (का) एंसी किसी नाय वा किसी भन था मन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, वा वन-कर अभिनियम, वा वन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरितो ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

सतः नव, उत्तर निर्मित्यम की धारा 269-म के अनुसरण मा, मी, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के न्यीम, निम्मसिवित व्यक्तियों, न्यांत् :—

(1) श्रीमती दिलिफोड डिसीजा, वाइफ/धाफ एस० एफ० डिसीजा, नियर बलेनिय चर्च, कनकानाडि, मंगलूर ।

(भन्तरक)

(2) श्री ग्रेगोरी बलेरियन लोबो, सन/ग्राफ अंथोनी लोबो, नियर बलेनिया चर्च, कनकानाडी, मंगलू: ।

(भन्तिरती)

को यह स्वना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के कियू कायवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी अविक्तमों पर '
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो, औ
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
  कारिकतमों में भे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मास्ति में हितवबृध फ़िसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी कें शिक्ष निवासत में किए जा सकोंगे।

स्थाकरणः -- इसमें प्रमुक्त कर्मा वृदि पश्ची का, श्री उच्छ अधिनियम, के क्ष्माय 20-क में पृष्टिशादिक ही, वहीं वर्ष होना यो उद संध्यास में दिशा नया ही।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 800/84 ता॰ 28-8-1984) सम्पत्ति है जिसका न० ग्राग्॰ एस॰ 12-1ए 1, टी॰ एस॰ नं॰ 733-1ए 1, जो कनकानांजि जिलेज, जेप्पु वार्ड, मंगलूर, सें स्थित है।

> भार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहावक भावकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, बंगसुर

दिनांक: 2**5~**3−1985

मोहर् 🛭

प्रक्य बार्ष हो . एन . एस . ----

### बावकार जीवनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा 269-ए (1) के जबीन सुबमा

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धजन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं०, 43856/84-85-यतः मृझे, धार० भारतान,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतमें इसके पश्चात 'उथत अभिनियम' कहा गया हैं), की वाद 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका जिन्ह बाचार मृज्य 1,-00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी गं० 1 (209) है तथा जो अप्यार प्लेस आर वर्जन, बंगलीर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम से कम सर्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधिनगर में धारा 269- ए. बी. के अंतर्गत स्क्षम अधकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृति किया गया है मूके यह विश्वास करने का कारण है समाप्त्रों के सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त. अंतरण लिखित में कास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बण्डरण के शुद्ध जिल्ला आव की बावद, उक्क संधितियम के बधीय कार दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी कारने मा सरखे बचने में नृतिका के लिए: और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हा भारतीय नाय-कार विधिनियम, 1922 -1922 का 11) या उत्तत विधिनियम, बा अन-कर वांअनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व्य धिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में , में अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) कें अभीन, निम्निजिखित व्यक्तियों , अर्थात् हि—

(1) श्री के॰ एस॰ प्रकाश और के॰ एस॰ रमेश, मेसर्स सी॰ जे॰ सेठ कंस्ट्रक्शन कंपनी, नं॰ 408, XII मैन, राजामहल विलास एक्सटेंशन, वंगलौर-80।

(भ्रन्तरकमे

(2) 1. दीपकराज नोपडा

- 2. श्री विनोद कुमार चोपरा,
- 3. श्री ग्रशोक कुमार चोपरा श्रौर
- श्री जमेश कुमार चोपरा,
   नं० 43, II मैन, इंडस्ट्रियल टाऊन,
   राजाजीनगर,
   बंगलौर--44 ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारो कारके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाबन की तारींच वें
  45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी
  ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीक्षर उत्कर स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरूताक्षरी के पाछ सिक्षित में किए जा सकींगे।

स्वकाश्वरणः ---- इसमें प्रयुक्त इन्दों जीर पदी का, जो उपक जिश्वित्यम, के जभ्याय 20-क में परिभाजित है, वही जर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया पदा डी।

#### वन्स्वी

(दस्तावेज सं० 1407/84 ता० 3-8-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 209, (नया सं० 1) (माग); जो अप्पार प्लेस श्रारचर्डस, बगलीर-40 में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण); भूजेंम रेंज, बंगलीर

दिनांक: 26-3-1985

योहरू 🤣

#### प्रक्ष बाह्". टी. प्रन प्रव प्रत्यकार

जायका<u>र</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (१) के हथीन स्पना

#### नारत बरकार

#### आधीलम, तहासक भावकर बाव्यत (चिर्धाम्)

श्रर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलीर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्वेश सं० नोटिस नं० 44670/84-85--यतः मुझे, धार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिलं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं विं नं 279/2, 279/5, 276/1 श्रीर 279/1 बी है तथा जो कुनजिला िलेज महिकेरि तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 27 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य ते कम के अवनान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुखे वह विकास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का स्वित बाजार मूल्य, उसके अपमान प्रतिफल से, एसे अवमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गता प्रति-फल निम्मिनीचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण मिम्मिनीचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण मिम्मिनीचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण मिम्मिनीचित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण यं शुर्व विश्वती बाग की बाबता, उचल विधिनवय के वधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; वरि/या
- (क) एसी किसी नान या किसी धन वा सम्य जास्तिकी को, जिन्हों भारतीय जासकर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, सा धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनाथ जन्सीरती द्वार प्रकट नहीं किया प्रवा था या विस्ता जान। शाहिए था, कियाने जें स्विधा है स्थितः

भरा व्रथ उक्त अधिनियम की धारा 269-व व बनुराष्ट्रक में, में', अक्त अधिनियम की धारा 269-व की सम्भारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, बर्धातु :---- (1) श्री के० पी० श्रय्याण्य, के० पी० सीता**व्या,** के० पी० मुस्तान्नाा, के० पी० गौराम्मा श्रौर के० पी० नीलाम्मा, हरात्तूर विलेज, मडिकेरि तालुक ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० नंजाप्पा, एम० ए० सुरेश श्रीर एम० ए० शारधा, कुकलूर, विलेज, विराजपेट तालुक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (फ) इस संबन्ध के राजपत्र में प्रकाशन की कारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका अविकास में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कत्य त्र्यक्ति व्वाग अश्रीहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिका नवा है।

#### धन्स्यी

(दस्तावेज सं० 730/84 ता० 27-9-84) सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 279/2, 279/5, 276/1 और 279/1 बी, जो कुनजिला विलेज, मिडिबेरि तालुक, में स्थित है।

न्नार० भारताज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

विनांक: 25-3-1985

मोहर:

#### प्रक्षा ् नार्षः सी ् एन्ः एस् । ------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) कें नधीन स्वना

#### मारत सरकार

कार्बालय, सहायक भायकर अध्यक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलीट

बंगलीर, दिनांक 29 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45877/84-85-यतः मुझे,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 76/119 है तथा जो काडुगोंडानाहिल्ल, बंगलीर में स्थित है (भीर इससे उपाबद प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भधीन, दिनांक 25 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूला से काम के व्हथमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्मित का उचित बाजार श्रूच, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बाह्य प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बाह्य प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बाह्य प्रतिकत निम्निनिचित उद्देश्य से उच्त बंतरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक वे हुई किसीं आय की दावत, उक्त विधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए, आर्थ/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, धिनहीं भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए.

बतः क्षयं अक्त विधिनियमं की धारा 269-त के अन्तरण को, को, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं विधीन विस्तिचित व्यक्तियों, वर्षात् :-- (1) श्रीमतो नागरानाम्मा,
2. श्री मृति श्रंजानप्पा,
काडुगोंडनाहल्लि, बंगलौर,
उत्तर तालुक ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. सरताज बेगम ग्रौर2. हबीदा, नं० 5, 13-कास, बंसतनगर, बंगलीर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिल कार्यवाहियां करुत करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ एक सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

#### ज्ञपुत्र्य

(वस्तावेज सं० 3776/84 ता० 25-8-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 76/119, जो काडुगोंडनाहिल्ल, बंगलीर में स्थित है।

स्रार० भारद्वाजः, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, बंगलीर

विनोक: 29-3-1985

मोहर:

भ्रकप बाइ. टी. एन. एस ----

बायकर क्षांभनियम, 1961 (1961 का 43) की' भारा 269-म (1) को मधीन सूचना

#### भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 29 मार्च 1985

निर्देश सं नोटिम नं 45068/84-85--यन. मुझे, भार भारद्वाज,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह िद्धार लगा का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 910 है तथा जो बिन्नामंगला I स्टेज एक्सटेंशन बंगलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रतृषुची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 29 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य स कम के हत्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गर्च ही और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, विस्नतिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

(क) मन्तरण संसुद्ध किसी आयं की वासत, उद्यक्ष एपिशिन्यत के लगीन कर दोन के का का किसी के किसी की की करते या उक्क वचने में सुविधा के लिए;

ा पं आय, या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयं कर अधिनियम, १००२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- वार्थ अन्तियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम के किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुनिधा के विष्

सर अब , उस्त आंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीसंखित व्यक्तियों, !ांत् ्— 24 —66 GI/85

(1) श्री ए० गाम्प्राशिया गय,
 न० 1020, 12ए मेन रोड,
 III काम, एच० ए० एन० II स्टेज,
 बगलीर-38 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बो० नटाराज और श्री बी० प्रामु, न० 17/19, ग्रार० न० II स्ट्रीट, पुरानी मार्कीट रोड काम, बगलीर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाल्या करता हु।

#### उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नानांच उ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं खें 15 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धें ध्याबित्यां पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तन स्थायर सम्पत्ति में हित- बहुभ किमी अन्य स्थावत द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए का सकेंगे।

श्यव्हीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हाँ, बही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### प्रनुसूची

(दम्तावेज म० 2543/84 ता० 29-11-1984) सम्पत्ति है जिसकी स० 910, जो विद्यामगला  $^{I}$  स्टेज एक्पटेशन बगलीर, मे स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनायः 29-3-1985

मोहर 🖫

#### प्ररूप आई दी एन एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश मं० 43893/84-85--श्रतः म्झे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० म्राग्न एस० नं० 838-1, टी० एस० नं० 655-1ए, है, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विशित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिप्तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, विनांक 16-8-1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्तास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सर्पत्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्प से किथह नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- (1) श्रो डी० रगुचन्द्रा शेट्टा 2. एम० वी० शेट्टी,
  3. वणभाराजा शेट्टी, 4. चन्द्राराजा जैन, 5.
  जगतपाल शेट्टी, 6. नराणिवनाथ शेट्टी, 7. जानाचन्द्रा कुलूरू, --जैन कामपौड, मंगलूर।
  (अन्तरक)
- (2) मेसर्स द्यार० और भ्रार० एण्टरप्राइजैस । बै श्री एम० राजन, पैल्याड्स, पो० एम० राव रोड, मंगलूर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- . (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नमस्ची

(दस्तावेज मं० 721/84 विनाक 16-8-84) पमात्ति है, जिसका भ्रारण्य सं० 833-1, टीज्यूक नंज 655-1ए, जो भ्रतावर विलेज, मंगन्य, में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायङ आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांच : 25-3-1985

मोहर 👊

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

#### भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के लधीन सुचना

#### नारम सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज, संगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 मार्च 1985

मिदेश सं० 43810/84-85-यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, शायकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इसमें इसके परवार् उक्त मिनियमं कहा ग्वा ही, की भाष 269-269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० 4 है, तथा जो श्रालबर्ट स्ट्रीट, रिचमण्ड टाउन, बेंगलूर-25 में स्थित है (श्रीण इससे उपावस श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 3-8-84,

को पृष्ठिक्त सम्पत्ति के उपित बाजार सृष्य स कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर स्पत्ति जिसका उपिता बाजार सन्य मृख्य उपके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थानान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिशियों) के बीच गोसे सन्तरण के लिए त्य शाम प्रति प्रतिफल, अन्तरिलियन उरवश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप संचित्रा मही किया गया है -

- (क) बन्तरण स हुई किसी नाम का बाबत उमत अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के दिए, बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन बा अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर की भागवम, 1000 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; आर्/या

अतः अव, उक्त आभीनयम की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियां अर्थात् —

(1) 1. श्री इफत्तिकर श्रालि खान 2. श्री जुबैर श्रालि खान, स० 4, श्रालबट स्ट्रीर्ट, रियमण्ड टाउन, बेगलूर---25।

(भन्तरक)

(2) 1. बेबी मदिया फरूक,
 2. मास्टर, पयूरैल फरूक, 3. बेबी नडिया फरुक,
 बै श्री मोहम्मद फारूक, न० 11/7, किंग, स्ट्रीट,
 रिचमण्ड, टाउन, बेंगलूर--25।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्मास्त के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में की हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की ताशील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध बस्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया वया है:

#### अनुसूची

(बस्तावेज मं० 1329/84 विनाक 3-8-84)

सम्पत्ति है, जिसकी स० 4, जो आलबर्ट स्ट्रीट, रिचमण्ड टाउम, बेगलूर, मे स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज, बंगलूर

दिनांक : 20-3-85

मोहर :

#### प्ररूप बाह्यं, दी । एव । एव । ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

#### प्रारुव चरुकार

### **कार्यानय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनोक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 4373,2/84-85--यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज, कायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमे इसके पश्जारः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० भार० एस० न० 83-6 शि है, तथा जो किन्न की विलेज, मगलूर में स्थित हैं (और इससे उदाबद्ध अन्सूची में भौर पूण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 9-8-1984,

की पूर्वीक्षत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रिक्ति के निग अन्तरित की गई है और भड़ों यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापालिस सम्मित्त का एचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अत्तिरियों) के जीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पिन्छा, निम्निलिखित उद्देखों से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्ते बचने में स्विधा हिन्छ, और/या
- (भ) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 एए बा 11) या अन्त विजित्सम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए;

सतः अव, उसरे अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उसत अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अव्यति (----

- (1) श्रीमती शिवास्मा, 2 एकनाथ ,3. कुशालामति 4 शिवानन्द--कद्रि,मगलूर ।
- (2) श्री कें ० सहादेवा ए० टी० ए० इन्स्ट्राक्टर, एट कारवार, मगलादेवी रोड, मगलूर।

(ध्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हु।

राया सम्पर्त के नजेन क सबन में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्मरबन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अप यक्ति छतार अगोरसराधारी के पास निक्ति में किए जा सकींमें।

स्पष्टीकरण :--इसभे प्रयुक्त कब्दा और पदा का, जो उक्त विधिनियम के बध्धाय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होया जो उस वध्याय में दिया नया है।

#### नगराधी

(दस्तावेज स० 697/84, विनाक 9-8-84) सम्पत्ति है, जिसका स० भ्रार० एस-83-6ए, जो कद्रि-बी०-विलेज, मगलूर, में स्थित है।

> आर० भास्याज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज. बगलर

दिनांक 25~3~85 **मोहर**: प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के वृधीन स्वना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 44378/84-85--- म्रतः मुझे, म्रार० भारताज,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं० पुराना नं 40 श्रौर 40/1 नया सं० 34, 35 (I-फ्लोर) है, तथा जो 1X-क्रान एच० निद्धधार रोड, बेंगलूर मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय वसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-9-84

को पृत्वों कर संपत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम को रायमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूड़ा कर तर्मान को रायमान प्रतिफल को पन्छा प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरम के लिए तथ् पाना गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तरम जनतरम जिल्लि में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क). अंतरण से हुई िकसी आय की बायत, उक्त अधि-बाँधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बाधिस्व में कभी करने या उत्ते बचने में मुविधा के निष्; बाँध/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा औ लिए।

अतः अव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री पो० वी० कुप्पुस्वामी नायडू

2. श्री पी० बी० रामचन्द्र नायडू

607, X.ए मैन रोड, IV—ज्लाक, जयनगर
बेंगलूर—-11

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जिल्लया वेगम
 बैंक/श्राफ सैयद श्रलीमुद्दीन
 124/16, -VIII, क्राम विलसन गाईंन्स,
 बेंगलूर---27

(अन्तरित्री)

को यह स्वमा जारी करके प्रवॉक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के गर्भन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त कावित्यों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी जून्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, को उक्त अप्रिम्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2569/84-85 दिनांक 27-9-84) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० पुराना मं० 40 श्रोर 40/1, नशा सं० 34-35 (I—पलोर) जो एच० सिखय्या रोड, बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **गें**गलूर

दिनांक: 25-3-85

मोहर ھ

त्रस्य बाह् . टी. एत. एस. ०००-----

भावकार किभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्वर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगसूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्वेश सं० 43902/84-85-यतः मुझे, ख्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिधिक ही

भौर जिसकी सं० 237 है, तथा जो III स्टेज III केस, बनशंकरी, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयनगर में र्राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 27-8-84,

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य के कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल, सं एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और कंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निचित उद्योग्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है किया

- (क) अंतरण टे हुए कि ती बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वार्टियल में केनी करने वा उत्तरे बचने में महिभा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय की जिन्ही भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकड नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए।

बतः व्यव, उक्त विधिनयम की भारा 269-न के, अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्री मी० भार० वेंकटेश नं० 1, नन्जप्पा बिल्डिंग, ।-काम, लक्कासन्द्रा बेंगलूर।
- (2) भी शंकरप्पा

(धन्सरक)

नं० 41 . 7 50 फीट रोड, 13-ए मैन रोड, बनशंकरी, बेंगलूर--50

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मिक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत का कितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### भगसर्ची

(दस्तावेज सं० 2058/84-85 दिनांक 27-8-84) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 237 जो III स्टेज III फेस, बनशंकरी बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, बेंगलर

दिनांक: 25-3-85

मोहर:

प्ररूप नाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलर, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं ० 43831/84-85—अतः मुझे, श्रार० भारहाण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 25/65-66ई है, तथा जो नजरबाद मोहरूल लिलता महल रोख, मैंसूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनु सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजद्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 18-8-84,

को पूर्वेक्स सम्पस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एडं है और पूर्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपक्षित का उचित बाजार पूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल में एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पूर्वा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशिष्ट में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क्त) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः अब, उदल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिनिकत व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---् (1) श्री श्रानन्दा श्राडप्पा पीठ एठ होल्डर श्री एस० बालकृष्ण भेट्टी 119, राजमहल विलास एक्सटेंणत बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीति गोयका गोयन्का निवास'' नै० 19 देखेवेडोर रोड ''ग्रानिपुर' कलकत्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुखी

(दस्तावेज त० 2335/84-85 दिनांक 18-8-84) सब सम्पत्ति है, जिसका २०० 25/65-66ई जो नजरधाद मोहल्ला, लिला गहल भेड, मैसूर में स्थित है।

र० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी रउष्यक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजंन रेंज, क्षंगलूर

दिनांक : 25-3-85

मोहर :

#### भारत सहकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्चर्जन रेज, बंगलूर

बगलूर, दिनाक 25 मार्च 1985

निदेश स० 44374/84-85 अत मुझे, ग्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, को भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी २४० 18, 19 और 20 है तथा को II कास जरनलिस्ट कालोनी में स्थित

है (और ६ससे उपावद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर 1984,

को पूर्वोवस सम्पोतित को उचित बाकार मूल्य से कम को स्थ्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण हु कि यथापूर्वोक्त सपितित का उचित बाजार मूल्य उसके रूयमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृक्षिण क्षे तिए; बीह/वा
- (स) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों पर्वे जिल्हों भारतीय अपकार अधिनियम 1)22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) + प्राप्तना अर्था की त्नीय प्रस्ट न्ती किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिस्सान अर्था की सिए;

उत १३, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, २ "न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निवासित, व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्रीमती पुणीतम्मा स० 18-20, II क्रास जरनलिस्ट कालोकी , देगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुमान शरीफ और दुछ लोग सं० 56, हास्पिटल रोड, देगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काम मिला मिला है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र मं प्रकाशन की निश्तान स्व 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया मा से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विकित के स्थाप के स्

स्थळीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा चो उस अध्याय में दिया वबा है कि

#### धनुसूची

(दस्तावेज म० 2646/84-85 दिनाक सितम्बर 1984) सब सम्पत्ति है, जिसका म० 18, 19 और 20 पुराना म० (21/1, 21/2 और 21) जो 11 आप जरनिलस्ट कालोनी, बेगलूर में स्थित है।

> र० कारक्षाज सक्षम प्राधिकारी महास ह स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), **श्रर्ज**न रेज—3, बम्बई

दिनाक . 25-3-1985 मो**ह**र . प्रस्थ आई.टी.एन.एस. -----

च्यासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं ० 43976/84-85-ग्रतः मुझे, ग्रार० भारक्षाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 45/1 है, तथा जो राममन्दिर रोड, बसवनगुढी बेंगलू र मे स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनग्री में राजदीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 13-9-84, को पूर्वेक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान अन्तरित की के लिए गर्ह और प्रतिफल मभ्रे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कायमान प्रतिफल से, ऐसे कायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक स्प से कायित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त विध-विषय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधां के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां., जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया धाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वे लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन नियमितिक व्यक्तियों, अभित ३—— 25—66 GI/85

(1) भी सी० चन्द्रशेकर श्री मी० वीरभध्यम्या मं० 27, 1 मैंन रोड मरियप्यनपालया केमपापुरा स्रग्रहारा, देगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुस्तारी केंगम जीव पीव डाव होत्खर श्री एमव एनव इनायत नंव 4, पिलकेंग्ट राक रोड, जयनगर, केंगलूर—11 ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को अर्थन् को सिए कार्यवाही करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीय वें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के
  पास किसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त व्योगीनवाम के अध्याध 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्यास में विका गया है।

#### मन्**स्ची**

(दस्तावेज २० 2328/84-85, दिनाक 13-9-84) सब सम्पात है, जिसकी २० 45/1 को राममन्दिर रोड, बसवनगुडी, बेगलूर-4 में स्थित है 1

ु आर० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बम्बई

दिनांक 25-3-85 **मोहर** . NEW ART OF THE STATE OF THE STA

बाबक प्रशिमियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, देंगलूर

इंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1985

निदेण सं० 43983/84-85-यात:, मुझे, श्रार० भारक्षाज आयकर वेधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उवन विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि प्रावर सम्पत्ति. जिसका लीवन वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 89 1, तथा जो IV- पैन नोड, मलेख्वारम, देंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय राजाजीनगर, में रजिट्रीकरण श्रक्षित्रमम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन, दिनांक 6-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करों का अरुप हाँ कि उधाप्वाकत मंगीत का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है ।और अंतरक (अंतरिकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्राया गया प्रति-फल, निम्नितियों उद्दंश्य से उक्त अन्तरण तिस्थित में बास्त- विश्व के हिर्म अर्डी किया युवा हैं—

- हैं को निर्मा की हुई किसी भाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की बायित्व में कमी करने या तससे बचने में सुविधा के सिष्ट: बारि/बा
- (क) एसी किसी आय या, किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषाने में स्विधा के लिए;

ब्रुल, बर्ब, उक्त विधिनयम, की धारा 269-व की बन्सरक मं सं उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, वर्धात :— (1) श्री ६न० ६ल० गीवदाराज, सं० 24, बालाजी नगर,'II, टेज, मझस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० ग्रार० देकाटेश, नं० 37, II मैन रोड, मल्लेग्वारम, देंगलूर--3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु ।

उक्त संपरित के वर्जन के अंबंध भी कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक्रण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्की

(दस्तावेज सं० 2449/84 दिनांक 6-9-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 89/1, जो IV-मैन रोड, मल्लेश्वार्रम, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी 'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 26-3-85

मोहर :

#### मक्ष्य नार्याः द्वी . इस : इक : ००० ० ०००

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

#### कार्यासम्, सङ्गमक मायकर मायक्त (निरीक्तक)

अजन रेज वेशलूर

बगनूर, ।दनाम 25 मार्च 1985

नो। दस म० 43967/84-- 8 ---- या भुझे, आ४० भारद्वार, '

लामकर शिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिस्रं इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' लहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित्त, जिसका अधित बालार मृस्य 1,00,000/- रा में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० 41 है तथा जो । बन्नामगना 1 स्टेज एक्स-टेणन, बेगलूण में स्थित है (ग्रीण इस-एटपाबद्ध अनुसूती में ग्रीर पूर्ण हर स विधित है) रिजस्ट्रोयणण (धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिना : 3-9-84

भी पृषेकित समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पृष्ठ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरफों) और अंतरिती (अंतरिनिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्म्यालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्म्यालिखित में याध्याविक स्प स काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अञ्चरण में हुई किसी आप की बाधव, सबस अधिनियम के बधीन कर दोन के बन्तरक के खाँबरक में क्षती कहने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; जोर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवक्तर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिकियन, या चन-कर अभिनिवन, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया वाना वाहिए था, खिनाले में सुविधा के निरुष ।

(1) प्रतम ह्रिया स्टब्स्यान्य 134, एमर स्मर्राङ, फ्रीजर टाउन भेगरू

(13 · 15t )

(2) एस० समस्, भाराण्डाह कर्नल्य बत्रस्व सम्बद्धाः पनुष्टाः

(अन्तःस्त्री)

का मह सुम्पा कारी ताम भीता ता का अनु कार्यनाहिना करता हु।

इक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई मा प्रकार , .....

- (क) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन का शार्थक्ष के 45 दिन की अविधि या तस्मम्लन्धी व्यक्तियाँ वर्ष्ट्र सूचना की ताभील से 30 दिन का अवाध, आ गई अवाध बाद मा समाप्त ाता हा, या मीगा प्रभाकर न्यांक्समा मा साकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना क राजपण मा प्रकारन का तारिक स 45 दिन को भीतर उक्षर स्थार सम्बोध मा हितबद्ध किसी अन्द संदित द्वारा अधारम सरी का पादा तिकित मा कए जा सकेगा।

स्वाद्धीकरण ---प्रमा प्रका प्रका प्रका प्रका का वा प्रका भिष्टित के शाहर 20 का र के प्रवाद ही, महा नमें प्रता, के र का प्रतिष्ठ महाही

#### धम्स् च

(स्मावा न । ) । १८ र. १ - ५ ४४)

सम्पत्ति है पापक पा १६, ता तमारा र पा स्टि । एक्टर देशन, तेमलूर से भस्यत है ।

> आ४० मारद्वाञ सञ्जय आवशास भुरायः अवस्य भुक्तः (जनक्षण) ।र्जन रेज, बेल्लूर

कतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण गें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--

िप्रक 2 1—3 85 -**मोहर** ३

#### प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुभना

#### भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरामिक्)

अर्जन रेज, बंगलूर बगलूर, दिनाक 25 मार्च 1985

निदेश नं 0 43812/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज, **बायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की **धारा** 269-च के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारण ड<sup>8</sup> कि स्थावर तंपत्ति, विसका जीवत वाचार शत्व 1,00,000/-रुः से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० 134(78) है, तथा जो श्रोल्ड मद्राम रोड अलसूर, बेंगलूर-8 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप अवर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-8-84, शिवाजीनगर, को पूर्विक्त सपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्त विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार भ्रह्म, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रका प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिखी (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के निए तथ पाया नवा प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित' में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कजी करने या उन्तर वचने में सुविधा के जिए; बीट्र/वा
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनयम, या धन कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया जना था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के निए:

जतः अव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-म को जनसरण माँ, माँ, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को समीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— श्रीमती कमला यादव घौर
 बी० एस० जवासिह्ना,
 स० 8, मुनिस्वामाप्पा लेघौट,
 अलसूर, बेगजूर।

(अन्तरक)

(2) श्री जे॰ परासमल, न॰ 9, मिशन कम्पाउण्ड, बेगलूर—27 ।

(अन्तरिती)

को वह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इंड त्यान के राज्यक में प्रकाशन की तार्रीं वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 दिन की जविधि, को भी अविध बाद में तजान्त होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत रंजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक है . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विका गया है।

#### मन्त्रची

(दस्तावेज स॰ 1315/84, दिनांक 2-8-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं॰ 134 (78), जो पुराना मद्रास रोड, अलसूर, बेगलूर-8 में स्थित है।

> ग्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगसर

दिनांक: 25-3-85

मोहर :

### प्रकम बार्स ्टी. एन ः एस ः।

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### धारत चुडका

कार्यालय, सहायक **शायकार आयु<del>वत</del> (निर्द्धीकण)** अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक्ष 25 मार्च 1985

नोटिस स० 43832/84-85—यत., मुझे, आए० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० 25/65-66 एफ है, तथा जो नजरबण्द मोहल्ला, लिलता महल रोड, मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 18-8-84

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैंसूर में भारा 269 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्ष्म अध्कारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दुर्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त, अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक की दासित्य में कुसी कड़ने वा उत्तरे द्याप में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, क्रियाने में 'सुविधा औं निष्

बत: अंद, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ<sub>क</sub> क्याँत क्र— (1) श्री जगन्नाता आदण्या—-बैं० पी० ए० होल्डर श्री एस० बालाकृष्ण शेट्टी, न० 119, राजामहल, विलास एक्सटेन्शन, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनन्त वरदन गोयान्का, "गोयान्का निवास", 19, बेलवेदेरे रोड, आलिपोरे, कलकत्ता-27।

(अन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबक्ष मा कांई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी स्वितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जा भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्शक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकोंगे।

(दस्तावेज सं० 2333/84 दिनाक 18-8-84) सम्पत्ति है, जिसकी स० 25/65-66 एफ, जो नजरबाद मोहल्ला, लिलता महल् रोड, मैसूर में स्थित है।

> र० भौरद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज बंगलूर

दिनाक . 25-3-1985 मोहर ॥

#### त्ररूप बाइ , टी. एम. एस.------

#### बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत अरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 25 मार्च 1985

प्तिदेश मे**० 43830/84-85**--यन मुझे, आर्० भारद्वाज, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) ( विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है <sup>कि</sup>क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृख्य 1,00.000/- रा संअधिक हैं श्रीर जिसकी म० 25/65ए है, तथा जो ललिता महल रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रॉर पूर्णरूप से वर्णित है), र्शजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मैसूर मे र्शजस्ट्रीक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 18-8-84 का प्रवाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से क्रम क इक्यभान. भीतफान के लिए अन्तरित की गई हैं और मात्र यह विद्वास करन द। कारण है कि यथापूर्वीक्त सर्पास की उनिस ाजार मूल्य उसके इध्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंत-रिती (अन्तरितियों) के गीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिसित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण निसित में अपस्तविक रूप से क्रिशित नहीं किया गवा है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्हें अभिनियस के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा में लिए भीर/धा
- (ह १ को कि ही होट या किसी । या अक्ट क्लेक्स्यों का, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनियम या अक्ट अधिनियम या अक्ट अधिनियम । 1947 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

नतः, अव, उन्त वांधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण गं', मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) अ अभीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री किम्मार्क कारणा,
 बैठ पीठ ए० हाल्डर, श्री एस० बालाकृष्ण,
 शेट्टि, Х-मैन रोड, आर० एम० विलास,
 बेगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो आशिक्ष एम० बकर, बै० श्री एम० के० कुमार, न० 3347, पिमला, न्यू के० आर० रोड, जयानगर, बेगलूर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना धारी करके पृत्रांक्स सम्पर्णि कं अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काइ भी जाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील स 30 बिन की अवधि, जा भी अवधि भाद मा समादर हाती हा, क भीतर प्रकित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थाजर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्ये व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

#### वरपर्यो

(दस्तावेत स० 2334/84, दिनाक 18-8-84) पम्पत्ति है, जिशका सं० 25/65 ए०, जो लिला महल रोड, मैसुर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

र्वनाका : 25-3-19**85** 

मोहर:

प्ररूप आई. टो. एनं. एस. ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, रुष्टानक आगकर आग्वेस (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिताक 25 मार्च 1985

नं ० 44507/81-85--यन , मुझे, आप० भाष्ट्राज.

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिक्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है, तथा जो अञ्च्यतीपुरम II मैन रोड अलसूर, वंगलूर-8 में स्थित हैं (फीर इससे उपायक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), एजिस्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीत, दिनास 10-9-8

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के क्रमान मितफल के सिए अन्तरित की गई हैं और अभे यह विश्लाम करन करने का कारण है कि एथाएकेंन्ति सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पितालल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निशासत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की, बानक, उनक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने, या उससं बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जात: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती अयलक्ष्मम्माः नन्दौ अयलेजः, चिक्कयन्त्रापुर नानकः।

(अन्तरःः)

(2) श्री ने हें न्यांस,
 स० 251, हि स्टेज,
 इन्दियानगर, बगलूर-38।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

जमरा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र तो प्रकाशन की तारीक से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसन्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में निष्ठवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा नवा है:

#### वन्युकी

(दस्तावेज सं० 1665/84-85 दिनाक 10-9-84) सब सम्पत्ति है, जिसकी सं० 4 जो सरस्वतीपुरम, II मैंत, अनसुर, बंगलूर-8 में स्थित है।

> क्षाणः भागहरज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर ग्रायक्क (तिर्राक्षण) अतिक रेक, बगलूर

दिनांक : 25-3-1985

मोहर:

#### प्रकार वार्ष हो तुन् तुन् - ------

बायफर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बंबीन क्वा

#### नारत चडुका

कार्याक्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं॰ 43834/84-85-यन , मुझे, आर॰ भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (देवते इक्कों इक्कों परवात् 'उक्त अधिनियम' कक्का गना हैं), की धारा 269-क के अधीन तक्षण प्रतिभक्तरी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थापर संपरित, विज्ञका उचित बाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 25/65 है, तथा जो लिलना महल रोड नजरबाद में स्थित है मोहस्ला मैसूर। (भीर इसम उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण कृष में विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 17-8-84।

को पूर्विक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितकल को लिए अन्तरित की गई है और मूझ्ने बहु विक्वास करने का कारण है कि मधापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्थामान प्रितकल में, एसे स्थामान प्रितकल का कल्बह प्रतिकृत से अधिय है और अन्तरक (अंतरका) और अंखिरती (अन्तरितवा) के बीच एसे अन्तरण के जिए ठव पावा नवा प्रतिकृत निम्निविद्य उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्निविद्य में बास्त-विक क्या से कियत नहीं किया नवा है ---

- (क) अन्तरण में हुई फिक्सों बाब की बाबच, अबल अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्व में क्यी करने वा अबले बचने में स्थिश के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्षेत्र, जिन्हों भारतीय आत-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती कूचारा प्रकट नहीं किया क्या आया किया वाना चाहिए वा कियाने में वृथिया के विद्यु;

नतः नव, उन्त नीधीन्तम की धारा 269-व के, ननुस्तक हैं, में, उन्त निधनियम-की धारा 269-व की उपधारा (1) की सधीन निधनितिकत न्यवित्यों नधीत :---

(1) र्श्नः एस० बालक्ष्रध्या मेट्टी,
 119, X मेन, आर० एम० विलास,
 बंगलूरं।

(भ्रंन्तरक)

(2) श्री गिरीश एम० बाकरे, सारनाथ, वारडन गाँड, अम्बर्ष-400006।

(श्रम्तरिक्षी)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्ट सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

#### उपत बम्मीता के अर्थन के सम्बन्ध में कोई सी शासीय प्र--

- (क) इत त्यना के रायपत्र में प्रकावन की तारीय वे 45 दिन की जबीध वा तत्यकारणी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वयधि, को बी जबिध बाद में समान्य होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (थ) इस जूथना के समय में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

#### -

(दस्तावेज मं० 2298/84-85, दिनांक 1 7-8-84) सब सम्पत्ति है, जिमका सं० 25/65, जो लिखत महल रोड, नजरबाद मोहरूला, मैसूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दिनाक : 25-3-85

मोहर 🥫

प्रकृष शाह . सी. एम एत .-----

सायश्वर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

क्रायिक्यः, महामञ्चारका प्रकार श्रायुक्तः (निरक्षिण) अर्जेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1985

निदेश सं० 43855/84-85—यतः मुझे, आर० भाग्हाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गद्दचात् 'जबन अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थाप सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से धिक ही

झौर जिया विं 209(1) है, तथा जो उपार प्यालेम आरथाईस, बैंगलूर में, स्थान है (धीर इस: उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्री की जिथा की स कर्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्री इक्ल जिथित्थम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 3-8-1984,

को पर्योगन पराति के उनित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल हो किए अन्तिरित की गई हैं और मुझे यह निश्चास करने का कारण है कि यथापर्योकत सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य, उभके दृष्यमान प्रतिफल से अने हृष्यमान प्रतिफल का पन्दह अभिकान में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती । (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसत उददोष्य में सकत अंतरण किश्वित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- कि) अंतरण से हाई किसी आय की दाात, उक्त कशिंगियम के श्री किया होने के अनुकार के भौता मा कारी / जेव - 12 प्याप के रीत
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हा भारतीय आग्रकर अधिनिरम (१८१४) (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-न्य योगियम (१८५७) (13-7 न्य २०१४) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गर्भ के लिए:

श्वतः अवतः अवतः अधिनियमं की धारा 269-गं की, अनसरण भी, मी, उक्त अभिनियमं की धारा 260-घं की ज्यप्नारा (1) को√अधीन निज्ञितिस्ति व्यक्तितारों, अर्थातः —— 26—66 GI/85

- (1) श्री कें एस० रमेश भीर (2) ए. एस० प्राकाश, सं० 408, -XII मैन, राजा महल विलास एक्सटेशन, बेंगलूर---80।
- (2) श्री दिनेश कुमार चौपड़ा,
  2 श्री गोपाल घरण घौपड़ा,

जयाति बिल्डिंगसँ, एवेन्यू रोड, बेगलूर—2 ।

(अन्तरिती)

क्षे शह भूचनर बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कारवाहिया शुरू करता हु।

उत्तर शम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- १क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की मबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित योधनाय में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सुचना के राजपा माँ प्रकाशन की तारीख सें ४० पिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध पिन्नी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकींग।

स्मानिकारण:—इसमे प्रमुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधिरित्यम के यायाय 20 के में परिभाषित की, बही अर्थ शोग को उस अध्याय में दिया गवा है।

#### नम्सूची

(दस्तावेज सं० 1406/84 विनांक 3-8-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 209, (स्यू नं० 1), (भाग); जो प्यार प्यालेस, आरयार्डस, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारकाच सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दितांच : १६–५-१5

गोंकर

प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस . - - -

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकाड

अर्थन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 43841/84-85— यत. मुझे, जार० भारहाज,

कायकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचान प्राप्त अधितियम कहा गया है), की भारा 269-क क अपीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० आर० एस० नं० 353-1एल, 354, टी० एस० नं० 228-1एल, 229 है, तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित हैं (प्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांप पूर्णस्य से विजित्त हैं), रिजस्ट्रीचर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 27-8-84,

फो प्रोंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दूश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्थाप्वोक्त जपित का उपित बाजार मृत्य, उभाने प्रामान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल वा चाच्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल विम्हां मिना विद्या में उपने बन्तरण में निरिष्ट तास्त्विक क्ष्य से किथिय नहीं किया गया है:—

- (क) अन्यरण के हुइ किसी बाय की बायत क्रम्स विश्विषय में वर्षीय कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कती जरने वा उससे गमने में सुविधा के लिए; कीर/या
- (था) ऐसी किसी आव का किसी धन मा अन्य का नित्यों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यालनाथ जन्तरिती उजारा प्रकट नहीं किया गया कर राजिया जाना आहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यारा ह---- (1) श्रीमती नर्वान जार० कामत,"श्रीराम दाम", पण्डेश्वार न्यू रोड,मंगलूर टाउन ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० मुरलीधूर,
2. मेमसं चन्द्राकाला, "सम्पत सदन",
निपर होम फार एजंड, कनकानाडि
मंगलूर—2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शह्म में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्था के राज्य में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर भम्पित्त में हितबय्ध किसी अन्य व्यक्ति अवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विशेषात में विष्णु या सकींगे।

स्थाध्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उनक बिधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को तस अध्याय में दिव नवा है।

#### अभूसूची

(दस्तावेज सं० 796/84, दिनांक 27-8-84)

सम्पत्ति है, जिस ता शार० एस० नं० 353/1 एल, 354, टी० एस० स० 228/1एल, 229, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है।

आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

**वि**नांक : 25-3-1985

मोहर 🖫

प्रस्प बार्ष टा. १४. १४ व्यानावाका (1) मेन्सं त्र

नामकर निभित्तियम, 1961 (1961 सन 43) वहीं भाड़ा 269-भ (I) के बभीत सुमना

#### भारत बरकार

कार्यासय, बहायक आएकर आयुक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज, बंगलूर

यंगलूर, धिनांक 4 अप्रैल 1985

निदेश सं० 43769/84-85—यतः, म्झे, आर० भारद्वाज, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके परवास् 'उसस अभिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सम्म प्रापिकारी की यह निक्नास करने का कारण है कि स्वापर सम्पत्ति, जिसका स्थित बाबार मुख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 15 है, तथा जो इन्दिगतगर -। स्टैज, बेगलूर में स्थित हं (श्रीर इस॰ उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जियान, दिनाक 16-8-84,

को बूमेंकित संस्पत्ति को उपित बाबार मृत्य सं अन्त के द्वायमान प्रतिफल को लिए, अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण हो कि मध्ययरिष्ट सम्मित मा उपित बाबार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे ख्यामान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकान का पन्छ प्रतिकान के विश्वास तो अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिषी (अन्तरितियां) के बीच एम अन्तरण के विष् त्य पान नयः प्रतिकास, निम्मिसिस उप्योपों से उन्त बन्तरण पितिसत में साराविका स्था से किया नया है:——

- (क) जन्मप्रभ ने हुई किसी आप की बायस क्यार विध-विध्य की बधीत कर कोर को अन्तरक को बाँगित्य में अभी कन्नने वा तकते वसने में कृषिया को सिक्; और/मा
- (स) एसी किसी मान वा किसी थन वा क्षण जास्तिकों हो, जिन्हों भारतीन वाय-कर अभिनित्रम, 1922 (1922 का 11) या उपल अभिनित्रम, वा भन-कर अभिनित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रनट नहीं फिया नमा वा का किया जाना चाहिए था, किया सिवा के जिए;

बक्तः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के बनुसरण मा, की, उक्त संधिनियमं की घारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, 'निम्नीसिक्त व्यक्तियों, अभीत् र—— (1) मेयर्स ए० सुदरणनाम्मा, सं० 36, ाप्रतिव आंबन्यू, मदास—18 ।

(अन्तरक)

(2) मे रसं श्रोराम इडस्ट्रोज, पार्टनर — वी वाला-सुत्रामणियन, "रामाधिया", नं० 2, 111 कास, गुप्ता लेघौट, अलसूर, बेगलूर-8 ।

(अन्तरिती)

सक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में सीहर भी वास्त्रेय हु-की यह सूचना बारी करक पूर्वोक्त सभ्यत्ति में अर्थन के जिल्ल कार्याहिकों करता हो।

- (क) इस स्थान औ राज्यपत्र में प्रकाखन की हारीच से 45 दिन की नवीध मा तत्संवधी स्थिताओं पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को मी जयि बाद में समाप्त होती हो, को मीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।;
- (स) इस अच्चा के राभपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में दित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रस्ताकारी के पास निरिचत में किए जा सकति।

स्पाक्षीकरणः --- इसमें प्रमुक्त बाब्से और पतों का, की उक्त विभिनियम, के जम्माय 20-क म परिभाषित हाँ, मही जर्ण हांगा, को उस कमारा में विभा भवा है।

ननस्थी

(दस्तावेज सं० 1439/84, दिनांक 16—8-84) सन्पत्ति है, जिपकी स० 15, जो उन्दिरा नगर I, स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज यक्षप प्राधिकारी यहायक श्रायक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलर

षिनांक : 4-4-85

मोहर 🏚

प्रकृप नार्चा, टी. एन. एस. - - - ---

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प् (1) के ब्योन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज वेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 25 मार्थ 1985

निर्देश सं ० 43907/84-85-श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की धार 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित याजार शृंख्य 1,00,000/- रहे. से अभिक है

कौर जिसकी सं० 2877-2878 है तथा को I मैन लागकर मोहल्ला मैसूर में स्थित है (और इससे खपावछ प्रमु-सूची में और पूर्ण सप से वणित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 31-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन, दिनांक 31-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त की पहें हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित का अप क्रिका का उपित का अप करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित का अप प्रसुत्त स्थान प्रतिकत के पहें हैं और मुक्ते प्रतिकत का अप प्रसुत्त करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित का अप प्रसुत्त करन का कारण है कि विश्वास करन का कारण के लिए तय प्राप्त निया प्रतिकत कि विश्वास का विश्वास करन का स्थान का कारण कि लिए तय प्राप्त निया प्रतिकत निम्निसिस्त उद्योग से उक्त करनरण कि लिए तय प्राप्त निया प्रतिकत निम्निसिस्त उद्योग से उक्त करनरण कि लिए तय प्राप्त निया प्रतिकत करनरण कि लिए तय प्राप्त निया प्रतिकत करनरण कि लिए तय प्राप्त निया प्रतिकत करनरण कि लिए से कारण का सिस्त में वास्तिक रूप से कि विश्व नहीं कि वा नया है :---

- (था) मुक्तरण वे हुए कियी नाम की भावछ, अवस्य गृथिनियम को नभीन कर दोने को अन्तरफ की वादित्य में कमी करने वा सससे तथने में सुविधा के लिए; गृरि/वा
- [क] एसे किसी जाव वा किसी भनु या अन्य अतिस्थाने को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत-कुष अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्रियम, की जिए।

बर्ध वर्ष, उन्त विधित्त्व की भारा 269-य में अजुस्त्रक वें, में, उन्त विधित्यम की भारा 269-य की उपधार (३) के वधीन. निम्मतिथित स्थितवारें, व्यक्षि हिन्स

- (1) श्री एन० भ्रार० सुब्बा राव और एस० रामास्वामी नं० 2877 हल्लादाकेरि, 1 श्रास लशकर, मोह्ल्ला मैसूर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्रा सूरि जैन ज्ञान मन्दिर, भैसूर, रेप्रासेन्टेड वे इटस मेम्बर्स ।

(भ्रन्तरिती) ं

का यह मुचता जारों करक पूर्वीकर सम्पत्ति के वर्जन के ,िसए कामजाहिया शुरू करता हुए।

उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के रूकत्व में कार्द्र भी क्षाक्षण :----

- (क) इस गूचना क राज्यप में प्रकारन का तारीस कु 45 दिन की गविष था तत्सम्बन्धी अवित्तयों पर सूचना की सामीन सं 30 दिन की अयिष, जो भी अविष बाद में रहाया होती है.. के भीतर प्रवित्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा,
- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकांगे।

स्पर्ध्वाकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अगुसूची

(दस्तावेज सं० 2541/84 दिनोक 31-8-84) सम्पास है. जिसकी सं० 2877-2878 हुःलादाकेरि,  $I_{s}^{\perp}$  सैन लशकर मोहल्ला, मैसूर, में स्थित है ।

आर० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आधुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कंगसूर

दिनांक : 25-3-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) मर्जनरेज, चेंगलूर

बेंगलू , दिनांक 16 मार्च 1985

निवेश सं० 43905/84-85-अत : मुझे, आर० भारकोज, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसनी रं० 4728 है, तथा को शिवाकी राव रोड-I दास, एन० आर० मोहल्ला, मेंसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुख्तों में और पूर्ण रूप संविणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 24-8-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्यास करने
का बारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
पाजार मूल्य, उस हे दश्यमान प्रतिफल से, एसे
दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकट से अधिक है
और अंतरक (अत्रको) और अंतरिती (अंतरित्यों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्दोध से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत
नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्चे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर इधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एच० भी० परामेखारा राव,
  2. एच० भी० प्रकाश राव, 3. एच० भी० रामा
  राव, 4. एच० भी० विश्वनाथा राव, नं० 4728,
  शिवाजी रोड, 1 श्रास, एन० भार० मोहल्ला, मैसूर।
  (धन्तरक)
- (2) डाक्टर थी० थी० भीटर , सं० 4728, एन० ग्रार० भोहरूला, भैसूर । (भन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितब स्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्स्**र्जी

(दस्तावेज सं० 2463/84, दिनांक 24-8-84) सम्पत्ति है, जिसकी सं० 4728, जो शिवाजी राव रोड, I त्रास, एन० ग्रार० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> आरं० भारकाण सक्षम श्राह्मिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण), धर्चन रख, सेंसकूर

दनौक : 16-3-85 ₹्

<sup>ह</sup>मोहर 🖫

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 15 ग्राप्रैल 1985

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 71/85—86——श्रत: मुझे, एम० जगनमोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00 000/- रा. से गिथिक हैं
और जिसवी सं व्याद है, जो रेड हिल्स हैदराबाद में स्थित है (और
भससे उपाबद श्रनुसूची मे और पूर्णस्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्का श्रीक्षकारी के कार्यालय हैदराबाद ने भारतीय रजिस्ट्रीकरण
श्रिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन, दिनांक 8/84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम कं दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) श्रावरण से हुइ किसी बाय की बायत, समझ जिल्लाम के अधीम कर दोने के बंतरक के शायित्व में कमी करने याँ समसे ब्याने में कृष्धिम के बिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः अव, उपत मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, वी, उपत मधिनियम की धारा 269-म की उपकार (1) वी मधीन, निम्मलिसिस व्यक्तियों नथात् ६६म०/६स० सन रैज जिल्डर्स,
 11-5-348, रेड (हल्स,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) के० नागेस्वाराम्मा, 5-5-425/69। मुकरमजाही रोड, हैवराबाद।

(भन्तरिकी)

को यह सूचना बारी कर्क पूर्वीयत सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यशाहिया करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि या मी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर ने में मी प्रक्रियों में मी प्रक्रियों में में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर में सामाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर ने में में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर समाप्त हो कर समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर समाप्त होता हो हो कर समाप्त हो कर समाप्त हो कर समाप्त हो कर समाप्त होता है के भीतर पूर्वों कर समाप्त हो हो है के भीतर पूर्वों कर समाप्त हो हो है के भीतर पूर्वों कर समाप्त हो है के भीतर पूर्व है के भीतर पूर है के भीतर पूर्व है के भीतर पूर है के भीतर पूर्व है के भीतर पूर है के भीतर पूर पूर है के भीतर पूर पूर है के भीतर पूर है के भीतर पूर है के भीतर पूर पूर है के भी
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी मन्त्र स्थावन द्वारा, अथोहस्ताकारी को पास सिवित में किए जा सकोंगे।

#### वनस्या

प्लाट नं० 407 श्रष्ठन श्रपार्टमेंट में रेड हिस्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 865 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4112/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षणारी हैदराबाद ।

> एम० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, हैदराबाद

विमांक: 15-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

#### भारत तरकार

कार्यासयः, सहायक कायकर जाग्वस (निराँकण) ग्राजीन र्जि–।।, कलकस्था

कलकरता, दिनांक 27 फरवरी 1985

निदेश सं० ए० सी० रेंज-॥ कल०/1984-85--म्रतः भृष्के, एस० के० बनार्जी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

कौर जिसकी सं० 29 और 29६/2 है, तथा को राम कृष्त समाधि रोड, कलकरू।—54 में स्थित है और ६ससे उपाबक अन्सूची में और पूर्ण रूप से वीणत है) रिजस्ट्रीकर्का श्रीक्षकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षतियम, 1908(1908 का 16) के श्रक्षीन, दिनांक 13-8-84,

की प्रवाक्त सम्पत्ति के उभिन वाजार मत्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक का निम्मलिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिकित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिष्म के अधीन कर दीने के अन्तरक के वापित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के निष्य और/या
- (का) एसी किसी आय या विस्ती धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना पाहिए था किया में सुविधा के लिए:

अतः वन, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के बृत्सरण भा, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधरि (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) श्रीमती भगवति देवी चमरिया

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर सिंदानिया

(धन्तरिक्षी)

को यह स्चना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कृोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (म्ह) इस गलना के गुजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमी अयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुमुची

जभीन:-1265 वर्ग पुट प्लाट

पता :—29 और  $29\sqrt{2}$ , राम कृष्ण समाधि रोड, प्लाट नं -2बी, कलकत्त--54

सक्षम प्राधिकारी के पास 13.8.84 तारीख में राजिस्ट्री-हमा।

र्राजस्दी का %मिक संख्या --- 1984 - 85 का 19

एस० के० बनार्जी सक्षम ग्राधिकारी सहायक भायकर श्राधुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II कलकका 54, रफी श्रहमद किववई रोड, कलकरा—16

विनांक : 27-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाह् टी. एन. एस. -----

·

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रकृत रेज-, कलकरा

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1985

निर्वेश सं० ए० सी०-110/रॅज-II/कल०/1984-85--- मतः मुझे, शेख नर्दम्हीन,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित, जिसका उच्चित बाजार म्स्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं।

कौर जिसकी सं० 15 सी० और 15 की० है तथा को चेतला कोड, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूकी में और पूर्ण कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकाकी के कार्यालय, इसक आरंक एक कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 18-8-84,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकास के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य - उसके दृष्यमान प्रतिकाल से. एसे दृश्यमान प्रतिकाल कर पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) वस्तरण से हुइ किसी जाय की शब्द अक्त जिल्लाम के बधीन कर दोने के छ-तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में श्रीविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा असे लिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के अनमका में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीत, विमनिलिक्त व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री चिरांजन धायव और भन्न

(भ्रन्तरक

(2) भ्रनसज ट्रस्ट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारित हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्भित्त में हित्रप्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में पिएशा विश है, बही अर्थ होगा जो लास अध्याय के जिल्हा गया है।

#### **अनुसूची**

जभीन — 20 ा 8 हिटाक जभीन का साथ मकान पता—15 सी० एवं 15 बी०, चेनला रोड, कल्कसा । दिलल संख्या—एस० श्रार० ए० कलकत्ता का 1984 का श्राई—10550 ।

> भेख नईम्हीन सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-॥/कलकता 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकता—16

विनांक : 22-3-1985

मोहर ः

#### संघ लोक सेवा आयोग

#### नोटिस

अनुमूचित जाति/अनुमूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए ग्रेड-। (अवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परोक्षा 1985 ।

#### नर्इ दिल्ली, दिनांक 18 मर्इ, 1985

सं. एक. 25/3/85 प । (स)—भारत सरकार के राजपत्र दिनांक 18 मई, 1985 में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित संवाओं के ग्रेड-1 की चयन सूचियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों के सामने, और नाम जोड़ने के लिए संघ लोक मंद्रा आयोग द्वारा बंबई, कलकता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विद्रोग स्थित के कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 24 सितम्बर, 1985 से एक सम्मिलत सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

- अयागे यदि चाहे तो उक्त गरीक्षा के उपर्यक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसंद के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी जागोग पेरिस्थितियश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। नीचे अनुबंध का पैरा 7 देखिए)।
- 2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में अती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुवानित संख्या का विवरण इस प्रकार है।

#### वर्ग I

केन्द्रोय सिचनालय का ग्रेड I 10 (अ० जा०तथा घ्र० ज० जा० के लिए अलग-अलग रिकितयों की संख्या सरकार ने नहीं दी है)

#### वर्ग 🔢

भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग का ग्रेड 1/8 (ग्र० जा के लिए 5 क्षथाः अ० ज० जा० के लिए 3)

#### वर्ग III

रेल बौर्ड सिचावालय सेवा का 1 (अ० जा० के लिए) ग्रेड I

उपर्युक्त.संख्याओं मे परिवर्तन किया जा सकता है।

- उम्मीदवार अपने आयोदन-पत्र में उस वर्ग का स्पष्ट रूप से अवश्य उल्लेग करों जिसके लिए वे प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं।
- 4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार संलग्न आविदन-पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलप्र हाउत्स, नई विल्ली-110011 को आवेदन करें। निर्धारित आवेदन-पत्र तथा परीक्षा से सबव्ध पर्ण विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलप्र हाउस, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त किए जा सकते हैं। 27—66 GI/85

टिप्पणी: — उम्मीदवारों को चतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र अनुमूचित जाति तथा अनुमूचित जान जाति ग्रेड-१ (अवर मचिव) सीनिस विभागीय परीक्षा 1985 के लिए संलग्न निर्धारित आवेदन-पत्र पर ही प्रस्तुस करें। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित आवेदन-प्रत्र से अलावा अन्य आवेदन-प्रत्र पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हां आ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के माथ सिखव, संघ लोक सेवा आयांग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 कां 1 जुलाई, 1985 (1 जुलाई, 1985 से पहले ही किसी तारील से असम, मंघालय, अरुणांचल प्रदेश, मिजोरम, मणि-पुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाल प्रभाग, हिमाचल प्रदंश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चंवा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकाबार द्वीप अस्ह या लक्ष्द्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदिवारों के मामले में 15 जुलाई, 1985) तक या उससे पहले अवश्य भिजवा दिया जाए। निधारित तारील के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागा-भैंड, त्रिपुरा, सिकिकम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकांबार द्वीप समूह, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा घम्बा जिले के पांगी उपमंडल या लक्षव्वीप और विद्यों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहो तो इस बातका लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 1 जुलाई, 1985 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उप-मंडल अंडमान और निकांग्रेग क्वीप समूह या लक्षव्वीप या विद्योगों में रह रहा था।

टिप्पणी:—जो उम्मीदवार एसे क्षत्रों के हैं जहां के रहने वाले आबंदन की प्रस्तृति होतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवंदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार स्वाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात असम, मेंघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्बार प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए बन्नाया हो सकना है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिल सके।

एम वालकृष्णन उप स**न्यिय** , संघ लॉक सेवा आयोग

#### अनुबंध-।

#### उम्मीदवाररों को अनुद्रोग

1. उम्मीदवार आवंदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और निय-मावली को ध्यान से पहकर यह दोन लों कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी है या नहीं। नथिति शतीं में छूट दी जा सकती है। आवंदन-पत्र भेजने से पहले इम्मीदवार को निर्दिस के पौरा-1 में दिए केन्द्रों में से विसी एक की, जहां यह परीक्षा देने का इच्छा हो, अंतिम रूप से चन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना नाहिए कि दोन्द में परिवर्तन में संबद्ध अनुरोध को सामान्यता स्वीकार नहीं किया जाएगा किन्त यदि कोई उम्मीदवार अपने जर केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होते अपने आवेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस वात का प्रा औचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक में आवश्यक भेजना चाहिए कि यह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चएना है। एमें अनरोधों पर गणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्त 24 अगम्त, 1985 के बाद अपन अन्रोधों को कियी भी रिथित में स्वीकार नहीं। किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदरार किसी विदेश स्थित भारतीय रिश्त में परीक्षा दोना चाहता है तो उसे अपनी गर्मद के क्रमान्सार दो अन्य भारतीय मिणत (वह स्थयं जिस दोश मो है उससे भिन्त दोशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप मो दोने चाहिए । आयोग यदि चाही तों, उम्मीदवार को उसके द्वारा उल्लिसिट तीन । किशनों में में किसी एक में परीक्षा से बैठने के लिए कर सकता है।

2. उम्मीदिवारों को आवेदन-प्रपन्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ पे स्याही से या बाल पांडट पेन से ही भरने चाहिए। अधरा या गलन भरा हुआ आवेदन-पत्र ,अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह 'यान रखे कि ाकेरत-पर्शे को शरते तमय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदत-पत्र मो की गयी प्रवि-ष्टियां स्पष्ट और स्पाद्य हो। यदि अविष्टियां अपाठ्य या भामक होंगी तो उनके निर्वाचन में, होने वाले भ्रा तथा लंदिग्या के लिए उम्मीदवार उत्तरवायी होंगे।

उम्मीदियारों को यह और ध्यान रखना चाहिए कि आयोग आवे-दन-पत्र में उनके ब्वारा की गयी प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेवन-पत्र सही रूप में भरने के लिए निकोण सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदशर को अग्ना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फात हो भेजना चाहिए जो मंगत पिटाउँटयों का सत्यापन करको आवेदन-पत्र के अंत में दिये गये पष्ठांकन को अर कर टायोग को भेज होगा।

- 3 उम्मीदवार अपने आवेदर-पत्र हो साथ निम्निलिकत पत्र अवध्य भेजें।
- (1) उम्मीदबार के हाल ही के एरण आकार (लगभग 5में मी. × 7 में मी ) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां को कि यह आवेदन-एट एर और टासरी उपरिश्वति एशक हो निर्धारित स्थान एर चिपालाई गई हो। अस्मीदबार को फोटो की प्रत्यक प्रति पर सामने हो आर स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।
- (2) लगभग 11.5 से मी ×27.5 से मी आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफो जिन पर अपना पता लिखा हो।

(3) विधिनत् भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आवेदन-प्रपत्र , के साध गंगारा)

''न्यानीयनार यह ध्यान रखे कि आवेदन-पत्र के साथ मंतरन ज्यमिश्रीत परक पर के अपने नाम तथा परीक्षा केन्द्र के अलावा कोई अपन प्रविध्यित करी।

- 4 जम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई भूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।
- 5. आवेटन-पत्र दरे में प्रस्तत किए जाने पर दरे के कारण के ख्य में इन्हें हर्की स्वीकार किया जाएगी कि आवेदनप्रपत्र को अमक तारीक्ष को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सृचक न होगा कि उसे पाने वाला परीक्षा से बैठने का पान हो गया है।
- 6 आगांग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवदेन-पत्र की पावती दी जाती है तथा आवदेन-पत्र की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवदेन पंजीकरण मंख्या जारी कर दी जाती है। यदि किमी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवदेन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारील में एक माह के अंदर पावतीं नहीं फिलती है तो उसे तत्काल आगोंग में पावती होत् मंपक करना चाहिए।

इस लक्ष्य का कि उम्मीद्यार की आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी एकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर निया गया है।

- 7 इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवीर को उमके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाधीय दे दी जाएगीं। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा यदि परीक्षा में शरु होने की तारीस से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-एत्र के परिणाम के बारों में संघ लोके सेव[ आयोग से कोई स्चना न मिले तो परिणाम की जान-कारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एत्सा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदबार को सं.
   लो. सं. आ से कोई यात्रा-भक्ता नहीं मिलेगा।
- 9 आवेदन-एम भे संबंध पत्र व्यवहार आवेदन-एम से संबंध पत्र व्यवहार कावेदन-एम से संबंध मंत्रकृष कावेदन-एम आवेदन-एम स्विष्ट्र हाउन्हर, नहीं दिल्ली-110011, को भेजे जाए तथा उनमें नीचे विवा आरी अनिवार्य रूप से दिया जाए :--
  - (1) परीक्षा का नाम
    - (१) परीक्षा का मास और वर्ष
- (१) उन्हीत्यार की आवेदन पंजीकरण संख्या अनुक्रमांक अथवा जन्म विधिः एदि आवेदन पंजीकरण संख्या अनुक्रमांक सचित नहीं किया गया है।
  - ( े उम्मीत्वार का नाम (पूरा तथा बड़े में)

(5) आवेदन-पत्र में दिया पत्र-व्यवहार का पता
विशेष ध्यान :—जिन पत्रों आदि में यह क्योरा नहीं होगा
संभवत उन पत्रो पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशेष ध्यानः—(2) परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीदवार सं कोई प्रा/सूचना प्राप्त होती है और उममें पूरा हास अनुक्रमाक नहीं लिखा है, ता उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और काई कार्रवाई गृहीं की जाएगी।

10 पते में परिवर्तन — उम्मीदवार को इस बात की व्य-वरथा कर ननी नाहए कि उसके आवदन-पत्र में उन्लिखित पत्ते पर भंज गए पत्र आदि, आवश्यक हाने पर उसके बदले हुए पते पर भिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्यवत परा 9 में उन्लिखित व्योर के साथ यथाशीघ क जानी चाहिए यद्यपि आयोग एसे प्रि-वर्तनो पर ध्यान दने का पूरा-पूरा प्रत्यन करता है फिर भी. इब विषय में वह काई जिम्मदारी स्थीकार नहीं कर सकता।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 9th March 1985

No. A-32013/3/84-Admn,II.—In continuation of this office notification of even number dated 15-11-84, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. M. Sharma, Superintendent (DP) of the office of Union Public Service Commission, to the post of Assistant Controller (DP) (Group 'A' Rs. 700-40-900-EB-1100-50-1300) on ad-hoc basis in the Commission's office for the further period from 11-3-84 to 31-10-85 or antil further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri M. M. Shaima as Assistant Controller (DP) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the grade.

#### The 1st April 1985

No. A-38013|8|84-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri S. K. Arora, a permanent Section Officer and officiating Desk Officer of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st March, 1985 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O. M. No. 33|12|73-Ests(A) dated the 24th November, 1983.

#### The 8th April 1985

No. A-12034/2/83-Admn.II(ii).—In continuation of this office Notification No. A-12034/2/83-Admn.II(i) dated 29-10-1984, the Chairman. Union Public Service Commission. hereby appoints Shri V. R. Mani, Junior Research officer (Lang.) to the post of Senior Research Officer (Lang.) on ad-hoc basis in the Commission's Office for a further period of 6 months w.e.f. 13-4-1985 to 12-10-1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri V. R. Mani as Senior Research Officer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Senior Research Officer.

#### The 11th April 1985

No A-12022/1/85-Admn.H.—In pursuance of Department of Official Language O.M. No. 5/7/85-OI(S) dated 1-3-1985, Shri Yogendra Nath Gupta, is appointed as Deputy Director (Official Language) (CSCI-Group 'A' Pay scale Rs. 1100-1600) in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 21-3-1985 until further orders.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th April 1985

No. 40|PRS|012.—On completion of his deputation as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, Shri A. C. Panchdhari (Central Engineering Service), is relieved of his duties with effect from the afternoon of 2nd April, 1985 and his services are placed at the disposal of the Ministry of Works and Housing with effect from 2-4-1985 (AN).

#### The 23rd April 1985

No. 2/13/84-Admn.—Consequent upon acceptance of his notice for voluntary retirement by the Director General of Works, C.P.W.D. Shri R. K. Bhalla, Assistant Technical Examiner (Horticulture) is relieved of his duties in this Commission w.c.f. the afternoon of 22nd April, 1985.

K. L. MALHOTR 4 Under Secy. (Admg.)

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th April 1985

No 5/1/85-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri S. Sen, Supdt. Police to officiate as Dy Inspects General of Police in the Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 24th April, 1985 and until further orders.

No. 5/1/85-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri K. Madhavan, Superintendent of Police, to officiate as Dy. Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 24th April, 1985 and until Jurther orders.

K., CHAKRAVARTHI Dy. Dir. (Admn.)

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110 003, the 26th April 1985

No. O.II-1941/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. N. Laxman Rao as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 5th April, 1985 for a period of three months or till regular incumbent joins, whichever is earlier.

#### The 27th April 1985

No. O.II-1301/76-Fstt.—Consequent upon his retirement from Government service, Shri Hari Singh relinquished the charge of the post of Dy. S. P., 52 Bn, C.R.P.F., on 31-3-1985 (AN).

#### The 29th April 1985

No. O.II-2007/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Rani MTC as Junion Medical Officer in CRPF on an  $\mu d$ -hoc basis with effect from 27-2-85 to 22-3-1985, afternoon.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt. Dir. (Estt)

#### DIRECTOR GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 25th April 1985

No. E-16013(2)/15/82-Pers 1.—Consequent upon his repatriation to State Cadre on completion of Central députation terms, Shri A. K. Saxena IPS (Raj: 73) relinquished charge of the post of Assistant Inspector General (Pers) with effect from the afternoon of 22nd April, 1985.

#### The 26th April 1985

No. E-16015(3)/17/84-Pers I.—The President is pleased to appoint Shri Ajit Singh, as Commandant CISF Unit OTPP Obra with effect from the afternoon of 9th April, 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-1985 or till such time regular appointmentate made, whichever is earlier.

(Sd.) JLLEGIBLE Dir. Genl./CISF

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS COMMITTEE ON CHANGE IN FINANCIAL YEAR

New Delhi, the 30th April 1985

No. CCFY-2(7)-A/84.—Consequent upon the completion of the term of Committee On Change In Financial Year, Shri N. M. Majumdar, IAS (UP: 57) relinquished charge of the post of loint Secretary in this Committee with effect from the afternoon of 30th April, 1985.

J. P. MISRA Administrative-cum-Accounts Officer

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 24th April 1985

No. Admn. I/O.O. No. 105.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Nirmal Ved Bansil a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th April 1985. His date of birth is 23rd April 1927.

No. Admn. I/O.O. No. 106.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri B. C. Duss, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th April, 1985. His date of birth is 6th April, 1927.

#### The 27th April 1985

No. Admn. I/O.O. No. 110.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints the following permanent Section Officers (now Assistant Audit Officers) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the afternoon of 22-4-1985, until further orders.

- 1. Shri D. K. Joshi
- 2. Shri R. M. Gautam.

M. L. KHURANA, Dy. Dir. of Audit (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENRAL (AUDIT) I Madhya Pradesh

Gwalior, the 15th 'April 1985

No. Admn. XI/Gr·J/Promotion/AO/25/45—Th accountant General (Audit): I Madhya Pradesh Gwalior has been pleased to promote Shri G.P. Agrawal. Asstt. Audit Officer as Audit Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the date of his taking over as noted against him:—

Name	Permanent	Date of taking	Allocated
	No.	over	t o
Shri G.P. Agrawa	1 01/312	8-4-1985 F.N.	A.G. (Audit) 11 M.P.

[Authority: A.G. (Audit): I Orders' dated 1/10.4.1985]
M. DEENA DAYALAN
Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MAHARASHTRA

Bombay, the 29th April 1985

No. Admn.I/Genl./31-Vol.III/C-1(1)/15.—The Accountint General-I (A&E, Maharashtra, Bombay, is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Accounts Office<sub>18</sub> from the dates mentioned against their names until further orders.

- 1. Shri N. T. Ganorkar--8-4-1985 F.N.
- 2. Smt. S. V Javadekar-8-4-1985 F.N.

S. VISWANATHAN, Sr. Accountant General/Admn.

#### MINISTRY OF LABOUR

### DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 26th April 1985

No. 33/4/84-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service & Labour Institutes, Bombay

is pleased to appoint Shri S. P. Bhattacharyn as Assistant Research Officer, Regional Labour Institute, Calcutta under the DGFASLI Bombay in an officiating capacity with effect from 10-4-85 (F.N.)

S. B. HEGDE PATIL, Dy Director General of Head of Department

#### MINISTRY OF COMMERCE AND SUPPLY

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 16th April 1985

No. A-12025(iii)/3/83-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from the 29-12-1984 and until lurther orders Shri Bhawan Singh Pal as Assistant Director Grade-II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Calcutta.

No. A-32015(1)/84-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from 17-10-1984 and until further orders Sh. B. K. Vyas, Assistant Director, Grade II (Non-Technical), in the Weavers Service Centre, Bombay.

V. K. AGNIHOTRI Addl. Development Commissioner (Handlooms)

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 20th April 1985

No. A-1/2(440).—Shri P. C. Verughese, Superintendent (Level II) in the office of Director of Inspection, Bombay is appointed to officiate as Assit. Director (Administration) (Grade II) on purely ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 4th February 1985 and upto 23-3-85 in the leave vacancy of Shri E. I. Devassy, AD (Admn) (Gr. II).

Shri V. C. Verughese, Assit. Director (Admn.) (Gr. II) ad-hoc in the office of Director of Inspection Bombay is reverted to the post of Superintendent (Leve-II) in the same office with effect from the afternoon of 23-3-85.

RAJBIR SINGH Dy. Dir (Admn.) for D. G. of Supplies and Disposals

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 18th April 1985

No. A-1, 1(1258).—The President is pleased to appoint Shri Amar Parkash Jnagal, on his selection by the Union Public Service Commission, to officiate on temporary basis as Dy. Director (Sales Tax) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from the foremon of 17th April, 1985.

RAJBIR SINGH Dy. Dir (Admn)

#### (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 19th April 1985

No. A6/247(49)57.—Shri N. N. Bhaduri permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) and Officiating as Dy. Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service Group 'A') (Engg. Branch) in the Office of Director of Inspection, Calcutta retired from service with

effect from the afternoon of 31st January, 1985 on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR, Dy. Dir (Adonn.)

#### MINISTRY OF INDUSTRY

Transferrence of the state of t

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

#### (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 26th April 1985

No. 12(25)/61-Admn.(G) Vol.III.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Shiappa, Deputy Director (Mech.) Regional Testing Centre with edect from the horenoon of 8-4-1985 until further orders.

No. A-19018(543)/81-Admn.((5).—Shri H. V. Lalringa, an officer of the Indian Administrative Service (MT: 1972) and Director (Gr. I) (Assistance to Engineer Entrepreneuts) in the office of the Development Commission (Small Scale Industries) relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (Assistance to Engineer Entrepreneuts) with elect from the afternoon of 26th February, 1985, on being sanctioned earned leave for preparation for reversion to the Cadre State with effect from 27th February, 1985 to 26th March, 1985.

2. The services of Shui Lulringa' are placed at the disposal of the Government of Mampur after the expiry of the leave granted to him.

No. A-19018 (728)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shii Sunii Kumar Gupta as Assistant Director (Gr. 1) (Chemical) at Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 19-3-85 until further orders.

No. A-19018 (780)/85-Admn.(6).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is picused to appoint Shri M. P. Joshi, Small Industry Promotion Officer (Chemical), Br. Small Industries Service Institute, Haidwani under Small Industries Service Institute, Kanpur as Assti. Director (Gr. II)(Chem.) at the same institute with effect from the forenoon of 18-9-1984 until further orders.

#### The 27th April 1985

No. 12(316)/62-Admn. (G)Vol.III.—The President is pleased to permit Shi S. R. Verma, Director (Gr.II)(Mech.) Regional Testing Centre, Madies to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-3-1985.

C. C. ROY, Dy. Dir (Adme.)

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 23rd April 1985

No. 4228B/A-19012(1-PKU)/82/19A.—Shri R. K. Upadhyay, Assistant Geologist, Geological Survey of India has been released from this Department on resignation with effect from 31-7-84 (AN).

No. 4260B/A-19012(1-SKSR)/79-19A.—Shri Swapan Kumar Sinha Ray, Assistant Geologist has resigned from the services in G.S.I. with effect from 3-10-81 (AN).

#### The 25th April 1985

#### CORRIGENDUM

No. 4439B/A-19012(1-DCLR)/83/19A.—The date of appointment of Shii D. C. Linga Raju, Assistant Geologic in the Geological Survey of India may be read as 21-8-198‡

(FN) invead of 21-8-83 (FN) as notified in this office notification No. 7102B/A-19012(1-DCLR)/83-19A, dated 16-10-84,

A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

#### Calcutta-16, the 24th April 1985

No. 4406B/A-19012(3-IKJ)/80-19B.—Dr. I. K. Jain, Assistant Chemist, GSI, has made over charge in GSI with effect from the afternoon of 6-2-85, for joining Advanced Training Institute, Sion, Bombay.

#### The 25th April 1985

No. 4426B/A-19012(1-DPR)/83-19A.—Shri D. Penchala Reddy is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 28-12-1984, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

#### Nagpur, the 27th April 1985

No. A-19011(221)/78-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Sri R. B. Deshmukh, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in Indian Eureau of Mines in an officiating capacity with effect from 6th April, 1985 (forenoon).

G, C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

#### DEPARTMENT OF COAL

#### COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 29th April 1985

No. Adm. 12(1)/85.—Shri B. Sahay, Accountant has been appointed to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner (Group 'B') in the scale of Rs. 550—25—750—EB—30—900/- w.c.f. 25-2-1985 (A/N).

No. Adm.12(2)/85.—Shri S. Ahmed, Accountant has been appointed to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Wellare Commissioner (Gloup 'B') in the scale of Rs. 550—25—750—EH—30—900/- w.c.f. 26-2-85 (F/N).

No. Adm. 12(3)/85.—Shri B. C. Paul, Head Clerk has been appointed to the post of Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner (Group 'B') in the scale of Rs. 550—25—/50—EB—30—900/- w.e.f. 25-2-1985 (A/N).

R. S. SHIVANI Commissioner

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

#### New Delhi-1, the 22nd April 1985

No. 4(65)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shii N. Babu Rao as Programme Executive at All India Radio, Cuddapah in a temporary capacity with

effect from 1st June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200,

H C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General

#### New Delhi, the 24th April, 1985

No. 17/17/85-S IV—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer in ad-hoc capacity at different Stations/Offices of All India Radio and Doordarshan from the date shown against each till further orders:——

S. No.	Name	Station/Office	Date of joining
1. Shr	i T.K. Cholapathy	DDK, Madras	2-4-85 (FN)
2. ,,	M. Raju	-do-	2-4-85 (FN)
3. ,,	Ramesh Chander	HPT, Khampur	30-3-85 (FN)
4. ,,	Mohd, Mujibur	_	
	Rehman	AIR Dibrugarh	8-4-85 (FN)
5. ,	M.L. Ganbhir	TVRC Bhivani	4-4-85 (FN)
6. ,	H.L. Makker	P.E.U. Door-	
		darshan	•
		New Delhi	30-3-85 (FN)
7. ,,	D.R. Gupta -	AJR Shimla	6-4-85 (FN)
8. ,,	R.N. Naquib	DDK, Srinagar	6-4 <b>-</b> 85 (FN)
٥. ,,	Mohd. Abdur Rehi	HPT Chinsura	5-4-85 (FN)
10. ,,	Asoke Roy	AIR, Calcutta	9-4-85 (FN)

B. S. JAIN

Deputy Director of Administration (E)

for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd April 1985

No. A. 19020/47/77(H) Admn.I.—On completion of his deputation in the post of State Coordination with the Ministry of Health & F.W., Shri H. T. Kansara assumed charge of the post of Health Education Officer (Ophthalmoly) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 15th April, 1985.

B. K. JANA Deputy Director of Administration (G)

#### (E.P.I. SECTION)

New Delhi-110011, the 25th April 1985

No. A-12031/9/83-EPI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Harish Chander to the post of Librarian Grade-I at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of 25th March, 1985 and until further orders.

NARAIN SINGH Deputy Director Administration (PH)

MINISTRY OF IRRIGATION & POWER (DEPARTMENT OF IRRIGATION)
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER,
FARAKKA BARRAGE PROJECT
Farakka Barrage, the 13th February 1985

No. E/PF-II. 267/1258(.).—Dr. Dipesh Mondal is hereby appointed as Medical Officer, Gazetted Group 'B' (General

Central (server) in an efficietine capacity in the Farakka Barrage Project Hospital with effect from  $\frac{1}{29}$ -9-1984 F.N. in the section fravior R. 650–30–740–35–810–EB–35–880–40-1000–F8–40–1200/- plus usual allowances on the terms and conditions as indicated in this office No. E/D-8/(Doctors) 14(2) det d. 17-1-1983.

R. V. RANTHIDEVAN General Manager F. B. Project

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 17th April 1985

No. DPS/2/1(4)/82-Adm.10428.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri R. Sundararajan Assistant, Department of Atomic Energy as an Asstt. Personnel Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of April 11, 1985 until further orders.

P. GOPALAN Administrative Officer

#### PAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323 303, the 25th April 1985

No. RAPS/Rect/7(10)/85/S/531—On transfer from Heavy Water Project, Talcher, Chief Superintendent, RAPS hereby appoints Shri Prakash Chand Jain as Accounts Officer-II in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 16, 1985.

B. G. KULKARNI Administrative Officer (E)

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th April 1985

No. A. 38013/1/84-FC(.),—Shri A. K. Chatterjee, Assistant Communication Officer, Acro. Communication Station. Calcutta in Civil Aviation Department relinquished charge of his office with effect from 31-12-1984 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation

V. JAYACHANDRAN
Assistant Director of Administration

#### MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

#### (DUPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

(COMPANY LAW BOARD)

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES ANDHRA PRADESH.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Methodist Church of India

Hyderabad-1, the 17th April 1985

No. 2744/! A.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the orders of the Hon'ble High Court of Judicature at Bombay in writ petition No. 1096 of 1980 dated 10th September, 1984 that the name of The Methodist Church of Jud'a has this day been struck off the Register and the said Company is dissloyed.

V. S. RAJU Registrar of Companies In the matter of the Companies Act. 1956 and of Eastern Fibre Glass Pvt. Ltd.

#### Calcutta, the 18th April 1985

No. 29193/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Eastern Fibre Glass Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of D. B. & Co. (Indla) Private Limited

#### Calcutta, the 18th April 1985

No. 23110/560(1).—Notice is hereby given pursuant to sub section i(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of D. B. & Co. (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Engineers & Planners Private Limited

#### Calcutta, the 18th April 1985

No. 23950/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Engineers & Planners Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Indian Synthetic Pharmaceuticals Limited

#### Calcutta, the 18th April 1985

No. 20452/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Indian Synthetic Pharmaceuticals Ltd. has this day then struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Power Materials Private Limited

#### Calcutta, the 18th April 1985

No. 20452/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Power Materials Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hornbill Elevator & Engineering Company Private Limited

#### Calcutta, the 18th April 1985

No. 30799/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hornbill Elevator & Engineering Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved,

> H. BANERJEE Asstt. Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Radhakrishna Films Pvt. Ltd.

No. 986/Lig/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Radhakrishna Films Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck of the Register and the said company will dissolved. the said company will dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and in the matter of Sukumar and Company (Kuries) Pvt Ltd.

#### Cochin-602 011, the 24th April 1985

No. 2364/Lig/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Sukumar and Company (Kuries) Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the nutter of the Companies Act. 1956 and in the matter of Kerala Harijan Rubber Works Ltd.

#### Cochin-602 011, the 25th April 1985

oN. 2331/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Kerala Harian Rubber Works Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Krishna Kripa Spinning Mills Ltd.

#### Cochin-602 011, the 25th April 1985

No. 1992/Lig/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Krishna Kripa Spinning Mills Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Deepam Chits and Trades India Pvt. Ltd.

#### Cochin-602 011, the 25th April 1985

No. 2331/Liq/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three months from the date hereof the name of Deepam Chits and Trades India Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE Registrar of Companies 

### FORM I'INS---

(1) Mrs. Farhat Francis, 14-B, Boat Club Road, Pune-1, Now temporarily residing at New Apsara Apartment C-19, 259 Bund Garden Road, Pune-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX' ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mehrab Irani, 85, Koregaon Park, Pune-1.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 1st March 1985

Ref. No. IAC ACQ, CA-5/37EE|9721|1113|1984-85.--Whereas I.
ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Apartment No. 8 siturded on the east side of 4th floor and car park No. 8 admensuring total 219.79 sq. mtrs. in the proposed building to be constructed on R. S. No. 350/A/2 beating 239/11A and 239/11B Boat Club Rd. Punc-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in nurrounce of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mons. Damely :--28—66 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Apartment No. 8 situated on the East side of Fourth floor and Car Park No. 8 admeasuring total 219.79 sq. mtrs. in the proposed building to be constructed on R. S. No. 350/A/2 and bearing 239/11A and 239/11B known as 14-B Boat Club Road, Pune-11.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9721/84-85 in the month of January 1985).

ANTL KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 1-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th March 1985

Ret. No. IAC ACQ/CA-5/1112|84-85|37EE|8591|84-85| Thane.---Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

No. "Vivek Apartments" Flat No. 7, Plot No. 40m., Anand Nagar, Navgher, Vasai(W) Dist. Thane

situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I. A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vimal Enterprises, 303 Star Crystal Apartment, Sodawala Lane, Borivli (W) Bombay-92.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Chandra Varma and Smt. Geetha K. Varma, Flat 406, Nirman Cottage, Fori Road, Versava, Bombay-61.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Vivek Apartments" Flat No. 7, Plot No. 40, Anand Nagar Navghar, Vasai(W), Dist. Thane.

(Area 515 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8591/84-85 in the month of September 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 4-3-1985

Seal ;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th March 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1111|84-85|37EE.5669|1984-85.—Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C.S. Nos. 67, 68, 69, 70, 71 & Theatre Building (1) Old Bldgs, constructed in 1955 and Canteen Buildings constructed in 1971

situated at Sangli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registration of Conference of the Registration of the Regist

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1. A.C., Acqn. Range. Pune in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sai Act, in respect of any income arising from the lansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1'i of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Somehand Mauchand Shah, 290, Vakhar Bhag, Sangli.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Phadtare, his three sons viz. Ashok, Sunil, Anil and Madhayrao Bhagwanrao Pawar and his three brothers viz. Sarjerao, Bhimrao & Prakash. All of Tasgaon, Dist. Sangli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

C.S. Nos. of 67, 68, 69, 70 & 71 & Theatre Building (1) Old Buildings constructed in 1955 and Canteen Buildings constructed in 1971

(Property as described in the agreement to sale regutered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5669/84-85 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Peona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numely:—

Date: 4-3 1985

Scal ;

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th March 1985

Ref No. IAC ACQ/CA-5/1110|84-85|37EF|6308|1984-85,—Whertas I, ANIL KUMAR,

tems the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Plot 50, S. No. 88/4+138+161 Kothrud, Pune

gransfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A C., Acqn. Range, Pune in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen percent of such apparent consideration and that the unsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. Yugma Promoters & Builders, 339, Mahatma Phule Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Kianti M Ambekar & Shri Machhendra, B Ambekar, 332 Guruwai Peth, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULR

Flat No. 2, Plot No. 50, S. No. 88/4+138+161 Kothrud,

(Area 510 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6308/84-85 in the month of September 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 4-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACOUISIOON RANGE PUNE

Pune, the 16th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-G|980|1984-85.—Whereas, I, ANII KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 1, S. No. 37/2 Bunglow+land at Sangameshvar Fal. Malegien, Dist, Nisik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S R. Malegaon Nasik in Jan 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shu Tirathsing Santasing Thakaraj at Santagameshvar. Tal. Malegaon, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Krishnaji Ramchandta Sonar, 259 Mamlatdar Lane, Malegaon, Dist. Nasik Malegaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Plot No. 1, S. No. 37/2, Bunglow-land at Sangameshvar, Tal. Malegaon, Dist. Nasik.

(Area 469.9 mcters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Malegaon, Nasik, under document No. 980 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, margely:—

Date: 16-3-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 21th March 1985

Ref. No. IACIACO CA-5|5737|1134|1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Shop No. 2 on ground floor area 275 sq. ft. in building called Trupti Apartments, 247/1 Rusta Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Runge, Pune in Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) M/s. Makwana Construction Co. (S.S.W) Divine Terrace 911-914, Synagauge Street, Pune Camp, (Transferor)

(2) Smt. Karuna V. Nath, 589, 3rd Cross Mahalaxmi Lay Out, Banglore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nnd/or

(b) l'acilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2 on ground floor area 275 sq. ft at building called Trupti Apartments, 247 | 1 Rasta Peth, Pune,

(Area 275 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under decument No. 5737 1984-85 in the month of August 1984.

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons.

A Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section, 269°D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 21-3-1985 Seal:

(1) M/s. Rajendra Associates, 619 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Diwalibai Sampaciaj Nahar. 721 Guruwar Pcth. Pune-2. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 21st March 1985

Ref. No. IAC|ACO|CA-5|1133|37-EE|6330|1984-85.— Whereas, I, ANII KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing. and bearing

No. C.T.S. No. 1479,80 Shukrawar Peth, Pune-2 situated at

Pane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undtraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect be any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1479/80 Shukiawar Peth, Pune-2. (Area 400 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6330|1984-85 in the month of September

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Date: 21-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 23rd March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|1135|37-EE|9881|1984-85.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing

No. The building known as Nalin Chambers is having
Ground Plus two Upper Floors with shops and office premises
of different sizes situated on Final Plot No. 173 of T. P.
Scheme Sangamvadi and City Survey No. 19 situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Punc in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transfer of the ladient income-tax. Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fell wing persons namely :-

(1) M]s. Tristar Builders, 21 Prospect Chambers, Annexe, Pitha Street Bombay-1.

(Transferor)

(2) M|s. Prince Petrolium Co. Clo. Mr. A. R. N. liwani, Bl6 Majfair Society, 4 Dhole Patil Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The 'terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The building known as Nalin Chambers, is having Ground Plus Two Upper Floors with shops and office premises of different sizes situated on final Plot No. 173, of T.P. Scheme Sangamvadi and City Survey No. 19 on Sir Bhandarkar Road (now Dhole Patil Road) Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9881 1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date 23-3-1985

(1) Mahajan Bhilare Associates, 180 Narayan Peth, Pune-30.

(2) Shii Hiralal Romniklal Thakar, 785 Raviwar Peth,

785 Raviwai Peth, Pune-2.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 23th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|1136|37-EE|5085|1984-85.-

Whereas, I, ANII KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impact of the competent of the competence of the compet

nave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 6. Ist floor, Kusumanjali Apartment, Parvati, S. No.129 AIA, Plot No 6, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune in Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the anid instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in 野 張天皇 respector of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions namely 29-66 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

l'une-2 & Mrs. Vyayagauri Ramaniklal Thakar,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, winchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the dath of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st Floor, Kusumanjali Apartment, Parvati, S. No. 129/AIA/Plot No. 6, Pune-30,

(Property as de cribed in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Punc, under decument No. 5085[1984-85] in the month of August 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income take Acquisition Range Poona

Date + 23-3-1985

### FORM TINS-----

(1) M/s. Pushkar Builders, (Promoters) 30/2 Frandwana, Punc-4

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradecp Vasant Ture, 286 Shanwar Pett, Pune-30.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 23th March 1985

Ref No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|O1-893|84-85.—Whereas, I, ANIL ISUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No. Flat No. 10 (1st floor) Prabha Apartments, Kothrud, Punc-29 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule amounted hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrang Office at 1.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore have forced as a part of the property and that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore the property of that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore are controlled to the property of the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer we agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: azd/or

5, fac litating the concealment of any moreover or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tair Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property hav be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

### THE SCHEDULE

Plat No. 10 (1st Floor) Prabha Apattments, Kothrud, Punc-29.

(Area 554 sq. ft.)

couperty as discribe this agreement to sale registered to the office of the J. A. C. Acquisition Range, Pune, under the amount No. 893-1981-85 in the month of October 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following misons, namely --

Date: 23 3-1985

: 1000

### FURM ITNS----

=-<u>--</u>------

(1) Mls Arvind Constructions, Maoli Apartment, Near Lokmanya Nagar, Риде-30.

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

(2) Barendra k Nehete, Plot No 11, Vise Vada Near Canara Corner, Nasik-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

> ACQUISITION RANGE PUNE

Zune, die 25th March (285

Ref. No. IAC ACQ [CA-5] 1138[37-EE] 403 [Nasik] 1984-85.—

Whereas, I. ANII KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "sand Act"), have reason to believe that the immov-

as the Said Act), have reason to believe that the miniovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 1: on too floor in Building under construction at Irlakvadi S. No. 646 Hissa No. 88, Rohini Apartment, Nasik situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred vedeo the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Revistering Officer at A.C., Acqu. Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said. Act in respect of any income arising from the sanger and/ea
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 15, on top floor in building under construction at Tilakwadi, S. No. 646 Hissa. No. 88 Rohini Apartment, Nasik.

(Arca 542 Sq. ft.)

(Property et al. described in the agreement to sale registered in the times of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document the  $403 \, 1984-85$  in the month of October 1984)

ANIL KUMAR Competent Authorite Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely. persons, namely :--

Date . 25-3-1985 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Pune, the 25th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|5842|1984-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having the property have the property have the property have the property have the property ha property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beming

No. Shop No. 6 Ground Floor at "CIAL CHAMBERS" 1216 6 F.C. Road, Deccan Gymkhana, Pune-4 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. C. L. Shirole, 1216 6 Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Transferor)

(2) M/s. Garud Groups, Vishram Baug Co-operative Housing Society, Peona-16,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 6 Ground Floor at "CIAL CHAMBERS" 1216 6 M. C. Road, Deccan Gymkhana, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5842 84-85 in the month of August 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 25-3-1985

(1) Smt. Kamar Jahan Begum.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Aslam Khan. 2. Smt. Mahrunnissa Begum.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

G.I.R. No. A-170/Acq —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No. Constructed house situated at Vill. Natkhera, Teh-Shahabad,

Distt, Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Constructed house situated at Village-Narkhera, Tehsil-Shahbad, Distt. Rampur (as mentioned in 37G Form No. 1300) registered by the Registering Authority, Rampur, on August, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-4-1985

### FORM NO. ITNS--

(1) I. Shri Atjal Shei Khan 2. Smt. Kamar Jahan Begum

(Transferos)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shu Aslam Khan 2. Smt. Mahiunaissa Begum.

(Transferee)

## OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRATH MARG, I UCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

G.I.R. No. A-171/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (histomatter referred to as the 'said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exce doing Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Vill. Narkhera. Te'sil-Shahbad, Distt.

Rampur

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Rampur on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as arbresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Land measuring 10 acres situated at Village-Norkheta, Tehsii Shahabad, Distt, Rampur (as mentioned in 37Cr Form No. 1299) registered by the Registering Authority, Rampur, on August, 1984.

(b) tachhardig ini concealm of or of meems or any moneys or other exits which have not been or vin. The conceal by the first of the control o (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 15-4-1985

(1) 1 Shii Rajendia Nath 2 Shii litendia Nath

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1 Sam Guish Kumai Gupta 2 Gui yash Pal Gupta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

GIR No G78/Acq Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 15 the feath Act) have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Re 100 000 and bearing Land Khasra No 512 situated at Mauza May Pargana &

Redum of

and more fully described in the Schedule annexed hereto),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bell e that the fair market value of the property as aforesaid at cells to apparent consideration therefor by more than influence of the property of the property as aforesaid at cells to apparent consideration therefor by more than influence cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiation of this takes in the Official Gazette

FXPLENATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

to lacditet us the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

that Khasan No. 512 measuring 2005 45 sq. mtrs. (0-49 documents) smarted to aciza Man. Pargana and Distr. Monadabad (as n. 21 one l. i. t. n. 37 i. No. 5922) registered by the ke isterior vita in the acidabad on August, 1984.

A PRASAD Competent Authority Inspection . Out Commissioner of Income tax Acquisition Range, Lucknow

how therefore in pursuance of Section 269C of the said Act i hereby init are proceedings for the acquisition of the iloresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Data 27 3 1985 Seal :

(1) Shir Satya Narayan Prasad.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. I-22/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

House No. C-2/12 with Land situated at Moh. Hankar Tola,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or buch ought to be disclosed by the transferror for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atomespid property by the issue of this notice under sub-Section 1) of Section 269D of the said Act, to the following thereone, namely:—

(2) M<sub>15</sub>, India Tobacco Concern, through partner, Shri Rama Nath, Varanasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

House property along with land measuring 889 sq. ft. bearing No. C-2/12. Mohalla-Hankar Tola, Varanasi (as mentioned in 37G Lorm No. 14525) registered by the Registering Authority, Varanasi, on August, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspec ing Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
I ucknow

Date: 27-3-1985

FORM I.1.N.S.-

(1) Shii Ram Piakash Vaish.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Srit, Kamlesh Gupta

(Transferee)

GOVIENMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, FAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. k-152/Acq. --Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorpe-tax Act, 19, 1-(43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'earl Act'), have reason to believe that the immovable property, having a law market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

A double storeyed constructed house situated at Mirdha Tola,

Budann

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908, in the Office of the Registering Officer at

Budrun on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A double storeyed constructed house situated at Mirdha Tola, Budaun (as mentioned 37G Form No. 6787) registered by the registering Authority, Budaun, on August, 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely :-30-66 GT/85

Date: 27-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

G.I.R. No. M-215/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

Land situated at Sair, Leonard Ayarpatta, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nainital on August, 1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri R. Shah through Smt. Champa Shah and Sri Annop Shah
 Smt. Champa Shah

through Attorney, Shri Anoop Shah

3. Shri Anoop Shah.

(Transfer ): )

(2) Shri Mahesh Belwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzete or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land measuring 3259 sq. mtrs situated at Sair, Leonard Ayarpatta, Nainital (as mentioned in 37G Form No. 297) and all that property which is mentioned in the sale deed, registered by the Registering Authority, Nainital, on August, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, magnety:—

Date: 15-4-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. M-216/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act.) have reason to believe that the intinovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Land situated at Jatwara, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of the Pacitating Officer at of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta apparent to be said metros. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Smt. Tara Devi 2. Anand Kumar

  - 3. Santosh Kumar

  - Kamal Kumar
     Deepak Kumar
     Subhash Kumar

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Saran Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 795 sq. yards situated at Jatwara, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 6648) registered by the Registering Authority, Bareilly, on August, 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 27-3-1985.

### (1) 1. Shii Arun Kum r Shiyastaya 2. Shri Shreshtveer Bhatnagar

3. Shii Dharamyeer Bhatnagar

(Transferor) (2) Prakashnagar Sahkari Ayas Samiti Ltd., Moradabad through Shir Om Prakash Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No P-136/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land situated at Mauza-Mau, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrat/Sub-Registrar at

Moradabad on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Charter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 3.18 decimals situated at Mauza Mau, Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 6010) registered by the Registering Authority, Moradabad, on August, 1984.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitio Range, cknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-3-1985.

(1) I. Shii Nicar Ahmad 2. Shri Habib Abmad 3 Shii Rais Ahmad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I Shir Pradeep kumar 2. Shii Prabhat Kumar

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, **LUCKNOW** 

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R No P-137/Acq—w hereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hotelinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000{- and bearing No. Land Khasia No. 115 Fits 12d at Lanquir, Distt. Bijnor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer 'Registrar/Sub-Registrar at

Bijno on August, 1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the forested property and I have reason to believe that the for market value of the property as aforesaid exceeds the opening on I' ration design by more than fifteen per coul of such apparent consideration and that the consideration for such number as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immostable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used her eln as are defined in Chapter XXA of the sid Act, shall have the same meaning as I given in that Chapter.

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and bearing Khasra No. 215 measuring 6 Bigha 19 Biswas caused at Latapur, Diett. Bijnor (as mentioned in 376 Ferra Lee, 3898) registered by the Registering Authority, Bijnor, on August, 1981.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proceeds by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 27-3 1985.

(1) Shri Mohan Lal Vaid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) Smt. Raj Dulari Jethi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

G.I.R. No. R-245/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

A portion of compound of Republic Hotel situated at Nainital (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nanital on August, 1984

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A portion of compound of Republic Hotel measuring 211.66 sq. mtrs. situated at Nainital (as mentioned in 37G Form No. 311) registered by the Registering Authority, Nainital, on August, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. S-362/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Constructed property with land situated at Civil Lines No. 35, Rampur Buch Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

Bareilly on August, 1984

Bareilly on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid paperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Vinod Bala Sharma.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shiv Dayal 2. Shri Krishna Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Constructed property with land measuring 315 sq. yards situated at Civil Lmcs 35, Rampur Bagh, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 6091) registered by the Registering Authority, Bareilly on August, 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Lucknow

Date: 27-3-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIPTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. 263/Acq. Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No.
Plot of land directed a Chhavni, Civil Lines, Moradabad (and mora fully described in the Schedule expected beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been immsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrat at

Registrar at Mondabad on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer an agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the for with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Increse-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nove, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac', to the following persons, namely :-

(1) 1. Shu Jan kishan

- 2. Shii Satya Naisin
- 3. Shir Rameshy or Prasad ' 4. Sur Limer Sweet 2 and

(Transferor)

(2) M/s. Shiv Shakti Schkari Avas Samiti Ltd., Mandi Bans, Moradabad dhough Sect. try. Shii Ta ir Hu ain.

(Transferec)

(3) State of UP Police Ucptt. (DIG, PTC's residence). (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeraid persons within a period of 45 days from the day of publication of this notice in the Official Greatte or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons whilever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propt-y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE .

Plot of land measuring 7143.34 sq. mtrs with a Kothi constructed on 562 sq. mtrs. situated in plot No. 457, and old quarters constructed on 183 sq. mtrs. land in plot No. 457 of Vill. Chhavni, Civil Lines. Moradabad, registered on August, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 27-3-1985,

THE A COLUMN TWO IS NOT THE TAXABLE PARTY.

### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

Ref. No. G. I. R. No. M-217 Acq. - Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. No. Arazi Land situated at Vill-Rurgu Nagla, Tehsil-Sadar, Distt. Rempur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Rampur, in August, 1984,

officer at Rampur, in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; أمر اعده

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this once under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—31—66 GI/85

(1) M|.. Modizerox Ltd., Meerut Through Bhimu Prabandhak Adhikari, Shri Pursbottam Swarub.

(Transferor)

(2) Mls, Modipur Hotels Pyt. I.t., Modipuram, Meerut Through Shri Sharaf Agarwal, Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mennig as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Araz land measuring 7 Bigha 4 Biswa situated at Vill. Durgu Nagla, Tehail, Sadar registered by the Registering Authority, Rumrur on August. 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lacknow

Date: 15-4-1985.

FORM ITNS----

(1) Shri Satya Prakash

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA'( AC., 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknew, the 15th March 1985

Ref. No. G. J. R. No. N-90/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and Laring

Land No. 58, attuated at Village-Narau Bujing, Distt. Budanni (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budaun on 30-8-1984.

at Budaun on 30-8-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as extreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the theory of :

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the memberoi we pay in a uniter the said Act, in respect of any income arming from the transfer, and /ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which bushe to be decreased by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Ms. New Adatsh Finance Co. Budaun Through Shir Bir Bhushan, Managing Partner

2. M/s. Bharat Trading Co., Budaun Through Snri Shanti Lal Arora, Managing Partner

3. M/s. Anoja Traders, Budaun Through Shri Sunder Singh, Managing Partner

(Transferce)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, as the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person incrested in the said immov-nels property, within 45 days from the date of the publics ion of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land No. 58 measuring one Bigha, 19 Biswa and 3 Biswansi, situated at Village-Narau Bujrug, Distt. Dudaun, registered by the Registering Authority, Budaun on 30-8-1984 (as mentioned in the 37G Form No. 6978)

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lacknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-3-1985

MIRIM HINDS ----(1) Shri Krishna, Muraii Lil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

### GOVERNMENT OF DECKA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-57, RAM JIRATH MARG, LUCKNOW

> > Lucknow, the 15th April 1985

Ref. No. G. I. R. No M-91/Acq -Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 100,000 '- and bearing

Land No 59 situated at Village-Narau Buoug, Distt. Budaun (and more rull, described in the behalf its annexed he eto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Othcer at Buraun on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay use modes the said then, he set of may became arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lacome or any manays or other amots which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inchine-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westli-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (2) I. M/s New Adaish Finance Co., Budaun Through Shit Bij Elushan, Managing Partner
  - 2. Ms. Bharat Linding Co., Budaun Through Shu shints tal Arora, Managing Partner
  - 3. M/s. Audja Travis, Lutiun Through Shri Sunder Singh, Managing Patner

( l'iansferec)

(3) Vendor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nemons. whichever period expires later.
- \* (b) by any other person interest ) in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Expianation: - The terms and "apressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seld Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land No 59, measuring 1 Bigha, 19 Biswa and 12 Biswansi, stuated at Village-Nanau Bujrug, Disti Badaun, registered by the Registering Authority, Badaun on 30-8-1984, (as mentioned in 37G Form No. 6979)

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assertant Commissioner of Income Tex Acquisition Range, Lackno ..

Date: 15-4-1985.

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1985

No. G. I. R. No. M-92/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

bearing No. Land situated at Budaun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budaun on 30-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object.od:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Rakshpal Restogi

(Transferor)

- (2) 1. Ms. New Adarsh Pinance Co., Budaun Through Shri Biij Bhushan, Managing Paitner
  - M|s. Bharat Trading Co., Budaun Through Shui Shanti Lal Arora, Managing Partner
  - 3. M|s. Ancja Traders, Budaun Managing Partner

(Transferce)

(3) Vendces.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, 18 Biswa and 11 Biswansi, situated at District Budaun (as mentioned in 37G Form No. 6983) registered by the Registering Authority, Buraun, on 30-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-4-1985.

FORM NO. I.T.N.S.——

(1) Mr. Sadanand Virupax Wagle

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh Balkrishna Mistry Achrekar (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY** 

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2358/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. L-13, Maharashra CHSL situated at Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Officer at Bombay on 18-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. I-13, Maharashtra Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Ambekar Nagar, Off. Parel Tank Road, Parel, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3396/84-85 on 18-8-1984.

(t, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 12-4-1985.

(1) Yuvraj Shri Pravinchandrasinhji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Yogesh A. Parikh

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupationu of the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2386/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 47, Rajat Apartments situated at Mount Pleasant Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 9-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publieation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 47, 4th floor, Rajat Apartments, Mount Pleasant Road, Malabar Hill, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3397/84-85 on 9-8-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 10-4-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowine persons, namely:—

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/2774/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 2, Skyscrapper Bldg. situated at Bhulabhai Desai Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18-8-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saft Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Yvette Soli Shroff & Hector Soli Shroff
- (Transferor)
  (2) Smt. Meenaxi Manhar Udhas & Manhar Kashubhai
  Idhaa

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, on 4th floor in building Skyscrapper 'B', Bhula-bhai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3412/84-85 on 18-8-1984.

The

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-4-1985.

FORM ITNS----

(1) Shri Jayant Wagle

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mahendra Ghisulal Jain, Surendra Ghisulal Jain Narendra Ghisulal Jain.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37FE/2478/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat No. 92-A. Purushottam Towers situated at Gokhale Road, South Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay, on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 92-A, Purshottam Towers, 9th floor, Plot No. . 884 TPS IV Off. Gokhale Road, South Dadar, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3404/84-85 on 17-8-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1985

Foal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I|37-EE|3217|84-85.-Whereas, 1.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 938, Maker Tower situated at Cuffe Parade

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely — 32 -6601/85 (1) Mr.Surendra Kumar Agarwal

(Transferor)

(2) Mr. Vijaykumar Agarwal

(Transferee)

(3) Mrs. Rani Agarwal

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 93, B, Maker Tower, Cuffe Parade, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3508/84-85 on 28-8-1984.

A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date 10-4-1985

Scal

### FORM ITNS-

### (1) Shri J. N. Gupta, Miss Anjali J. Gupta & Miss Auti J. Gupta (Transferor)

- (2) Mathur Schendal Choki & Seventilal M. Chokshi (Transferee)
- (3) Transferees, (Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3230/84-85.---Whereas, I, A. LAHIRI,

As LARIER, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and hearing Flat No. 54 (A) 'ANITA' CHSL situated at Mount Pleasant

Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 21-8-1984

rity, at Bompay on 21-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followin: persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by say other joison interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: - the terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 54 (A) 'ANITA' Co-op. Hsg. Soc, Ltd., Mt. Pleasant Road, Bombay-6

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-7/2764/84-85 on 21 8-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting \sst. Commissioner of income-tax.
>
> Acquisition Range-I
>
> Bombay

Date: 12-4-1985. Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

BOMBAY

Bombay, the 1-th April 1985

Ret. No. AR-1/37EE/3461/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 104. ANURAG Bldg, situated at Banganga Road. (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

and the Agreement i, registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the madility of the transferor to pay the under the said dest, in respect of any income arising from the transfer; and on

(h) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhavanjibhai Devji Dedhia

(Transferor)

(2) Madanlal Kundanmal Jain

(Transferee)

(3) Transferees,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afercenic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, ANURAG, 9 Banganga Road, Bombay-400 106.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No 3237/84-85 on 3-8-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-4-1985.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Om Mohta, Prop. of Royal Gems, (Transferor)

(2) M/s. Ashesh Brothers

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3476/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 1320 at Prasad Chembers situated at Opera House.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 4-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of terms.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 1320 at 13th floor of Prasad Chambers Premises Co-op. Society Ltd., Swadeshi Mill Compound, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Scrial No. AR-I/3247/84-85 on 4-8-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-4-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3479/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter returned to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 25, Duru Mohal, situated at Off. Marine Drive.

(and more fully described in the Sciendule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 8-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the raid Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuant, namely:—

(1) Smt. Vyjayantımala C. Bali.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra T. Bhammer, Smt. Arti M. Bhammer, Master Sandeep M. Bhammer & Master Vishal M. Bhammer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 25 on the 6th floor of 'Duru Mahal' F Road, Off Marine Drive, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3510/84-85 on 6-8-1984.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-4-1985.

#### \_\_\_\_\_\_\_ FORM ITNS-

(1) Shri Prakash N. Bangani

(Transferor)

(2) Shri Subodh Krishna Tari

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3480/84-85.—Whereas, I, Λ. LAHIRI,

the Larindt, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

I,00,000/- and bearing
Flat No. 302, Veena Beena Apts. situated at Sewri (W). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269
AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority.
at Bombay on 4-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flut No. 302 F Wing, Veena Beena Apartment, Sewri (West) Bombay-15

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3250/84-85 on 9-8-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3488/84-85. Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Office Premises No. 45, Mittal Court

situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the waid instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ndd/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in number of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D at the said Act, to the following persons, namely, --

- (1) M[s. Gopinath Industrial Investment Corporation. (Transferor)
- (2) M/s. Swadeshi Jeasing Company Limited. (Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 55, Mittal Court A Wing, 4th floor, Plot No. 224, Block 111, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Schal No. AR-1/3260 84-85 op 6-8-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income ex Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-4-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No AR-1/37FE/3495/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing No. Shop No. 2, Shantinagat CHSL98 Laxmibai Jagmohanda

Road situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief transfer of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any pioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-'ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) M/s. Hemant Vyomesh & Co.

(Transferor.)

(2) Mrs. Ruyamaniben Premji Shah

(Transferee)

(3) Transferor

(Person at occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Shanti Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 98. Laxmibai Jagmohandas Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Com Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial AR-1/3264/84-85 on 6-8-84. Competent

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I /37EE /3505 /84-85. --Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 8 Sudama Building situated at Walkeshwar Read (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1984 \*

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—66GI/85

 Shri Kantilal Chhotalal Mehta, Bakulesh Kantilal Mehta Bakulesh Kantilal Mehta, Guardian of minor Anukr B. Metha Bhavna Bakulesh Mehta, Dhiren Kantilal Mehta.

((Transferor)

(2) 1. Smt, Lulavantı Manilal Shah & Shri Jitendra Manilal Shah

(Transferec)

(3) Transferors
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 4th floor, Sudama, 214 Walkeshwai Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/3282/84-85 on 6-8-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

(1) Mrs. Lalita Narayan Vorta

(Transferor)

(2) Mrs. Saira Z. Vohra.

, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Reft No. AR-1/37EE/3507/84-85.—Whereas, I, A. I AHIRI.

A. I AHIRI.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
poperty, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Room No. 20, Tardeo Air-Conditioned Market
situated at Tardeo
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Room No. 20, Tardeo Air-Conditioned Market, 3rd floor, Tardeo, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3284/84-85 on 6-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3509/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Unit No. 319A, Service Indl. Estate

situated at Sewree

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ms. Prabhudas Dalichand & Co.

(Transferor)

(2) Shri Eknath Bhalchandra Lomber & Shri Dilip Bhalchandra Lomber

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

The terms and expensions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION:—The terms Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 319A, 3rd floor, Service Industrial Estate, Land bearing C.S. No. 2/159  $1\Delta/160$ , 1C/160, 18/160, 1A/184 of Farel Sewree Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3286/84-85 on 6-8-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985.

- (1) Mrs. Rukmani Hashmatrai Advani.
  - (Transferor)
- (2) Mr. Mullidhar H. Agrawal & Mr. Hanumandas J. Agrawal.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No AR-1/37EH/3510/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 1, Vishnu Mahal, D. Road situated at Churchgate Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under sectio 2n69AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the sespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Vishnu Mahal, D. Road,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Social No. AR-1/3287/84-85 on 6-8-84.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-4-1985

Churchgat, Bombay-20.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3511/84-85.—Whereas, I, LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Land with buildings situated at Love Lane, Mazgaon, bearing C.S. No. 399 situated at Mazagaon Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

at Bombay on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Trustees of Hussainali Abdulali Dholakia Charitable Trust.
- (2) M/s. Sumar Associates,

(Transferor)

(3) Tenants.

(Transferee)

(4) Trustees.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with buildings situated at Love Land, Mazagaon, C.S. No. 399, Mazgaon Division Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/3288/84-85 on 6-8-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1985

(1) Shri V. N. Bagadia, HUF (2) M/s. Parag Corporation.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Acf. No. AR-I37EE/3516/84-85.--Whereas, I A. LAHIRI writing the Competent Authority under Section 269B of the become-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair maJrket value exceeding Rs. 1,00,000/end bearing

No. Office No. 509, Prasad Chambers

situated at Opera House Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete), at Bombay on 7-8-1984

and the Agrement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) thellitating the reduction or everien of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 509, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Runge-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3336/84-85 on 7-8-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

(1) M/s. Build Quick.

(Transferor)

(2) Vivekanand Kendra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3520/84-85.--Whereas, J, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 1, Sri Ram Bhuvan, Plot No. 772, D.M. Estate,

situated at South Tilak Rd Dadar Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bomboy on 7-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immev-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Sri Ram Bhuvan, Plot No. 772, D.M. Estate, South Tilak Road, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3339/84-85 on 7-8-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

(1) M/s. G.T.B. Shipipng Agency

(Transferor)

(2) Mr. Moiz Fakı uddin Pancha & Mrs. Munira Moiz

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3523/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 124, Satnam Apartments

situated at Cuffe Parade, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said propert-may be made in writing to the undersigned:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this metice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 124, 12th floor, Satnam Apartments, Cuffe Parade. Bombay 400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial AR-I/3341/84-85 on 7-8-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### FORM ITNS----

(1) Shri Shivprasad K Agarwal.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Jamkudevi Hastimal & Hastimal L. Sathiya.
(Transferee)

INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3534|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, Mantri Corner situated at Sayani Road, (and more fully described in the Schedule more described in the schedu

Flat No. 18, Mantri Corner situated at Sayani Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 4th floor, Mantri Corner, Junction of Gokhale Road, Sayani Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 3351 84-85 on 7-8-84.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 12-4-1985.

Seal :

34-66GI/85

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Nand B. Manshramani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nisha Suri & Mrs. Dharam Vati Suneja. (Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3554/84-85 -- Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 45-A, New Miramar CHSL situated at Napeansca

Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is tegistered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 45-A, New Miramar Co-op. Hsg. Soc. Itd., 3 Napeahsea Road, Bombay.
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 3366/7/84-85 on 7-8-1985,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-4-1985.

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Raja Builders & Investments Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s, R. Kantilal & Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3569/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000]- and bearing No.

Flat No. 302, Anjali Apartments situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authrity,

at Bombay on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, 'Anjali Apartments' French Bridge, Opera House, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 3304/84-85 on 13-8-1984,

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 12-4-1985.

· Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3576/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Office Premises No. 619, Punchratna Bldg situated at Opera

Once Premises No. 619, Panchratha Bidg situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authrity, at Bombay on 13-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Nanji Jivraj Karani, Jayant M Sanghavi, Kantilal B, Nagda.

(Transferor)

(2) Shri Sumit S. Kothari, Siddarth S. Kothari & Saurabh S. Kothari (Minors) by their Guardian Shantikumar Kothari.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 619 on 6th floor, Panchratna. M. P. Marg, Opera House, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 2904/84-85 on 13-8-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1985.

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gectaniali Export Corporation.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1985

Ref No. AR-I/37EE/3583/84-85,---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 355, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authrity, at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 355 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1 ,Sitaram Judhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 3420/84-85 on 16-8-1984.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-4-1985.

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) City Apparels.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3584/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Unit No.

336. Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authrity, at Bombay on 16 8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforespid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Classics.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 336 on 3rd floor of A-1 Shah & Nahar ndustity, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/the Competent Authority,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I] 3421/84-85 on 16-8-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

Date: 12-4-1985.

#### FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Cotyarn Corporation.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3585/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the income value. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Unit No. 310, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authrity, at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ia respect of any income arising from the transfer; which ought to be disclosed by the transferce for mmd /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er the purposes of the Indian Income-tax. Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovel property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 310 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 3422/84-85 on 16-8-1984.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1985.

# FORM ITNS----

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jyot Textile Corporation.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3586/84-85.-Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.
Unit No. 309, Shah & Nahar Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authrity,

at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 309 on 3rd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay under Serial No. AR-I 3423/84-85 on 16-8-1984.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in surmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-4-1985.

(1) M/s Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) Texport Garments Pvt, Ltd

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ΔCT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPÉCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref No. AR-I/37EE/3587/84-85 —Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Unit No. 335, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at (and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto) Lower Parel

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has 'not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 335, 3rd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Lower Parel Bombay-13

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 3424/84-85 on 16-8-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner 'of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bqmbay.

Date: 12-4-1985. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
35—66GI/85

#### FORM NO. ITNS----

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kolarama Graphic (P) Ltd

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3588/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Unit No. 329, Shah & Nahar Industrial Estate situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule annexed heroto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition o fthe said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 329 on 3rd floor of Shah & Nahar Industrial Estate, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I 3425/84-85 on 16-8-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 12-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Kolarana Plates.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3589|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Unit No. 322, Shah & Nahar Industrial Estate A-1 situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of · 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclored by the transferee for the purposes of the Indian income-tax 'Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

# THE SCHEDULE

Unit No. 322 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Fstate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3426/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I[37EE]3597[84-85.-Whereas I,

A. LAHIRI, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Office Premises No. 20, Rex Chambers situated at Ballard Fstate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Sigma Exports (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Yug Pal Wadhwan & Mrs. Bina Y. P. Wadhwan.

(Transferee)

(4) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 20, Rex Chambers, Walchand Hira-chand Marg, Ballard Estate, Bombay-38.

The statement have been registered by the Computent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3429/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

#### FORM LT.N.S.-

(1) Shri Kishinchand Rhemchand Dhanwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ashwin Diamonds,

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3604/84-85.—Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 1204, Piasad Chambers situated at Opera House

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as nie defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises No. 1204, Prasad Chambers, Near Roxy, Bombay-4

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR[I]3373]84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombav

Date: 12-4-1985

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usus of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3607|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Unit No. 126, Adhyaru Ind. Pre. CSL situated at Lower Parel

(and more fully described in the schedule amnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

(1) Mr. Tarun B Ahyaru, Mr. Rohit B. Ahyaru,

Mr. Mukesh B. Adhyaru.

(Transferor)

(2) Shri Chunilal Meghji Shah.(3) Transferee.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 126, 1st floor, Adhyaru Industrial Premises, CSL, New Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|3375|84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanwalram Nangalia,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-I[37EE[3621]84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
Unit No 316, Shah & Nahar Industrial Estate A-1,

situated, at

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicauca of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aspets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Unit No. 316 on 3rd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/3377/84-85 on 16-8-84.

> Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Yow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-4-1985

Seal

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

,

(2) Geetaben Niranjanbhāi Shah, Prop. National Batterics Míg. Co.

(Transferce)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I]37EE|3622|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 345, 314 floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 345, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parcl, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/3378/84-85 on 16-8-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J, Bombay

Ďate: 12-4-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Premal H. Udani & Mr. Parag H. Udani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I|37EF|3623|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 311, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate, A-1 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 311 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3379/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 36—66GI/85

Date: 12-4-1985

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Natendrakumar Bhonsale,

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3624|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Unit No. 42. Shah & Nahar Industrial Estate situated at I ower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Unit No. 42, Ground floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3380/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1985

#### FORM I.T.N.S .-

#### (1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Jayaprakash Jaysukhlal Desai.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISTTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1[37EE]3625[84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 249, Shah & Nahar Industrial Estate situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- '(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposts of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 249 on 2nd floor in A-L, Shah & Nahar Industrial Estate Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay under Serial No. AR-I/3382/84-85 on 16-8-84.

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 12-4-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Geetaben Niranjanbhai Shah Prop. National Batteries Mfg. Co.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3626/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Unit No. 249, Shah & Nahar Industrial Estate situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication, of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Unit No. 346, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/3383/84-85 on 16-8-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-4-1985

#### (1) Raju D Shah & Tara D Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mukesh B Shah

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3633/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 401-A, Rajul Bldg, situated at Napeausea Road

Flat No. 401-A, Rajul Bldg, situated at Napeausea Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebiest of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentrate of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401-A, Rajul Bldg., 9, Harkness Road, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bomaby, under Serial No. AR-1/3389/84-85 on 16-8-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons as manely:—

Date: 12-4-1985

(1) Shri Gordhandas S Garodia

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3640/84-85.-Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 304, Veena Beena Apts situated at Scwri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed hereto). section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such fransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Tahira Begum Jaiswal

(Transferee)

(3) Shri Sunil K Mehta

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Sunil K Mehta

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a gre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor in F Wing of Vecna Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (W), Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3433/84-85 on 16-8-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1985

The second second

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3641/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 301, Veena Beena Apartments Sewri (West)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 21-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gordhandas S. Garodia

(Transferor)

- (2) Smt. Laliya S Gawade & Shri Sunil S Gawade (Transferee)
- (3) Shii Manuprasad Mistry

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Manuprasad Mistry

(Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

Thall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, F Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (West), Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3434/84-85 on 21-8-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

#### FORM I.T.N.S.—

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3642/84-85,--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,,000 /- and bearing
Flat No. 302, Veena Beena APts. situated at Sewri (W)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 21-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said. Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gordhandas S Garodia

(Transferor)

- (2) Smt. Lalita S Gawade & Shri Sunil S Gawade (Transferee)
- (3) Shri Hashmukh H Gandhi'

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Hashmukh H Gandhi

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor in F Wing of Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W), Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3435/84-85 on 21-8-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, Funcly:—

Date: 12-4-1985

PART III- SEC. 11

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3648/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.
Office No. 909 (L) Navijivan Society. Building No. 3 situated at Lamington Road, Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

37--66GI/85

- (1) N. T. Shah Family Trust
- (2) Smt. Helen B Montairo

(Transferor)

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Office No. 909 (L) Building No. 3. Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3440/84-85 on 21-8-84.

> A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPEC-TING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

AR-I/37EE/3655/84-85.—Whereas I, Ref. No. A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 67 (Old No.7) Gita Bldg. situated at Pandita Ramabai Road, (and recent fully described in the schedule opposed beyond

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Vrajkore Somehand alias Vrajkoever Somehand and Wd/o Rattanji Shah

(Transferor)

(2) Gita Dhananjay Shah and Dhenanjay B. Shah.

(Transferce)

(3) Transferor and her son (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 67, (Old No. 7) Gita, B Wing, Pandita Ramabai Road, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No AR I/3443/84-85 on 21-8-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast. to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1985

#### (1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rainbow Color Laboratories.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3668/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 323A, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall be a few sum of the said that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 323A, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3452/84-85 on 18-8-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-4-1985 Seal : FORM 1.T.N.S.

(1) M/s Friends Packaging Industries

(Transferor)

(2) Mulli Colour Printers

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3673/84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Unit No. 24, Byculla Service Indl. situated at Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan merket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice twier sub-section (1) of Section 269D of the said Ac. to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other nerson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officila Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 204 on 2nd floor, B Building in Byculla Service Industries Premises Co-op. Society Ltd., Sussex X Road, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3457/84-85 on 18-8-1984.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date : 12-4-1985 Seal :

(1) Smt. Nanki Naraindas Bhavnani

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Ashok Tanwani

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No AR-1/37EE/3674/84-85.--Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 27, Menyland CHSL situated at R G. Thadani

Marg, Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULB

Flat No. 27, ground floor, Merryland Co-op. Housing Society Ltd., 46, R. G. Thadani Marg, Wolli, Bombay-18. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3459/84-85 on 18-8-84.

A. LAHIRI .Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date 12-4-1985

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Abeda Akberali Rajan

(Transferor)

(2) Mr. Shaukatali E Furniturwala Mr. Zeenat S Furniturewala

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3688/84-85.—Whereas, N. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6N, Akash Ganga situated at Bhulabhai Desai Rd. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for

THE SCHEDULE

Flat No. 6B, Akash Ganga, 89, Bhulabhai Desai Road Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3844/84-85 on 18-8-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-4-1985

#### FORM ITNS ...

(1) Smt. Laj Jaikishan Bharwani,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Nirman Associates.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3705/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Indl. Unit No. 237, Shah & Shah & Nahar Indl. Estate Lower

Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 237, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mills Compound, Lower Parel, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, AR-I/3483/84-85 on 28-8-1984. Bombay, under Serial No.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-4-1985

(1) M/s. Spads Prototype Setting Industrial Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Jaswantiben Chimanlal Family Trust,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ΛCQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3706/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Indl. Unit No. 113, Shah & Nahar Indl. Fstate,

situated at Lower Parel, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Industrial Unit No. 113 on 1st floor of Shah & Nahar Industrial Estate' A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel. Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3484/84-85 on 28-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-4-1985

----

#### FORM ITNS-

(1) Shri M. Narayanan.

(Transferor)

(2) Shri Chardappa B. Prabhu.

(Transferee)

(3) Shri M. Narayanan,

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3710/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, New Nandanvan CHSL, situated at Sion

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been oruly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

38-66 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor in New Nandanvan Co-op. Hsg. Society Ltd., Sion, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/3488/84-85 on 28-8-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Bombay

Date: 10-4-1985

(1) Mr. Anantrai R. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M/s. General Exporters & Manufacturers. (Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3716/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Office No. 155, Mittal Court situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 25-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the surfices has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 155 on 15th floor of Mittal Court 'C' Wing, Plot No. 224, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay 400 021,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. ARI/3494/84-85 on 28-8-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1985

Scal: .

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Rameshchandra Virchand Shah.

(Transferor)

(2) Shri Shivkishan Rathi, HUF & Smt. Vidya S. Rathi

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION' RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3721/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 2678 of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 38, Vijayvilla CHS situated at Worli Seaface (and more fully described in the relation

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the reassfer; and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. 33 of Vijayvilla Co-op. Housing Society, 79, Worli Seaface, Bombay,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/3513/84-85 on 30-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3725/84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1480, Building No. 62 MIG Adarshnagar situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Mr. P. N. Mantri.
- (2) Mr. Champaklal Dalichand Mehta.
- (3) Mr. P. N. Mantri,

(Transferee)

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

(4) MIG Adarshnagar CHSL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1480, Building No. 62, MIG Adrash Nagar, Worli,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, AR-I/3516/84-85 on 30-8-1984. Bombay, under Serial No.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Bombay

Date: 12-4-1985

<del>\_\_\_\_\_\_</del>

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3726/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1503, MIG Adarsh Nagar

situated at Worli

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer each/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mr. Basu Chatterji,

(Transferor)

(2) Mr. P. N. Mantri.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) MIG Adarshnagar CHSL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc., shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1503, (1503) in Building No. 65, MIG Adarsh Nagar, Worli Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3517/84-85 on 30-8-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3728/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 405, Bldg. No. 1, Sanjay situated at Sewri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D A 200 said Act, to the following persons, namely:

Shri Mohamed Sadiq Khan Lalkhan & Mrs. Rajunissa M. S. Khan.

(Transferor) (2) Shri Aboobaker Fakir Mohamed Juolay (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Building No. 1, Sanjay, Acharya Dande Marg, Sewri (W),, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/3519/84-85 on 30-8-1984.

A. LAHIRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-4-1985

(1) Smt. Mariben Manual Sheth.

(Transferor)

(2) M/8. Venilal Export House Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Director of the Company. (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3730/84-85.—Whereas, I, A. LÄHIRI,

A. LAHIRI,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the bincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. H-3, Hariyas CHSL

situated at Kemp's Corner

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 da, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, vithin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the some meaning as gives in that Chamter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

### THE SCHEDULE

Flat No. H 3, 8th floor, Fariyas Co-op. Housing Society Ltd., Kemp's Corner, Bombay-400006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3521/84-85 on 30-8-1984.

A. I.AHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 12-4-1985

(1) Mr. Gautamchand R. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss Jarareen K. Byranjee, Miss Kainer K. Byranjee & Master Rishad K. Byranjee.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3736/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing

Shop No. 19, Eliphinstone House

situated at Murzban Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 30-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not treen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 19, 'Elphinstone House' 17 Murzban Road, Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3526/84-85 on 30-8-1984.

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-I
Bombay

Date: 12-4-1985

# FORM ITNS ---

(1) Shri Manilal Damjı Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dharshi Padamshi Chheda.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Bombay, the 12th April 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. AR I 37EE 3740 84-85,---Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 701, Sunder Tower situated at Sewri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-1984

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

Flat No. 701, 7th floor, Sunder Tower, Todarshi Jivraj Road, Sewri, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3528/84-85 on 30-8-85. been registered by the Competent

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 39—66 GI/85

Date: 12-4-1985

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Kanhayalal Bagadia.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3765/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, PSB Apartments No. 4 situated at Worli Naka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 20-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Bldg. No. 4, PSB Apartments, B.G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3546/84-85 on 27-8-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

#### (1) R. K. Constructions

(Transferor)

(2) Shri Shah Bhimraj Kisanlalji Jain.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3772/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 2, 'Shiee Ram Apartments' situated at Girgaum
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 27-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, 'Shree Ram Apartments' 168, Vaidya Wadi, Thakurdwar, Girgaum, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.AR-I|3556|84-85 on 27-8-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:--82-56 GI/85

Date: 12-4-1985

Seel:

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Perfect Prints.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3777/84-85.-Whereas, I. A. LAHIRI.

A. LAFIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

tnd bearing No. Unit No. 232, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 27-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gastiette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 232 in 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3557/84-85 on 27-8-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-4-1985

(1) M/s. Hansraj Pranji & Company.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj R. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3778/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Unit No. 2, Bharat Chambers situated at Baroda Street
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 27-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No 2, 4th floor in Bharat Chambers, Plot No. 52-C. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3558/84-85 on 27-8-1984. Competent

THE SCHEDULE

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1985

(1) M/s, Hansraj Pranji & Sons

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajkumar & Sons HUF.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3779/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Unit No. 3, Bharat Chambers situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 27-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 3 on 4th floor in (Bharat Chambers, Plot No. 52-C, Elphinstone Estate, Baroda Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3559/84-85 on 27-8-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 10-4-1985

#### FORM ITNS----

(1) Shri Pranjivan Madhavji & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Govindlal Shivlal Pitti & Others Trustees of Marwadi Sammelan

(3) Thakurbhai K. Desai & Kakubhai G. Ved

(Person in occupation of the property) (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I[37]5098[84-85.--Whereas, I,

A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. C. S. No. 4752 of Malabar & Cumballa Hill Division alongwith building standing therein situated at

Gamdevi Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay, on 8-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2926 68 and registered on 8-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Date: 12-4-1985.

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

AR-I[37G|5099|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C. S. No. 268 of Malabar Hill & Cumballa Bill Divn, and

ouildnig standing thereon situated at Ridge Road.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 10-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said itistrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Yeshwantsıngh Vıjalsıngh Dossa

(Transferor)

(2) M|s. Vijay Deep Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor, tenant Mr. Bhagwandas Jamnadas Nur-

(Person in occupation of the property)

(4) Tenant. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2304]77 and registered on 10-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent\_Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-4-1985.

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE , INCOME TAX ACT 1961 (43 Or 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No AR-I|37G|5103|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and

Land bearing C. S. No. 1983 of Byculla Division, situated at 21 A Bapurao J. Marg, situated at Maulana Azad Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay onn 6-8-1984

for an opparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'a) facilitating the reduction or eventor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of the moonte arising from the canate and/o
- b) facilitating the concealment of any income or any noneva or other assets which have not been or which oboth to be disclosed by the transferee for a purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 5.57 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followign persons, namely:—
40-66 GI/85

(1) Shri Rustom H. Irani, J. H. Irani, Shri Parviz H. Iranı

(Transferor)

(2) Shri Feroza Nazir Sayed

(Transferee)

(3) Shri Prakash R. Belnekar, Ananda K. Shetty, Solomon D. Awasker Sayod Nazir Bawam ya, Mrs. Sliakbar Abdul Karim Shaikh S. P. C. T. Carvalhi

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 3221|82 and registered on 6-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I|37|G|5104|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

C. S. No. 947, of Fort Division situate at King Lane, Off Bora Bazar Street, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) i nthe office of the Registering Officer at Bombay. on 6-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or ecosion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ensection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Tahilram R. Tulyani, Shri Dilip R. Tinani

(Transferor)

(2) Shri Manoj Kumar Mohadal Jalan Shri Rahulkumar Mohadal Iolan

(Transferee)

(3) M/s. Chimanlal Pvt Ltd. & M/s. Wastern Watch (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property within 45 days from the date of the publication of this 'notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Schedule as measured in the Registered Deed No. BOM 50[83 and registered on 6-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

A. LAHIRI
Connectent Authority
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 12-4-1985.

#### (1) Shri Bhaurao Keshavrao Pandhaie

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later:

(Transferor)

(2) S. Mohamed Ali

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 4961)

# (3) Tenants,

(Person in occupation of the property).

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY .

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I|37G|5110|84-85 - Whereas, J.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at of 1908) in the Office of the Registering Bombay on 8-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fisteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eaid instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2732|81 and registered on 28-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-4-1985.

# FORM I.T.N.S.----

# NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I|37G|5111|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000) and bearing
Apartment No. 103, 3rd floor, Block No. B, Dalai Estate, bearing C. S. No. 1|332 of Tardeo Division, 14-A-28A, Dr. D. B. Marg, Bombay-8

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Reigstering Officer at Bombay, on 17-8-1984.

an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ned or
- (0) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Miss. Dmoo D. Contractor & Miss Dolly D. Contractor

(Transferor)

(2) Shri Asgarali H. Bhindorwala & Yahya Asgarali Bhinderwala (Kapadia)

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, · whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1191 77 and registered on 17-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Bombay

Date: 12-4-1985.

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I[3/G[5116]84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plat No. 18, Gamadia Pstate, 24|26 Pt. Madan Mohan Mala-

viya Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registerin;

Officer at Bombay, on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have esason, to believe that the fair market value of the property as aforesas i exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumetal  $\epsilon_i$ transfer with the object of :-

- of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; 10/044
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

- (1) M|s. The Anglo-French Drug Co. (Eastern) Ltd., (Transferor)
- (2) M|s. Roche Products Limited.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 299|84 and registered on 18-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, **Bombay**

Date: 12-4-1985.

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-I 37G 5117 84-85 - Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. No. 264 of Malabar & Cumballa Hill, Divn. Walkesh-

war

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the registering Officer at Bombay, on 23-8-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) Incilitating the concentratest of any mucros or any maners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mis Goolabi P. Barucha & Miss A. N. Khan.

(Transferor)

(2) Shri Mangaldas C. Kamdar

(Transferce)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B 375.84 and registered on 23-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-4-1985

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009 Abinedabad-380 009, the 8th March 1984

Ref. No. P. R. No. 3634 Acq 23/I/84-85. –Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Dwalka—Rammaktashwal etc. 22588 sy. yd. land tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dwalla Dist Jammanagar on 27-7-84. 27G reed August, 84.

for an pparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferant/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the stocksaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Arya Dharam Seva Sangh 1-Doctor's Lane, New Delhi.

(Transfero.)

(2) He Dwerka Cement Worl Employee's Union Ronneklashwar Road, Dwarka, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the positionation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Dwarks. Ranmuktashwai Road, R. No. 844/26-7-84 - 37G - August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Yate: 8-3-198\*

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3635 Atq 23/I/84/85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing

and bearing
Flat No. 301-3rd Floor at Crescent-A-Bldg. Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed barete),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Reigstering
37FI filed on 168-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such market as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s, J. S. Corporation, 48-Indranarayan Road, Santa Cruz-West-Bombay 54

(Pansicior)

(2) M. Kantilal N. Gokani Mrs. Indra K. Gokani 202-Gujarat Socy Sjon (West)-Bombay-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of potice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301-3rd floor in Crescent Bldg 'A' Race Course, Rajkot Adm. 1126 sq. ft Form No. 37EE filed 16-8-1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITHS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3636 Acq.23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 100,000/- and bearing No. Land at Sangar S. No. 1750 Adm. 3569 sq. yd. Jintan Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of th Rejistering Officer at Wedhwan on 9-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons comely :--41-66 GI/85

(1) Shri Bhaskar Mancklel & Ors. Opp : Makanji Mehta Sheri Wadhwan-Dist : S'nagar.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Jayantilal Shah & Ors. C/o Shri Shan Purohit & Co. Mehta Market S'bagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Surendranagar S. No. 1750 Jintan Road-Adm. 3569 sq. yd. R. No. 3163 Dt.: 9-8-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-Tax Acquisition Range-Ahmedabad

Date: 8-3-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3637 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed r

movable property, having a fair market value exceed r Rs. 1.00,000/- and bearing
No. H.P. at Veraval-Bhatiya Bldg. Krushna Nagar, Veraval (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16)

of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bhatiya Ranchhoddas Prabhudas, Bhatiya Bldg., Krushna Nagar, Veraval. (Transferor)
- (2) Shri Maheshkumar Govindlal Sanghvi Vırji Hausraj House, Krushna Nagar, Veraval Tel. No. 161 Veraval
- Kunverji Jethabhai
   Pro, Navinchandra Shah Bhatiya Bldg. Krushnanagar, Vetaval. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. P. at Veraval, Bhatiya Bldg. Krushna Nagar Plot No. 26 R. No. 2124 Dt; August, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 12-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Prafulchandra Thakorbhai Amin, Aslali. Tal. Daskroi, Dist. A'bad.

(Transferor)

(2) M/s. Jyoti Estate,

Partners.
1. Rasulbhai Hasambhai Patel

 Bhikhabhai Umedhbhai Patel
 Vinodhbhai Naranbhai Patel & Ors. Aslali, Tal. Daskroi, Dist : A'bad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3638 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevproperty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Asiali Seem S. No. 1558 Block No. 1724, Land (and more fully described in the Schedule annexed horses) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at A'bad on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Aslali C. S. No. 1558 Block No. 1724 R. No.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 

Act, 1957 (27 of 1957):

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-3-1985.

11562 Dt: 13-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3639 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Land at Village Asiali Seem Block No. 1695 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Officer Albed, pp. 128, 1984 Officer A'bad, on 12-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Narendrakumar Thakorbhal Amin Aslali, Tal, Daskroi Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Jyoti Estate,

Partners.

1. Rasulbhai Hasambhai

2. Bhaikhabhai Umedbhai Patel

3. Vinodbhai Naranbhai Patel & Ors.

Village: Aslall, Tal. Diskroi, Dist: Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Village Aslali, Block No. 1695 R. No. 11561 Dt: 12-8-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 15-3-1985.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Prahladbhai Hargovandas Patel. 15, Shenik Socy, Naranpura, Ahmedabad-13.

#### (Transferor)

(2) Peevi Electricals, Pramod Viranchilal Modi 4, Spectrum Commercial Centre. Nr. Relief Cinoma, Ahmedabad-1.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3640 Acq. 23/I/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Office No. 4, Spectrum Com. Centre, C.S. No. 4023, Ground Floor Nr. Relief Cinema, situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 9-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Office-4-Ground Floor at, Spectrum Commercial (1 C. S. No. 4023 S. P. 2 R. No. 12021 Dt: 9-8-1984. Centre.

> G. K. PANDYA Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3641 Acq.23/I/84-85.-Whereas L G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Vadai Seem S. No. 461-1 FP 28 Suryanarayan Co op Socy B. No. 15, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abmedabad on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to octween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Dilipkumar Ishwarlal Patel, A-1 Vishram Flats, Nr. Sahakar Niketan, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Jibhai Revabhai Patel M1. Dhuliben Jibhai Patel 16, Suryanarayan Socy. Nr. Bhavsar Hostel Housing Board Complex Side Nava Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Plot No. 15 T.P.S. 28 S. No. 461/1 F.P. 743 R. No. 12259 Dt: 16-8-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 19-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Atulchand Mukharji 2-Vikash Socy. Memnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Beantkaur Putia 16, Payal Nunglows, Satalight Road, Ahmedabad-15.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 008

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3642 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ghatlodiya Seem S. No. 16, Karmachari Nagar,

A'bad, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at A'bad, on 28-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Cazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transfer to pay tax under the said Act in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ghatlodia Karmchari Nagar, Plot A/60 R. No. 12724 Dt: 28-8-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-1985.

Soal :

#### FORM 1.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 008

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3643 Acq. 23/I/84-85,—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Property at S. No. 345, Dheban Road, Rajkot giverted et

situated at

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office

Officer at Rajkot, on 37EE on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Jamnadas Madhavji Sachania
   C/o Vaidya Wadi
   Opp: Virani Block, Mitesh Motor, Gondal Road, Rajkot.
- (2) Shri Dayal Ravji Makwana & Ors.

  C/o Makwana Brothers, Somvar Peth,
  Poona.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Dhebar Rd., S. No. 345, 37EE filed on 15-6-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 19-3-1985.

#### FORM ITNS--

. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 008

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3644 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

transfer with the object of :-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flut at Changispur TPS.3 FP 499 Jaldarshan
Co. op. Socy. C.24
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 9-8-1-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under minsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona numely :---42---66 GI/85

(1) Smt. Kamlaben Bhagubhai Patel No. 1, Agarwal Socy., Zalod, Dist: Panchamahals.

(Transferor)

(2) Chandrikaben Biharilal Modi Flat C-24-6th Floor
Jal Darshan Co. op. Socy. Ashram Rd., Opp Natraj Cinema, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforest persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the ervice of notice by the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. "

#### THE SCHEDULE

Flor at T.P.S. 3 F.P. 499 C. 24 R. No. 12072 Dt: 9-8-84 6th Floor, Jal Darshan Co.op Socy. Ashram Rd., Ahmedabad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ahmedabac

Dato: 14-3-1985.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-Í, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 008** 

Ahmedabad-380 the 25th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3645 kg. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. H. P. at Rajkot Kenal Dr., Lekh No. 206, 'Gantral Niwas' situated at (and more fully described in the Schedule annoved hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy :---

(1) Shri Bhanubhai Keshavji Parmar & Ors. C/o Mps Bhana Keshavji Panwala Sanganwa Chowk, Rajkot-1.

(Transferor)

(2) Managing Director Rajkot Nagrik Sahkari Bank Ltd. Nagrik Bhavan No. 1, Dhebarbhai Rd., Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The and expressions terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot, Kenal Rd., Lekh No. 206, Gantral Niwas, Land 210 sq. yd. Bldg. R. No. 5254 Dt: 17-3-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority
>
> Assistant Commissioner of Income-tax
>
> Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 25-3-1985.

#### FORM NO. I.T.N.S .---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTATION COMMISSIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 25th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3646 Acq. 23[I]84-85.--Whereas, I G.K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. H.P. at Bhomeshwer Co.op, H. ocy. Jamnagar Rd.

Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

'(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following serious, namely:-

(1) Shri Rashmikant Jamnadas & Smt. Kundanben Jamnadas Bhomeshwer Socy. Jamnagar Rd. Rajkot.

(Transferor)

(2) Damodardas Dayaljibhai Ganatra Plot No. 37AB - Bhomeshwar Co.op. H. Socy. Jamnagar Rd. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Bomeshwar Co.op. H. Socy. Plot No. 37AB Land adm. 623 sq.yd. + Bldg. 736sq.ft. = 81.7sq.yd. R. No. 4718 Dt. : Aug. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-1 Ahmedabad

Date: 25-3-1985

THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN TCOMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedaabd, the 27th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3647 Acq. 23]I|84-85.--Whereas, 1 G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Factory Shed—Godown Office etc at 9 Mavdi Plot—

Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evenion of the flability of the trumberer to pay tax under the sold Act is respect of any insume arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dinkarrai Dhirajlal Doshi Hasmukh Dhirailal Doshi Jayantilal Dhirailal Doshi 18-Mill Para-Raikot.

(Transferor)

(2) R. K. Roller & Flour Mills-9-Mavdi Plots-Rajkot-4.

(Transferee)

(4) Smt. Savitaben Dhirajlal Doshi-18-Mill ParaRajkot.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Rajkot City--9--Mavdi Plot S. No. 373 Paiki Plot No. Factory-ShedOffice Bldg. Godown etc. R. No. 5228, 5230, 5230 Dt. 17-8-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-3-1985

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
'HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedaabd, the 27th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3648 Acq.23[I]84-85.--Whéreas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Shed at Jetpur S. No. 715—Paiki Land 801

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jetpur on 31-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Shamohubhai Naranbhai Patel & Ors. Partners of Ms Johnsn Dyeing & Ptg. Works Bawa-Wala- Para- Jetpur-Dist : Rajkot. (Transferor)
- (2) Smt. Chandraben Champaklal Pandya Block No. 7 - Save Kunj Kamla Nehru Cross Lane - Kandi Vali (West) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein ere defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shad at Jetpur Nr. Chandramoleshwar, S. No. 715 - Land Adm. 801 sq.yd. at shed R. No. 2212|84 Dt : 31-8-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Ahmedabad

Date: 27-3-1985

#### FORM I.T.N.S ---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3649 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No

Land at Gondal Ward No. 2

S. No. 422/424 Adm. 6897 sq. yards (1 Acre 17 G) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gondal on 29-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of vansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shri Girirajsinhji S. Jadeja Hava Mahal—Gondal, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Gopalbhai Mohanbhai Vadodariya & Ors. Bhagwatpara Road No. 15—Gondal, Dist. Rajkot,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, Shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDOLE

Land at Gondal Ward No. 2 S. No. 422/424 Adm. 1 Acre 17 Guntha (6897 sq. yards) R. No. 1381 dated 29-8-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 27-3-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3650 Acq23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property T.P.S. 2 Rajpur-Hirpur F.P. 54
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2347-84 37G Aug. 84

Annedabad on 23/-84 3/G Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Laxmi Enterprises,
Partner—Dholumal Monekmal
Kubernagar—Gunglow Area
Ahmedabad,

(Transferor)

 Nagpur Goods Transport Co., Mr. Laxmi Cotton Mill O/S Raipur Gate, Rugnathpara Naka, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property at Rajpur—Hirpur TPS, 2 F.P 54, R. No. 111193 dated 23-7-84 37G—August, 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 26-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dinkarbhai Jayendrabhai Bhatt, 38-Mukti Medan-Manmagar, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) Deepesh Apartment Owners Association, 38-Mukti Medan-Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3651 Acq 23/I/84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Property at T.P.S. 4 F.P. 106 Maninagar—Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 17-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property T.P.S. 4 F.P. 106 Maninagar-R. No. 12348 dated 17-8-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 26-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 009

Ahmcdabad-380 009, the 25th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3652 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Richard Bearing No. 16/4
Karmachari Nagar Vibhag-2 B. No. 36
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-6-84—37G Aug. 84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by me than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Tarachand Namede Koshrakar, Ormi Society, Ghatlodia-Ahmedabad-61.

(Transferor)

(2) Ramesh Gopaldas Harwani B. No. A-36--Karmachati Nagar, Ghatlodia, Ahmedabad-61

( Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in their Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 16/1 Karamchari Nagar Vibhag 1 B. No. 36 R. No. 8336 dated 7-6-84 37G—Aug. 84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Flow therefore in pursuance of Section 2690, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ing persons namely ... 43--66 G1/85

Date: 25-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3653 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property Plot No. 55-57 at Thakhatshwar Talati—Ward No. 7—Bhavnagar

(and more fully descried in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 1-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of. ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

(1) 1. Narendra Ravashankar Dave

2. Praful Ravashankar Dave 3. Kanaiyalal Narmadashankar Dave

 Iitendra Narmadashankar Dave
 Satish Narmadashankar Dave Dr. Mohanlal's Bunglow-Ranjiwadi, Bhavnabar.

(Transferor)

2) Shri Samrat Ashok Co-op. Society, C/o Harash R. Doshi L.I.G. 229—Shashtrinagar, Bhavnabar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE:

Property at Plot No. 55/57, Thakteshwar Talati -Bhavnagar R. No. 2916 dated 1-8-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 28th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3634 Acq.23/I/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Propery T.P.S. 6 F.P. 486 Paldi seem Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-8-84

Ahmedabad on 9-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Diveyas Railal Patel 28—Vasantkunj Society, Navasarda Mandir Road, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Laljibhai Ramjibhai Gala--Tejabhai Lalitbhai Gala, 501-502, Kothawala Flat, Pritam Nagar, E. 8—Paldi, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the
  (b) by any other person interested in the said immovpublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 6 F.P. 486 Paldi seem-Ahmedabad R. No. 12048 dated 4-8-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 28th March 1985

Ref No. P. R. No 3655 Acq. 23|I|84-85-Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Property - Rajpur-Hirpur TPS 4 1-P. 2 - 143 Hissa

No. 4 - Maninagar - A bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad, on 17-7-84 37G Aug. 84

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Trambaklal Ganpatiam Dave-Rajesh Trambaklal Dave-Marinagar -A'bad-8. (Transferor)

(2) Krishna Kanan Owners Chanman—Rakeshkumai N Shah Paldi—A'abad Clo Krishna Kanan Owners Asson. Mr. Madhuvan Socy. —Maninagar—A'bad-8, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at FPS, 4 Rajpur Hupur F.P. No 2-143-Hissa No. 4 R. No. 10873 Dt. 17-7-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-3-1985

\_\_\_\_\_

- FORM ITNS-

#### (1) Shri Kailashchandia Nemchand Shab---21--Jain Socy., Ellisbridge—A'bad-6.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Jai Bhaktinandan Aptt, Owners Asson, C/o Kanti-ial Shamjibhai Thakkar, 2-Nilkanth Mani Socy., Vasana-Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3656 Acq. 23/I/84-85,---Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing TPS-22 F.P. 183 S. P. 1 Lant at Paldi-Narayan Nagar (and more fully described in the Schedule annexed herto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at A'bad on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons with the period or persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land at T.P.S. 22-F. P. 183, Sub Plot-1, Paldi R. No. 12257 Dt: 16-8-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at TPS-3, F. P. 219-S. P. 14, Pragna Co-op. Socy.-Navrangpura-A'bad (and more fully described in the Schedule account to the schedule accou

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Chanchalben Zaverbhai Patel-14-Pragna Socy. Navrangpura-Ahmedabad-9.

Transferor) (2) 1. Dhaimendra Dhaneshwar Vyas-H.U.F., 2 Bhartiben D. Vyas, 3. Minor Dhaval D. Vyas, 4. Minor Diki D. Vyas, 14-Pragna Socy., Navrang-Vyas-H.U.F. pura-A'bad-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of not ce on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at TPS-3, F. P. 219-SP-4 at Pragna Socy.-A'bad R. No. 12335 Dt : 17-8-84 and 37EE also filed on 1-9-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Ahmedab**ad

Date: 28-3-1985

(1) Kunvarben Bhurabhai Mandalbhai & Ors., Dantlimda Tal. City Dist., A'bad.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chairman—Nandkishor Randal Rajni Co. op. Socy. Dani Limda-Tal City.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3658 Acq. 23/I/84-85.—
Whereas, I. G. K. PANDYA.
being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land at Mithipur seem S. No. 43-1 and 43-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Rs. 1,00,000/- and bearing No.
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

viay he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- \* APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

t and at Mithipur-S. No. 43-1 and 43-2, R. No. 12241  $D_{\rm U} \simeq 14\text{--}8\text{--}84$ .

G. K. PANDYA Competent Authority Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following misons, namely:—

Date: 28-3-1985

(1) Kartik K. Desai, Smt. sweta K. Desai, Amratlal Pole-Khadia-A'bad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) I. Nilamben Satishchandra Shah, 2. Minor Archit-Gitabag, Paldi, kumar Satishchandja Shah, Ni (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Kef. No. P. R. No. 3659 Acq. 23/1/84-85.— Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No.
Bldg. T. P. S. 6, F. P. 268 to 278-A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

A'bad on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trussfer as agreed to between the par-ty's las not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneya or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the bias Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T. P. S. 6, T. P. 268 to 278, R. No., 12305 Dt: 16-8-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Ahmedabad

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISLITON RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3660 Acg. 23 1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Paldi-TPS-22-Bansidha: Co op Socy, F.P. 251 Sub Plot 14-B (and more fully described in the Schedule annuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

44—66 GI/85

- (1) Hiraji Amthaji Nayak, 14-B-Bansıdhar Socy. Sarkhej Road, Paldi-A'bad-7. (Transferor)
- (2) Smt. Indiraben Saradchandia Shah 14-B-Bansidhar Socy, Javaharnagar Road, Paldi Sarkhej Rd.-Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at TPS-22, F.P. 251, S.P. 14/B, R. No 12404/18-8-84,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 28-3-1985

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3661 Acq. 23 1/84-85—
Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
TPS. 4 Rajpur-Hirpur F.P. 59-A S.P. 8
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registering Officer at
Ahmedabad on 14-4-84 37G received Aug. 84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Narottamdas Lilachand B. No. 8-Rambag Vadnagara Patidar Socy., Maninagar-A'bad-8.
- (2) Keshavlal Muljibhai (HUF)-Ramanand Colony, Kankaria, Maninagar-Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Rajpur-Hirpur seem F. P. 59-A Sub Plot 8 R. No. 12229 Dt : 19-4-84 37O recd. in August, 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 29-3-1985

(1) Shri Mansukhlal Shamjibhai Patel & Ors. Shamkunj Limda Lane-Jamnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ashish Builders-Partner-Mahipatlal Keshavlal Shah-2nd Floor-Dhrue Mension-Opp : Deepak Talkies-Gram Market-Jamnagar.

### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1985

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P. R. No. 3662 Acq. 23/I/84-85.—
Whercas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Jamnagar Bedigate-K. V. Road-Survey No. 36-2 F Plan-2
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Jamnagar on 9-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Property at Bedi gate-K. V. Road, S. No. 36-2-F Plan-2 Jamnagar-R No. 2774 Dt: 9-8-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedahad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 29-3-1985

\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

(1) Shantilal Pragjibhai Mehta-4-7 Colaba Mika Flat-Colaba-Bombay-5. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ambica Enterprise-1-Pallavi Apartment-Memnagar-Opp. Fire Station, Navrangpura-A'bad-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 7ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 28th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3663 Acg. 23/I/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land at Memnagar T.P.S. L.F.P. 215 (and more fully described in the Schedule sansked bereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold. Act, in respect of any income arising from the transfer: 2114/45

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. (11 of 1922) or the mid Act. er the Wes Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Memnagai F.P. 215, T.P.S. 1, R. No. 11612 Dt

3. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-3-1985

#### FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 61/Aug/84.—Whereas, f. V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the inconst-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, Nadar Vidhya Salai, South Vel'i St., situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

saturated at Madurai (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jont Sub-Registrar-I, Madurai Doc. No. 2230/84 on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. K. T. S. Saraswathi Ammal, 52, Sait Colony, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Smt. Valarmathi, W/o K. A. Sekhar, 16, C/2, F. F. Road, Nadar Vidya Salai, South Veli St., Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same manning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Door No. 7, Old Door No. 55, Nadar Vidhyasalai Street, South Veli Street, T. S. No. 2392, Madurai—House. Doc. No. 2230/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madural

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 249D of the said Act, to the follow-persons, namely:

Date: 18-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Rcf. No. F. 62/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, v. M. MOTHORAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that' the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, Nadar Vidhya Salai, South Veli St., situated at Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar-I, Madurai (Doc. No. 2299/84) on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. k. P. S. Saraswathi Ammal, 52, Sai Colony, Egmore, Madras-8.

(Transferou)

(2) Sr<sub>i</sub> K. A. Sehkar, 16, C/2, F. F. Road, Nadar Vidya Salai, South Veli St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovwithin 45 days from the date of able property, publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Bearing Door No. 7 (Old Door No. 55), Nadar Vidhya Salai St., South Veli Street, Madurai T. S. No. 2392, Madurai. (Document No. 2299/84).

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madural

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAL

Madurai, the 18th Merch 1985

Rcf. No. F. No. 63/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

5, New Block, 23, Ramachandropuram

situated at Thennur, Woriyur, Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Woriyur Doc. No. 2284/84 on 3-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jayalakshmi, W/o late A, G. Subramanian, Ramachandrapura, Thennur, Trichy.

(Transferor)

(2) Sri S. N. Kannappan, S/o Sankaranarayan Chettiar, 6-D. Warners Road, Contonment, Trichy,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House at D. No. 5, in New Block No. 23, Ramachandra-puram, Thennur, Trichy.

Doc. No. 2284/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madural

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-3-1985

-----

(1) Sri K. Arumugham, 78, Sundara Nagar, Trichy-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Mallika, W/o Sti K. Arumugham, 78, Sundara Nagar, Trichy-18.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Madurai, the 18th Merch 1985

Ref. No. F. No. 64/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 1132/IB

situated at Sundarapuram, Trichy-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar-III, Trichy, Doc. No. 1333/84 оп 2-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

House in T.S. No. 1182/1-B in Sundara Nagar, Trichy-18. Document No. 1333/84.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurat

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 18-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **MADURAI**

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. 65/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsifter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immervable

property having a tair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land and House in S. R. No. 222/2
situated at Thuvarankurichi Village, Trichy Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Sub-Registrar's Office, Thuvarankurichi (Doc. No. 757/04)
or 7.8 1984 ов 7-8 1984

on 7-8 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redustion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any factome arising from the transfer: **647a.** .
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 45—66 GI/85

(1) Sii S. Venkatakiishnan Chettiar and Others, Thuvatankurichi Village, Manapparai Taluk, Trichy District.

(Transferor)

(2) Basappa Rudrappa Ogi, S/o Rudrappa Ogi, 32, Valayalkara St., Trichy-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and House in S. F. No. 222/2 in Thuvarankurichl Village, Manapparai Taluk, Trichy Dt. Doc. No 757/84.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date . 18-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAL

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 66/Aug/85.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T. S. No. 1182/1

situated at Ammapalayam, Perambalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, Trichy Doc. No. 1334/84.

on 2-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the farties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Arumugham, S/o K. Karuppa Naickei, 78, Sundararaja Nagar, Trichy-20.

(Transferor)

(2) Smt. Leela, W/o Sri Rajendran, Ammapalayam, Perambalur Taluk, Trichy Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Site in T.S. No. 1182/1 in Ayyampalayam village, Perambalur Taluk, Trichy Dt.

Doc. No. 1334/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai

Date: 18-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 67/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. T. S. No. 72,

stuated at Ammapalayam Village, Perambalur Taluk (and more fully described in the Scholule annumed hereto) has been transletted under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-III, Trichy (Doc. No. 1338/84) on 6-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) fucilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax tumler the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri K. Arumugham, S/o Karuppa Naicker, 78, Sundararaja Nagar, Tiruchirapalli-20.

(Transferor)

(2) Smt. Manimekalai, W/o P. Damodaran, Ammapalayam Village, Perambalur Taluk, Trichy Dt

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 slays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and site in T. S. No. 72, Ammapalayam Village, Ferambalur Taluk, Trichy Dt (Doc. No. 1338/84)

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurat

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 18-3-1985

#### FORM ITNS -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri Victor, (for himself and his minor son) S/o Samuel, Tanjore Rd., Pudukottai.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAI

(2) Snt. A. Mubarak Nisha, W/o A. R. Shajahen Mohamed, Han A. M. A. Nagar, Rahmania Garden, Pudukottai.

(Transferee)

Madurai, the 18th Morch 1985

Objections, if any, to the acaquisition of the said property amy be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. F. No. 68/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing T. S. No. 1126/1, Tanjore Road

1. S. No. 1120/1, Tanjore Road situated at Pudukottai (Doc. No. 1933/84) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar-I, Pudukotini in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 1126/1, Tanjore Rd, Pudukottaì.

(Doc. No. 1933/84).

V. M MUTHURAMALINGAM Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :-

Date: 18-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAI

Madurai, the 18th Morch 1985

Ref. No. F. No. 69/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing New S. No. 71-1, to 71-9, 71-10 to 71-13 64-1 to 64-6, 65-1 to 65-3, 68-1, 69-1, 69-3, 70-1 to 70-3 & 74-1 in TS No. 9953 situated at Tirumaiyam Rd, Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed harete) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar-J, Pudukottar (Doc. No. 908, 909, 910/84) in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Smt. O. Alagusundari, W/o S. P. Udayappan, Indra Bhavan, Maharnonbu Pottal, Karaikudi.

(Transferor)

(2) Smt. G. Innasi Mary, W/o Micheal Devadoss, T. S. No. 9953/2, Tirumaiyam Road, Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3.43 acres in New S. No. 71/7.72 acres in New S. No. 64 and 65 and 6.72 acres in New S. No. 68, 69 70 and 74 in T. S. No. 9953/2.

(Doc. No. 908, 909 and 910/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Madurai

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 70/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Door No. 27 in T. S. No. 104, 4th Block Ward No. 4, Main Rd. Palakarai, Trichy

situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-J, Trichy (Doc. No. 1349/84) on 2-8-1984

on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisities of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1), of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Smt. M. Sabura Beevi & Others, Fathima St., Sangiliandapuram, 135, Main Road, Palakarai,

(Transferor)

(2) Sri T. M. Hanifa, S/o Mohd. Kasim, 27, Main Rd, Palakarai, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ar given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Site in Door No. 27, 4th Block, Ward No. 4, T. S. No. 104 Palakarai, Trichy,

(Doc. No. 1349/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority , Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date: 18-3-1985

#### TORM JTNS--

#### (1) R. Nargunan S/o M. Ramanathan, 11, India Bhayan, Maharanonbu Pottal, Karaikudi.

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, .

#### ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. 71/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM. V. M. MUTHURAMALINGAM.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
Lands in New S. No. 62, 63 and 64 in T. S. No. 9953/2, Tennangudi village, Perangulur situated at Perangulur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transforred under the Registration Act 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Perangalur (Doc. No. 911/84) in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :-

(2) Micheal Devadoss S/o M. V. S. Viswasam, T. S. No. 9953/2, Tirumaiyam Rd., Pudukottai.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

#### THE SCHEDULB

Lands in New S. No. 64, 63 and 62 in T. S. No. 9953/2 in Tennangudi village, Perangalur (Doc. No. 911/84).

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date: 18-3-1985

#### FORM JTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI

Madural, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 72/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sau'. Act'), have reason to believe that the immovable property having at fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

House Site in S. No. 185/2 situated at K. Abishekapuram,

Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar-I, Trichy (Doc, No. 231/84) on Augus 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) R. Chari S/o Rengaramanujam, 3rd Cross Rd., Sundararaja Nagar, Trichy. (Transferor)

(2) G. Rajamani S/o Gopala Iyer, Srinivasapuram, Теплиг, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Site in T. S. No. 185/2, K. Abishekapuram, Trichy (Doc. No. 231/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-3-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. 73/Aug/84.—Whereas, I. V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.
6, T. S. No. 196, Lane Street situated at Karaikudi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Joint Sub-Registrar-I, Karaikudi (Doc. No. 451/84) on
August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
andier

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—46—66 GI/85

 S. Poornanandam Ammal W/o T. S. Rajamani Iyer, No. 6, Mudukku Street, K. Muthupattinam, Karaikudi.

(Transferor)

(2) Smt. P. Saroja W/o A. K. Paulchamy Chettiar, Pandugudi ,Tiruvadanai Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Door No. 6, T. S. No. 196, Mudukku Street, Muthupattinam, Karaikudi (Doc. No. 451/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai

Date: 18-3-1985

Scal : '

1(1) A. T. Thomas, Mannarpuram, Trichy. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gnanavadivel, State Bank Colony, Trichy. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. 74/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Vacant Site at S. F. 231/1, K. Abishekapuram situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-I, Trichy (Doc. No. 5559/84) on August,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant Site in S. F. No. 231/1, K. Abishekapuram, Trichy (Doc. No. 5559/84).

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 18-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 75/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Lands in S. No. 482/1 and 646/4, with well in Tirumalai

Reddipatty village situated at Koodalur (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Kulithalai (Doc. No. 1525/84) in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

- (1) Pachamalai Asari S/o Perumal Asari, Chamundeeswari Ammal Koil St., Kulithalai. (Transferor)
- (2) Natarajan S/o Pappu Reddiar, Tirumalaireddipatty, Koodalur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lands in S. No. 482/1 and 646/4 with well in Tirumalai Reddypatti village, Koodalur (Doc. No. 1525/84).

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date: 18-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madural, the 18th March 1985

Ref. No. F., 76/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 12/7-T. 17, 12/8-T. 28, 12/9-T. 40, 13/3-T. 31, Kottapatty village

Kottapattu village situated at Trruchirapalli Dt:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar-I, Trichy (Doc. No. 5646/84) on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persous, samely :---

(1) Smt. Rajam Padmanabhan, Kiledar Street. Kottapattu village, Trichy TL.

(Transferor)

(2) E. Jaffar Khan, S/o Haji N. Ibrahim Khan, A. 3, First St, Ramalinga Nagar, Woriyur Trichy

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nanja lands in S. No. 12/7-T. 17, S. No. 12/8-T. 28, S. No. 12-9-T. 40, S. No. 13/3-T. 31 in Kottapattu village, Trichy Tk. (Doc. No. 5646/84).

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai

Date: 18-3-85

NOTICE UNDER SECTION 26(Let) OF IHE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 77/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Vacant site in S. No. 231/1 situated at State Bank Officers' Colony Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar's-I,office Trichy, Doc. No. on Aug 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri A. T. Thomes, S/o Sri T. N. Thomas. No. 20, Mannarpuram 4th St., Trichy-20. (Transferor)
- Sri Shanmuga Sundaram,
   S/o Sri Raju Pillai,
   No. 27, State Bank Officers' Colony,
   Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Site in S. No. 231/1 in State Bank Officers' Colony Suvisheshapuram village, Trichy. Doc. No. 5560/84.

V. M. MUTHURAMAI.INGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Madurai-625002

Date: 18-3-85

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **MADURAI-625002**

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F No. 78/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House and land in T. S. No. 3490 West Part in West Raja Veethi

situated at Pudukottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Joint Sub Registrar, Pudukottai. Doc. No. 2114/84

on Aug 1984

for an apparent consideration which is less than the Aur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following neisons, namely :---

(1) R. Rethinammal, W/o late M. A. Rajagopal Pillai and R. Sundarambai, W/o late M. A. Rajagopal Pillai West 2nd St., Pudukottai.

(Transferor)

(2) Smt. Manoranjitahm, W/o Venkataraman Chettiar Smt. Prema, W/o P. Sanmugham Chetter Sri Veluchamy, S/o Palaniappan Chettar, East 4th Street, Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House and land in T. S. No. 3490, West Part of West Raia Strcet. Doc. No. 2114/84.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai

Date: 18-3-1985

Seal ::

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I** MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 79/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. New Block No. 38, D. S. 58, in Thennur village, situated at Thennur village, Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office, Wortyur, Doc. No. 2563/84
on 22-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay can under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957):

Seethalakshmi Ammal alias Kunjammal, W/o S. A. Yegnaswami lyer, D. No. 1/1, Viswanathapuram, Thennur, Trichy-17.

(Transferor)

 Sri N. V. Venkateswaran.
 S/o N. V. Vaidhyanatha Iyer,
 D. No. 2, Viswanathapuram, Thennur, Trichy-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:-
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House and land in New Block 38, New D. S. 58, in Themour village, Trichy Dt. Doc No. 2563/84.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-625002

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. Samely:—

Date: 18-3-85

(1) Smt. Meenaksh. Ammal, Wo. Vedasanthur Ramachandra Iyer, 116, 9th Cross, Thillai Nagar, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Arumugham, So. Arunachalam Pillai, Chickampillayar Koil St., Thuraiyur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 80 Aug 84.—Whereas I. V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to go the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. C-76 in New Block No. 27 New Ward D. New T. S. No. 17
siauated st Woriyur, Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SRO, Woriyur Doc. No. 2396 84 in Aug 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:— T. S. No. 17

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and land in New T. S. No. 17, New Block 27, New Ward D in Plot No. C-76 in Woriyur. Doc. No. 2396|84.

> V, M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Date: 18-3-85

#### FORM ITNS-

(1) Sti M. G. Potdar, s/o Mahadev Govind Potdar, 14, 5th St., Subramaniapuram, Karaikudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Thenammai, w/o Kathiresan Chettiar, K. V. Street, Kottaiyur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

F. No. 81/Aug/84.—Whereas I, V. M. Ref. No. F. No. 81 MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Land & Building in S. No. 511/1A in C Block Wurvey Ward 2, situated at Karaikudi Joint II Sub-Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar II, Karail udi—Doc. No. 1634/84 on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and land in Survey No. 511/1A in C Block Survey Ward 2 in Collection Ward 2 Asst. 2736 in Karaikudi Joint II Sub Dist.

Doc No. 1634/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-3-1985

Scal:

47-66 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 8 MUTHURAMAI INGAM, 82/Aug/84.—Whereas, I, V, M. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Lands in S. No. 215/2, 3 & 4 in Vethiyur village 215/1 in Vethiyur village, situated at Vethiyur village, Ariyakudi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar, Karaikudi. Doc. No. 1702, 1704 and 1705/84 on 22-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957); (1) K. Thirumalaisamy, s/o Gopal Chettiar, S. Tandhi, s/o Shaimuthu, 12, Yegappa Chettiar, Karaikudi.

(Transferor)

(2) Smt. Rajam w/o Gandhi, Sri Gandhi s/o Sonaimuthu, No. 3, Subramaniapuram 9th St., Karaikudi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

5.34 acres in Survey No. 215/2, 215/2 and 215/4. 9.30 acres in Survey No. 215/1 4.68 acres in Survey No. 215/1 and well in Vethiyur Village, Ariyakudi Group, Karaikudi. Doc. No. 1702, 1704 and 1705/84.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 11) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 18-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Perumal Naicker and others Uppiliya Street, Trichy Road, Musiri.

(Transferor)

(2) S. Ramanathan, s/o Slaiappan, 4, Prominate Road. Contonment Trichy.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

83/Aug/84.—Whereas I, V. M. F. No. No. MUTHUKAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Lands in Survey No. 85/2A1 that the structure of t 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar, Musiri, Doc. No. 2018/84 on 17-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesain property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

1 ac and 43 cents out of 5 ac and 79 cents in Survey No. 85/2A1 in Umayalpuram village, Musiri Taluk. Doc. No. 2018/84.

> V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-3-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Samsudeen Rowther, s/o Mohamed Ibrahim Rowther, Pallapatti Village, Karur Taluk.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

F. No. 84/Aug/84.—Whereas, I, V. M. Ref. No. MUTHURAMALINGAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House & lands in S. No 722/1 and Sl No. 723/1 Pallapatti village, situated at Pallapatti Village, Alkurichi, Karur Taluk (and more fully described in the Schedule annound hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of

Sub Registrar. Karur, Doc. No. 1149/84
on August, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the insue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) T. A. Kalibullah, s/o T. K. Mohamed Hanifa, Kumanan St., Pallapatti village, Karur Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building measuring 61 cents out of 4.03 acres in S. No. 722/1 and 723/a in Pallapatti Village, Alakurichi Village, Karur Taluk.

Doc. No. 1149/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date: 18-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 85/Aug/85.—Whereas, I, V. M. MUIHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

S. No. 219/1 D 1 A/3

situated at Pappakurichi Village, Kattoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) Sub Registrar, Thiruverambur, Doc. No. 2594/84 on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Desiga Vinayagam and others VOC St., Akılaprasadapuram, Kattoor, Trichy Dt.

(Transferor)

(2) R. Mokkiah Thevar, Thangathammal w/o Mokkiah Thevar, M. Sankar and M. Ganesan, sons of Mokkia Thevar, Kamban St., Akilaprasadapuram, Kattoor, Trichy Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and land in Survey No. 219/1D 1A/3 Pappakurichi Village, Kattoor.
Doc. No. 2594/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Date: 18-3-1985

#### FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625002

Madurai, the 18th March 1985

Ref. No. F. No. 86/Aug/84.—Whereas, I, V. M. MUTHURAMALINGAM, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing SF. No. 45/7A situated at Arantangifi town (and more fully described in the Scheduled appears house)

SF. No. 45/7A situated at Arantangifl town (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar, Atantangi. Doc. No. 1533/84 on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 V. Subbiah, Udayar, s/o Velu Udayar, Ambalavananyandal.

(Transferor)

P. Kalifullah, s/o
 Peer Mohamed Rowther,
 Arasankulam Post, Arantangi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYMANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House in S. F. No. 45/A in Arantangi Town. Doc. No. 1533/84.

V. M. MUTHURAMALINGAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madural

Date: 18-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No.|5786.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Garha Road, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Mnohar Lal Sharma, ES-39, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Dukh Bhanjan Singh, 14-B|5, Andheri Manish Vijay Co-operative Housing Society, Plot No. 14, Manish Nagar, Andheri West Bombay-400058.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 740, Urban Estates, Phase No. I, situated at Garha Road, Jalandhar & persons as mentioned in the 37-EE form registered with the Competent Authority u/s 269 AB(2) of the I.T. Act, 61. in August 1984.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5787 and 5788.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

No. as per schedule situated at Garha Road, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Gurdip Singh Soo Subedar Harnam Singh ro Shekhan Pind teh. Jalandhar Mukhtiar of Sh-Kishori Lal So Anant Ram Co Ms. Kishori Lal & sons, Shastri Market, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Baljit Singh S/o Surat Singh r|o 155-New Jawahar Nagar, Jalandhar now at Village Nakerian Distt. Ferozepur.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 1119 situated at Urban Estates, Garha road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 1995 and 2185 of August, 1984 (1|2—share each deed) of the Registering Authority—Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-4-1985 Seal:

FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. | 5789-5790 & 5791.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

as per schedule situated at Basti Danishmandan, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have 'not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48---66 GI/85

- (1) Shri Banarsı Lal Slo Sh. Barkat Ram Shoor, 192—Adarsh Nagar, Jalandhar Mukhtiar-ai-am of Sh Teja Singh Slo Sawan Singh of Basti Danishmandan, Jalandhar.
- (2)M|s. B. S. Fradings, Basti Danishmandan, Jalandar,

(Transferor)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property area 54 Mls., 55 Mls. & 54 Mls. situated in Basti Danishmandan, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2028, 2029 and 2079 respectively of dated August, 1984.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-4-1985

Seal 1

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 17th April 1985

Ret. No. A.P. No. 5792.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,006/- and bearing

No. as per schedule situated at Boot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1984 (1908 16

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Charan Kaur Wo. Sh. Swaran Singh ro 11-Link Road, Model Town, Jalandhar. ((Fransferor)
- (2) Shri Gurbhajan Singh Slo Shamsher Singh 1 o 319-Lajpat Rai Nagar, Jalandhur.

(3) As S. No. 2
(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property area 18 Mls. 152 Sq. ft., situated in Boot Teh, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 1992 of August, 84 of the Registering Authority, Jalandhar

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-4-1985

Seal 7

## PART III-SEC. 1]

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Rcf. No. A.P. No 5793.--Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

as per schedule situated at Boot (and fore fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of

1908) in the Office of the Registration Act, 1903 (10, 61, 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more of the officer and that of the officer and that the same and that the same and that the same are consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitation the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the soncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Charan Kaur Wo Sh. Swaran Singh, r/o 11-Link Road, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Jitinder Pal Kaur D/o Sh. Balcharan Singh r/o 557-Model Town, Jalandhar.
  - iTransferee !
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein\_as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property area 18 Mls. 152 Sq. ft. situated in Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No 1993 of August, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 17-4-85

(1) Srimati Charan Kaur W/o Sh. Swaran Singh, r/o 11-Link Road, Ialandhar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5794.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

No as per schedule situa'ed at Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922), or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(2) Shri Navjit Singh Sandhu s/o Gurbhajan Singh r/o 319, Lajpat Rai Nagar, Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above. (Transferee)

(4) Any other person interested in the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property area 18 Mls 152 Sq f., situated in Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No, 1994 of August 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons namely:

Date : 17-4 85 Seal :

#### PORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5795.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Non, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Charan Kaur Wlo Sh. Swaran Singh, r/o 11-Link Road, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Gurdip Singh, s/o Gurbax Singh r/o 141-Gur Teg Bahadur Nagar, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property)
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property area 18 Mls. 152 Sq. ft. situated in Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2027 of August. 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Inlandfar

Date: 17-4-85

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 17th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5796.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
No as per schedule situated at Boot (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Islandhar on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Charan Kaur Wo Sh. Swaran Singh, r/o 11-Link Road, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Rajinder Kaur w/o Gurcharan Singh r/o W.S.-352, Basti Sheikh, Jalandhar.
  - (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property area 18 Mls. 152 Sq. ft. situated in Boot and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2026 of August, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1), of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 17-4-85

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 18th April 1985

Ref. No. A.P. 5797.—Whereas, I

Ret. No. A.P. 5/9/.—whereas, i J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No as per schedule situated at Ram Garh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Pillaur on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Abinash Chader s/o Gurdial Chand r/o Ram Garh Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh s/o Sarwan Singh r/o Village Jandiala Teh. Phillaur.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1157 of August, 84 of the Registering Authority, Phillaur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar-

Date: 18-4-1985

Seel :

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th April 1985

Ref. No. A.P. No. 5798.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter, referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

No as per schedule situated at Ram Garh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Asha Rani woo Abinash Chander R/o Ram Gath, Phillaur.
- (2) Shrimati Amarjit Kaur w/o Numal Singh r/o V. Jandiala Teh Phillaur
- (3) As S. No. 2 above. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property)
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1158 of August, 1984 of the Registering Authority. Phillaur.

J I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 18-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62|43933|84 85|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. D-36.

No. 22 (old No. 5B),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the I.A.C. Ac. Delhi.

Shivajinagar on 9-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in . respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

(1) M/s. Ambit Estates & Developments Co., No. 32, Museum Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Sunrise Apartments P. Ltd., by: Mr. H. V. Kamath, Bangalore.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDILLE

[Rgistered Doiument No. 1961]84-85 dated 9-10-847 Property bearing No. 22, fold No. 5B), Ulsoon Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-1985

Seal:

49 -- 66 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62|44479|84-85|ACQ|B --- Whereas I, R BHARDWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No.

No. 24.

situated at I Cross, Ulsoor Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering fficer at Shivajinagar on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Robert Bartou Wright, No. 24, Ulsoor Road, I Cross, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Mr. Luis De Menenjes Braganca & Mrs. Yvonne De Menenjes Braganca, No. 41, Residency Road, Bangalore,
- (3) Transferor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as endefined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1917]84-85 dated 1-10-1984] Premises No. 24, Ulsoor Road, I Cross, Bangalore.

R. BHARDWA.
Competent Authorite
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range, Bangalor

Date: 26-3-1985

(1) Shri R. Gopal. No. 9, I Cross, Laxmi Road, Shanthinagar, Bangalore-27

(Transferor)

(2) Shri K. M. Frema, No. 284, Upper Palace Orchards, Bangalore-80.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE 560 001

Bangalore, the 26th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62]44365[84-85]ACQ[B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 329, situated at Avenue Road, Bangulore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that this fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, enā /er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers. Set the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1986|84-85 dated 26-9-1984] Shop premises at No. 329, Avenue Road, Bangalore

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequestion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 26-3-1985

Seel:

## NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62|43897|84 85|ACQ|B.-Whereas I, R BHARDWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

situated at Uthan, Uttarahalli Hobli, Pangalore South Iq. (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Bangalore South Tq. on 20-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the consealment of any income or any memory or other assets which have not been or which engls to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following potents, namely:—

(1) Smt. Susan Alexander, repd. by: Sri A O. George, No. 31/1, 17th Cross Ranganathapuram, Malkeswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri M. K. Nagappa, No. 15, Bull Temple Road, Near Ramakrishna Circle, Bangalore-4.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3163|84-85 lated 20-8-1984.]

Property in Uthari, Uttarahalli Hobli, Bangalore South Tahik.

R. BHARDWAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th March 1985

Ref. No. C. R. No. 62[43842[84-85]ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. RS. No. 12-1A1, TS. No. 733-1A1, stuated at Kankanady Village, Jeppu Ward, Milore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

M'lore on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Winnifred D'Souza, Wlo S. F. D'Souza, Near Valemia Church, Kankanady M'lore.

(Transferor)

(2) Shri Gregory Velerian Lobo, Slo. Anthony Lobo, Near Valemia Church, Kankanady, M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 900|84-85 dated 28-2-1984.]

Property No. RS. 12-1A1, TS. No. 733-1A1, Kankanady Village, Jeppu Ward, M lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th March 1985

Ref. No. C.R. No 62|43856<sub>1</sub>84-85|ACQ|B.--Whereas I,

R. BHARDWAJ. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act ) have reason to believe that the immovapie property, having a fair market value exceeding Rs. -,00.000|- and bearing No. 1 (209). situated at Upper Palace Orchards, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hersto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1009) in the office of the Parietering Officer of of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 3-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri K. S. Prakash & K. S. Ramesh, M/s, C. J. Sheth Construction Co. No. 408, XII Main, Rajamahal Vilas Extn. Bangalore-80.

(Transferor)

(1) 1. Shri Deepakraj Chopra, Vinod Kumar Chopra,
 Ashok Kumar Chopra &
 Umesh Kumar Chopra,
 No. 43, II Main Indl. Town,
 Rajajinagai, Bangadore-44.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1407]84-85 dated 3-8-1984.]

Portion of site bearing No.209 (New No. 1), Upper Palace Orchards, Bangalore-80

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1985

C. R. No. 62/44670/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000

snd bearing No.
Sy. 279|2, 279|5, 276|1 & 279|1B situated at Kaujila Village, Madikeri Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercasa on 27-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

K. P. Aiyauna, K. P. Seetavva, K. P. Mithanna, k. P. Gowramma & K. P. Neelamma, Hakathur village, Madikeri Taluk.

(2) M. A. Nanjappa, M. A. Suresh & M. A. Sharada, Kukloor village. Vivajpet Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand;—

- (a) by any of the aferencial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the astroice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 730]84-85 Dated 27-9-84.]

Property bearing Sy. No. 279/2, 279/5, 276/1 & 279/1B, Kuujila Village, Madikeri Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D at the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th March 1985

C. R. No. 62/45877/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 76|119 situated at Kadugondauahalli, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at B'lore South Tq. on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Nagarathnama, 2. Muniaujauappa, Kodugondauahalli, B'lore North Tq.

(Transferor)

(2) Sartaj Begum & 2, Habeeda, No. 5, 13th Cross Vasanthanagar, Blore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3776|84-85 Dated 25-8-1984]
Property bearing No. 76/119, Kodugondauahalli, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-3-1985

(1) A. Sambasiva Rao, No. 1020, 12A Main Road, III Cross, HAL II Stage. Blore-38.

(2) B. Nataraj & Sri B. Prabhu, No. 17/19, R. No. 2 Street, old Market Road Cross, B'lore, (Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th March 1985

C. R. No. 62/45068/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 910 situated at Binnamaugala I State Extension, B'hore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Shivajinagar on 29-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property, and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said a trument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: until for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2543[84-85] Dated 29-11-1984]
Property bearing No. 910, Binnamaugala 1 Stage Extension, Blore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—66 GI/85

Date: 29-3-1985

Scal '

#### FORM NO. ITNS----

(1) 1. T. Raghuchandia Shetty, 2. M. V. Shetty, 3. Viashabharaja Shetty, 4. Chandraraja Jain, 5. Jagthpal Shetty, 6. Parshivanath Shetty, 7. Inauachandra Kuloor, Jain Compound, M'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R&R Enterprises, Repd. by Mr M. Rajan, Pailauds, P. N. Rao Road, M'lore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT · COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1985

R. No. 62/43893/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing R. S. No. 833-1, T. S. No. 655-1A situated at Attavar village, M7ore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lie of the transferor to pay tax under the said A respect of any income arising from the transfer, end/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisit in of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 721/84-85 Dated 16 81984.] village, M'lore.

Property bearing RS No. 833-1, TS No. 655-1A, Attavar

R BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th March 1985

R. No. 62/43810/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No.

4, situated at Albert Street, Righmond Town, B'lore-25 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Iftikhar Ali Khan, 2. Shri Uubair Ali Khan, No. 4, Albert Street, Richmond Town, B'lore-25. (Transferor)

 Baby Sadia Farook, 2. Master Furail Farook,
 Baby Nadia Farook, Repd. by Father Mohd,
 Farook No. 11/7, King Street, Richmond Town, Blore-25.

(Transferee)

(3) Transfcior.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1329|84-85 Dated 3-9-1984.] Property No. 4, Albert Street, Richmond Town, B'lore-25.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 20-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th March 1985

C. R. No. 62/43732/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00] and bearing

and bearing
RS No. 83-6A situated at Kadri-B-Village, M'lore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office

of the Registering Office at M'lore on 9-8-1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough; to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shiyamma, 2. Ekneth, 3. Kushalmathi, 4, Shiyanand, Kadri, M'lore.

(Transferor)

(2) K. Sahadeva, I.T.I. Instructor at Karwar, Mangaldevi Road, M'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 697|84-85 Date 9-8-1984]
Property bearing RS No. 83:6A, Kadri-B-Village, M'lore.

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionr of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF, INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62|44378|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old No. 40 & 40/1, New 34-35 (1st floor) situated at 9th Cross, H. Siddaiah Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of assavangudi under Document No. 2569/84-85 on 27-9-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the ebject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

Shri P. V. Kuppuswamy Naidu
 Shri P. V. Ramachandra Naidu
 101 A Main Road
 102 Block
 103 Jayanagar
 103 Bangalore-11

(Transferor

(2) Smt. Zakia Begum, W/o Syed Alimuddin, 124/16 8th Cross, Wilson Gardens, Bangalore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2569/84-85 Dated 27-9-84)

All that property bearing old No. 40 & 40/1 new No. 24-35 (1st floor) situated at H. Siddalah Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 25-3-1985

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62]43902|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 237 situated at III Stage, III Phase Banashankari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at Jayanagar under Document No. 2058/84-85 on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

 Shri C. R. Venkatesh, No. 1, Nanjappa Building, 1st Cross, Lakkasandra, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Shankarappa,No. 417, 50 Ft Road,13-A Main Road, Banashankari, Bangalore-50.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2058/84-85

Dated 27-8-84)

All that property bearing No. 237 situated III Stage, III Phase, Banashankari, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1985

#### FORM ITNS-- -

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62[43831]84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 25[65-66E situated at Nazarbad Mohalla Lalithamahal

Road, Mysore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of Mysore under Document No. 2335/84-85 on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Now, inerctore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :--

(1) Shri Ananda Adappa by P.A. Holder-Sri S. Balakrishna Shetty, 119, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Preeti Goenka, "Goenka Niwas" No. 19 Balevedore Road, Alipore, Calcutta-700027.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2335 84-85 Dated 18-8-84) All that property bearing No. 25/65-66E situated at Nazarbad Mohalla, Lalitha Mahal Road, Mysore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1985

Seal

#### FORM ITMS

(1) Smt. Susheelamma, No. 18-20, 2nd Cross, Journalist Colony, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Subhan Sheriff & Others, No. 56, Hospital Road, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62|44374|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 18, 19 20 (Old Nos. 21/1, 21/2 &21)
situated at 2nd Cross, Journalist Colony, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Basavangudi under Document No. 2646/84-85 on September
1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registred Document No. 2646/84-85 Dated Sep. 84)

All that property bearing Nos. 18, 19 & 20 (Old Nos. 21|1, 21|2 & 21) situated at II Cross, Journalist Colony, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bangalore

Date: 25-3-1985

#### FORM ITNS----

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62|43976|^4-8f'ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred, as the 'said Act') have reason to believe that the imvovable property having a fair market value exceeding s. 1,00,000/- and bearing

to, 45/1, nituated at Ramamandia Road, Basavangudi sangalore-4,

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 o' 908) in the Office of the Registering Officer at managing under Document No. 2328/84-85 on 13-9-1984 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to make the fair market value of the property as affore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of transfer with the object of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Novice under subsection (1) at Section 269 D) of the said Act, to the following persons, namely 2751—66 GI/85

1. Shri C. Chandrashekar
 2. Sri C. Veerabhadraiah
 No. 27, I Main Road,
 Matiyappanpalya, Kempapura Agrahara,
 Bangalote.

(Transferor)

(2) Smt. Mustari Begum By G.P.A. Holder— Shri S. N. Inayat, No. 4, Elephant Rock Road, fayanagar, Bungalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Phichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2328/84-85

Dated 13-9-84)

All that property bearing No. 45/1 situated at Rammandii Road, Basavangudi, Bangalore-4.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incrue-tax
Acquisition Cange,
Bangalore

Date . 25-3-1985

FORM ITNS------

(1) Shri N. 1. Govindaraj, No. 24, Balaji Nagar, 11 Stage, Madras,

THE RESERVE THE TO A THREE THE PROPERTY OF THE

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. R. Venkatesh, No. 37, 10 Main Pood Malleswarpin, Bangalore-3,

(Transfer-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE-560 001

Bangalore 560001, the 26th March 1985

C.R. No. 62|43983|84-85|ACQ|B.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter elerted to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
No. 89/1, situated at IV Main Road, Malieswaram, Bangalora.

Bangalore

R. BHARDWAJ,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 o 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 6-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pet cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose; of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforestid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notic in he Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interfred in the said immovally property within 45 laws from the date of the publication of this notic in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2449/84-85 Dated 6-9-84)

Property bearing Mr. 8971, IV Main Road, Malleswaram, Bangalore.

> R. BHARDWA! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax Acquisition Range, Rangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

i atc - 26-3-1985 Seal:

#### FORM 11NS-------

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-1.5 \( \text{AC}\_1, 1961 \) (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560001 the 25th March 1985

C.R. No. 62[43967]84-85] ACQ[B - -Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

No. 41, situated at Binnamangala I Stage Extension, Bangalore

hand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (908 (15), 1908) in the Office of the Registering Office) at Shivajinggar on 3-9-1984

(a) an apparent consideration which is 1-25 than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the nation has not been trivial stated in the said instrument of formatic with the consideration and that the nation has not been trivial stated in the said instrument of formatic with the consideration with the consideration and that the national stated in the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the consideration and that the said instrument of formatic with the said instrument of the s

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) theilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which output to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance or Section 2690, of the said set I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moreous no particle is notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following necessors namely:—

(1) M.s. Happy Constructions, 134, M. M. Road, braster Town, Bangarote.

(Transferor)

(2) Smt. S. Thomas, Ramagondahalli Village, Varthur Hobli, Bangalore South Tq

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as size defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Rem tered Document No. 1610|84-85 Dated 3-9-8

Property bearing No. 41, Birhamangala I Stage Extension, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 25-3-1985

: اسات

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### (1) 1. Smt. Kamala Yadav & 2. B. S. Jayasimha, No. 8, Muniswamappa, Layout, Ulsoor, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shi J. Patasmal, No. 9, Mission Compound, Bangalore-27.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62[43812]84-85[ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 134 (78), situated at Old Madras Road, Ulsoor,

Bangalore-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 2-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Dated 2-8-841 (Registered Document No. 1315/84-85 Property bearing No. 134(78). Old Madias Road, Ulscor, Bangalore-8.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 25-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62|43832|84-85|ACQ|B.---Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section

269B of the encome-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and hearing

No. 25/65-66F, situated at Nararbad Mohalla, Lalitha

Mahal Road, Mysore

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mysore on 18-8-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagannatha Adappa By P.A. holder.— Shri S. Balakrishna Shetty, No. 119, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Anant Vardhan Goenka, "Goenka Niwas", 19, Balvcdere Road, Alopore, Calcutta-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2333|84-85

Dated 18-8-84)

Property braing No. 25, 65-66F, Nararbad Mohalla, Lal'tha Mahal Road, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 25-3-1985

#### FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62|43830|84-85|ACQ|B.—Wherens. I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No. 25/65/A, situated at 1 littha Mahal Road, Myscre (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mysore on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or'
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

nut, 1937 (27 til 1937),

(1) Shri Thummappa Adappa, By P.A. Holder— Mr. S. Balakashna Shetty, X Main, R.M. Vilas, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Ashish M. Bakre, 'Sarnath' Warden Road, Bombay-6. By Mr. M. K. Kumar, No. 3347, Parimala, New K.R. Road, Jayanagar, Bangalore.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation;—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2334/84-85 Dated 18-8-84)
Property bearing No. 25/65A, Calitha Mahal Road,
Mysore.

R. BHARDWAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Competent Authority
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 25-3-1985

Soal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Javalakshmamma, Nandı Village Chickaballaput Taluk.

(Transferor)

HOTE F UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nomey Vergis, No. 251, 11 Stage Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

Ref. No. 62|44507,84-85|ACQ|B. Whereas, I, R, BHARDWAJ,

o mag the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing

No. 4 of watest at Grasvathipuram II Main Rond, Ulsoor,

Bangalore

and mare fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred noter the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Shivelingar under Document No. 1665/84-85 on 10-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property & aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wed/es

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the sale Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aftere aid property by the assue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Art to the follownamely.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1665/84-85 Dated 10-9-84) All that property bearing No. 4, utuated Saraswathipuram H Main Road, Ulsoor Bongalore-8.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting \stit Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 25-3-1985

The residence of the little control of the l

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ANT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62|43834|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25/26, situated at I alitha Mahal Road, Nazarbad

Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfixed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) if the Office of the Registering Officer at Mysore under Document No. 2298/84-85 on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

in incilitating the reduction of amplitudity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(h) facilitating the concealment of any income we any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri S. Balokrishna Shetty, 119, 10th Main, R.M. Vilas, Bangalere.

(Transferor)

--<del>-</del>---

(2) Smi Gnish M. Bakie, Saruatn, Warden Road, Bombay-400006

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2298|84-85 Dated 17-8-84) All that property bearing No. 25|65 situated at Lalithamal Road, Nazar ad Mohalla, Mysore,

> R. BHARDWAI Competent Author to Inspecting Asstr Commissioner of Income-tus, Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

# 1. Shri K. S. Ramesh & 2. Shri K. S. Prakash, No. 408, XII Main, Raja Mahal, Vilas Extension, Bangalore-80.

Transferor(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 26th March 1985

(2) 1. Shri Dinesh Kumar Chopra, 2. Shri Gopal Charan Chopra, Jayanthi Buildings, Avenue Road, Bangalore-2.

Transferor(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

C.R. No. 62|43855|84-85|ACQ|B.—Whereas, J, R. BHARDWAJ, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 209(1), situated at Upper Palace Orchards, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair man of value of the aforess of property and I have r ason o believe that the fair market value of the grow to a aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date off the publication of this notice in the Official Gizette-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(Registered Document No. 1406/84-85

Dated 3-8-84)

Portion of site bearing No. 209 (New No. 1), Upper Palace Orchards, Bangalore.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sea Ver, of the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-52--66 GI/85

Date: 26-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62|43841|84-85|ACQ|B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing R.S. No. 353-IL, 354, TS No. 228-IL, 229, situated at Attavai Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed beieto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore on 27-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Nayami R. Kamath, W/o Late M. Ramadas Kamath, "Sriram Danu", Pandeshwar, New Road, Mangalore-2.

Transferor(s)

Shri B. Muralidhar,
 Mrs. Chandrakala,
 Sampat Sadan, Kaukanady,
 Near Home for Aged,
 Mangalore

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the understand :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ncome or any not been or transferec for ax Act, 1922

Vealth-tax Act,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-3-1985

(1) Mrs. A. Sudarshanamma, No. 36, Prithvi Avenue, Madras-18.

(2) M/s. Sixi Ram Industries,

(Transferor)

Managing Partner—
V. Balasubramanian,
"Ramapriya", No. 2, III Cross,
Gupta, Layout, Ulsoor,
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Managing Partner—
V. Balasubramanian,
"Ramapriya", No. 2, III Cross,
Gupta, Layout, Ulsoor,
Bangalore-8.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th April 1985

C.R. No. 62|43769|84-85|ACQ|B.--Whereas, I.

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15, situated Indiranagar I Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 16-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;— may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1439/84-85 Dated 16-8-84) Property bearing No. 15, Indiranagar I Stage, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 25th March 1985

C.R. No. 62|43907|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 2877-2878, situated at I Main Lashkar Mohalla,

Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mysore on 31-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefore by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act (922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri N. R. Subba Rao & Shri S. Ramaswamy,
 No. 2877, Halladakari, I Cross, Lashkar Mohalla, Мувого.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Suri Jam, Gyan Mandir, Mysore, Represented by its members.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2541/84-85 Dated 31-8-84 Property bearing No. 2877-2878, Halladakeri, I Main, Lashkar Mohalla, Mysore. Dated 31-8-84)

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 16th March 1985

C.R. No. 62|43905|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe

that the immovable property, having a fair exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 4728, situated at Shivaji Rao Road,

I Cross, N.R. Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mysore on 24-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri H. V. Paramaswara Rao, 2. Shri H. V. Prakash Rao, 3. Shri H. V. Rama Rao, 4. Shri H. V. Viswanatha Rao, No. 4728, Shivaji Road, I Cross, N. R. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Dr. V. V. Peter, No. 4728, N.R. Mohalla, Мувого.

(Yransforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2463|84-85 Dated 24-8-84) Property No. 4728, Shivaji Rao Road, I Cross, N.R. Mohalla, Mysore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range Bangalore

Date: 16-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th April 1985

Ref. No. RAC. No. 71/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to ny the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/ and bearing That situated at Red Hills, Hyderabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred ..., per deed registered under the Indian Legistration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 8/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 12 respect of any income arising from the transfer andlot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acr, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subwestion (1) of Section 269L of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s, Sun Rise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabd.

(Transferor)

(2) Smt. K. Nageswaramma, 5-5-425|69, Mukhramjahi Road. Hyderabd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 407 in Arun Apartments, Red Hills, Hyderabad admensuring 865 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4112/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUTTA,

Calcutta, the 27th February 1985

Ret. No. AC-103 (R-II]C-1184-85.—Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- andbearing

No. 29 & 29A/2, situated at Ram Krishna Samadhi Road, Calcutta-54

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwati Devi Chamaria of 267A, Chittaranjan Avenue, Calcutta-700006.

(Transferor)

 Shri Shyam Sunder Singhania of Room No. 19, 40, Strand Road, Calcutta.

. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. 28, measuring area 1265 sft, situated at 29 & 29A/2, Ramkrishna Samadhi Road, Calcutta-54. Registered before Competent Authority on 13-8-1984 vide Sl. No. 19 of 1984-85.

SANKAR K. BANERILI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 27-2-1985

Senl

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Chitaranjan Auddy & Ors. of 18 Rakhal Das Auddy Roa,d. Calcutta.

(Transferor)

(2) Ansag Trust of 33A, Raja Santosh Road, Calcutta.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CALCUTTA.

Calcutta, the 27th February 1985

Ref. No. AC-110]R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 15C & 15D, situated at Chetla Road; Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair kenket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined by Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

20 Cottahs 8 Chittacks land with structure situated at 15C & 15D, Chetla Road, Calcutta. More particularly described in Deed No, I-10550 of S.R.A. Calcutta of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 27-2-1985

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

GRADE-I (UNDER SECRETARY, LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION FOR SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE

# CANDIDATES, 1985

New Delhi, the 18th May 1985

No. F.25/3/84-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination or additions in the Select Lists for Grade-I of the Services mentioned in Para 2 below against vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates will be held by the Union Public Service Commission commencing on 24th September, 1985 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abjoad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Training in the Gazette of India dated 18th May 1985.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME-TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (Ye Annext & Para 7 below).

2. The Services to which recomment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

#### Cate prv-I

Grade-I of the Central Secretariat Service

10 (The break up of SCs and STs not intimated by Government)

# Category-II

Grade-I of the General Cadre 8 (5 to 5C & 3 for ST of the Indian Foreign Candidates)
Service, Brauch 'B'.

## Category--III

Grade-I of the Railway Board Secretariat Service 1' (SC)

The above number is liable to alteration

- 3. Candidates must indicate clearly in their applications the Category for which they are competing.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, through the attached form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011.
- Note:—Candidates are warned that they must submit their applications on the enclosed form prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste Scheduled Tribe Candidates, 1985. Application Forms other than the one prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates 1985 will not be entertained.
- 5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 1st July 1985 (15th July 1985 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahanl & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District

Pradesh Andaman and Nicobar Islands or and for candidates reading abroad from a o 1st July 1935) accompanied by accessary i No application interval after the prescribed be considered

A candidate residing 11 Assan Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Monspur, Nagalond, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, I ahaul & Spiti District and Panci Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands of Likshadween and nasion be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assun, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, Lahaul & Spiti District and Panci Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep or abroad from a date prior to 1st July 1985.

NOTE—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalava, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time

M. BALAKRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

#### ANNEXURE

#### Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully, to see if they are eligible

The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidate should note that no request for change of Centre will normall, be granted. When a candidate, however, desires a change in Centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in Centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 24th August 1985 will not be entertained under any circumstances

A candidate who wishes to 'ake the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed as alternative Centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

2 The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own andwriting in ink or with ball point pen. As application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International Form of Indian Numerals are to be used while tilling up the application form. They should take special care that 'he entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidate will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to till up the application from correctly;

- A candidate must submit his application throi of his Department or Head of Office concerned verify the relevant entries and complete the endo the end of the application form and forward it to mission.
- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) Two identical copies of recent passport size (5 cms. x 7 cms. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
  - (ii) Two self-addressed, anstamped envelopes of size approximately 11.5 cms.  $\times$  27.5 cms.
  - (iii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.

Candidates should note that they must not make any entries on the Attendance Sheet attached with the application form except their name and centre of examination.

- 4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.
- 5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso-jacto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 6. Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration Number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Aprlication Registration Number has been issued to the candidates loes not, *ipso-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the reuslt will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regard-

- the result of his applie from one month before the comincement of the examination, he should at once contact. Commission for the result. Failure to comply with this ovision will derive the addidate of any claim to con-
- 2 35. Gendidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 9. Communication Regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (i) NAME OF EXAMINATION.
  - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (iii) APPLICATION REGISTRATION NUMBEA/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE APPLICATION RE-GISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE IAKEN THEREON.
- 10. Change in Address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 9 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.